

सं० 361

नई विल्ली, शनिवार, सितम्बर 5, 1981 (भाइपद 14, 1903)

No 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 5, 1981 (BHADRA 14, 1903)

इस मांग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संगलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग Ш—खण्डा

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत . सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 जुलाई 1981

सं० ए० 32014/4/80-प्रणा०-II—सिचव, संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा इस कार्यालय में स्थाई संपदा पर्यवेक्षक श्री ग्रार० पी० सिंह को 20-7-81 से तीन मास की श्रवधि के लिये श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्भ श्राधार पर संपदा प्रबन्धक एवं बैटेक श्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 13 जुलाई 1981

संव ए० 11016/1/76-प्रशा० III(1)--संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० के ग्रेड क के स्थाई श्रिधिकारी श्री एम० सी० खुराना को राष्ट्रपति द्वारा 5 जुलाई, 1981 से श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, के० स० से० की नियमावली, 1962 के नियम 10 के परन्तुक के ध्रधीन संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में के० स० से० के श्रनुभाग श्रिधकारी के ग्रेड में स्थानापन्न हप में कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है। -226GI/81

सं० ए० 11016/1/76-प्रशा० III: (2)--संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में के० स० से० के श्रनुभाग श्रिधकारी श्री एन० नमाशिवायम को राष्ट्रपति द्वारा 6 जुलाई, 1981 से श्रागामी श्रादेशों तक संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में डैस्क श्रिधकारी के पद पर कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

2. कार्मिक ग्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74 सी० एस० (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की णर्तों के ग्रनुसार श्री एन० नमाशिवायम रू० 75/- प्र० मा० की दर से विशेष बेतन प्राप्त करेंगे।

य० रा० गांधी ग्रवर सचिव (प्रणा०)

TERED No. D-(D)73

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रणासितक सुधार विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरी

नई दिल्ली, दिनांक 13 ध्रागस्त 1981

सं० म्राई० एफ०/जे०-62/68-प्रणा०-1--गुजरात राज्य पुलिस में प्रस्थावर्तन हो जाने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में

(10459)

पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त, गुजरात राज्य पुलिस के प्रधिकारी श्री जे० एस० मेहता को दिनांक 21-7-81 के श्रपराह्म में केन्द्रीय ग्रन्वेषग ब्यूरो, ग्रहमदाबाद शाखा में ग्रपने पद के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

> की० ला० ग्रोवर प्रणासनिक ग्रिधकारी (स्था०) केन्द्रीयं अन्वेषण ब्यूरी

महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई विल्ली-110022, दिनांक 13 प्रगस्त 1981

सं० एफ-2/29/81-स्था० (के० रि० पु० बल)--राष्ट्रपति जी निम्नलिखित श्राफिसरों को सहायक कमांडेंट के पद पर स्थायी नियुक्त करते हैं:--

- 1. श्री रवि कुमार
- 2. श्री जी० एस० तिवाना
- 3. श्री एस० वी० मोहम्मद
- 4. श्री बी० एस० नेगी
- 5. श्री पी० एस० सम्बियाल
- 6. श्री जय प्रकाश
- 7. श्री ए० के० ग्रानन्द
- 8. श्री आई० एस० गिल
- 9. श्री के० एस० द्यार० नायर
- 10. श्री एम० एस० सन्ध्
- 11. श्री प्रीतम सिंह
- 12: श्री वी० एम० कारीकथ
- 13. श्री महिन्द्र विक्रम सिंह
- 14. श्री विष्वादेव टोकास
- 15. श्री पूरन सिंह
- 16. श्री जे० एस० डासन
- 17. श्री सुरिन्द्र सिंह रावत
- 18. श्री काशी नाथ सिंह
- 19. श्री हरिबंस सिंह राय
- 20. श्री हुकम सिंह नेगी
- 21. श्री उमराव सिंह
- 22. श्री बलराम सिंह नेगी
- 23. श्री सुमेर सिंह यादव
- 24. श्री बी० एस० नारंग
- 25. श्री देवेन्द्र कुमार
- 26. श्री पुशकर सिंह
- 27. श्री गुरचरन सिंह
- 28. श्री प्रकाश वी० बेलगामकर
- 29. श्री दीप नारायण सिंह बिष्ट
- 30. श्री डी० बी० जे० एन० राजू
- 31. श्री जे० एस० राना
- 32. श्री पी० प्रसाद
- 33. श्री कें० एस० राना
- 34. श्री जे० चौधरी
- . 35.श्री जे० एस० बिश्त

- 36. श्री के० एल० वाही
- 37. श्री जे० एल० कपूर
- 38. श्री बी० एन० राय
- 39. श्री 🐩 एन० महाजन
- 40. श्री एैं० एम्र 🛖 चहल
- 41. श्री दिवाकर मिश्रा
- 42. श्री गनेश कुमार
- 43. श्री मंगल सिंह गिल
- 44 श्री एच० सी० मूद
- 45. श्री एम० एस० सेठी
- 46 श्री एफू० सवारप्पा
- 47. श्री यूर्व बीर एसर टेयोटिया
- 48. श्री श्रोर० एन० शारदा
- 49. श्री जे० एन० चेटियापजा
- 50. श्री रिचपाल सिंह
- 51. श्री रमेश चन्द्र
- 52. श्री एन० एस० इटाम
- 53. श्री बी० के० वोहरा
- 54. श्री एस० वर्मा
- 55. श्री सूरेन्द्र नाथ

दिनांक 14 ग्रगस्त 1981

सं० श्रो० दो० 1595/81-स्था०--राष्ट्रपति जी, डा० महेन्द्र कुमार द्विवेदी को श्रस्थाई रूप से श्रागामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरत ज्यूटी ग्रेड-II श्राफिसर (डी०एस०पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनांक 21 जुलाई 1981 के पूर्वाह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने कि शर्त पर नियुक्त करते हैं।

ए० के० सूरी सहायक निदेशक ु(स्थापना)

वित्त मंद्रालय

(म्रार्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 8 भ्रगस्त 1981

सं० 852/ए०—मैं, श्री वाय० ग्रार० के०मूर्ति वेतन तथा लेखा ग्रिधिकारी भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड को लेखा ग्रिधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में दिनांक 20-7-1981 के पूर्वाह्न से प्रति नियुक्ति के हमेश के शतीं पर एक साल के लिये नियुक्त करता हं।

पी० एस० शिवराम

महा प्रबन्धक

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 9 ग्रगस्त 1981

सं बी ० एन ० पी ०/सी ०/5/81-- श्रधोहस्ताक्षरकर्ता, श्री एस

के शुक्ला, स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) को तदर्थ ग्राधार पर तकनीकी ग्रधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह 'ख' राजपितत) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में दिनांक 4-8-81 से छ: माह के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो सहर्ष नियुक्त करते हैं।

इस तदर्थ नियोजन से उनको इस पद पर बने रहने ग्रथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्राप्त नहीं होगा, यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय बिना कोई कारण बताए समाप्त की जा सकती है।

> मु० वै० चार महाप्रबन्धक,

महालेखाकार का कार्यालय, आध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 13 भ्रगस्त 1981

सं० प्रणा०-I/8-132/81-82/197-- महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री बी०नागे स्वरराव को महालेखाकार, श्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान क० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 29-7-81 के अपराह्म में जब तक ग्रागे श्रीदेश न विए जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे श्रीरुठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है। ग्रीर आंध्र प्रदेश, हाईकोर्ट/मुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट श्रांकी के आदेशों के श्रीधीन किया गया है।

सं० प्रणा०-1/8-132/81-82/197- महालेखाकार, आंध्र प्रदेण, हैदराबाद कार्यालय के ग्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री ऐ० वेंकटेस्वरराव को महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान ६० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उमी कार्यालय में स्थानापन लेखा श्रीधकारी के पद पर 30-7-81 के ग्रपराह्म से जब तक श्रागे श्रादेण न दिए जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोक्षति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है। ग्रौर श्रांध्र प्रदेश हाईकोर्ट/मुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट ग्रजीं के ग्रादेशों के ग्रधीन दिया गया है।

सं० प्रणा०-1/8-132/81-82/197--- महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैदराबाद, कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० रामबाबू को महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान २० 840-40-1000-ई०बी-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा आधिकारी के पद पर 31-7-81 के पूर्वाह्म से जब तक श्रागे श्रादेश न दिए जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है। श्रीर आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदीन दिया गया है।

रा० हरिहरन वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन) कार्यालय, महालेखाकार द्वितीय, प० बंगाल स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग

कलकत्ता-700001, दिनांक 10 जुलाई, 1981

सं० स्था० ले०/प्रशा/44---मूल नियम 31(1) के नीचे 'ठीक नीचे कानून' के प्रधीन प्रोफार्मा प्रोफ्ति के पूर्ववर्ती शतौं के पूरी हो जाने से इस कार्यालय के स्थाई ध्रनुभाग प्रधिकारी श्री विभूति भूषण दास-I, जो कि इस समय भारतीय खाद्य निगम में सहायक प्रवन्धक (लेखा) वर्धमान, के पद पर प्रतिनियुक्त हैं, को नदर्थ तथा ध्रनन्तिम रूप स स्थानापन्न सहायक परीक्षक, स्थानीय लेखा के पद पर रू० 840-40-1200 के वेतनकम पर 28-2-81 के ध्रपराह्म, जिस दिन से उनके ठीक कनिष्ठ श्री मनोज कान्त भैट्टाचार्या ने ध्रपना कार्यभार सम्हाला है, उस दिन से ध्रगले श्रादेश तक, प्रोफार्मा प्रोक्षति मंजूर किया जाता है।

- 2. यह साफ तौर पर समझ लेना चाहिए कि यह प्रोक्षित कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक मुकदमें के फैसले तक पूर्ण-तया ग्रनन्तिम स्तर पर-है श्रौर भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के खिलाफ दायर किए गए 1979 सी० श्रार०, केस सं० 14818 (डब्ल्यू०) के श्रन्तिम फैसले के श्रिधीन है।
- 3. इस कार्यालय के ग्रिधिसूचना सं० स्था० ले०/प्रणा०/80 दिनांक 9-8-80 को उसका जितना सम्पर्क श्री बी० बी० दास-I का स्थानापन्न सहायक परीक्षक, स्थानीय लेखा, प० बंगाल, के नाते स्थानापन्न प्रोन्नति पर उनके सहायक लेखा परीक्षक रूप से कार्यभार सम्हालने के तारीख से है, रह माना जाय।

वी ० एन० दत्त चौधरी परीक्षक, स्थानीय लेखा,

कार्यालय, निदेशक, लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 जुलाई 1981

सं० 2251/ए-प्रशासन/130/79-81 — निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं प्रधीनस्थ लेखा सेवा के स्थायी सदस्य सर्वश्री जे० पी० चड्डा श्रौर एम० पी० परूशू को क्रमण: दिनांक 30-5-1981 श्रौर 12-6-1981 से स्थानापक लेखा परीक्षा श्रिधकारी के रूप में श्रगले श्रादेशों पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

इन्दर पाल सिंह संयुक्त निदेशकः, लेखाः परीक्षा रक्षा संवाएं नई दिल्ली ।

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० स्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा स्रार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड कलकत्ता, दिनांक 7 स्रगस्त 1981

सं० 15/81/ए/ई- ---वार्धक्य निवृत्ति स्नायुक्य प्राप्तकर, श्री सत्येन्द्र नाथ सरकार, मौलिक एवं स्थायी सहायक/स्थानापन्न

10462	भारत	का	राजपक्ष,	सितम्बर
सहायक स्टाफ श्रफसर निवृत्त हुए ।	दिनांक 31-7-81	(ग्र	ाराह्न) से	ा सेवा-
`	ए० डी० जी <i>०</i> 	श्रो	पी० च ० एफ०/प्र हुते महारि	शासन
कलकत्ताः	, दिनांक 10 ग्रग	स्त	1981	
सं० 4/81/ए/एम सहायक चिकित्सा श्रिधि सेवा के ग्रन्तर्गत वरि प्रत्येक के सामने दर्शाय होने तक नियुक्त करते	ठ चिकित्सा श्रधि ी गई तारीखों से	त फैब कारी	टरियां स् के पद	वास्थ्य पर,
क्रम नाम सं०	नियुक्ति स्थान		 तारी	ख
1. डा० एस० के० विभ्वास	ब्रार्डनैन्स, फैक्टरी,	कटन		3-81 वह्नि
 डा० (कुमारी) के० (सुबैया 	वेहिकल फैक्टरी, ज पुर	बल-	29-1: (पूव	
 डा० एन० बी० दास गुप्ता 	श्रार्ड नै न्स फैक्टरी, भुमावल		29-12 (पूर्वा	
4. डा० एम० के० दाम	•		8-12 (पूर्व	-80
5. डा॰ ग्रार॰ के॰ शाह्	ग्राहिंदनैह्स फैक्टरी चांदा	,	् 23-5 (पूर्वा	-81
संं० 5/81/ए/एम— प्राप्त कर, निम्निखित पदनामित सहायक चिकि गई तारीख से सेवा-निवृ	स्थायी सहायक स त्सा भ्रधिकारी) उ	र्जन	ग्रेड-1 (पुनः
ऋमं नाम एवं पद	फ़ैक्टरी	-,	दिन	ांक

सं०		
1. डा० भ्रार० के पाल,	ग्रार्डनेन्स फैक्टरी, कटनी	28-2-81
वरिष्ठ चिकित्सा		(भ्रपराह्न)
प्र धिकारी		

सं० 6/81/ए/एम---राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से ब्रागामी ब्रादेश न होने तक ब्रार्डनैन्स फैक्टरियों में नियुक्त करते हैं:--

. ऋग् संद	•	नियुक्ति स्थान	दिनांक
1	2	3	4
1.	डा० पी० मुझीवेंकाट	क्लोदिंग फैंक्टरी, ग्रबादी	26-11-80
	रामइया, सहायक		(पूर्वाह्न)
	चिकित्सा श्रधिकारी		

1 2	3	4
2. डा० के० रभेण बाबू,	प्रार्डनैन्स फैक्टरी, वरन -	10-1-81
सहायक चिकित्सा ग्रधिकारी	गांव	(पूर्वीह्न)
3. डा० क्पानिधि नायक,	वेहिकल फैक्टरी,	25-1-81
सहायक चिकित्सा ग्रधिकारी	जबलपुर	(पूर्वाह्म)
4. डा० डी० भ्रार०	वेहिकल फैक्टरी, जबल-	8-2-81
वाघमारे, सहायक चिकित्सा श्रधिकारी	पुर	(पूर्वाह्न)
 डा० धीरेन्द्र कुमार 	ग्रा र्डनैन्स फैक्टरी,	10-2-81
सेन्धा, सहायक चिकित्सा श्रधिकारी	वरनगांव	(पूर्वाह्न)
 डा० सरोज काम्त 	मेटल एण्ड स्टील फैक्टरी	10-2-81
साहू, सहायक चिकित्स श्रधिकारी	ा ईशापुर	(पूर्वाह्न)
7. डा० जगदानन्द मिश्रा,	गन कैरिज फैक्टरी,	15-2-81
सहायक चिकित्सा स्रधिकारी	जबलपुर ू	(पूर्वाह्न)
8. डा० मदन लाल कन्दार	ा, स्रार्डनैन्स फैक्टरी,	20-5-81
सहायक चिकित्सा ग्रधिकारी	देहरादून	(प्रक्ति)
	श्चार० जी०	<u>देवलालीकर</u>

भ्रपर महानिदेशक

कलकत्ता-16, दिनांक 6 ग्रगस्त 1981

सं० 29/जी/81--वार्धक्य निवृत्ति भ्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री आर० वेनकाटेसनं स्थानापन्न सहायक प्रबन्धकं मौलिक एवं स्थायी फोरमैन दिनांक 30-6-81 (ग्रपराह्न) से सेवा-निवृत्त हुए।

दिनांक 10 ग्रगस्त 1981

सं० 30/जी/81--राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित ग्रफसरों को सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर, उनके सामने दर्शीयी गई तारीखों से, आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :~-

ক	भ नाम	नियुक्ति की तारीख
सं	o	•
1.	श्री बी० के० थाकराल	4-2-1981
2.	श्री के॰ प्रताप	24-2-1981
3.	श्री राकेश कुमार	12-3-1981
4.	श्री एस० सुन्धरम	1-4-1981
5.	श्री ग्रोम प्रकाश कुणवाहा	15-5-1981

वी० के० मेहता सहायक महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक श्रायात एवं निर्यात का कार्यालय श्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रगस्त 1981 (स्थापना)

सं० 1/2/81-प्रणा० (राज०)/4722:—-राष्ट्रपति, श्री जे० पी० सिंघल, केन्द्रीय सिंघलय सेवा के वर्ग 1, प्रवरण सूची 1980 ग्रौर नियंत्रक श्रायात निर्यात को इस कार्यालय में केन्द्रीय सिंघवालय सेवा के वर्ग 1 श्रौर उप-मुख्य नियंत्रक श्रायात निर्यात के रूप में बिल्कुल तदर्थ एवं ग्रस्थाई ग्राधार पर 22 श्रप्रैल, 1981 से 30 जून, 1981 तक की श्रवधि के लिये नियुक्त करते हैं।

ए० एन० कौल, उप-मुख्य नियंत्रक, कृते मुख्य नियंत्रक,

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र भ्रायुक्त का कार्यालय बम्बई-20, दिनांक 31 जुलाई, 1981

सं० सी० ई० ग्रार० 1/81:—सूती वस्त्र (नियंत्रण) ग्रादेश, 1948 के खण्ड 22 में प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, में एतद् द्वारा वस्त्र ग्रायुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० ग्रार०/1/68 दिनांक 2-5-1968 में निम्नलिखित ग्रातिरिक्त संगोधन करता हूं ग्रार्थात्:—

उक्त प्रधिसूचना में--

- (1) पैराग्राफ 1 में, मद (सात) तथा (एक) से (चार) परन्तुकों के बाद, निम्नलिखित मद (ग्राठ) के रूप में जोड़ दिया जाये, ग्रर्थात्:—— "(ग्राठ) मदे (एक) से (सात) तथा बाद में ग्रानेवाली परन्तुक (एक) से (चार) में समाविष्ट किसी बात के होते हुए भी, नियंत्रित धोती, नियंत्रित साड़ी तथा नियंत्रित लांगक्लाथ जो कताई संयंत्र प्राप्त राष्ट्रीय बस्त्र निगम (ग्रबसे एन० टी० सी० कहा
 - बस्त्र निगम (ग्रबसे एन० टी० सी० कहा जानिवाला) के ग्रधीन उत्पादक द्वारा निर्मित है तथा 1-7-1981 को या उसके बाद पैक हुआ है:——
 - (ग्र) एक्स-फैक्ट्री ग्रधिकतम मूल्य राष्ट्रीय वस्त्र निगम की प्रति चौरस मीटर लागत जो सरकार द्वारा मंजूर सूत्र के ग्राधार पर परिगणना की हुई होंगी इसके लिये वास्तविक क्षमता का उपयोग, वास्तविक क्ष्माज ग्रौर बगैर किसी मुनाफे के, उन मिलों के लिये जो नियंत्रित कपड़ा बनाने में भाग ले रही है, ध्यान में रखा जाना है। उक्त में, से नियंत्रित

धोती ग्रीर नियंत्रित साड़ी के लिये
2 रु० प्रति चौरस मीटर ग्रौर नियंत्रित
लांगक्लाथ के लिये 1.50 रु०
प्रति चौरस मीटर घटा दिया जायेगा

- (ब) सेंकड्स का अधिकतम एक्स फैक्ट्री
 मूल्य वस्त्र श्रायुक्त की श्रधिसूचना
 सं० सी० ई० ग्रार०/3/69 दिनांक
 19 सितम्बर 1969 के पैरा छै (4)
 (य) में परिभाषित किए श्रनुसार श्रधिकतम एक्स-फैक्ट्री मूल्य जो उपरोक्त
 उप-मद (अ) के अनुसार निश्चित
 किया गया है, से 10% कम होगा।
- (स) अधिकतम फुटकर मूल्य उपरोक्त उप-मर्वे (ग्र) या (ब) के श्रनुसार निश्चित किए गए फैक्ट्री स्तर के मूल्य से 15% ज्यादा होगा।

सं भी दिश्यार /3/81 सूतीवस्त्र (नियंत्रण) म्रादेश, 1948 के खण्ड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए में एतद् द्वारा वस्त्र म्रायुक्त की श्रिधसूचना मं भो दिश में एतद् द्वारा वस्त्र म्रायुक्त की श्रिधसूचना मं भो दिश में स्तर्भ अविरक्त अविरक्त संशोधन करता हूं, प्रयति:——

- (1) उक्त श्रिधसूचना के पैराग्राफ दो में---
- (म्र) सूचना (1) में, उप पैराम्राफ (2) के निचे "प्रपत्न" "सी" या "सः, (पः)" इन गब्दों के म्रागे "या प्रपत्न ए" ये गब्द स्थापित किये आएंगें।
- (ब) उपपैराग्राफ (3), (4) तथा (5) हटा दिए जायेंगे।
- (2) उक्त प्रधिसूचना में पैराग्राफ वो ब के नीचे सूचना दो के बाद, सूचना तीन के रूप में निम्निधित जोड़ दिया जायेगा प्रथात:—

"मूचना तोनः—-नियंत्रित धोता, नियंत्रित साड़ी तथा नियंत्रित लागक्लाथ जो, राष्ट्रोय वस्त्र निगम के प्रधीन कताई संयंत्रक उत्पादक द्वारा निर्मित है तथा 1-7-1981 को या उसके बाद पैक हुए हैं:—-

- (अ) उक्त श्रिधसूचना के पैराग्राफ दो अ तथा दो ब में समाविष्ट किसी बात के होते हुए भी, श्रिधकतम उपभोकता मूल्य का तात्पर्य वस्त्र श्रायुक्त की श्रिधसूचना सं० सं० ई० श्रार०/1/68, दिनांक 2 मई, 1968 के पैराग्राफ एक के उप रिप्राफ (श्राठ) (स) के ,अतर्गत विहिन फुटकर मूल्य श्रीर उसमें निकासा के समय देय उत्पादन शुक्क जोड़कर होगा। उपरोक्त पैराग्राफ दो के अनुसार मार्किंग के अलावा काड़े पर श्रिधकतम उपभोक्ता मूल्य का स्टोप नीचे निर्दिष्ट किये गये अनुसार लगेगा:—
- (i) नियंत्रित लोगक्याथ तथा नियंत्रित साड़ें। जो छवो तथा लगातार लम्बाई में पैंक हुई हो का फैस प्लेट पर ग्रौर किनारे से ज्यादा से ज्यादा 2.54 सें० मी० की ऊंचाई पर प्रत्येक मीटर पर।

''उत्पादन शुल्क सहित श्रधिकतम उपभोक्ता मूल्य प्रति मीटर'' ये णब्द श्रौर णब्दों श्रौर श्रंकों में श्रधिकर्तम उप-भोक्ता मूल्य प्रति मीटर श्रौर ''चुंगी श्रतिरिक्त'' ये णब्द।

- (ii) नियंत्रित धोती तथा नियंत्रित साड़ी, जो इकाई के रूप में पैक हुई हो, को फेस प्लेटपर "उत्पादन श्रुहक साहत श्राधिकतम उपभोक्ता मूल्य प्रति नग" ये शब्द श्रीर शब्दों श्रीर श्रंकों में श्रीधिकतम उपभोक्ता मूल्य प्रति नग श्रीर "चुंगी श्रीतिक्ति" ये शब्द।
- (iii) नियंत्रित धोर्ता तथा नियंत्रित साइं. जो जोड़ के रूप में पैक दुई हों, का फीस प्लेट पर और किनारे से ज्यादा से ज्यादा 2.54 सें० मी० का अंचाई पर "उत्पादन शुल्क सहित अधिकतम उपभोक्ता मूल्य प्रति नग "ये णब्द श्रौर णब्दों श्रौर श्रंकों में "श्रिधिकतम उपभोक्ता मूल्य प्रति नग" श्रौर "चुंगो अतिरिक्त" ये शब्द।

मं० मो० ई ग्रारं०/4/81:——मूतो वस्त्र (नियंत्रण) श्रादेण 1948 के उपखण्ड 23 के उपखण्ड (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, में एतदहारा बस्त्र आयुक्त की ग्रधिसूचना सं० सी० ई० श्रारं०/4/65, दिनांक 24-4-1965 में निम्नलिखित संशोधन करता हूं श्रयति:——

उक्त ग्राधिसूचना में,

 पैराप्राफ 1 के मद (3) के बाद निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा नाप्रेगा श्रथात:——

"यदि 'निजित घोतों, 'नियंजित साड़ी' तथा 'नियंजित लांगक्लाय' के मामले में, जो वस्त्र प्रायुक्त की प्रधिसूचना सं० सी० ई प्रार०/1/68, दिनांक 2-5-1968 के पैराएक की मद (ग्राठ) का विषय है नथा जिस पर वस्त्र प्रायुक्त का प्रियम है नथा जिस पर वस्त्र प्रायुक्त का प्रियम नं० मो० ई० ग्रार०/3/69, दिनांक 19-9-1969 के पैराप्राफ दो ब के नांचे को सूचना तोन में विहित ग्रिधिकतम उपभोक्ता मूल्य का स्टास्प लगाया जाता है, प्रपत्न (सी (पी) के बाद संलग्न प्रपत्न 'ए' में उपरोक्त मदें (1), (2) तथा (3) में निर्दिष्ट पद्वति के ग्रनुसार यथार्थ जानकारों दी जाये।

2. प्रपत्न सो (पो) के बाद निम्नलिखित प्रपत्न जोड़ा जायेगा, ग्रथित:—

प्रपत्न "ए"

मिल के हर प्रकार के उत्पादन से संबंधित वस्त्र	भ्रायुक्त
को दिये जाने वाले अ्थौरों का प्रपत्नः—	
तिमाही के लिये मुल्य निर्धारण	
मिल का नाम	
स्थान ————	

- 2. कपड़े का पूरा विवरण (अतिम फिनिण भ्रवस्था में)---

3. (क) विशि	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	-		 -
(ख) द्रेडमा	र्हया ट्रेड सं० भ्र	गर कुछ ह	₹ `	, _
4. आयाम	लूम से उ	उतरा हुम्रा		हुग्रा तथा/ जनिश हुग्रा/
(क) सें०र्म भौड़ाई				
-	ः में लंबाई ——			
(ज) पाडर (ग) किलोग्र				
वजन		·		
5. प्रति इंच रीः	ड (2,54 सें	⊳ मी०) ~		<u> </u>
6. प्रति ईंच वि	ग्य स (2.54 से	० मी०)-		
7. भ्रीसत काऊं	६′ (भ्रंग्रेजीकाउ	起)		
8. सें०मी० 🕏				
9. मीटर में टेप	की लम्बाई		 _	
10. धागों की संख् (1) वार्प (2) वर्डर (3) सेल्वेज	, को		(ख) निरजित	
म्रादि हरूका, तथा उपयोग सताहर	, वट, नपथाल तथा रंग गहर मध्य, गहरा; नपथाल रंगों के ग का प्रतिशत	पन भ्रति, गह रगों क		
(ख) सूत	का शुद्ध भार	 		
	काऊंट ———		परि	गणना '
वर्णन	फेंच काऊंट में	समतुल्य श्रंग्रेजी काऊंट में	सूत का भार (शुद्ध वेस्ट वंगैर जोड़)	ग्रभ्युक्तियां
1 .	2.	3	4	5
(क) वार्ष				
(ख) वेपट				
(ग) बर्डर /सेल्वे°	ज सुत			
	ू , श्रगर कोई	उपयोग	में हो	

भाग 111वाण्ड 1] भारत गा राजगळ, ।सतस्य
12. (क) सें० मी० तथा इन्जों में बर्डर की चौड़ाई (ख) इसको दर्शाहरे बर्डर कोरा/डाबी/जर्कड
13. ग्रगर कपड़ा टुकड़ों के रूप में रंगा (पीसड डाई) हो तो रंग का प्रकार
(क) क्या सरुफर/बट/नेंप्थाणल/रियेक्टब—————— इत्यादि है (रेपिड फास्ट ग्रौर रेंपीडोजिन सम्मिलित)
(ख) रंगों की गहराई (हल्का/मध्य/गहरा/ श्रति गहरा——————————
(ग) नॅप्थाल रंगों की दणा में कपड़े के भार के श्रनुपात में रंगों का उपयोग प्रतिशत में —————
14 छपे हुए कपड़े की दणा में:
(i) उपयोग में लाये गये रंगों की संख्या——
(ii) कपड़े के क्षेत्रफल में जितनो छपाई की गई उसका प्रतिशत———————————————————————————————————
15. प्रोसेसिंग का प्रकार
(1) मर्सरा यक्षिग
्र प्रगर मर्सराइण्ड हो तो कास्टिक
सोडा का परिमाण तथा बिलिचिंग
मर्सरायजिंग के पूर्व तथा बाद में
किया है
(16) कपड़े के पैकिंग के प्रारम्भ की तारीख
(17) यदि प्रकार उत्पादन नियंत्रण श्रादेश की पुष्टि नहीं करता है सा वह हस्तकरण उद्योग के लिये श्रारक्षित हैं————————————————————————————————————
(ग्र) वस्त्र ग्रायुक्त द्वारा दी गई उत्पादन ग्रमुमति की संख्या तथा तारीख———————
(ब) यदि श्रनुमित नहीं की गई हो तो उत्पा-
दन की बजह तथा उत्पादित या उत्पा-
दन होने वाली मात्रा
(18) बस्त्र श्रायुक्त को संगोधित अधिसूचना सं० सी० ई० आर/1/68 विनांक 2-5-1968 तथा मंगोधित श्रधि- सूचना सं० सी० ई० श्रार०/3/69 दिनांक 19-9-69 के पैरा एक (श्राट) में परिभाषित मूल्य परि- गणना।
क. सं०
कोड सं०
वर्णन
(क) श्रधिकतम का रखाना स्तर पर मूल्य प्रति मीटर प्रति टुकड़ा ————————————————————————————————————
(ख) फुटकर मूल्य प्रति मीटर, प्रति टुकड़ा ————
(ग) श्राबकारी शुल्क प्रति मीटर, प्रति टुकड़ा———
(ঘ) অভিকলেম उपभोक्ता मल्य प्रति मीटर, प्रति
TTTT

- 19. उत्पादन णुल्क परिगणना लीनियर मीटर चौरम मीटर
 - (ग्र) सूत शतक
 - (ब) हस्तकरघा कर
 - (स) कुल
- (20) सून णुल्क परिगणना:---
 - (भ्र) तक्ये के स्तर पर दिया हुआ। शहक उत्पादन शल्क के लिये प्रति लीनियर मीटर बस्त्र पर यार्न का भार
 - (1) वार्प यार्न
 - (2) वैषट यार्न
 - (3) बर्डर यार्न
 - (ब) कपड़े की श्रवस्था में दिया हुश्रा शृत्यः---उत्पादन मुल्क के लिये लुम स्तर पर प्रति लीनियर मीटर धस्त्र स्त का भार
 - (1) वार्ष यार्न
 - (2) वफ्ट यार्न
 - (3) बर्डर यार्न

उत्पादन शुल्क निर्धारित करते समय ली हुई वेस्ट का प्रसिशत

(स) प्रति लिनियर मीटर पर यार्न श्ल्क पर ब्याज

में, यह प्रमाणित करता हूं कि उपरोक्त ब्यौरे सच तथा तथ्यों पर ग्राधारित है तथा इस प्रपत्न में सन्दर्भित वस्त्र प्रपत्न में उल्लिखित विविध रीति, विधियों से गुजर चुका है तथा कपड़े पर मुहरित मूल्य प्रपन्न में की गई घोषणा की अनुक्षता 节· 青 /

के हस्ताक्षर

स्थान दिनांक

> "मिल प्रबन्धक सचिव" सुरेश कुमार, म्रतिरिक्त वस्त्र म्रायुक्त

पटसन भ्रायुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 12 ग्रगस्त 1981

सं० पत्रांकजूट (ए)/147/56:---पटसन श्रायुक्त एतद द्वारा श्री के० पी० दास, सहायक निदेशक (निर्यात) ग्रुप ''बो'' को, श्री डीं० एन० सिन्हा के ग्रवकाश चले जाने के फलस्वरूप इस कार्यालय में दिनांक 1-8-81 (पूर्वीह्न) से तर्द स्थानापन्न हैिमियत में सहायक निदेशक (श्रार्थिक) ग्रुप "ए" (राजपत्रित) के तौर पर ह० 700-40-900-द० रो० 40-1000-50-1300 के वैतनमान में पुन: श्रादेश तक, नियुक्त करते है।

> डीं० के० गोस्वामी, प्रणासनिक प्रधिकारी

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन श्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 13 ग्रगस्त 1981

सं० ए०-17011/194/81-प्र6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान मद्रास निरक्षण मण्डल में भंडार परीक्षक (इंजी०) श्री सैयद महमूद पाणा को दिनांक 8 जुलाई, 1981 के पूर्वीह्न में भीर ग्रागामी प्रादेशों के जारी होने तक निरोक्षण निदेशक, बस्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण ग्रिधकारी (इजी०) के रूप में सदर्थ ग्राधार पर स्थानापन रूप से नियुक्त करते हैं।

> पों० डी० मेठः उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक

इस्पात स्पीर खान मन्नालय (खान विभाग) भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिनांक 10 श्रगस्त, 1981

सं० ए० 19012/147/81 स्था० ए०:—विभागीय पदौन्नति समिति की सिफारिण पर श्री मय्यद रियाज उल्ला एम० स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ग्रयस्क प्रसाधन) की स्थानापन्न रूप में सहायक ग्रनुसन्धान ग्रधिकारी (ग्र० प्र०) के पद पर भारतीय खान ब्यूरी में दिनांक 8-6-81 पूर्वीस्त से पदौन्नति की गई है।

एस० वी० घल्ली, कार्यालय घ्रध्यक्ष भारतीय खान ब्युरो

म्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रगस्त 1981

सं० 5(13)68-एम एक:—महानिदेशक, आक्रांशवाणी, एतदहारा श्रो बी० एन० गोयल, प्रसारण निष्पादक, आकाश वाणी, रोहतक को श्राकाणवाणी रोहतक में 13 जुलाई, 1981 से श्रगले श्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर ग्रस्थाई रूप में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 5(51)/68-एस-I:—नहानिदेणक, श्राकाणवाणी, एतदद्वारा श्री किरपा णंकर राम, प्रसारण निष्पादक, श्राकाण बाणा, दरभंगा को श्राकाणवाणी कोहिमा में 8 जून, 1981 ग अगले श्रादेणों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थाई रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

> ह० च० घ्याल, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

ग्रामीण पुतर्निर्माण मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 7 ग्रगस्त 1981

सं० ए० 19025/12/81-प्र० तृ०:—संघ लोक सेवा श्रायोग की संस्तृतियों के श्रनुसार श्रीधनराज परणराम यूके को इस निदेशालय के श्रधीन बंगलौर में 10-7-81 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश जारी होने तक स्थानापक महायक विपणन श्रिधकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

विनांक 10 भ्रमस्त 1981

सं० ए०-19025/11/81-प्र० तृ०:—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री शिव कुमार मोतीरामजी कोलहातकर को इस निदेशालय के अधीन गुन्टूर में 13-7-1981 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए०-19025/16/81-प्र० तृ०:—श्री देव कुमार, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निर्देशालय के अधीन जम्मू में दिनांक 16-7-1981 (पूर्वाह्न) से ग्रगले आदेश जारी होने तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन श्रधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

> ्बी० एल० मनिहार निदेशक प्रशासन, कृते कृषि विषणन सलाहकार।

भाभा परमाणु अनुसँन्धान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 23 जून 1981

सं० एस०-1068/स्थापना 11/2696:— मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना को स्थानान्तरित होने पर इस ग्रनुसन्धान केन्द्र के स्थाई उच्च श्रोणी लिपिक एवं स्थानापक्ष सहायक लेखा अधिकारी श्री श्रीरंग जन्दिन श्रोमॉय ने 6 म्रप्रैल, 1981 ग्रपराह्न को इस ग्रनुसन्धान केन्द्र के सहायक लेखा अधिकारी का पद भार छोड़ दिया।

दिनांक 10 जुलाई, 1981

सं. 5/1/81स्थापना 11/2952:— नियंतक, भाभा परमाणु प्रमुसन्धान केन्द्र निम्नलिखित प्रधिकारियों की, तदर्थ रूप से उनके नाम के सामने ग्रंकित समयाविध के लिये स्थानापन्न लेखा ग्रिधकारी II/सहायक लेखा ग्रिधकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

ऋमांक	नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न रूप में नियुक्ति-	समयार्वा	ध
		्य स । ग सु । स्था	से	 तक
मोण	एस० जे० ाय सहायक ा श्रधिकारी	लेखा ग्रधिकारी II	2-3-81	31-3-81 ग्रपराह्न

1 2	3	4	5
2. श्रीजी० वी०	सहायक लेखा	15-12-80	17-1-81
मांडके सहायक लेखाकार	ग्रधिकारी		भ्रपराह्न
		20-1-81	21-2-81
			ग्रपराह्म
		2-3-81	31-3-81
			ग्रपराह्न
. श्रीटी० के०	सहायक लेखा	3-3-81	30-4-81
रामामूर्ति सहायक लेखाकार	श्रधिकारी		ग्रपराह्

सं० 5/1/81 स्थापना II/2953—नियुत्रक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित ग्रधिकारियों को, तदर्थ रूप से उनके नाम के सामने ग्रंकित समयाविध के लिये स्थानापन्न सहायक कार्मिक ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

क्रमांक नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न रूप में नियुक्ति	समयावधि	
		से .	तक
1. श्री एस० ग्रार०	सहा० का०		
र्पिगे सलै० ग्रे०	प्रधि०	9-3-81	24-4-81
लिपिक्			धपराह्न
2. श्रीपी० बी०	सहा० का०	- 16-3-81	24-4-81
करन्दीकर	म्र <mark>ा</mark> धि०	•	भपराह्न
सहायक			
3. श्रीए० के०	सहा० का०	20- 4-8 1	22-5-81
काले सहायक	मधि०		ग्रपराह्न
4. श्रीजे० वी०	सहा० का०	27-4-81	30-5-81
नाइक सहायक	प्रधि०		प्रपराह्न
5. श्रीबी० एम०	सहा० का०	27-4-81	16-6-81
नाइक सलै०	म्रधि०		भ्रपराह्म
ग्रेड लिपिक			
e. श्रीवी०पी०	सहा० का०	4-5-81	6-6-81
कुलकर्णी	घ्रधि ०		मपराह्
7. श्रीजे०ए०	सहा० का∙	4-5-81	12-6-81
लसने सहायक	प्रधि०		ग्र परा ह्य
8. श्री ग्राई० सी०	सहा० का०	4-5-81	12-6-81
ऐन्टोनी, सहायक	म्रधि ०		प्रपराह्न
<u> </u>		एस०	कृष्णमूर्ति
,		उप स्थापना	मधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 29 जून 1981

सं \circ पी० ए/68(6)/77-मार I/962:— निवेशक, भाभा परमाणु म्रनुसन्धान केन्द्र श्री राधेश्याम उपाध्याय की 2—226GI/81

इस अनुसन्धान केन्द्र के बैरिलियम पाइलट संयंत्र में वैज्ञानिक भिष्ठकारी/इंजीनियर एस० बी० के रूप में अस्थाई नियुक्ति को निश्चित समयाविध के लिये 30 जून, 1981 अपराह्म से 30 सितम्बर 1981 अपराह्म तक बढ़ाते हैं।

वी० म्रार० पाटगांवकर उप स्थापना भ्रधिकारी

बम्बाई-400085, दिनांक 12 ग्रगस्त 1981

सं० पी० ए० 76(2)/80 प्रार III:—क्षेतीय लेखा यूनिट डी० पी० एस० कोटा से स्थानान्तरित होने पर श्री प्रहुलाद संबागिरि राय, लेखा ग्रधिकारी II ने भाभा परमाणु प्रनुसन्धान केन्द्र में लेखा ग्रधिकारी ^{I}I का पदभार 15 जुलाई, 1981 पूर्वाङ्ग से संभाल लिया है।

ए० शान्ता कुमारा मेनोन उप स्थापना प्रधिकारी

ग्रणुशक्ति, विनांक 13 ग्रगस्त 1981

सं० रापविष /भर्ती/3(2)/81 स्थ०/194:—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना भिभनता इस परियोजना में वर्तमान में कार्यरत निम्नलिखित घराज-पत्रित तकनीकी स्टाफ को प्रत्येक के नाम के सामने लिखे गये ग्रेड में व उनके सामने दर्शाई गई तारीखों से ग्रगले ग्रादेश होने तक के लिये इसी परियोजना में, ग्रस्थाई रूप से नियुक्ति करते हैं:—

क्रम सं० नाम तथा पदनाम	पद जिस पर नियुक्त हुए हैं	कार्यभार संभालने की तारीख
 श्री जगत नारायण वर्मा, फोरमन 	वैज्ञानिक मधि- कारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी०	1-2-1981
 श्री प्रीया बृता चटर्जी, वैज्ञानिक सहायक "सी" 	-	1-2-1981
 श्री सुरेन्द्र कुमार रस्तोगी वैज्ञानिक सहायक सी० 	- ,,	1-2-1981
4. श्री कमल कान्त मे ह ता	11	1-2-1981
 श्री थोमस जोसफ, फोर- मैन 	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	1-2-1981

एम० डी० गाडगील, प्रशासन ग्रधिकारी (स्थापना) कृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी० ए० पी० पी०, दिमांक 11 भगस्त 1981

भादेश

सं० टी० ए० पी० एस०/इब्ल्यू० सी०/38/71.— जबिक तारापुर परमाणु बिजलीघर में ट्रेडसमैन 'ए' के रूप में कार्यरत श्री एन० वी० राउत दिनांक 10-3-1981 से अनिधकृत तौर पर कार्य से अनुपस्थित रहे;

मौर जबिक श्री राउत को ज्ञापन सं० टी० ए० पी० एस०/2/डब्ल्यू० सी०/38/71/7188, दिनांक 23 जुलाई, 1981 जो कि श्री राउत के मन्तिम ज्ञात पते सायराई पाडा, डाक मर तारापुर, तालुका-पालघर, जिला ठाणे, महाराष्ट्र पर पंजीकृत डाक द्वारा भेजा गया था, को जारी कर के तुरन्त कार्य पर झाने के लिये कहा गया था;

ग्रीर जबकि उपरोक्त भ्रापन डाक ग्रधिकारियों की इस टिप्पणी के साथ लौटा दिया गया कि पाने वाला उपलब्ध नहीं है;

ग्रीर जबकि श्री राउत कार्य पर लौटने में ग्रसफल रहे भौर तारापुर परमाणु बिजलीघर को ग्रपने पते के विषय में सूचित किये बिना ग्रनिधकृत तौर पर ग्रनुपस्थित रहे; ग्रीर जबकि श्री राउत ग्रमिधकृत तौर पर कार्य से ग्रनुपस्थित रहने ग्रीर स्थेच्छा से सेवा छोड़ने के दीवी हैं;

भीर जब कि उन के, तारापुर परमाणु विजलीघर को धमने पते के विषय में सूचित किये बिना, सेवा छोड़ने के कारण अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि केन्दीय नागरिक सेवायें (वर्गीकरण, आचरण और अपील) नियम, 965 के नियम 14 के प्रावधानों के अनुसार श्री राउत के विषद्ध जांच किया जाना संभव नहीं है;

बीर इसलिए अब केन्द्रीय नागरिक सेवाएं (वर्गीकरण, जाचरण और अपील) नियम, 1965 के नियम 19 (ii) के अंतर्गेत प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उपरोक्त श्री राज्य को तास्कालिक प्रभाव से सेवा से निष्कासित रहा है

> पी० उण्णीकृष्णन, मुख्यप्रशासनिक ब्रधिकारी

मन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560009, विनांक 1 प्रगस्त 1981

सं० 4/2/81-सी० ई० डी० (एच०):—-ग्रन्सिरक्षा विभाग, बंगलौर के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के चीफ इंजीनियर, ग्रन्सिरक्ष विभाग के सिविल इंजीमियरी प्रभाग में निग्नलिखिल धिकारियों को इंजीनियर "एस० बी०" के पद पर ग्रन्थाई

रूप में प्रत्येक के नाम के आगे दी गई तारीख से, आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं:

ऋ० सं० नाम	इंजीनियर "एस० बी०" के पद पर नियुक्ति की तारीख
1. श्री बी० एस० जगदीश चन्द्रा	1-4-1981 पूर्वीह
2. कुमारी बी० जी० नन्दा	8-4-1981 ,,
कुमारी जी० वी० श्रीलता	9-7-1981 ,,
 श्री मुकेश राठौर 	11-6-1981 ,,
	एन० पी० स्नार० पाणिक

र्न० पी० ग्रार० पाणिक प्रशासन ग्रिघिकारी-II, **कृते** चीफ इंजीनियर,

इन्सेट-I अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना कार्यालय

बंगलौर-560001, दिनांक 4 ग्रगस्त 1981

सं० 32.11 परियोजना निवेशक, इन्सेट-1.—- आन्तरिक्ष खण्ड परियोजना कार्यालय, अन्तरिक्ष विभाग श्री डी० आर० सुञ्जुकृष्णा की प्रधान नियंत्रण सुविधा (एम० सी० एफ०) हसन में वैज्ञानिक इन्जीनियर "एस बी०" के पद पर स्थानापन्न रूप मेदिनांक जून 25, 1981 के पूर्वाह्म से आगामी आवेश तक नियुक्त करते हैं।

म्रार० एस० सुन्नक्ष्यप्यन,
प्रशासन मधिकारी-II
कृते परियोजना निदेशक,
इन्सेट-I
एस० एस० पी० म्रो०

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलौर-5600058, विनांक 16 जुलाई 1981

सं० 020/3(061)/81:——नियंत्रक, इसरो उपग्रह केन्द्र, निम्नलिखित कार्मिकों को उनके नामों के ग्रागे उल्लिखित पदों पर दिनांक 1-1-80 (पूर्वाह्न) से ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

कम सं० नाम	पदनाम
सर्वश्री	
1. पी <i>०</i> एन० राजप्पा	सहायक प्रशासन ग्रधिकारी
2. बी० विश्वनाथ पिल्ली	सहायक प्रशासन ग्रधिकारी
3. टी० रंगनाथ राव	सहायक लेखा ग्रधिकारी
	ப்சுல அத்தும்ப

एस० सुत्रह्मण्यम, प्रशासन श्रधिकारी-II महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 5 भगस्त 1981 ..

सं० ए० 44013/1/80-ई० डब्ल्यू०:—शिर्पिंग कार-पोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड, बस्बई से परावर्तन हो जाने. पर श्री एच० एस० रावत ने दिनांक 23 जुलाई, 1981 (पूर्वाह्म) से नागर विभागन विभाग में सहायक अग्निशमन अधिकारी के पद का अपना कार्यभार संभाल लिया है।

श्री एच० एस० रावत को इसी तारीख से नियंस्नक विमानक्षेत्र, हैक्राबाद एयरपोर्ट, हैक्राबाद के कार्यालय में तैनात किया गया है।

> ई० एल० ट्रैंसलर, सहायक निदेशक प्रशासन ।

नई विल्ली, दिनांक 12 प्रगस्त 1981

सं० ए० 12015/1/79-ई० एस०: संघ हिलोक सेवा भ्रायोग की सिफारिशों पर राष्ट्रपति ने श्री गोबिन्द बल्लभ गर्मा को दिनांक 24-7-1981 (पूर्वाह्न) से भ्रन्य भ्रादेश होने तक, स्थानापन्न तौर पर नागर विमानन विभाग में विमान निरीक्षण के पद पर नियुक्त किया है।

जे० सी० गर्ग, सहायक निवेशक प्रशासन

ऊर्जा मंत्रालय

कोयला विभाग

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्थान,

धनबाद, दिनांक 7 ग्रगस्त 1981

सं० एडम/एस० सी०/2(1) 74—डा० एल० एन० साधु ।।न. को दिनांक 21 जनवरी, 1981 से र० 650-30-740-।5-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दन्त चिकित्सक (गैंर केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा वर्गे "ब" राजपन्नित) के पद पर स्थाई किया गया।

> दामोदर पण्डा, कोयला खान कल्याण भायुक्त

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रान्ध्र ला टाईमस प्राइबेट लिमिटेड के विषय में।

हैवराबाद, दिनांक 11 भगस्त, 1981

सं० 533(560).— कम्पनी मिधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के ध्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के ध्रवसान पर धानध्र ला टाईमस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उन्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी म्रधिनियम 1956 श्री लक्ष्मी गनेश शुगर फैंक्ट्री (खण्डसारी) प्रा० लि० के विषय में।

हैवराबाद, दिनांक 11 धगस्त, 1981

सं० 846 (560). कम्पनी मिधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के भ्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचन दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के भ्रवसान पर श्री लक्ष्मी गनेश शुगर फेंक्ट्री (खण्डसारी) प्रा० लि० का नाम इस के प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काटू दिया जायेगा भीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

कम्पनियों का रिजस्ट्रार, माना प्रदेश

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अगस्त 1981

निद्धानं एएस आर/81-82/145---यतः मुक्ते, आनंद सिंह,

ग्नापकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की ग्रारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो चोक परागदास अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस दिसंबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृष्यमान्
अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत; **एक्त** ग्रिवितियम के ग्रामीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों; को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री जे एस पन् केपटन पी एस पन्, केपटन जे एस पन् पुत्र गुरबचन सिंह पन् वासी नवाहरा पनवां जिला अमृतसर।

(अंतरक)

(2) श्री कुलदीप राज पुत्र चरण दास मैं . , लक्झ्मी ग्लाश हाउस चोंक परागदास अमृतसर।

(अंतरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में आरे कि रायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

(4) और कोइ (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितब**द्ध हैं**) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दी का, जो उक्त ग्रीविनियम के बद्धाय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अव्याय में दिया गया है।

अनसची

एक जायबाद नं 1265/5-10 जो चोक परागदास में हैं जैसा कि सेल डीड नं 2924/1 तिथि 24-12-80 **माफ** रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज हैं।

> आनन्द सिंह सक्षम विधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन र^{*}ज 3 चंद्रपुरी जम्तसर

तारीब : 10-8-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अम्तसर

अमृतसर, विनांक 10 अगस्त 1981

निद्या नं ए एस आर/81-82/146---यतः मुभ्ते, आनंद सिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो पठानकोठ में स्थित है (और इससे उपाधव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय पठानकोठ में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख विसंबर, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सविधा के लिए;

अतः जबः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरण कें, मैं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) कें जधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) श्री कुलदीप सिंह पुत्र अंतर सिंह वासी माडल टाउन जानपर।

(अंतरक)

(2) श्रीमती लकस्मी दोवी विश्ववा पलवान हूरी पंद साहनी में न्यू जालंधर गुडस ट्रांसपोट कं : पठानकोट।

(अन्तरिसी)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में और किरायेदार हो। न्यू इंडिया अस्फिरंग्स कं. लि. पठानकोट। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

(4) और कोड (बह व्यक्ति, जिनके बार में अ**धोहस्ताक्षरी** जानता है कि वह संपत्ति में हितब**द्ध है)**

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः-क्समें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंची

एक जायहांद जो मेन उलहोजी रोड पठानकोट में है जैसा कि सेल डीड नं. 2507 तिथि 1-12-80 आफ रजिट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट के कार्यालय में दर्ज है।

> आनन्द सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज 3 चंद्रप्री अम्ससर

तारीख: 10-8-1981

प्रक्प आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अगस्त 1981

निदश नं एएस आर/81-82/147--युतः। मुभ्ते, जानद सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / रत. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो पठानकाठ में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोठ में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) **के अधीन तारीख** दिसंबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्पमान प्रिक्षिण के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से काथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हर्दकिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए:

अतः अब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫---

- (1) श्री जसवीर सिंह पुत्र जगत सिंह वासी उलहाओ रोड पठानकोठ।

(अंतरक)

- (2) श्री शाम साहनी पुत्र पलवान हरी चंद साहनी मैं -न्यू जलधर गुडस ट्रांसपोर्ट कं. पठानकाठ। (अन्तरिती)
 - । जैसा कि उपर सं. 2 में ओर किराये**दार हो।** न्यू इंडिया अस्किरीस के. लि. पठानकोट.

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिलबुद्ध हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा कित सम्पत्ति के वर्जन के ख़िल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मे प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधियातत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों गे।

स्पष्टीकरणः∹-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त लिधनियम, के लध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगाओं उस अध्याय में दिया गया 💅 ।

अनुसूची

एक जायदाय जो पठानकाठ में है जैसा कि सेल डीड नं. 2509 तिथि 1-12-80 आफ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठान-कोठ के कार्यालय में वर्ज है।

> आनन्द सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 3 चन्नप्री अमृतसर

तारीख: 10-8-1981

मोहार :

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अस्तसर

अमृतसर, दिनांक 10 अगस्त 1981

निदोश नं एएस आर/81-82/148---यतः मुफ्ते, आनंद सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25 000 / रह. से अभिक **ह**ै और जिसकी सं एक जायदाव है तथा जो पठानकोठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकाठ में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीच विसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम क इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) को बीच एेसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आंधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

खतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिमय की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः— (1) श्रीमती सूरजीत काँर विभवा सवराज सिंह 691 माडल टाउन जलंधर।

(अंतरक)

(2) अी अर्जन कुमार साहनी पुत्र पलवान हरी चंद साहनी वासी पठानकाठ।

मैं. न्यू जलंधर गुड्स द्रांसपोर्ट कं. पठानकोट । (अन्तरिती)

- (3) जैसा कि उपर सं 2 में और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं) न्यू इंडिया असिउन्हेंस के लि. पठानकोठ।
- (4) और कोई (यह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह स्वना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त वाड्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूषुची

एक जायदाद जो पठानकाठ में है जैसा कि सेल कींड ते । 2508 तिथि 1-12-80 आफ रिजदीकर्ता अधिकारी पठानू- कोठ के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह सक्षम अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख: 10-8-1981

प्ररूप आहीं. टा. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अगस्त 1981

निदोष नं. ए एस आर/81-82/149--यतः मुभी, आनंद सिंह, अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इ.स.में इसके परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गयः है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उदित बाजार मृत्य 25,000/-रुत. से अधिक हैं और जिसकी संकृषि भूमि है तथा जो तहसील गुरदासपुर में ं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर मे रजिस्ट्रोक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील दिसंबर, 1980 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान भितिकेल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्नीलिश्वत उद्देश्य से उवत अन्तरण निश्वित में वास्तविक

> (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिमित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन निम्निचित व्यक्तियों क्यांतः— (1) श्री जगदबें दत्त पुत्र श्री राम गांव व डा. अवानका तहसील गुरवासपुर।

(अन्तरक)

- (2) श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र तेजा सिंह पिंड धारीवाल भोजा डा संख्वा तहसील गुरदासपुर।
- (3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई किरायदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई (ब्रह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी अज्ञानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

समस्त्री

कृषि भूमि 51 कनाल 14 मरले <mark>जो अवानका सहसील</mark> गुरदासपुर में ह**ै जै**सा कि सेल डीड नं 6080/15-12-80 आफ गुरदासपुर के कार्यालय में दर्ज **ह**ै।

> आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 10-8-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 10 अगस्त 1981

निवास नं ए एस आर/81-82/100---यतः मुक्ते, आनंद सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा

इसक परवात् उक्त आधानयमं कहा गया हा), का धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संकृषि भूमि है तथा जो तहसील गुरदासपूर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

तारीख दिसंबर, 1980

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्से यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरणा लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिभियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा की लिए;

सतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिक्ति व्यक्तियों अर्थात्:-- 3--22 6GI/81

- (1) श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र तेजा सिंह वासी भारीवाल, तहसील गुरदासपुर।
- (2) श्री महिन्धर सिंह बलविंद्र सिंह पुत्र सेजा सिंह धारीबाल भोजा डा. मेखवा जिला गुरदासपुर।
- (3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपृत्ति में हित्वव्ध हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कथ्यां और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

कृषि भूमि 31 कनाल 5 मरले जो गांव धारीवाल में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 5802/4-12-80 आफ गुरवासपुर को कार्यालय में दर्ज हैं।

> आनंद सिंह सक्षम अधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजा, 3 चंद्रपूरी अमृत्सर

तारीख: 10-8-1981

प्ररूप आहं. टी. एन. एस. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 अगस्त 1981

निद्रीश नं. ए एस आर/81-82/151——यतः अमुक्ते, आनंद सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उधित बाजार मृज्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायबाद है जो पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख विसंबर, 1980

त्वस्थर, 1980 को पर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए कस्तरित की गई है और मृश्वे यह विस्वास करने का कारण है कि स्थाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहसमान प्रतिफल से एसे रहसमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिक्त कर निम्निलिखित उद्देषस से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप मे किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

मत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उदधारा (1) के अधीन, निम्निलिंबत व्यक्तियों, अर्थात् ९-→

- (1) भी शिव शरण वास पृष्टी वासी गुरवासपूर होड पठानकोट नेड़े बस स्टंड।
- (अन्तरक)
 (2) श्री सुभाष चंद्रप्री वासी ग्रदासपुर रोड पठानकोठ नई

बस स्टेंड । (अन्सरिती)

- (3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हित्बव्ध हैं)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के विए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्व्ध किसी अन्य क्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगी।

स्पष्टिकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का पलाट जो 20 मरले हैं जो नेंड़े बस स्टेंड पठानकांट में है जैसा कि सेल डीड नं. 2776/30-12-80 आफ रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी पठानकांट के कार्यालय में दर्ज हैं।

नानंद सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, 3 चंत्रपूरी बृम्तसद्ध

ता**रीच 14-8-81** मोहार :

269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रुरेष्, "एच" बलाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टीट, नर्ह विल्ली-110002

नहीं दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.सं.आ.आ/एक्कीजीशन 2/एस-कार-1/12-80/ 7240ए---चंकि मैं विमल विशिष्ट,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा पया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख 25,000/- क्पए से मिनिक है और जिसकी संख्या बी-3/16 है एवं जो मोडल टाउन, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विया गया है) को पंजीकरण अधिनियम (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसंबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए संस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक है भौर सन्तरक (सन्तरकों) भौर अन्तरिती (सन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किवत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से दुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रीध-नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनयम, या धनकर घिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए बा कियाने में सुविधा के बिए।

सक्ष: सब; उनत प्रधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरक में, मैं उनत प्रधिनियम की घारा 269-व की स्वधारा (1) के बादीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अविद:— (1) श्री अणीत सिंह और जगजीत सिंह सुपुत्र जगलाल ग्राम सीटाज पुर दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री के. एम. सर्मा सुपृत्र डी. एन्. सर्मा एफ-8/8 म मोडल टाउन्, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारी खासे 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोक्तरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पदों का, जो उक्त सिध-नियम के प्रध्याय 20 के में परिभाषित है, बही सर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्रो. नं. बी-3/16, मोक्ल टाउन, दिल्ली।

विमल वाँगिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नृह विल्ली

दिनांक 🛭 12-8-1981 सीन् 🗵 प्ररूप वार्. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के मधीन स्नुना

1. श्रीमती माया देवी पत्नी श्री फकीर चन्द्र, चे-6/62, राषारी गाड**ें**न, नुई विल्ली

(बन्तरक)

2. श्री गुरचरन सिंह ए/43, विशाल इनक्लेव, नर्झ दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

वर्षत्राष्ट्र, ''एव'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टीट नक्ष विल्ली-110002

नद्दं विल्ली-110002, विनांक 7 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ./एक्वीजीशन 2/एस.आर-2/12-80/ 4012 चुंकि में विभल विशिष्ट न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक **ह**ै

और जिसकी संख्या जे-6/62 है एवं जो रजोरी गार्डन, नर्ह विल्ली में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली

स्थित कार्यालय में विजास 1980

प्वाक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रिक्षिण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उत्सक्ते एरयमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा केलिए; और/या
- (क्र) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, डिज्याने में सुविधा के लिए;

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के क्रिए कार्यवाहियां करता हूं।

जेक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप≱--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधियातत्सम्बन्धी अयक्तियों पर सुषनाकी तामिल से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगाओं उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्पी

प्लाट नं. जे-6/62, क्षेत्र 160 वर्ग गज, राजोरी गाडरिन, नई दिल्ली ग्राम ततार पुर दिल्ली स्टोट, दिल्ली ।

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269 में की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६--

तारीख: 7-8-1981

मोहर 🛭

प्रकप्, बार्ड : टी. एत : एस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

नर्जन रूज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्ट ट

नर्इ दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/12-80/4028--- चूंकि में विमल मेशिष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रापिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम रेवला खानपूर, में किसक की जिसका अधिक है जिसका सल्य कर्म किसका अधिक है जिसका सल्य क्रांस्टर अस्मत विषयण संवर्ध स्वस्त्री म

भार जिसका संस्था कृषि भूमि है एवं जो ग्राम रेवली सानपूर, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची म दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में विनांक 1980

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत्॥--

. .4 . भी टोक चन्द्र सुपुत्र भी ह्यारी, ग्राम रोगला चानपुर, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री मंजीत सिंह चावला सुपुत्र श्री आशा सिंह चावला ज-12/28, राजोरी गाड न, दिल्ली (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कपूरता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीगे।

स्पर्वक्रीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁸।

अमृसूची

कृषि भूमि 21 विधे और 5 विश्वे, मुटाशिल नं. 13, खासरा नं. 16 (4-16), 17 (4-17), 18 (4--15) और 19(4-16) मृताशिल नं. 12, खसरा नं. 20 (2-02) ग्राम रवेला खान पुर

> विमल विश्वष्ट सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, नई विल्ली

तारीख_: 7-8-1981

प्रस्थ वाद. डी. एवं. एवं. *****

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) क़ी भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्थन रॉज, ''एक'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टैंट नई विरुती-110002

नर्ष विरुली-110002, विनांक 7 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीशन 2/एस.आर-2/12-80/4029--च्रिक में, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो रेवला खान पूर, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विकरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक 1980

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से एसे स्त्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 6957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 भी टीक किय सुपुत्र भी ह्वारी, प्राम द्वेवला खान पूर

(अन्तरक)

 श्री मंजीत सिंह चावला सूपूत्र श्री आशा सिंह चावला जे- 12/28, राजोरी गांडीन, नहीं दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति, के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थानु के सम्बन्धु में काहें भी अवस्थे 🤃 —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखु से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो. भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 19 विषे और 18 विषये, मृत्तिभिल नं. 13, इसरा नं. 12/1 (0-14), 11 (4-16), भृतिभिल नं. 14, धसरा नं. 15 (4-16), 14 (14-16) और 13 (4-16), ग्राम रवेला खान पूर,

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, नहीं दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नुलिखित अ्युक्तियों मुख्ति :--

तारीत : 7-8-1981

प्रकृष वाहु दो एन एच ------

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

प्रारव चरकार

कार्यां वृत्र् सहायक जायकर जानुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रंज-2, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नई विल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 अगस्त 1981

संवर्भ 3 नि. स.आ.आ./एक्बीजीशन 2/एस-आर-2/12-80/4024 - चिंकि मैं, विमल विशिष्ट, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 [/] रत. से अभिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम हुलस्वी सुर्व, विल्ली स्टीट विल्ली में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विव-रण संलग्न अनुसुची में 'विया गया ह') को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिसम्बर, 1980 को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास कारने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददोर्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से करियत नहीं हिकया गुवा हाँह----

- (क) अन्तरक से हुए किसी जाय की बावत, उक्तः विधिनियम के अभीन कर देनें के अन्तरक के वायित्व में कभी कर्रने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औड/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अगिरित की काँ, जिल्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधील निम्निसिंखित व्यक्तियों मुन्तिः— 1. श्री परन सिंह हासम्बी सुरव, विस्ली

'(अन्तर्क)

वीमती सामित्री देवी
पृथ कालन, विल्ली स्टंट विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

खनत् सम्पृतित् के नुर्धात् के सम्बन्ध में कोई श्री आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से [किसी व्यक्तित द्वारा]
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधिहस्ताक्ष्टी के पास मिल्लित में किंगु जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त कर्जा और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में स्थापरिभावित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विसा स्या है।

अनुसूची

कृषि भूमि 15 विघे और 1 बिस्वे ग्राम-हुलम्बी सूर्व विल्ली।

विमल विशब्द सक्षम प्राधिकारी सहायक **वायकार आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रोज-2, न**ई** दिल्ली

नारीब : 7-8-1981

प्ररूप वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

नारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयक्त (मिरीक्षण)

''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट अर्जन रेज-2, नर्ड वि*रू*ली-110002

नर्इ दिल्ली-110002, दिन्कि 12 अगस्त 1981

सदर्भ 3 नि स आ आ /एक्बीजीशन 2/एस-आर-1/12-80/7243---च कि मैं, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000 रत. से अधिक है

और जिसकी संख्या 19-ए, है एव जो असारी रोड, दरिया गज दिल्ली में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तत विवरण सलग्न अनुसूची मे दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन, पजीकरण अधिकारी के दिल्ली

स्थित कार्यालय में दिसम्बर, 1980

को पूर्वीकत संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करमे का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, असको द्रवयान प्रतिफल से, ऐसे द्रवयान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी '(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फेल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? भौर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियुम, 1922 ((1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अव, उक्त औधनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, भी, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थातः---

- (1) में एसं चन्द, और का लि राम नगर, विल्ली, डाईरोक्टर श्री राजेन्द्र क्मार गुप्ता (अन्तर्क)
- (2) आई -बी -एच एजकेशनल ब्ल जिस्टीब्यटर्स पार्टनरश्रीके टी मिरचन्दानीस्पृत्रश्रीटेकचन्द मिरचन्दानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सर्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां क रता हुन्।

उनता सुम्पत्ति के अर्थान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हासे 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकरें।

ल्पच्चीक रुगः — इसमें प्रयुक्त धन्यों और पर्यों का, जो उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

सामने का तल मंजील भाग प्रो नं 19-ए, म्यूनिसीपल नं 4633 नाप यानि 1592 वर्ग गज, असारी रोड, विरिया गंज, नर्द्ध विल्ली।

> विभल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, नई विल्ली

तारीख 12-8-1981 मोहर:

प्रकप बाइ .टी. एन. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयम् द्र आयुक्त (निर्िक्षण)

वर्जन रोज-2, न**र्हो दिल्ली-110002** नर्हो दिल्ली-110002, दिनांक 5 जून 1981

निद^{**}श सं. आई ए. सी./एक्यू. 2/एस-आर-1/12/80/7242-ए/अतः मुक्ते, विमल विशब्द आयक्तर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके प्रचास 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 19-ए, है तथा जो अंसारी रोड, दरिया गंज दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

तारीख दिसम्बर, 1980 को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, -उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिश्वित उद्दोश्य से उक्त जन्तरण निम्नलिश्वत में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है।:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

1. में . एस. चान्द और क. लि. राम नगर, न**ई दि**ल्ली ्तारा डाईरिक्ट<u>र</u> श्री राजेन्द्र कुमार गृप्ता ं (अन्तरक)

2. में . आई .बी.एच. एजूकोशन बुक डीस्ट्रीब्यूटर पार्ट-नर श्री के. टी. मीरचन्वानी सुपृत्र श्री टेक खुन्द मीरचन्दानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुमा है।

अनुस्ची

ग्राउन्ड फ्लोर 19-ए, कमीटी नं . 4633 स्थापित 2861 वर्ग फिट, अंसारीरोड, वरिया गंज, दिल्ली ।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

कतः बदा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् हः--4—226 GI/81

ा**रीख**़ 5-6-1981 मोहरः प्ररूप बार्द. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टैट नई दिल्ली-110002

नद्द^{*} विल्ली-120002, विनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्ब्रीजीशन 2/एस. आर.-1/ 12-80/7249--- चृंकि में, विमल विशिष्ट

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 64/3, ब्लोक-ए, है एवं जो जी. टी कर-नाल रोड, इन्डस्ट्रीज एरीया में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पजीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उरिया बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति है वास्तियक खण्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री परम जीत और नरीन्दर पाल सिंह सुपुत्र श्री अवता-सिंह, ए-104, ग्जरनवाला टाउन, दिल्ली औ-अदर्स.

(अन्तरक)

2. श्री हरवश सिंह सुपृत्र वैसाला सिंह ?-डा. सुकर्जी नगर, विल्ली

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपन में प्रदासन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के राजिस के किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उथत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

प्लाट नं . 64/3 , ब्लिक-ए , जी . टी . राष्ट्र , इन्छस्ट्रीज एरिया दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2 , नर्झ दिल्ली

अतः अब, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

तारीय 12-8-1981 मोहर: रः. से अधिक हैं

प्ररूप आहू. टी. एत्. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

काम्लिय, सहायक आयकर गायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नर्ह दिल्ली-110002

नुई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981.

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-1/12-80/7203---चूंकि में, विमल विषाष्ट आयकर आंपाज्यत, 1961 (1961 का 43) (अस इराम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति ज़िसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-

बार जिसकी संख्या 29, ब्लांक 'सी' है एव जा आदर्श नगर में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वं) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्याल्य में दिनांक दिसम्ब, 1980

की पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित प्राजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रनुद्द प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मृन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तियंक क्ष्य से किथ्द नृहीं किया गया हैं.....

- (क) जुन्तुरण से हुई दिस्सी आप की बायत उक्त मूर्णिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कभी कुडने या उससे बुधने से सुविधा के लिए; बीड/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों करी, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए।

कतः जुन, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ए की, अनुसरण् में, भा, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. श्री लखपत राय और अवर्स, सूपृत्र श्री राजा राम, के-5/36, मोडल टाउन, दिल्ली
- (अन्तरक)
 2. श्री क्लबीप सिंह सुप्त किशन सिंह और अदर्स ई-2,
 महाराजा रणजीत सिंह रोड, आदर्श नृगुर, विल्ली
 विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए काभवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस प्रसाध राजभ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार्ग विभिन्न में किए जा सकरों।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 29, ब्लाक 'सी' कांटेज़ राखे, आदर्श नगर, विल्ली ।

विमल विशिष्ट सुस्रम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनु र्जु-2, नई दिल्ली

तारी**व** ः 12-8-1981

मोहरु 🛭

प्रकप बाई• टी• एन• एस•----

आयक्तर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) खूर्णन रंज-2,, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट नर्इ दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि . स . आ . $\sqrt{\frac{9}{100}}$ ज्वीजीशन $2/\frac{9}{100}$. -आर-1/12- 80/7224 ---अतः मैं , विमल विशिष्ट

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परवात् 'उन्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के खधीन समम प्राधिकारी की, नह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार मूख्य 25,000/+ द• से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं 17 है एवं जो रोड नं 18, पंजाबी बाग में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वांक्त संपर्तित को उर्वृत्त बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिकल से, एसे दूरमान प्रतिकल का पश्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्वां) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया ग्या प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण देशिष्त में बास्त्विक इन्य से कृतियत ग्या है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त घिन-नियम के घोषीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रम्थ ध्रास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उसत प्रधिनियम, या
 धन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती को प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने
 में सुविधा के लिए।

- श्री व्यारा दासखर सुपुत्र श्री लक्षमन दास खर मकान नं. 17, रोड नं. 18, पंजाबी बाग, दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री आई. एत. खना सुपुत्र एत. एन. खन्ना कोठी नं. 17, राज्रे नं.: 18, पंजाबी बाग-दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के धर्यन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप ।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की घवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी घवधि दाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्ष होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

एस. एस. एच. नंः 17, रोड नं. 18, पंजाबी बान, दिल्ली।

> विमल पशिष्ठ सुक्षम् प्रार्टिष्कार्यः सहायक ग्रायकर मायुक्तः (निरीक्षण) वर्जन् रोज्-2, नद्दौ दिर्ल्स

अतः अव, उक्त अभिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन निस्नुचिष्ति व्यक्तियों। स्थीत ■—

तारी**स** : 12-8-1981

महिद् 🖺

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०----

आयक्तर धिवनियम, 1981 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के सभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकपु आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टीट नर्हा विल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, विनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि स स आ . आ . √एक्वीजीशन 2 /एस-आर-1 / 12 - 80^{7} 247--- चूंक में, विमल विशिष्ट भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 🖫 🤻 इसके परवात् 'उक्त ग्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक हैं अरि जिसकी संख्या 24, ब्लौक 'डों' है एवं जो मानसरोवर गार्डोंन, ग्राम-बसर्घदारापुर दिल्ली स्टेट में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसुची में दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमात प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त ग्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुँई किसी आय की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए। भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री चरनसिंह, मृपुत्र श्री राम चन्द
 433 बैंक स्ट्रीट करोल बाग, नई दिल्ली
 - (अन्सरक) -
- श्री सुदर्शन रोवला, पत्नी यशपाल रोवला 2655-रामपुरा, दिल्ली 35

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन कें सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इसं सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की श्रवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोतृस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्य**ण्टी तरणः —-इ**समें अयुक्त गब्दो और पदों का, जो उक्त ज**धि-**नियम के अध्याप 20-क में परिफाणित हैं, **वहीं** सर्य होगा, जो उन्त अध्याप में दिया गया है।

वनुसूचीं

ण्लाट नं . 24 बलाक 'डी' मानसरोबर गार्डोन ग्राम-बसर्घ दारा पूर दिल्ली स्टोट दिल्ली-2 ।

> विमल पणिष्ट सुक्षम् प्राप्तिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-११, नहीं दिल्ली

तारील 12-8-1981 मो**हर**ः प्रारूप बार्ड टी. एन. एस्. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत् सर्कार

कार्याल्य, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्रोज-II, नद्दी दिल्ली नद्दी दिल्ली -110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशृन 2/एस-आर-1/12-80/4013---चूंकि में, विमल विशष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिस इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मृज्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं और जिसकी संख्या बी-5, है एवं जो शंकर गार्डोंन, नई दिल्ली में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय विनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है !——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिएं। और∕या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्री अर्जन देव मर्थाह सुपृत्र नन्द लाल मुर्वाह पाका बाग, आपोजीट हिंद समाचार प्रिंटिंग प्रस जलन्धर सीटी

(अन्तरक)

 श्रीमती कुलजीत काँर पत्नी हरभवन सिंह सी./510, विकाश पुरी, नद्द विल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सुम्पुरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त २ ्रीत को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस ्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं. बी-5, किला नं. 3/2 और 4 शंकर गार्डेन्, नर्इ दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधास (1) के अभीम निक्तिविक्त व्यक्तियों सुर्थात्ः——

तारीब : 12-8-1981

प्ररूप आहर् . टी. एन्. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नइ दिल्ली-110002

नर्इ विल्ली-110002, विनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एक्वीजीशन 2/एस-आर-1/12-80/7197---चूंकि में, विमल विशय्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000 ∕-रुट. से अधिक हैं।

अरै जिसकी संख्या 33-बी और 34-ए, है एवं जो नर्दार्ग सीटी एक्स. स्कीम नं.-1, जबाहर नगर, सब्जी मंडी, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक 1980

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लियाने में सुविधा के लिए;

 श्री बैंज नाथ गुप्ता सृपृत्र श्री सृत्ह लाल गृप्ता 8-यु. ए. जबाहर नगर, दिल्ली और अदर्स (अन्तर्

2. श्रीमती शिला दोवी पत्नी खुशी राम 33-बी और 34-ए, जवाहर नगर, दिल्ली (अन्तुरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्धु में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्होकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्स्चीं

डी. एस. प्लाट नं. 33-बी, और 34-ए, ब्लिक नं. यू. ए.-13 म्यूनिसीपल नं. 6017 नर्दर्न सीटी एक्स स्कीम नं.-1, जवाहर नगर, सब्जी मंडी, दिल्ली ।

> विमल **पश्चिष्ट** सक्षम प्राधिकारी सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^नज-2, न**र्ड** दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :---

तारीख: 12-8-1981

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ/एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/12-80/4030---चूं िक मैं, विमल विशष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छनित बाजार मूल्य 25000/- र॰ से अधिक हैं और जिसकी संख्या किए भीम हैं एवं जो ग्राम रोवला खानपर.

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम रवेला खानपूर, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण प्रधिकारों के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक 1980

कं पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावत सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक कप स कवित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के खग्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसके बचने वें सुविधा के लिए; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय मा किसी श्रन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय सायकर धिर्मियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त पिर्धिनियम, या धन-कर धिर्मियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— श्री टोक चन्द्र सृपुत्र श्री हजारी, ग्राम रोबला खानपुर-दिल्ली

(भन्त<u>र</u>क)

2. श्री मनजीत सिंह चावला सुपूत्र श्री आशा सिंह पावला जे 12/28, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्त्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारी ख से 4.8 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ज से 3.0 दिन की भविध, भौ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के मीतर छक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ध्रव्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को एस अध्याय में दिया गया है।

अ<u>नु</u>सूची

कृषि भूमि क्षेत्र 23 विधे और 2 विश्वे मृतशिल नं. 13, खसरा नं. 20 (4-16), और 28 (0-01), मृतशिल नं. 14, खसरा नं. 16 (4-16), 17 (4-16), 18 (4-16) और 19 (3-17) ग्राम् रेवला खानपूर, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई विल्ली

तारीख : 12-8-1981

मोहर 🖰

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नर्द्र विल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, विनांक 12 अगस्त 1981

संवर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/12-80/4071--- चूं िक में, विमल विशिष्ट आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वत (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 36, ब्लौक 'बी' है एवं जो कृष्णा पार्कां आम-बुघेला, दिल्ली में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया हैं) को पंजीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारों के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक 1980

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास के कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ये हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएव में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और्या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्नियों करो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धरफ्तर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था सा किया जाना चाहिए था व्यवने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री जगदीश चन्दर सुपुत्र अर्जन दास बी-9, कृष्णा पार्क, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री अमरजीत सिंह मदन सुपुत्र ईशर सिंह सी-2/348, जुनक पुरी, नुई विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

रक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्रष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

प्लाट नं . 36, ब्लाक 'बी' कृष्णा पार्क, ग्राम्-बूधेला, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

नारींख: 12-8-1981

मोहर 🗓

प्रकप धाई• टी० एन० एस०-

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनु रंज-2, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट र नई दिल्ली-110002

नइ दिल्ली-120002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. $\sqrt{\text{एक्वीजीका}}$ 2/एस-आर-1/12-80/7260---चूंिक मैं, विमल विशिष्ट

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 33 है एवं जो जी. टी. रोड, पीपल थाला थें स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिसम्बर, 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फ के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी आप की बाबत उन्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के सम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी याय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रविनियम, या धनकर धींधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिगाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत प्रश्चितियम की धारा 259-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- लाला जैनारायण सुपुत्र बीशम्बर दयाल नं 1947 कचा चलन, खारी बावली, दिल्ली। (बन्तुरक)
- 2. श्री श्याम मितल सुपुत्र जैनरायण 1852-53, खारी बावली, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की शर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचका की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी धर्मी वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रोहस्ताकारी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त ज्ञान्दों और पदों का, जो उक्त ग्रीविनयम के ग्राच्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा जो उज्ज ग्राच्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 33, राजस्थानी उद्योग नगुर, जी. टी. आरे 1852-53 खारी बावुली, दिल्ली।

> विमल **पश्चिष्ट** सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, न**र्हो दि**ल्ली

तारीख : 12-8-1981

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

बुर्जन रोज-2, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नर्दे दिल्ली-110002

नर्षः विल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-1/12-80/7253---चृंकि मैं, विमल विशिष्ट बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

जोर जिसकी संस्था म्युनिसिपल न . 4859, एवं जो गली हरबंश सिंह, 24, दरीया गंज, दिल्ली में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया हैं) को पजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्रस के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्रल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त भन्तरण विज्ञित में बास्तकिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत, उकत श्रिधिक नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (अ) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रस्तिरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चता धन, उनत प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में मधीन, निम्निनिवित व्यक्तियों, अर्थित ः-=

- श्रीमती कमला देवी ठ्कराल पत्नी साहब चन्द
 4-बी/31, पश्चिम विहार, नई दिल्ली (अन्तरक)
- श्रीमती मामला दंवी पत्नी प्रकाश चन्द, 4859 गर्ली हरबंश सिंह, 24-दरीया गंज, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर.
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूनिसिपल नं - 4859, गुली हरबंश सिंह, 24-वरीया गंज, विल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अुर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

तारीख ः 12-8-1981 मोहर ः प्रारूप आर्घ.टी.एन..एस.,-----

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नद्दी विल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्क्वीजीशन् 2/एस-आर्-1/12-80/7227---चुंकि में, विमल वशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

जिसकी संख्या 45/6बी, है एवं जो सीविल लाइन, मे स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची मे दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक विसंबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्यत बाजार मृत्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेश से उक्त अन्तरण कि लिए तम्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्थीन निम्नसिजित व्यक्तियों अर्थातुः-- (1) श्री सीया राम अग्रवाल, सूपूत्र मथुरा प्रसाद, 4067 नया बाजार, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश चन्द्र गुप्ता, सुपुत्र कृशन लाल, 1/81बी, असफ अली रांड, नहीं दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पृतित के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृंबों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

प्लाट नं. 45/6बी, माल सीविल लाइन, दिल्ली।

विमल विशष्ट समक्ष अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज 2, नु**ई दि**ल्ली

तारीख : 12-8-1981

(अन्तरक)

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, ''एव'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट नई विल्ली-110002

नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/12-80/4068---चंकि में', विमल विशष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका यिवस बाजार मृज्य 25,000/ रह. से अधिक है

जिसकी संस्था एस-13, हैं एवं जो ग्राम मादीपुर अबारी, शिवाजी पार्क, रोहतक रोड में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण अनुमूची में दिया गया हैं) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक विसम्बर, 1980

को पृत्रोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तः प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन फर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

मतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री राम करन नुपूत्र बेली राम, और दूसरे, सी-49, शिवाजी पार्क रोहतक रोड, दिल्ली ।
- (2) श्री कपूर चन्द, सृपुत्र जूहर और दूसरें, सी-67, शिवाकी पार्क, रोहतुक रोड, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

्उदत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

श्रनुसुची

प्लाट नं. **एस-1**3, मादीप्र अवारी, **शिवाजी पार्क**, **रोहत**झ रोड, दिल्ली ।

> विमल विष्टि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्दो दिल्ली

तारीख . 12-8-1981 मोहरः प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-मृ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नई दिल्ली-110002

नर्ष दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स.आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस.आर.-2/12-80/4034—चूं कि मैं, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपितृ वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

जिसकी सं प्लाट नं 139, 140, हैं एवं जो ब्लाक सी, नर्द मुल्तान नगर, रोहतक रोड में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण अनुसूची में दिया गया हैं) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक विसंबर, 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रष्टु प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरि, तियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्त पिलिंखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिचित में वास्तियक रूप से कथित गृहाँ किया ग्या हैं क्ष्म

- (क) अन्तरण सं^{प्} हुँइ किसी आयु की शबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने ना उससे वचने में सुनिधा के लिए; ब्रीक् √या
- (ह) एसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारत शिय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1/1) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनिय म, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्त रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अअः, उक्त अधिनियम ६ हो भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों(, हो अर्थात् ■— (1) श्री दलीप सिंह असीं सुपुत्र ज्ञान सिंह कार्टर नं न आर-बी-193, आर-बी-आई कालोनी सेक्टर-6, रामकृष्णाप्रम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)ं, (2) श्री सुरीन्दर कूमार दूजा सृपृत्र अमुर नाथ दूजा औद्ध यूसर मुकान नं. 16, रोड नं. 28, पंजाबी शाग्,; दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के हैं ज़रू कार्यवाहियां फरता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों को श्री अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचा बद व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तियां
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के बाह्य विद्या में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पश्चों का, वो सन्दर्भ अधिनियम, के सध्याय 20-क में प्रिभाष्ट्र हैं, वही अर्थ होगा जो उस मुख्याय में दिशा गया हैं।

ननसभी

प्लाट नं 139 और 140, ज्लाक नं सी' न्यू मुल्तान् नगर, रोहतक रोड, दिल्ली-56 ।

> विमल **नौस्ट** सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नष्ट बिल्ली

तारोब : 12-8-1981

प्रसम् आर्दः टी. एन. एस. -----

नायकड़ निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्थन रीज-2, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नर्द्र विल्ली-110002

नद्दै दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीक्षन 2/एस-आर-1/12-80/7222--चंकि मैं विमल विशिष्ट बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का **कारण है कि** स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000 /- रु. से अधिक हैं जिसकी संख्या बी-3/1 है एवं जो राणा प्रताप बाग, दिल्ली मे स्थित हैं (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची मे दिया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के विल्ली स्थित कार्यालय मे दिनाक दिसम्बर, 1980 को इतने प्रकट प्रतिफल् (अपार्यट कन्सीडरोशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो पूर्वाक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्ने यह विस्तास करने का कारण है कि यथापना कित संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिश्वित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सीभास गुप्ता, सुपृत्र श्री सुरीन्दर नाथ गुप्ता बी-3/1, राणा प्रताप बाग, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री नन्द लाल अरोडा सुपुत्र श्री मोती राम, ए-143, अ्रोक विहार, फेस-2, दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध, में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींखु से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्माब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उतरी 1/2 भाग प्रा. नं. बी-3/1, राणा प्रताप बाग, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, नक्ष दिल्ली

जतः अव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त मिथिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नुतिसित् व्यक्तियों जर्थात् :---

तारीस : 12-8-1981

प्ररूप आई. टी. एत. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टैट नर्झ दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.सं.आ.आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-1/12-80/7250— चूंकि में विमल विशिष्ट आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चाल 'उन्तन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्ष्म पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/-रु_ः से अधिक ह**ै**।

जिसकी संस्था प्लाट नं. 12 हैं एवं जो कमला नगर, जी.टी. रोड में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न जनु-सूची में दिया गया हैं) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्या-लय में दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल को पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इ्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपान में स्विधा के लिए;

(1) श्री रीशि कामार सुपुत्र जगन नाथ, 23-जी, महा-रानी बाग, गर्झ दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मांनी लाल काुन्ती दोनी कर्ता---मांती लाल गांयल 79-प्रेम नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हेप्लाट नं . 12-ए, म्यूनिसीपल नं . 6323, वार्ड नं . 12, कमना नगर, जी .टी . ह्योड दिल्ली-7 ।

विमल विश्वेष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

तारीख: 12-8-1981

प्ररूप आई॰ टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टैट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, 110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 स आ.आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/12-80/4050--- चूंकि में विमल विशिष्ट प्रायक्षत प्रशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

प्रायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उन्त घिषिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- से प्रधिक है

जिसकी संस्था प्लाट नं. 49, रोड नं. 43 है एवं जो पंजाबी बाग, मदीप्र में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दि 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक न निम्तलिखन उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में बास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) र प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा क लिए;

अतः, धव, उपत ग्रिप्तियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, खबत ग्रिप्तियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिचित्रित व्यक्तियों पर्यात् :----

(1) श्री हरबन्त कौर पत्नी इन्दर सिह ए-2/99, राजोरी गार्डन, नई विल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलबाग सिंह और दूसरो. टी-355, अहाता किदारा, बाराहिन्च्राव, दिल्ली ।

(अन्तरिसी)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उस्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति दारा ग्रघोत्स्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हवड्टीकरण: --- इसमं प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो खक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उन अध्याय में विया गया है।

अनुसृची

प्लाट नं . 49, रोड नं . 43, पंजाबी बाग, एरिया ग्राम-मादीपुर, दिल्ली ।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नह^क विल्ली

दिनांक : 12-8-1981

प्ररूप आई० टी• एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रोज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टौट नर्इ दिल्ली-110002

नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्कीजीशन 2/एस.आर.-2/12-80/4017—यतः मुभ्ते, विभल विशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 56 है, एवं जो कृष्णा पार्का, ग्राम पोसंगीपुर और बधेला, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रूयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिबित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुड किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में म्विधा के लिए;

 श्री संत लाल सुपुत्र जसवन्त राम और दूसरे बी-बी/ 29-सी, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मत्यपाल नारंग और श्रीमसी नारंग, आई-24, किती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, धां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 56, ब्लाक 'बी', कृष्णा पार्का, ग्राम पोसंगी प्र और बुधेला, नर्क दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सुक्षम् प्रार्धिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र^नज-।।, नर्द दिल्ली

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसिस व्यक्तियों अर्थातः :---

तारीख: 12-8-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्ट ८ नर्इ दिल्ली-110002

नर्ह विल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन 2/एस-आर-1/12-80/7230---यत:, म्रफे, विमल विशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित जिसका उचित शाकार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 45/6 बी., 1/15 है, एवं जो सिविल लाई न्स में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में हिया गया है) को पंजीकरंण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी दिल्ली के कार्य में स्थित दिनांक दिसंबर, 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उिधत बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——.

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सीया राम अग्रवाल सूपुत्र मथुरा प्रसाद, 4067, नया बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

(2) श्री सुरीन्दर का भार गुप्ता सुपृत्र श्री किशन लाल, 1/18 बी, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट नं . 45/6-बी , 1/5 भाग माल सीविल ला**र्ध**न् r दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।।, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

तारीख: 12-8-1981

प्ररूप आई. 'टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981 संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-1 12-80/7229--चू कि मै, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी संख्या 45/6 बी. है, एवं जो सिविल लाईन , मे स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची मे दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन, पंजीकरण अधिकरण के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक दिसम्बर 1980 को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और

अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया

गमा इतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---ं (1) श्री सीया राम अग्रवाल सुपुत्र मधुरा प्रसाद 4067, नया बजार दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री उमेश चन्द गुप्ता सुपृत्र श्री किशन चन्द चान्दी-वाला 1/18-बी, असफ अली रोड, नहीं दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

प्लाट नं. 45/6-बी, माल सीविल लाईन, दिल्ली। विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीसः 12-8-1981

प्रकृष भाई॰ टी० एन० एस०-----

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टौट नर्इ दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस. आर-2/12-80/4065—चू कि मैं विमल विशष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की घारा

इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की घारा 269-ख के अधीन समय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूस्य 25,000/-६० से अधिक है

और जिसकी संख्या जे-10/89, हैं एवं जो रजोरी गार्डन, में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया हैं को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16π) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित

कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सृश्यापत प्रतिफल के लिए प्रान्तिरंत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-फल निम्लिखित उद्देश्य से उका ग्राम्वरण निव्जित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम में हुई किसी आय की बाबत सबत अधि-नियम, के अधीन कर देने के घन्तरक के अधिन में कमी करने या उससे बचने में सबिधा के किए। और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम को जारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् । (1) श्री हरीश चन्दर , सुपृत्र शिव प्रसाद, 71/21, प्रेम नगर, नर्इ दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री हरपाल सिंह लम्बा, सुपुत्र करतार सिंह लम्बा, आर/759, नई राजीन्द्र नगर, नई दिल्ली (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध ें कोई मा धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील मे 30 दिन की सविधि, जो भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्होकरण !——इसमं प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के कश्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ दोगा. यो तम अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

एस. एस. मकान नं. जे-10/89, राजोरी गार्डेन नर्इ दिल्ली।

विमल विशष्ठ सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

तारीखः 12-8-1981

प्रा**क्ष**प धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰ पायकर पविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्क्रप्रस्थ एस्टोट नर्द्र विल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, विनाक 12 अगस्त 1981

संबर्भ 3 नि, स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस. आर-2/12-80/4070--चूं कि मैं विमल विशिष्ठ,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपए से पश्चिक है

और जिसकी संख्या प्लाट-7, एव जो रिक्षी नगर, शकुर बस्ती, मो स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची मो दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक विसम्बर 1980

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रिरुणल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उच्त अन्तरक लिखित में शस्तिक अन्तरक मिनलिखत नही किया गया है:——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की वावत उपत भ्रमिनियम के भ्रमीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधित्यम, या धम-कर प्रश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धम्श्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भते। अस, उसत घविनियम की घारा 269-व के बनुकरण में, में, उस्त घविनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के अक्षीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घात्।--- (1) श्रीमती भागधन्ती पत्नी श्री कि शन चन्द, ई-149, रिशी नगर, शकुर बस्ती, दिल्ली

(अन्सरक)

(2) श्री कान्सी सागर जैन सुपुत्र सालीग राम जैन, 23, नर्थ एवन्यू पंजाबी बाग, विरुती

(अन्तरिकी)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की सर्वाव मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती ही के मीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पट्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो एक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिचाबित है, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

प्रनसूची

प्रो. नं. डब्ल्यू. जेड.- $\mathfrak{t}^{f}/194$, प्लाट नं. 7, ब्लाक \mathfrak{t}^{f} , खसरा नं. 384 रिशी नगर, सकुर बस्ती, दिल्ली।

विमलं विशिष्ठ सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आय्क्स, अर्जन रेंज-2, नर्ष्ट दिल्ली

तारींसः 12-8-1981

प्रकप आई० टी • एन • एस •-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट नर्ङ विल्ली-110002

नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस. आर.-1/12-80/7276 ए--चू कि मै विमल विशिष्ठ, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खं के अधीन तक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

और जिसकी संख्या डी-1/28, हैं एवं जो राजोरी गार्डन, में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अन्सूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिगत से प्रतिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन निम्नितिवान उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निखित में वास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दाियरव में कमी करने या उसने बचने में पृथिधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐमी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का. 27) ने प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त पिधनियम, की भ्रारा 269-ग के धनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् ं-- (1) श्रीमती संत कार पत्नी श्री ज्ञान सिंह, डी-5, सुरबा नगर, लूधीयाना

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार पशरिचा सुपूत्र बनारसी लाल पशरिचा, जे-59, राजौरी गार्डन, नई विल्ली। (अन्तरिका)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीता सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :++

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा, अबोहस्ताक्षरी के सात लिखिन में किए जा मर्लेंगे।

स्पब्टी करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत प्रक्तिन्यम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रयं ताम, जो उन प्रध्याय मंदिया गया है।

जगुस्ची

एस. एस. मकान नं. डी-1/28, राजौरी गाडॉन, नर्शं दिल्ली ग्राम बसर्श दारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

विसल विशष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, नई दिल्ली

तारीख[.] 12-8-1981

मोहरः

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2,

नर्इ विल्ली-110002, दिनाक 12 अगस्त 1981

निव है। स 3 नि स आ आ./एक्वीजीशन 2/एस आर -1/12-80/4032---चूं कि में, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सस्या 39, ब्लाक नं. इं की धारा 269 (बी) है एवं जो मोहल्ला गुरुनानक पूरा फतेह नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तत विवरण सलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक विसम्बर 1980

को पूर्वीक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से काम के इध्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्इ हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्वात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

- (1) श्री भगवान सिह सुपृत्र श्री जोध सिह, ई-39, फतह नगर, गुरुनानक पुरा, दिल्ली
- (अन्तरक)
 (2) श्री सत लाल प्रुथी, सुपूत्र काला राम प्रुथी, 30/।
 16, अशोक नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

न्त्रे यह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अपिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त श्रद्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

प्लाटन 39, ब्लाक 'इ' मोहला गुरूनानक पूरा, दिल्ली फ सह नगर, द्विल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

तारीख 12-8-1981 मो**हरः** प्ररूप आई.टी.एन.एसं.-----

अायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002

नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. 3 नि. स. आ./एक्बीजीशन 2/एस. आर.-1/ 12-80/7215---चृंकि में, विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 35/10, की धारा 269 (बी) है एवं जो पृवी पटले नगर, नहीं दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्मृत विवरण संलग्न अनुसूची में विया गया है को पंजीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के नहीं दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1980

की पूर्वोक्त मंपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपतित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह ने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, सर्पात् उन्न 7---226GI/81

(1) श्री गुलाब राय क्लेचा सुपुत्र धूमन मल क्लेचा, 1-बी/92, रमेंशंनगर, नहीं दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दर कला पत्नी एमः बीः मीनीचे, कोज रोड, करोल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां क्र्रूक करता हो।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्थिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्यो

प्रो. 35/10, पूर्वी पटोल नगर, न**र्ह दि**ल्ली (आ<mark>धा भाग</mark> जिन्नार्गिक्त सम्पंतित)।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीवः 12-**8-**1981

प्ररूप आहु . टी .सून . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीले सूचना

भारत सरकार

कार्यालय', सहायक आयकार आयक्त '(निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, **इन्द्र**प्रस्थ एस्टोट नर्इ दिल्ली-110002

नई विल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

निद्धा मं. 3 नि.स.आ.आ./एक्बीजीशन 2/एस. आर-2/12-80/4068(ए)---संकि में, विसल निश्च, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/ रत. से अधिक है और जिसकी संख्या 24/22 की धारा 269 (वी) है एवं जो

और जिसकी संख्या 24/22 की धारा 269 (बी) है एवं जो पंजाबी बाग, में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तत निवरण संलग्न अन्मूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल का निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक कृप में किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्थित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री स्वरूप बंशीवाल, सूपुत्र रूप राम और दुसर 5/44, पंजीबी बाग, दिल्ली

(अन्सरक)

(2) श्रीमती निर्मल पूप्ता पत्नी के. एल. गुप्ता,
 24/23, पंजाबी बाग, दिल्ली
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्तु सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्ट--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ्ित्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अन्सूची

प्लाट नं. 24/23, पंजाबी बाग, चिल्ली।

विमल व**िशष्ट** मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त **(निरीक्षण)** अर्जन र¹ज-2, न**र्इ दि**ल्ली

तारी<mark>बः 12-8-1981</mark>

प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . ----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, `''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस. बार 🚎 🖊 12-80/7265--चू कि मैं विमल विशष्ठ, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/ रा. से अधिक है जरि जिसकी संख्या 29/7, ही एवं जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1980 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कश्वित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कि भिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के निए; और/भा
- (क) ऐसी किसी आज या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना जाहिए आ, छिपाने में स्विधा के लिए;

ात: बाब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निमनिविद्य व्यक्तियों वर्षात्:--

- (1) श्री गंगाधर नांगीया सूपृत्र आतम् पृकाशः नांगीया, एच-4/3, मोडल टाउन, दिल्ली अब-जी-57, मस्जीद मृठ, दिल्ली (अन्तरंक)
- (2) श्री चन्दर भान गर्ग और शिशु पाल गुर्ग सुपृत्र मानी राम 15/26, पंजाबी बाग्, नृह दिल्ली (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ी हु से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास बिहिस में किए का सकेंगे।

स्युख्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है ।

अनुसूची

एलाट नं . 29/7, पंजाबी बाग, ग्राम-बसई दौरापुर दिल्ली ।

विमल विशिष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

ता्रीखः 12-8-1981

माहरःः

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नर्झ विल्ली-110002

नइ दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन 2/एस.आर.-1 12-80/7228---चूंकि मैं विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी संख्या 45/6बी है एवं जो माल सीविल लाइन, में स्थित हैं, जिसकी अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है ः──

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सूविधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- (1) श्री सीग्रा राम अग्रवाल सुपुत्र मथुरा प्रसाद, 4067 नया बाजार, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता सुपृत्र श्री किशन लाल गुप्ता 1/18 बी, असफ अली रोड, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनसची

प्लाट नं. 45/6-बी, माल सीविल लाइन, दिल्ली।

विमल विशिष्ठ **सक्षम प्राधिकारी** सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र**ज**-2, नई दिल्ली

तारीबः 12-8-1981

प्रकृष धाईं वटी • एन ० एस ०

आयकर बिंबिनरप, 196। (19३। का 43) की बारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. सं. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस. आर.-1/ 12-80/7226---चूंकि मैं, विमल विशिष्ट,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ग्रेचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षन प्राधिकारी हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित जाजार मृत्य 25,000/- कर से अधिक है

और जिसकी संख्या 45/6-बी है एवं जो सीविल लाइन, दिल्ली में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

'अतः अब, उबत प्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उबत श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रमीन निम्नलिखित व्यवितयो श्रर्थात्:---

- (1) श्री सीयाराम अग्रवाल सुपुत्र मथुरा प्रसाद, 4067 नया बाजार दिल्ली
- (अन्तरक)
 (2) श्री दिनेश चन्द सुपुत्र किशन लाल, 1/18बी, असफ अली रोड, दिल्ली
 (अन्तरिती)

को यह सूचन। जारा करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील-से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद रें, समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों कें, से किस व्यक्त स्वादाः
- ंख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहरनाभरी के पास लिखित में किए जा अकेश।

म्पष्टोकरण —इसर्न प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस

अनुसूची

प्रो. 45, प्लाट नं. 45/6बी, माल, सीविल लाइन, दिल्ली।

विंमल वशिष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख 12-8-1981 मोहर

प्ररूप आहा. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रॉज-2, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नई दिल्ली-110002

नई विल्ली-110002, दिनाक 12 अगस्त 1981

सदर्भ 3 नि स आ. आ. /एक्वीजीशन 2/एस. आर.-1/ 12-80/7211---चुिक मै, विमल विशिष्ट, अन्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी संख्या प्लाट न 2728 है, एवं जो गली नार्या समाज, सीता राम बाजार, विल्ली म स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची म दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1980 का, पर्याक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ने यह विश्वास बरने का कारण है कि यथाप्यींक्त सपत्ति का उचित बाजार मल्या, उसके दश्यमान पतिफाल से गोसे दश्यमान पतिफाल का पनदृह प्रतिवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फेल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्का अन्तरण लिखित मे वास्त-

विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (क्ष) एंमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियो पर्थाच —-

- (1) श्री स्याम किशारी और बलराम किशारी सुपुत्र किवार नाथ 2728, गली आर्या समाज बाजार, सीताराम, विल्ली।
- (अन्तरक) (2) में सीताराम, सीमा बिल्डर्स प्रांकि 1/18-बी, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण '--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अससची

ज्याद प - 2728, गली आर्या समाज , क्राजार, सीता राम दिल्ली।

> विमल विशय्त्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, नई दिल्ली

तारीख 12-8-1981 भो**ह**र - प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) को अधीन सूचनी

भारत सरकार

क्।र्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रंप्रस्थ एस्टेट नर्इ दिल्ली-110002

नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संवर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस. आर.-2/

12-80/4007---चुकि में विमल विशिष्ठ,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी संख्या प्लाट नं. 8 रोड नं. 85 **है, एवं जो** पंजाबी बाग, मादीपुर में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूधी में दिया गया है को पंजीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16वां) के अभीन पंजीकरण अधि-कारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विख्वास करमे का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फेल निम्निंसिखत उदारच्ये से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया हैं --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मी. उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्षधीन निम्मिलिखित व्यक्तियों अर्थात:-

(1) श्रीमतीं खरन सेठी पत्नी मृंशि राम सेठी अनिक कुमार सेठी सुपुत्र श्री मृंशिराम सेठी 48/42, पंजाबी बाग, विल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री बलराज कपूर सुपूत्र बैंज नाथ कपूर और अदर्स 1/7, टीम्बर मार्केट, डब्ल्यू. एच. एस. कितीं नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के <mark>भर्ज</mark>न के लिए कार्य<mark>वाहियां</mark> करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाणन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

र्**रपष्टीकरण** —इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो खक्त श्रक्षि-नियम के श्रक्ष्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अप्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 8, रोड नं. 85, पंजाबी बाग, ग्राम-मादीपूर, दिल्ली।

> विमल विशष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-।।, नई दिल्ली

नारी**ख**ः 12-8-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट गई दिल्ली-110002

नर्झ दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981 🕟

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस. आर.-2/12-80/4039---चूंकि मैं, विमल विशष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उचित उत्तर मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या जी-बी, 5 है, एवं जो हरीनगर, ब्लाक 'जी' में स्थित हैं,' जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है कर पंजीकरण 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं। और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत संपत्ति वा उचित बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किल निम्नितिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण विकित में वास्तीवक रूष से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यां धन-कर अधिनियम, यां धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री सरदारी लाल मर्वाह सुपुत्र राम चन्द मर्वाह, डब्ल्यू. जंड.-222, मायापुरी, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री मनोहर लाल चौधुरी सुपुत्र दौलत राम, जी-बी-5, हरीनगर, नई दिल्ली ब्लाक 'जी'

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(ख़) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

्स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्लाट नं . जी-बी-5 , हरीनगर , लाक 'जी' क्षेत्र 266 वर्ग गज।

सक्षम् प्रााधकारा सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, नई दिल्ली

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीखः 12-8-1981

मोहरः

(अन्तरक)

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1981

निवर्षेक्ष सं. करनाल/139/80-81--अतः मुक्ते, गो. सि. गोपाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं 531-एल, है तथा जो माउल टाउन, करनाल में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिन्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, करनाल में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील विसम्बर, 80

(1908 का 16) के अधान, ताराख दिसम्बर, 80 की पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थानः --8—226GI/81

- श्रीमती अमृत लाल ठाकर पुत्र श्री भाना लाल;
 नि माडल टाउन, करनाल।
- (1) टंग राम दीवान पुत्र श्री कर्ता राम दीवान
 (1) श्री अरुण दीवान पुत्र श्री वेदप्रकाश दीवान
 ति. 531-एल, माइल टाउन, करनाल।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकांगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं. 531-एल, भाडल टाउन, करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्री संस्था 4326, दिनांक 26-12-80 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीख : 12-8-1981

मोहर 🛭

प्ररूप भार्दी, टी., एत्., एस.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, राहतक

रोहतक, विनांक 12 अगस्त 1981

निवांश सं. अम्बाला/118/80-81--अतः मृक्षे, गो. सि. गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं मकान नं 319-ई, महोशनगर है तथा जो अभ्याला छावनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अभ्याला में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से किथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों वर्धातः —

- श्रीमती निर्मला पत्नी श्री औम प्रकाश पुत्र श्री काशी नाथ, म. नं. 5558, निकलसन राड, अभ्याला छावनी।
- (अन्तरक)
 2. श्री शमशोर सिंह पृत्र श्री दलपत सिंह नि. गां +डा.
 बब्याल, त. +िज. अम्बाला, म. नं. 319-ई., महोश नगर्., अम्बाला छावनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों :
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विच के भीतर उच्क स्थायर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पच्छीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पति मकान नं 319-इं. महोग्रनगर, अम्बाला छावनी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 4247 दिनांक 15-12-80 पर दिया है।

> गों. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीच : 12-8-1981

मोहरः

नहीं किया गया है।---

प्रकप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के ब्रिधीन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, राहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्वोध सं पानीपत/72/80-81---अतः मुक्ते, गो सि गोपाल, मार्थेकरं मंधिनियम, 1961 (1961 फा (जिंसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारं 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रूपये मे प्रधिक है और जिसकी सं. दुकान अन्सार बाजार है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीस विसम्बर, 80 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरुय से कन के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक उँ और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भग्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिध-नियम के भीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अंध्य आस्तियीं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रबं, उक्त श्रविनियम की घारा 269-म के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रविनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के घषीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

- 1. (1) श्रीमती अवतार कार पत्नी श्री प्यारा सिंह
 - (2) गूर चरण सिंह
 - (3) नरन्द्र सिंह पुत्र श्री प्यारा सिंह
 - (4) हरभजन कार
 - (5) कूलदीप कौर
 - (6) श्रीमती कुकूम कार उर्फ कुसूक लता पूत्री प्यारा सिंह, नि. म. नं. 157 वार्ड नं. 3,1 पानीपत।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती कृष्णा वन्ती पत्नी श्री कृष्ण लाल

(2) श्री सोहर्न लाल राजकुमार, हीरालाल पन्ना लाल धर्मपाल पुत्रान श्री कृष्णलाल, नि. मं., नं. 120, जवाहर नगर, त. कैम, पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसीं ग्रंग्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित **है, वही** प्रयंहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति बुकान अन्सार बाजार, पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीक तों के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्री-संख्या 4145 विनाक 16-12-80 पर दिया है।

> गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरक्षिण्) अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 12-8-1981

मोहरू 🖫

त्रकप धाई∙ टी० एन∙ एस∙---

आयकर (प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269•व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

भायीलय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1981

िनदर्शिसं. गुड़गांवा/72/80-81—अतः मुक्ते, गो. सि.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ममीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- रुपये से धिक है

और जिसकी सं. पूरानी अनाजमंत्री के निकट मकान है तथा जो सोहना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गृहगांवा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिकत से प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः, व्यव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की छपभारा (1) के सप्तीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्वर्धात् म्—

- भी राम काबू पूत्र श्री मदन लाल, नि. पुरानी अनाजुमन्डी, सोहना।
 - (अन्तरक)
 2. श्रीमती शकुन्तला देवी पृत्री श्री बनारसी दास,
 नि. बस स्ट^रंड व अनाजमंडी के निकट, सोहना।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोशक्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्षण्डीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपति मकान पुरानी अनाज मंडी साहना में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांना में रिजस्ट्री संक्या 4147 दिनांक 4-12-80 पर दिया है।

> गो. सि. गोपाल **स्क्षम् प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जेज्, रोहतक

तारीख ः 12-8-1981 म्रो**ह**ुड ■ प्रकृष् वार्दं टी. एन्. एस.----

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्सण) वर्जन रॉज, रोहतुक रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1981

निदांश सं. करनाल/140/80-81---अतः मुक्ते, गो. सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- कार्य से प्रधिक है और जिसकी सं. पाल्ट्री कार्स के साथ भूमि है तथा जो गांव कौंदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1980 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृष्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भाध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रम, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के मुधीन, निम्मुचिष्क म्युक्तियों मुधीन् . (1) रानी देवी पत्नी श्री अमृत लाल गृप्ता

(2) राजीव गृप्ता पुत्र डा. अमृत लाल गृप्ता (3) अशोक कुमार गृप्ता पुत्र श्री औम प्रकाश गृप्ता, सभी निवासी चौड़ा बाजार, करनाल।। (अन्तरक)

2. (1) श्री सुभाष चन्दर बजाज पुत्र श्री निहाल चन्द बजाज, 554-र्इ. डब्ल्यू. एस. हाजनिसंग, बोर्ड कालोनी, करनाल (50% हिस्सा)

(2) श्री नन्दलाल गुलयानी पुत्र श्री चन्द्र भान गुलयानी नि 133-ए., डी.डी.ए. फ्लैट्स, एल. आई.सी., राजीरी गार्डन, नई दिल्ली (50% हिस्सा)

(अन्तरिती)

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति भूमि एवम् इमारत गांव सैंदपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या दिनांक 23-12-80 पर दिया है।

गो . सि . गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीच : 12-8-1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. अम्बाला/119/80-81---अप्तः मुक्ते, गो. सि. गोपाल.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रु. से अधिक है

कारण है कि स्थावर सम्पात, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. मकान नं. 4167-4167-ए, गूरना चरन रांड है तथा जो अम्बाला छावनी में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अभिकारी के कार्यालय, अम्बाला में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस विसम्बर, 80 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल सं, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उव्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उव्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उव्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रति-

रूप से कथित नहीं किया गया है ६--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन निम्नितिस्त व्यक्तितमों स्थात्॥--

- श्री मृल चन्द पुत्र वसीयाराम पुत्र श्री अर्थेमु चन्द्र,
 नि. धूर्गा चरण रोड, अम्बाला छावनी।
 (अन्तर्क)
- 2. श्री राम प्रकाश पुत्र श्री वजीर चन्द्र, मकान नं ज 4959, मौहल्ला पुलेदारान, अम्बाला छावनी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोंक्त सम्पित् के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध काव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों सें से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनस ची

सम्पति मकान नं 4167-4167-ए, धुर्गा चरण रोड, अम्बाला छात्री मे स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्री-कर्ता के कार्यालय अम्बाला में रिजस्ट्री संख्या 4265 दिनीक 17-12-80 पर दिया है।

> गों. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीख: 12-8-1981

मोहर 🦈

प्रस्प माई० टी॰ एत० एस॰----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1981

निदांश सं. बल्लभगढ़/209/80-81---अतः मुक्ते, गो. सि. गोपाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है के स्यावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दें से प्रधिक है

और जिसकी सं मकान नं 1035, सेक्टर-7 है तथा जो फरीवाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्लभगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पर्यह प्रतिशत ग्रधिक है और ग्रम्तरक (अन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिखल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसले बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रम्य खास्ति घो को जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त प्रधिनियम, या घन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधार्टके लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 1 श्रीमती शकुन्तला रानी भल्ला पत्नी धर्मवीर, नि. 2/508, कश्मीरी मौहल्ला, डा. अकनानूर जिला जम्मू (ज. क.)।

(अन्तरक)

 श्रीमती शारदा बंबी पत्नी श्री डी. सी. अग्रवाल, 7सी/1119, फरीबाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिके प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्क्टोंकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत प्रिविक् नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ब्रन्सूची

सम्पति मकान नं 1035, सेक्टर 7, क्षे 250 व ग फरीवाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्य/लय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्री संख्या 9611 दिनांक 24-12-80 पर दिया है।

गों. सि. गोपाल सक्तम प्रार्धिकारीं सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)ं अर्जन रोज, रोहतक

तारीख : 12-8-1981

मोहर् 🕄

प्रकप आई० टी० एन० एस०-

बायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 अगस्त 1981

निवंश सं. हांसी/5/80-81--अतः मुभी, गो. सि. गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं. भूमि 21 कनाल है तथा जो हांसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हांसी में, रिजस्ट्री-करण औधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिबक कृप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण मे, में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :— श्री सम्पूर्ण सिंह पृत्र श्री हरनाम सिंह, श्री लक्ष्मन सिंह, नि. हांसी।

(अन्तरक)

2. मैं. ज्योति इन्ड्स्ट्रीज, बोहली रोड, हांसी। (अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्हें सुम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी च से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सभ्पति भूमि 21 कनाल हांसी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हांसी में, रिजस्ट्री संख्या 2285, विनाक 18-12-80 पर दिया है।

गों. सि. गोपाल **झक्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, राहेतक

तारीब : 19-8-1981

मोहरः

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰एस॰----

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प (1) के प्रवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त वायुक्त (निरीक्षक)

वर्णन् रंज्, रोहतक

रोहतक, विनांक 19 अगस्त 1981

शिवर्षेश सं हिसार / 56 / 80 - 81 - - अतः मुभ्ते, गो . सि . गोपाल ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- र॰ से प्रधिक है

और जिसकी सं. सम्पति नं. 222/8 है तथा जो हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस विसम्बर, 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरम से हुई किथी बाय की बाबत; इक्स बर्धिक निवस के ब्रधीन इन्हें के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा इससे बचने में बुविधा के बिद; अपि/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य धारितवीं को जिन्हें भारतीय घाय-कर सिविनयम, 1922 (1922 का 11) या चन्त सिविनयम, या घन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ घन्तरिती हारा प्रस्ट नहीं किया यवा या किया बाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— 9—226GI/81

- श्री औम प्रकाश पुत्र श्री गोपी चन्द, रोहतक, श्रीमतौ इन्दिरा वती मेघा दोवी पृत्रियां श्री जयन्ती प्रसाद, रोहतक।
- (अन्तरक)
 2. श्री सत्यप्रकाश पुत्र श्री महाबीर प्रसाद, मार्फत नेम प्रकाश, चन्दर प्रकाश, हिसार।
 (अन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्वन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाबोप:--

- (क) इस सूजना के राजपक में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी अमित हारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की वारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ विसी प्रश्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिचित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरचा । -- इसमें प्रयुक्त कर्कों घोर पर्दो का, वो उक्त घडि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ववा है।

भनुसुची

सम्पत्ति नं. 222/8 (आधा हिस्सा) हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में रिजस्ट्री संख्या 3630 विनाक 2-12-80 पर विया गया है।

गो. सि. गोपास् सक्षम प्राधिकारी सहायक कायुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोह्नत्क

तारी**स** छ 19**-**8-1981 सोहरः प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) अर्जन रोज, रोहसक

रोहतक, दिनाक 19 अगस्त 1981

निदांश सं हिसार/57/80-81---बतः मुक्ते, गो सि. गोपाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सम्पति संख्या 222/8 है तथा जो हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नलिखित उब्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्युधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ण के, अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों स्थृति ध--- श्री सोम प्रकाश युत्र श्री गोपी चन्द, रोहतक, श्रीमती इन्दरा वती, मेदा दोदी पुत्री श्री जैन्ती प्रसाद, रोहतक।

(बन्तर्फ)

 श्री सस्य प्रकाश पुत्र श्री महाबीर प्रसाद भार्फत वेद प्रकाश चन्द्र प्रकाश, हिसार।

(अन्तर्रुरती)

को यह सुचना जारी करके पृथाँकत सम्पृतित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ी भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तापिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के शीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्ति व्यक्ति
- (च) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युब्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, की खक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुस्ची

संपित्त संस्था 222/8 का आधा भाग जो कि हिसार में स्थित ही तथा जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में रिजस्ट्री कमांक 3688 विनाक 5-12-80 पर विया। गया है।

गो. सि. गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सुहायक आयुक्ट आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीच : 19-8-1981

म्हिड् 🗈

प्रकृष वार्ष<u>े थीं एक एक :-----</u>

आवृक्त र अभिनियम , 1961 (1961 का 43) क्री धारा 269-व (1) के जुधीन सूचना

त्रांद्रव सुरक्त

क्रमाल्य्, सहायक जायकुर आयुक्त (निर्धाक्र) वर्णन रेज, रोह्तक

रोहतक, दिनांक 19 अगस्त 1981

निवर्षेश सं. अभ्वाला/114/80-81--अतः मुभ्ते, गो. सी न

गोपाल,

नायकर निष्तियम , 1961 (1961 का 43) ((जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम्' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, पुष्युका उप्रित बाजार मुख्य 25,000 राज्य से निम्म है

और जिसकी सं. दुकाने नं. 197, 198, 199 एवं 200 है तथा जो वार्ड नं. 1, स्पृत रोड, अम्बाला शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम . 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस विसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उत्तित वाजार मूल्य से कम के उपयमान् प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार मुल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पुन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती [(बन्तुरितियाँ) के बीच एके बन्तरण के किए तुर पारा गरा प्रति≟ फल निम्नलिखित उद्वरेग से उक्त अम्तरण निवित में वास्त-विक इत्यु से करियत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी वाब्ताः, सक्ता क्रिपिनियम के बधीन करु देने के मुन्टरक के दायित्य में कभी कुरते या इससे बचने में स्विध के दिवस मुङ/गा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भून या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्ही मारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तः अधिनियम, या भगकर जिथितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट मही किया गुया था वा किया ज्ञाता छाष्ट्रिय था क्रियाने में इस्तिमा के सिएक

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरक् में में ने उक्त अधिनियम की पारा 269-म नी उपधारा (1) को अधीन निस्निमितिक स्परिकारों अधिवाध

(1) भी बोब्राण् पूरी पूत्र भी कन्दन्ताल, नि. भम्बाला शहर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अन्जूमित्तल पत्नी श्री सूरोग मोहन नि. दुकाने नं. 197, 198, 199 एवं 200 स्पृतु **रांड, अ**म्बाला शहर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, संपरितुके अर्जनुके लिए। कार्यवाद्वियों करुवा हुई।

उनत् भुम्पृत्ति के मुर्जन् के सुम्बन्ध् में कोई भी जाक्षेप्ः---

- (क) इस स्वनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति द्वाराः;
- [(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक गे।

स्पष्टीकृ रुणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुपा है।

यन्स्यी

सम्पत्ति ब काने न 197, 198, 199 एवं 200 वार्ड ने 1, स्पृत राड, अम्बाला शहर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 4193 विनांक 10-2-80 पर विया है।

> गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी स**क्षायक आयकर आ**यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, राहतक

तारीखु: 19-8-1981

मोहरु 🕄

प्रकप बाइ . टी . एन् . एस् , --------------

बायुकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन सुब्ना भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निर्शिक्षण)

मुर्जन रंज, राहतक

ऱोहुतक, दिनांक 19 अगस्त 1981

निवचा सं. बल्लभगव/214/80-81---अतः मुक्त, गो. सि. गोपास भायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सूक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रतः से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. बिग सर्विस औद्योगिक प्लाट नं. 5, है तथा जो नेहरू पार्क, फरीवाबाव में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख विसम्बर, 1980 को पूर्णीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम 🕏 दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूरूय, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती '(अन्तरितियों') के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिश्वित उव्ववेष्य से उक्तु अन्तरण लिखितु में वास्तनिक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूदिशा के शिष्ट; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविभा के सिए;

नतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निमनिविद्य व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्रीमती रिवन्त करि पत्नी भी गुरचरण सिंह, लिं. डब्ल्य-126, ग्रेटर कौलाश-1, नर्घ दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती रामा परनी श्री भगत राम, नि न 585/15-ए, फरीदाबाद, (2) श्रीमती कान्ति देवी पत्नी श्री विजय कुमार नि. के-24, नवीन श्रवरा, वेहली 32, (3) श्रीमती श्रुसीला होवी पत्नी श्री लाला राम नि नहा।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त् सम्मित्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वों कत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसीं, अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पृर्भिपति हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय, में विधा गुवा है।

नगुज्ञी

सम्पति बिग सर्विस औद्योगिक प्लाट नं. 5, क्षे. 150 वर्ग गज, नेहरू पार्क, फरीदाबाद में स्थित ही जिसका अधिक विव-रण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लमगढ़ में रजिस्ट्रीकसंख्या 9751 दिनांक 29-12-80 पर दिया गया है।

> गो. सि. गोपाल समक्ष अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीब : 19-8-1981

प्रकप वाइं.टी.एम.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालुय, सहायुक आयकर आयुक्स (निर्द्रीक्षण)

अर्जन रोज, राहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1981

निवास सं. गुड़गांबा/79/80-81--अतः मुक्ते, गो. सि. गोपाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं और जिसकी मं. भीम (को. 3993 व.ग.) है तथा जो

और जिसकी सं. भूमि (क्षे. 3993 व. ग.) ही तथा जो गुडगांवा में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांवा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, तारील विसम्बर 1980
को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार
मूल्य, उसके इंश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इंश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रश्रप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जि़स्; आदि/या
- (क) ऐसी किसी जाय था किसी धर्न या अन्य आस्तियां करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बुधीन निम्नुलिखिस व्युक्तियों मुधीतः-- (1) औ परसोत्तम प्रसा विसन्ता पूत्र श्री सत्यनारायण सिंहा नि. समस्तीपुर (बिहार)।

(अन्तरक)

(2) मैं. इन्ड्स्ट्रायनो प्रा. लि., अलवर रोड, गुड़गांव। गुडगांवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी अगरको पूर्वों कत सम्पृत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की बबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसनी

सम्पत्ति भूमि क्षे. 3993 व. ग. अलवर रोड, गृडगांवा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गृडगांवा में रिजस्ट्रीसंस्था 4204 दिनांक 12-12-80 पर दिया है।

> गों सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीब : 12-8-1981

मोहरः

प्रकृप साईं॰ ठीं॰ प्रस॰ प्रत•----

मामकर मधिनियम, 1961 (1961 ना 43) नी घारा 269-म (1) ने मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (विरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहसक

रोहतक, दिनांक 19 अगस्त 1981

निष्णेश सं. अम्बाला/128/80-81--अतः, मुफ्ते, गौ. सि. गोपाल,

आपकार प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका, उचित बाजार पृथ्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है और जिसकी सं. बंगला नं. 93, को. 2.68 एकड़ ही तथा जो द्रक्द रोड, अम्बाला में स्थित ही (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के

त्रिप्त का 16) के अधान, ताराख दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्याम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे धृष्यभान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रक्ति-नियम के भ्रक्षीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी ग्राय या किसी जन या भ्रष्य कास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तें अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः धर, उपत प्रधिनियम की बारा 269-ग के प्रमुख्या में, में, एक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नतिश्वित व्यक्तिकों, वर्षाता!---- (1) वी विसियम कॅविक पूज भी केम्स कॅविक, जि. 93, बारन्य रोड, अम्बाला छावनी।

(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती पूष्पा राहरर पत्नी श्री अरनोल्ड राहरर नि. 93, दूरन्द रोड, अम्बाला छावनी, (2) श्री अरनोल्ड रोहरर पूत्र इंसीदर होहरर, नि. 53, दूरन्द होड, अम्बाला छावनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

पनत सम्पत्ति ने प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप १---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलकद किसी प्रक्य व्यक्ति द्वारा, श्रेश्वीहंस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति बंगला नं. 93, दारन्द रोड, अम्बाला छावनी (ओ. 2.68 एकड़) में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला में रिजस्ट्री संस्था 4342 दिनांक 19-12-80 पर दिया है।

गो' सि. गोपाल स**क्षम** प्रा**धिकारी** सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रुज़, रोहतक

तारीब : 19-8-1981

प्रकृष् आहु². टी. एन. एस. -----

आयुक्त र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुभना

भारत स्रकार

कार्यासय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अपूर्णन रोज, हीवराबाद

हैवराबाद, दिनांक 5 अगस्त 1981

ं निदोश सं. ए. सी. नं. 131/81-82---यत्ः, मुक्ते, एसः गोविन्द राजन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/--रा. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि, सर्वो नं. 201/3, साहोबनगर, कलान मे स्थित है (और इससे उपाबद्दध बनस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद पूर्व में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1980

(1908 की 16) के अभीन, दिसम्बर, 1980 की वृबेंक्त संपर्दित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरिती की गई है और मुक्ते विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच ऐसे अन्तरण के लिए तस पाया गया प्रति- कल, निम्मतिचित उद्देश से उच्त अन्तरण दिश्वत में वास्तिवृक्ष कर्य से कथित नहीं किया गया हैंदे-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उजस अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; औड़/या
- (क्) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, ग्रा धनकर अधिनियम, ग्रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए?

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिस्त व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) भी उप्पता सुधीर पिता वंकट राव, रहनेवाले साहचेनगर कलान, हयातमगर तालुक, रंगा रेड्डी जिला, (2) संसर्त व्ही. प्रताप रेड्डी, पार्टनर श्री व्ही. प्रताप रेड्डी पिता अगा रेड्डी, घर नं. 3-3-1002, क्तवीगुडा, हींदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स कोथापेट को. जापरेटिक हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड टी. बी. नं. 830, हैंदराबाद पूर्व। जध्यक्ष श्री एम. गणेश प्रसाद पिता एम. लीग्य्या संकोसर बाक्तर, हैंदराबाद-500036।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच खें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ववस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि सर्वे नं 201/3, साहेखनगर, कसान का भाग। विस्तीर्ण 4 एक इ., 35 गुंठे। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 1017/80 है। रिजस्ट्रीकृत जिल्हों कि जिल्हों कि स्वार्थ पूर्व.

एस्. गोविन्द राजन समाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, हीदराबाद

तारीच : 5-8-1981 महिरा श्रुरूप् आर्ष: ट्री. एन. एस. ------

भायकर म्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भूभीन सूच्या

भारत् सुरकार

कार्यास्य, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज, हौदराबाद

हैवराबाद, विनांक 5 अगुस्त 1981

निवर्षा सं. आर. ये.सी. नं. 132/81-82--- यतः मुभौ एस. गोविन्द राजन, कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार (उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमी सर्वे नं. 201/3, साहबनगर, कालन, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसीची मे और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, है दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 दिसंबर, 80 को पूर्वाक्त संपरित के उपित बाजार मुख्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुख्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त किथ-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अम्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की भन्दा 269-य के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1), को अधीर्ष निस्नुलिखित व्यक्तियों वर्षातः (1) श्री बी. आशीक पिता बी. चंद्रप्या साह बनगर, कालन गांव ह्यातनगर तालुक, रंगारेड डी जीलीं। (2) मेमर्स व्ही. प्रतापरेड डी बाह माने जिंग पार्टनर व्ही. प्रताप रेड डी, 3-3-1002, कं जबीगूडा, होवराबाद। (अन्तरक)

(2) श्री मेसर्स काथापेट को. आपरेटिक्ट हाउजी ग ससाइटी लिमिटेड टी.बी.नं. 830, हैवराबाद पूर्व । बाइ अध्यक्ष श्री एम. गणेष प्रसाद पिता एम. लिगच्या, संकत बाजार, हवराबाद-500036।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्प्रतिस के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूचाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,। मुद्दी अर्थ हुर्गेग और उसु अध्याय में दिया प्या हैं।।

अनुसूची

कृषि भूमि, सर्थे नं. 201/3, साहोबनगर, कलन का भाग । विस्तीर्ण 3 एकर, राजिस्ट्रीकृत विलक्ष नं. 11494/80 हैं। राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद ।

एस्. गोविन्द राजन सक्षम अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण अर्जन रज, हदराबाद

सा**रीच** : 5-8-1981

मोहर 🗄

प्रकप धार्ष । ही । एव । एस । ----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के प्रवीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, होदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अगस्त 1981

निद्रोंश सं. आर.यं.सी.नं. 133/81-82--यनः मुक्ते, एस. गोविन्द राजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० मे प्रधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमी सर्वे नः 201/3, साहवेनगर, कालन, हैवराबाद में म्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मीजी में और पूर्णस्प में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 दिसंबर, 80

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मृह्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिमृत से पश्चिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति- फन निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक को ने किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रक्रि-नियम के मधीन कर देने के धग्तरक के वायिक्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी सन या सन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर संविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त समिनियम, या सन-कर समिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए।

अता, भव, उन्त प्रक्षिनियम की धारा 26 क्र-म के प्रमुखरण में, में, अन्त प्रधिनियम की घारा 26 क्र-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—-10—226GI/81 (1) श्रीमती बी. सत्तम्मा पति बी. चंद्रय्या, साहोबनगर, कलन गांध, हयातनगर तालूक, रंगारेड्डी जीला । (2) मंसर्स व्ही. प्रतापरोड्डी मैनेजिंग पार्टीनर श्री व्ही. प्रतापरोड्डी पिता अगा रोड्डी घर नं. 3-3-10022, कृतबीमूडा, हाँदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स कोथपेट को. ओपरोटिव हाउजी ग सोसाइटी लिमिटेड, टी.बी. न. 830, हैवराबाद पूर्व। अध्यक्ष श्री गणेश परसाद पिता एम. तिंगव्या, 16-2-805, सांकोसर, हैवराबाद-500036।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वींनत सम्पक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के पर्जा के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवित या तत्सन्त्रस्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ये 30 दिन की भवित, वो भी भवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजरत में प्रकारत को तारीज से 45 दिन के मीतर उना स्थावर सम्प्रति में हितवड़ किसो घन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरों के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त श्रीविषम के प्रव्याय 20-क में यथा परिचाणित हैं, वहीं धर्म होगा, जो उस प्रव्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमी सर्वो नं. 201/3, साहंबनगर, **हौदराबाद ।** विस्तीर्ण 3 एकर । रिजस्ट्रीकरण विसेल नं. 11493/80 **हौ ।** रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हौदराबाद ।

> एस . गोविन्द राजन सक्षय अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण अर्जन रोज , हीदराबाद

तारीब : 5-8-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, होदराबाद

हैदराबाद, विनांक 5 अगस्त 1981

एस गोविन्द राजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्धावर मपोत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं कृषि भूमि सवें नं 767 है, नादोरगेंल, ह्यात नगर, हैंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 दिसंबर, 80

का पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास सरन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक कप से कि धत नहीं दिव्या गया है:---

- (क) अन्तरण से हूइ किसी आय की बाबत उक्त जिध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्त्र में कमी करन या उससे बचने में स्विधा के लिए सौर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य को लपभारा (1) के सुधींग, निम्नींगिखित व्यक्तियाँ, प्रथितिः— 1 श्री कोलान पापी रहेड़ी (2) श्री कोलान गोपाल रहेड़ी (3) श्री कालान बे कट रहेड़ी (4) श्री कोलान साथी रहेड़ी सभी लक्ष्मी रहेड़ी के पुत्र हैं। (5) के संकर रहेड़ी पिता पेंद्रेबा लक्ष्मी रहेड़ी (6) श्री सामला सीवा रहेड़ी (7) श्री सामला चंद्रारहेड़ी दोनों भी भल्ला रहेड़ी के पुत्र हैं। (8) श्री कोलान यादी रहेड़ी पिता लक्ष्मी रहेड़ी नावंडगोल, हैदराबाद पूर्व तालुक, जीला रगारेड़ड़ी सभी के लियं जी पी.ए. श्री बी. मलेश पिता बीराप्पा, गडीनारम, हैदराबाद-50036।

(अन्तरक)
(2) दि लोकयाथा को. आंपरेटीव हाउजींग सोसाइटी लिमिटेड (टी.ए.बी.नं. 81) हीमायतनगर, हैं बरा- बाद । बाइ अध्यक्ष टी. बाल रेड्डी पिता पापी रेड्डी, स्टेट बैंक आफ हैंदराबाद कोलनी, सइदा- बाद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

कृषि भूमि . सर्वो नं . 767, नादरगोल ग्रामपंचायत हायात-नगर तालुक, रंगारेड्डी जीला । विस्तीर्ण 7 एकड़ 33 गुंठे । राजिस्ट्रीकृत विलेख नं . 11458/80 हो । राजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी होवराबाद ।

> एस - गोविन्द राजन सक्षय अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण अर्जन रज, हैंदराबाद

तारीख : 5-8-1981

प्ररूप् आर्ड.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, होवराबाद

ह बराबाद, विनांक 5 अगस्त 1981

निद्वेश सं. आर. थे.सी.नं. 135/81-82--यतः मुफ्रे, एस. गाँविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमी सर्वे नं. 766 है, जो नावेरगांल गांव जीला रंगा रेड्डी में स्थित हैं (आरे इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 विसंबर, 80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से कथित नहा किया गया ह .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आरे/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अत शव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्री दोमाकों डा यल्लस्या विता दुर्गस्या (2) श्री दोमाकों डा को डा पेदा रामलू पिता एल्लस्या (3) दोमाकों डा जगस्या पिता यल्लस्या (4) श्री दोमाकों डा चिन्ना यल्लस्या पिता दुर्गस्या (5) श्री दोमाकों डा कनकस्या पिता लेट राजस्या (6) श्री दोमाकों डा पेटस्या (7) श्री दोमाकों डा अंजस्या (8) श्री दोमाकों डा चीन्नारामलू पिता लेट सीतस्या सभी नांदोरगोल में ह्यातनगर तालुक, रंगारंड्डी जीला में रहते हैं। बाइ जी.पी.ए. श्री बी. मल्लेश पिता बीरस्या, गडी-नारम, हैंदराबाद-500036।
- (अन्तरक)
 (2) दि लोकयाथा को. आंपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाइटी लिमिटोड (टी.ए.बी. 81) हीमायत नगर, हैंदरा-बाद। अध्यक्ष टी. बाल रोड्डी पिता पापी रोड्डी, स्टोट बैंक आफ हैंदराबाद कोलनी सहदाबाद, हैंदरा-बाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मो नगेई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित किए जा सक्ष्मे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्**यी**

कृषि भूमी विस्तीर्ण 7 एकड़, 33 गुठे। सर्वे न 766, नादोरगोल गांव, नादोरगोल ग्रामपंचायत, हयातनगर तालुक, रगा-रोड्डी जीला। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 11437/80 हुं। रिजस्ट्रीकृती अधिकारी हैंदराबाद।

एस . गोविन्द राजन सक्षय अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण अर्जन र ज , ह⁴दराबाद

सारीख : 5-8-1981

महिर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की धा**रा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, होदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अगस्त 1981

निद^{्ध}क्ष सं. आर.ये.सी.नं. 136/81-82---यंत[ः] मूक्से, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भरि जिसकी सं कृषि भूमी सवें न 766 है, जो नावेरगोल गांव रंगा रेड्डी जीला है दराबाद में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय है दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 दिसंबर, 1980

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में स्विधा के लिये; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री क्येलानू पापी रहेडी पिता लक्ष्मा रहेडी (2) श्री क्येलानू गोपाल रहेडी पिता लक्ष्मा रहेडी (3) क्येलानू वे कटा रहेडी पिता लक्ष्मा रहेडी (4) श्री क्येलानू साथी रहेडी पिता लक्ष्मा रहेडी (5) श्री के. शंकर रहेडी पिता पदा लक्ष्मा रहेडी (5) श्री को. शंकर रहेडी पिता पदा लक्ष्मा रहेडी (6) श्री सामला सीवा रहेडी पिता मल्ला रहेडी (7) श्री सामला चंद्रा रहेडी पिता मल्ला रहेडी (8) श्री कोलानू शादी रहेडी पिता लक्ष्मा रहेडी सभी नावरगोल, हदराबाद पूर्व तालुक रगा रहेडी जीला में रहते हैं। सभी के लिए जी.पी.ए. श्री बी. मल्लेश पिता बीराप्पा गडी- अनारम, हैदराबाद-500036 है।

(अन्तरक)

(2) श्री दि लोकयाथा को . ओपरेटिव्ह हाउजी ग सोसाइटी लिमिटेड (टी.ए.बी 81) हीमायत नगर, हैं दरा-बाद । अध्यक्ष टी. बाल रेड्डी पिता पापी रेड्डी, स्टेंट बांक आफ हैंदराबाद कोलनी सहदाबाद, हैंदरा-बाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे प्यौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

कृषि भूमी विस्तीर्ण 8.05 गुंठे सर्वे नं .767, नादेरगोल गांव नादेरगोल ग्रामपंचायत हयातनगर तालुक, जीला र गारेड्डी । रिजस्ट्रीकृत विलेख नं .11436/80 है । रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एस . पोविन्द राजन सक्षम अधिकारी (सहायक आयंकर आयुक्त) निरीक्षण अर्जन रेज, **हैदराबाद**

तारीस 5-8-1981 सोहर .

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अपुंधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अधीत् к—— प्रकप श्राई० टी• एम० एस•----

भायकर धांधिवियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय अर्जन रॉज-।, बंबई

बंबर्ड, दिनांक 11 अगस्त 1981

निवर्षेश सं. ए. आर-1/4524-16/81-82---अतः मूर्भे सुभाकर वर्मा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं सी एस नं 796 भुलेक्वर डिक्हीजन में है तथा जो ऑल्ड हनुमान लेन (कालबा देवी रोड) (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-12-1980 विलेख सं 2465/78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान व्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है योर मुझे यह विज्ञास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके वृत्यमान प्रतिफल से गन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल. निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखिन में वास्तवित रूप से किया नहीं किया मया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अग्य या किसी छन या घन्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन- कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पासा किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उस्त भाषिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

- श्री चरणवास मध्यी, 2. गोरधनवास वल्लभ दास चतुभुज, 3. मटाउ गोरधन दास दयाल कृष्णराज जयराज, 5. गोरधनवास मोरारजी कापिड्या।
 - (अन्तरक)
- 2. धनश्याम दास पुरुषात्तम दास पुरोहित .

(अन्तरिती)

3. टेनंट्स (सूची के अनुसार) ।

(बह व्यक्ति, जिसकें अधिभोग में सम्पत्ति ही)

- 1. मेसर्स बलीवाला और हैमी (प्रा) लि.
- 2. रामखीलवन दसूराम
- 3. महादेव गोपास
- 4. पुरुषोत्तम जीवभाई संग्राव्हीआ
- 5. लाभशंकर गारशिंकर और मीताराम मुन्निलाल
- 6. शहा अमरशी देमजी
- 7. शहा गोविंदजी शामजी
- 8. शहा मदन धनजी
- 9. दि भारत प्लाअर मिल प्रां. दामोदर मोतीलाल
- 10. लाल बहाद्र निरंजन गुप्ता
- भारतप्रसाद रामिकशन दुर्लभराम
- 12. भांजी जानी
- 13 वर्जभराम भानजी जानी
- 14. गंगाराम भगवानदास
- 15. शहा पोपटलाल मदन
- 16. मनोहर इश्वरलाल छाउरल
- 17. भैयाजी
- 18 लालतप्रसाद मताभाइस तीवारी और दोवीप्रसाद राम-बका दुवे
- 19. से 25 अमरचंद ताराचंद
- 26 में 34 आदर्श लाज
- 35 से 40 दत्ताऋय विश्वनाथ सुलाख
- 42 से 48 आदर्श लाज
- 50 मोहनलाल ल्ब्बीराम
- 51 से 57 गूलराज बाब्लाल और पार्टनर्स
- 58. लक्ष्मीचंव किमतराय
- 59 से 66 आदर्श लाज
- 67 में 90 आदर्श लाज

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकातन की तारी क्ष से 45 दिन की पर्वाध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी भविष्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में श्रकाशन भी तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, बही धर्म होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुमुची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. 2465/78 बंबक उपरी स्वार अधिकारी द्वारा दिनोंक 22-10-1980 को रिज्स्टर्ड किया गया है।

सू**धाकर** वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक जामकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र**ज-।, बंबर्ह**

तारीख 11-8-1981 मोहार व प्ररूप आर्ड .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय अर्जन रॉज-।, बंबइर्

बंबर्ड, दिनांक 12 अगस्त 1981

निदश मं. आ. आर.आई /4510-2-81-82-- अतः मुक्ते, सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रत. से **अधिक हैं** और जिसकी सं प्लाटनं 110 (पूर्व) न्यू एस नं 607 (पोर्शन आफ.)610, 611 और 612 सी एस. नं. 410/6सायन डिक्हीजन में है तथा जो सायन माटांगा इस्टेट में स्थित है (और इससे जपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्गिनस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबर्ड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 8-12-1980 विलेख सं. बंबई 3517/62 करं पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित करन मुल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त लिखित में वास्तियक

रूप से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृषिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री सोन्बाइ^६ के. कब्बर ।

(अन्तरिसी)

- 2 श्री मेसर्स एस के कब्बूर प्राः लिमिटोड । (अन्तरिती)
- श्री मेसर्स एस को कब्बूर, प्रा. लिमिटेड ।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)
- 4. मेसर्स एस.के. कम्बूर प्रा. लिमिटेंड ।

(वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह संपत्ति में हितबवध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. बांम्ब 3517/62 बंबई उपरीज-स्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 8-12-1980 को रिजस्टर्ड किया गया हु² ।

> सुधाकर वर्मा संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रोज-। , संबर्ध

दिनांक : 12-8-1981

प्रकृष भाषे ही एन प्रस ----

श्रीयकर मर्घिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय अर्जन रोज-।, बंबई बंबई, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देशि सं. ओ.आर.।।।/ओ.पी.374/81-82---अतः मुक्के, सुधाकर वर्मा, म्रायक्षर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने, का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- इपये से घ्रधिक है अरि जिसकी सं. एस. नं. 64, 16, 17, 74, 81, 82 अगैर 90 हिनं 13, 19, 22, 24 (अंश) एस नं 103 **बी** (अंश) 29 हि. नं. 7 एस. नं. 15, 19 एस. नं. 103 बी (अंश) 86 हि.नं.एस.नं. 103 बी (अंश) 154 96 हि. नं. (अंबा) एस. 112 (अंबा है तथा हरियानि व्हीलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 10-12-1980 विलेख सं. आर. 5199/72

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिबक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा का लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, मुर्गुत्।-- श्री प्रतापसिंह भूरजी वल्लभदास 2. श्री विलीप सिंह भूरजी वल्लभवास ।

(अन्तरक)

म 2. श्रीमती जोस्ता विक्रमसिंह।

(अन्तरिती)

3. दि. न्यू भोलेरा शिपिंग एण्ड ट्रंडिंग क. लिमिटेड। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे.

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हों।

अन्सूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं आर 5199/72 बंबई उपरिजिस्ट्रिंग अधिकारी द्वारा दिनांक 10-12-1980 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।।, अम्बह

तारींच : 12-8-1981

प्ररूप गार्ड॰ टी॰ एन॰ य्स॰----आयकर विश्वित्यम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, बंबर्ड

बंबर्ष, विनांक 12 अगस्त 1981

निवर्षा सं. ओ. आर. 11/3098-12/डिस. 80--अतः मुभ्ते, संतोष दत्ता,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इपर्ने इसके पश्चात् 'छक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार म्ह्य 25,000/- रूपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 16, 15 एच. नं. 2 एस. नं. 145 एच. नं. 1 और एस. नं. 152 सबडिव्हायडेड प्लाट नं. 6 है तथा जो मागथाने व्हिलेज में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 20-12-1980 प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक्त है और धन्तरह (प्रनारकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित छहेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भता, सब, एक्त प्रवितियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, एक्त प्रवितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रवीत निक्तिवित क्यक्तिमें, वर्षात् :- 1. (1) अयंती लाल एल. पारीस (2) चंपक लास एल पारीस (3) सरला अ. पारीस दिव्योक जे. पारीस एक चेतन अ. पारीस ।

(अन्तरक)

- 2. श्री स्वेतिविधमाला को . आ . हा . सो . लिमिटेड । (अन्तरिती)
- में बर्स आफ द सोसायटि।
 (वह व्यक्तिस, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यकाहियां करता हं।

उनत सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति हाड़ा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति इतरा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

स्पव्योकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त विधिक नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्य होगा, नो उस श्रद्याय में दिया गया है।

असमधी

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. एस. 2502/79 बंबर्घ उप-रिजस्ट्रार अभिकारी द्वारा दिनीक 20-12-80 को रिजस्टर्घ किया गया है।

> मंतोष दस्ता सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रोज-2, बंबई

तारील . 12-8-1981 मोहार 🛭 प्रक्रम बाइरें हो. एवं एस.-----

श्रापकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्रण)

अर्थन रंज-।, वंबर्ह

वबर्ष, दिनांक 12 अगस्त 1981

निवर्षा सः अः आरः-आई/4526:18/81-82---धतः मुभ्ने, सुधाकर वर्मा,

आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें इसके परकान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उन्तत बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. तं. 987 दावर नायेगांव डिव्हीजन है तथा जो सिवरी कास रोड में स्थित है (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबहें में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 22-12-1980 विलेख सं. बम्बह 1775/80

की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूम्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिकित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण सिक्तित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्तरण में हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रिष्ठिन नियम के प्रश्नीन कर देने के बक्तरक के दायिक में कमी करने गा **उससे बजने में सुविधा के लिए**; पौर/मा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम वा धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त जिभिनियम की भारा 269-ग के, जनुसरण में, में, उन्त जिभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन निम्मितिकत व्यक्तियों जर्भातुः-- 11--226GI/81

- 1. (1) श्री माधव गोब्रिंद मल्लस्या ।
 - (2) मनोरमा माधव मल्लय्या ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री मूलचंद गंनमल शाह (2) फतेहचन्द मूलचंद शाह ।
 - (3) अशोक कुमार दलिचय शाहा

(अन्तुरिती)

- टिनेन्ट्स ।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग मो सम्परित है)
- 4. मालती के ठककर
 (वह व्यक्ति, जिसके बार मं अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मं हिसबद्ध है)

को मह सुचना जारी करके पूर्वोक्त तमालि के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनता सम्तिन के प्रार्वेत के तम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा भाधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किये जा सकेंगे।

श्वक्तीकरण:---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त व्यक्ति-नियम के प्रक्ष्माय 20-क में परिकाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस सक्याय में दिया गया है।

सनसची

अनुसूची जैसा कि घिलेस सं. बाम्बे 1775/78 बंबई उप-रिजस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 22-12-80 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ्र सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ध्ययुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, वस्बर्झ

तारीचः: 12-8-1981

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 जुलाई 1981

निदां सं. नोटिस सं. 350/81-82---यतः मुक्ते, डा. वी. एन. ललित कुमार राव, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु से अधिक हैं और जिसकी सं. सर्वें सं. 125/1-15 सब डिवीजन है तथा जो वारका गांव, स्यालसीट तालुका, (गोवा) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारगांव (गोवा) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब 26-12-1980 की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रशिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित दाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हप से किशन नहीं किया गरा है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बाबत उक्त निध-नियम के अपित कर दोने के अपरक्ष को दायिक म कमी करने या उसस बचन में सविधा के लिए, औह/पा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन मा बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नेत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) र प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य को अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के मुधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभृति हु--

- 1. (1) दामोधर नायिक
 - (2) श्रीमती लीलावती दामोधर नायिक कॉबा, मारगोवा (गोवा) मे दोनों रहते हैं। (अन्तरक)
- 2. मेसर्स वेस्ट क्रोजस्ट होदेल्स लिमिटेड, रोप्रेजेट करते हाँ इसके डायिरेक्टर श्री वसंतराव एस् डेपो, डेपो हाँउस, केपाल, पनजी (गोवा)। (बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्रसा हुं।

उक्त स्म्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकरें।

स्पद्धकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैंं]।

जरस ची

(दस्ताबेज सं. 358/80-81 ता. 26-12-1980)
प्लांट बांफ ल्यांड विथ यन एरिया आफ 65,000.00
स्केयर मीटर्स, डिटाचड फ्राम दि प्रापटी नोन् याज ''कोकोनट ग्रेव'', फस्ट, सेकड, एम्ड थर्ड ल्यांकोस डि. प्रेयास, तथा जोवारका ग्राम पंचायत, स्यालसीट तालुका और गोबा जिला में सबें सं. 125/1 से 15 तक स्थित है।

डा. वी. एन. लिलत कुमार राव सक्षम प्राम्कारी सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

तारीब : 25-7-1981

सोहर :

प्रकम बाई. टी. एन. एसं.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन र्ज-।।, मदास

. मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1981

निवर्षा सं. 9255--यतः मुभ्ते, राधा बालकृष्मं, भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रत. से अधिक है नौर जिसकी सं नी कालतूर है जो नासिकंठपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वालिकंठपुरम (आकर्मेंट सं. 2580/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण विभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त संपर्तित के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अस्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास' करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाबार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयम्मान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिक्ति उद्विषय से उक्त जन्तरण सिक्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की जायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिय; और/शा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

नतः नव, उक्त विभिनियम, को भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के नभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् :---

- 1. (1) अवदुस मणित
 - (2) अध्युस अवकार

(अन्तरक)

2. कुलजार अगम

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि निर्माण, मॅसिनरी-वी. कालतूर वालिकठपुरम डाकूमेंट सं. 2580/80)।

> रोधा बालकृष्नं सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मन्नास

तारीस : 7-8-1981

प्रकप आई. टी. एम. एस. ------

भाषकर किंपिनियम, 1961 (196% का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सङ्घायक जायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1981

निदं स सं 9204—यतः मुक्ते, राधा बालकृष्णं, बायकर वंधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत जिधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट 117, नार्थ केंस्ट एक्सर्ट शंग तिल्ले-नगर है जो, ट्रिची 18 में स्थित है (और इससे उपाबक्ष में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कें कार्यालय, वीर यर (डाक्र्मेंट सं. 666/80) में भारतीय रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विसंबर 80

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित काजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का फन्नह प्रतिशत से विश्व है और अन्तरक (अन्तर्कों) वौर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिचित उव्योध्य से उक्त बन्तरण कि बित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में स्विधा के सिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी भग वा अत्य बास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था कियाने में स्विधा के किए;

नतः बन, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण में, में, उस्त मीधिनयम की धारा 269-न की उपधारा (1) के मधीन, निस्निसिचित स्थानतम्, अर्थात् :--- 1. श्री एम. शंकरन

(अस्तरक)

2. श्री मानिसम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षम् को सम्बन्ध में कोई भी नाकोप्ट--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जनिए मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरणः --- इसमें प्रभुक्त खब्दों और पदों का, को उनक बीधीनयम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस कथ्याय में दिया भया है।

मनुसूची

भूमि प्लाट 117, नार्थ इस्टि एकसटेनिश्चन, दिनी 18 (डाक्रमेट सं. 666/80)।

राधा बालकृष्टन **सज़्य धारिपकारी** सहायक बायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्थन रोज-।।, सन्नास

तारीच · 7-8-1981 मोहरू प्रारूप आ**द**ै. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

1 श्रीटी जयराम।

(बन्तरुक)

2. श्रीके. धनलक्ष्मी

(अन्तरिसी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . अर्थन रॉप-११, मद्रास

मम्रास, विनाक 7 अगस्त 1981

निर्देश स. 11228---यतः मुभ्ने, राधा बालकुष्नं, वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं। और जिसकी स. 17 ही जा बाशयकरलू रा ही जा कायेमबट्टूर में स्थित ही (और इसस उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबट्टार (डाक्सेट सं. 6390/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसंबर 80 कां पर्वोत्रत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रक्षिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त सम्पत्ति का उचित बाजार, मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उक्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हूं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अद्यः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (१) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पारत के अअन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्रोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद, में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्मित्त में हित-राय्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि 17, बाशयकरलू रोड, क्रीयमबट्टूर (डाक्रूमेट सः 6390/80)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) वर्जन ट्रॉज-।।, मद्रास

तारीब - 7-8-1981 मोहर

प्ररूप जाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क्री धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय सिय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण)

ि अर्फान रिज∼।।, भदास

मन्रास, दिनीक ७ अगस्त 1981

निर्देश सः 9220--यतः मुभ्ते, राधा बालकृष्णतः, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु . से अधिक ही अरि जिसकी सं. 21 है जो गाधीनगर, काम्याको में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यात्य, जुम्बकानम (डाक्रमेंट सं. 2419/80) मे, भारतीय रिजरट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, दिसंबर 80 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपक्ति का उचित बाबार मुल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से एसे इश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्सि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अपि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

आर. जे. मृथीं।

(मन्दरक)

के राजलक्ष्मी।

(बन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्षन के किए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षान के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी स से 45 विन की अविधिया तस्संबंधीव्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर चक्त स्थावर संपरित में हित-अव्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अभोहस्ताक्षरी अरे पास सिस्तित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरणः – इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदो का, जो उपक्त अभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाे अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा यया 🐉 .

भूमि और निर्माण, 21, गांधीनगर काम्बोक्योनम (डाकामेंट सं. 2419/80)।

> राधा बातकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक वायक र जायुक्त (निरीक्षण) नर्जन हर्ज-।।, मदासं

अस: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वृथित:---

तारीच 7-8-1981 मोहरः

प्रकम बाई० टी• एन• एस•----

द्यायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निर्राक्षण)

अर्जन रज-।।, भदास

मबास, विजाक 7 अगस्त 1981

निर्देश है. 11226—यतः मुक्ते, राधा बासकृष्यं, धायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बाधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधि हारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाचर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से धाधक है

जार जिसकी सं. 1168, कोयमबह्दूर परैवेट इनडिस्ट्रयल एस्टेट है, जो कृरिची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध जनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता विधिकारी के कार्यालय, कोयमबह्दूर (डाक्मेंट सं. 6476/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण विधिनयम, 1908 (1908 का 16) के बभीन, 16 दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्नरित की गई है और मुझे यह विश्वाम गरते का गरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिसत से मिक्क है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐने प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्त निम्नलिखन उद्देश्य से उपन प्रन्तरण लिखित में बास्ति। क्य में स्थित नहीं जिला नया है:——

- (ह) प्रस्तरण में हुई किसी भाग की बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायस्य में कमी करने या उसने सचने में मुविज्ञा के लिए; भौर/मा
- (क) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उपल अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्व भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

चतः वयः, उत्ततः प्रवितियमः, की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, बक्त प्रवितियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीनः, गिम्नीअचित व्यक्तियाँ, अर्थातः :-- 1 . कनरा ट्रोडिंग कम्पनी

(अन्तरक)

2 विभको स्बबर फेकटरी

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी भान्नेप :---

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की भ्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकर ग:--इसमें प्रयुक्त जक्दों भीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रष्टमाय 20-क में परिशापित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रष्टमाय में दिया मना है।

मनुजुषी

भूमि और निर्माण - प्लाट सं 68 कोयमबट्ट्रूप परीबेट इन्डस्ट्रियल एस्टेट, क्रिजी, कोयमबट्ट्र (डाक्रूमेंट सं. 6476/80)

राधा बालकृष्यं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-११, मक्सस

तारीस : 7-8-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयक्तं (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, सद्रास

मन्नास, दिनांक 7 अगस्त 1981

निवास सं. 11227—यतः मुक्ते, राधा बालकृष्णं, नायकर बिधिनयमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. 19/93 हो, जो विग बाजार स्ट्रीट कोयमबट्टूर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हों), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबट्टूर (हाकूमेंट सं. 6457/80) भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विसंवर 1980

प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उष्वेषय से उक्त अन्तरण कि बिक्त में वास्तिक स्प से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि-वियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री बावाक नज और अदर्स।

(अन्तरक)

नटराजन और अदर्स।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-यद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं.!

अनुसूची

भूमि और निर्माण, 19/93, दिग बाजार रट्टीट, कायम-बट्टूर (डाक्यमेंट सं. 6457/80)।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)** अर्जन **र**जे-११, मद्रास

सतः सन्, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीच : 7-8-1981

प्रकथ आईं.टी.एन.एस् : -----

1, एन. डी. कानजपा।

(अन्तर्क)

2 . एन् . रवीन्द्रन ।

(अन्तरिती)

भाषकर नुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) को सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-११, मद्रास

मद्रास, विनाक 7 अगस्त 1981

निह्म सं. 16076—यतः मृक्ते, राधा बालकृणन, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. टी. एस. 67/2 है, जो अजीज नगर, मेन रोड कोवक्कम, पृलियूर में स्थित हैं (और इसमें उपा- बब्ध अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोवक्कम (डाक्मेंट सं. 5575/80) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसंबर 80

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य के कम के स्प्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण शिक्ति में वास्तिवक स्थ से कृत्यत् नहीं किया गया है है--

(क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनिय्म के अधीन कर दोने के जन्तरक कें बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या

(क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सविभा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पुर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्तु होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्र्री के पास तिख्त में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हाँ।

अनुसूची

भूमि, टी. एस. सं. 67/2, अजीज नगर, मेन रोड, कोडसब्क्सम, पृलियूर (डाक्समेंट सं. 5575/80)।

राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकार महायक आयकर आयक्त (निरीक्ष अर्जन रेजनार, मझ

तारीख: 7-8-1981

मोहर है।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जन।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1981

निर्देश सं. 11224—यतः मुभ्ने, राधा बालकृष्मं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. 52 हैं, जो एल. आई. सी. कालोनी क्रिनी, कोयमबद्द में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप में बर्णित हैं) र जिम्ह्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालग, कोयमबद्द (टाक्सेट मं. 6342/80) में रिजस्ट्री-करण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 दिसंबर 80

को पूर्विक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ता, निस्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिश्वित में बास्तविक सूच को लिए तथ ने जिया है न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

 एत. आई. सी. एमपलाबीज कोजापरेटिक बिलिडिंग सोसायटी।

(अन्तरक)

2. प्वलिंगम चेट्टीयार।

(जन्सरिती)

का यह स्थान जारी करके प्यानित सम्पत्ति के अर्थन के निष्

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप: ~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वे वे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

भृमि और निर्माण - 52, एल आई.सी. कालोनी कर्रिकी, कोगमबट्र (डाक्सेंट सं. 6342/80)

> राधा बालकृष्मं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-11, मन्नास

कतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ल्यीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

तारीझ : 7-8-1981

भारत सुरकार

कार्याक्रय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, मदास,

मुद्रास, दिनांक 10 गंगस्त 1981

निविधा सं. 10/विसम्बर/80---यतः मुक्ते, आर. रिषु-

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रू० से भिक्त है

जौर जिसकी सं 66, है, तथा जो स्पर टोनक रांड, मदास-31 में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, पीरियमेन्ट (डाक् मेंट सं 1475/80 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर, 1980 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, लसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी थाय की बाबत, एकत अधितियम के प्रभीत कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; घौर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन मा धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधांके लिए;

बतः अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीविष्तु व्यक्तियों अर्थातः-- (1) श्रीपी. बी. पवमनाभन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोजिनि श्वला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो
 भी अविधि बाव म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा।
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र निश्चिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिगा गया है।

अनुसूची

भूमि-66, स्पर टोनक रोड, मद्रास-31। (बाक्यमेंट सं. 1475/80)

> आर. रविचन्द्रन, सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जनु रोज-1, मद्रास

स्रीब : 10-8-1981

मोहर ३

प्ररूप आह". टी. एन्. एस.---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के भंभीत सुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर वायुक्त (निरीजण)

अर्जन रेज-1, मद्रास्

मुद्रास, दिनांक 14 अगस्त 1981

निदेश सं. 37/दिसम्बर/80--यतः स्भे, अार. रवि-चंद्रन . वायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमैं इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' महा गया है), की बारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- बच्चे से अधिक है और जिसकी सं. 17/112, 17/112-ए, 17/112-की, 17/109, 110, 111, 113 है, तथा जो कोडाई कानाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठीकानल (डाक्र्मॉट सं. 439/80) मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिस्म्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाबार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित को वर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और प्रन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के निए तम पाया गया प्रति-फल निम्निविक्त उन्नेम्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तविक

रूप से मिन नहीं किया गया है।---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत खबत अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिक्य में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अध्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धमकर ब्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें ध्रश्यतिती हारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था, खिपामे से तुविधा के बिए;

जता, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुसरण में; में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के ध्रवीम निम्मसिखित व्यक्तियों, धर्मात् — (1) श्री ए. जी. इंगामनि।

(अन्तरक)

(2) श्री वी : एस् : संनकर मुदलियार।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहिया करता हूं।

उपत सम्पत्ति के तर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी ग्रेन्प व्यक्ति ढ़ारा अधोतस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इनमें प्रभुक्त शक्तें घौर पदों का, जो उपत अधिनियम के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा जा उत्त प्रध्याय में विया गया है।

वनसूची

भूमि और निर्माण--17/112, 17/112-ए, 17/112-बी, 17/109, 110, 111, 113, कोडाईकानाल। (डाक्र्मेंट सं. 439/80)

> झार. रविचन्द्रन् सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)' जर्जन् रॉज-1, मद्रासृ

त्रीच ः 14-8-1981

मोहर 🖫

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

क्षायकर भ्रष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मदास्

मदास , दिनांक 14 अगस्त 1981

निदोश सं. 20/विसम्बर/80--यतः मुक्ते, आर्. रवि-चंद्रन,

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं. सर्वें सं. 48/1 और 65 है, तथा जो कॉडापनाइ किनपट्टी, सेलम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (डाक्रमेंट सं. 7104/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिशत घष्ठिक है मौर अन्तरक (धन्तरकों) मौर प्रकारिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-विसम के अधीन कर देने के सन्तरक के वासित्व में क्षमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रत्य भ्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रिष्ठिनयम, या धन-कर भ्रिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की घारा 269-म की उपभारा (1) के श्रुभीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अ्थीत् ध--- (1) श्री पलानियप्पा चट्टीयार।

(अन्तरक)

(2) डाक्टर मधदेभवरन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के बारा;
- (ख) दूस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो धक्त श्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं. 48/1 और 65, कोंडामनाइ किनप्ट्टी, सेलम। (डाक्र्मेट सं. 7104/80)

आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, मद्रास्

तारीच : 14-8-1981

मोहर 🙃

प्ररूप बाहै. टी. एन : एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सभीन सुभना

भारत सडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, विनाक 17 अगस्त 1981

निदंश सं 11389--यतः मुभी, राधा बालकृष्णम, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र_ि. से अधिक हैं और जिसकी स. राजा स्ट्रीट, टेल्नगुपालयम है, तथा जो

कोयमबट्टूर में स्थित हैं (और इससे अपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यासय, कोयमबटटर (डाक भेट स. 435/81) मे भारतीय रिजस्टी-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तर्ण लिशित में वास्तिवृक्ष रूप से करिश्त नहीं किया ग्या है ए--

- (क) अन्तरण से हुए किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कड़ वोने के अन्तरक के दायित्य में कमी कर्ने या उससे ब्युने में सूनिधा के लिए; मोर/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कुर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बनारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिशित व्यक्तियों, अधीत् :---

((1) श्री इलनगो और तलसियम्माल।

(अन्तरक)

(2) श्री जे. सुबुमनियम।

(अन्तरिती)

को यह सुपना जारी कर के पूर्वीक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, करता 🐉 🗓

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बद्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 4.5 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 पिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंचे।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो जक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है 🔑

मन्सूची

भूमि-राजा स्ट्रीट, तेलूनगुपालयम, क्रोयमबट्टार । (डाक मेंट सं. 435/81)

> राधा बालकृष्ण्न सक्षम प्राधिकारी सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, म्द्रास

तारीच : 17-8-1981

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० 🖚

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-घ (1) के **यभी**न सुचना

भारत सुरकार्

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

- अर्जन र्व-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदंश सं. 11389---यतः मूभ्ने, राधा बालकृष्णन, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ल के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000 / रत० से अधिक **ह**ै और जिसकी सं राजा स्ट्रीट, टेलूनगुपालयम है, जो कोयमबट्टार में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, क्रोयस्बट्टूर (डाक्रमेंट सं. 436/81) में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी, 1981 **क्ये पृत्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य के कम के द**रयमान प्र**ि**फल के लिए अन्तरित की गद्द है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण ही कि संभापूर्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया क्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अध्यतिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की धावक, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा, का। लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्सियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के, अलसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत निम्नलिसित व्यक्तियों अभीत्:—— (1) श्री इलनगो और त्लसियम्भान।

(अन्तरक)

(2) श्री बालसुब्रमनियम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्परितृ को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी कं पास जिसित में किए जा सकेंगे।

स्वच्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अमृस्यी

भूमि-राजा स्ट्रीट, तेलुनगुपालयम, कोयम्बट्टार । (डाकाूमेंट सं. 436/81)

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

तारीब : 17-8-1981

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, मुदास

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदर्शिसः 11389---यतः सुभ्ते, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनिथम्' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / रत. से अधिक हैं। और जिसकी सं. राजा स्ट्रीट, टोलुनगुपालयम है, जो कोयमबट्टूर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टूर (डाकूमेट सं. 437/81) मे रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी, 1981 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बारसचिक रूप से कथित नहीं किया गवा है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक्त स्थिकतयों अधीत ३-- ((1) श्री इलनगो और सुलसियम्माल।

(जन्तरक)

(2) श्री आर आरज्जुहम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रा कत् सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा
- (ज) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्ठीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं (१)

अनुसूधी

भूमि-राजा स्ट्रीट, टोलुनगुपालयम, क्रोयम्बट्टूर । (डाक्रूमेट सं. 437/81)।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजु-।।, मदास

तारीब : 17-8-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस•----

अंग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 369-घ(।) र मधान मुक्ता

मारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना । पटना, दिनाक 17 अगस्त 1981

निदंश स ।।। 505/अर्जन/81-82---अत मुक्ते, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूर्य 25,000/-इपए से अधिक है

और जिसकी स. थाना स 11 तौजी स 5173, खाता स. 25, खसरा सख्या 830 861 (अश) है, तथा जो मौजा खजपुरा जो वेलीरांड, पटना के नाम से जाना जाता है में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10 दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अप के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एम्ब्रह प्रतिश्वत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उश्लेय में उक्त अन्तरण विखित में बास्तिक का में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में शुविधा के किए; और/या
- (ख) एसी किसी आयया किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भागाय भाय-कर अधिनियम, 1922 1177 के या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तियों ज्ञाना चाहिए था, कियान में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमो, अर्थातः——
1 3—226 GI/81

- (1) श्रीमती सरस्वती देवी जाँजे मिस्टर ज्योतिन्द्र नाथ, आई आर एस अवकाश प्राप्त निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, निवासी ग्राम सोनारु, पत्रालय फतुहा, जिला पटना एव वर्तमान निवास स्थान 216-ए श्रीकृष्णापुरी थाना श्रीकृष्णाप्री, जिला पटना।
- (अन्तरक)
 (2) श्री राम चरित्र सिंह और श्री दूर्गा प्रसाद सिंह दोनों
 पुत्र स्वर्गीय रामदयाल सिंह निवासी रामक्मार
 भट्टाचार्य लेन, थाना शिवपुर जिला हावडा (पश्चिमी
 बगाल) वर्तमान निवासी वेली रोड जगदेव पथ
 विपरीत, थाना शास्त्रीनगर पटना।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जा उक्त धाधिनियम के धध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्ष होगा जो उस भव्याय में दिया गया है !

अनुसूची

दों मिजिला पक्का मकान जो गैरेज, तीन नौकर के कमरे, हाथ चापानल, चाहरदिवारी, कोटंयाडं एव सभी चीजों (फिटीग एव फिक्चर्स) सिहत जमीन के क्ल रक्व 9 कट्टा 12 धर 4 धरकी पर स्थित है तथा जो मौजा खंजपुरा जो वेलीराड, पटना (जमदेव पथ के विपरीत) से जाना जाता है, में अवस्थित है एवं जो पूर्णरूप से विसका सख्या 8322 दिनाक 10-12-80 में विणित है तथा जिसका निवधन जिला अवर निवधक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण सक्षम पदाधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आय्क्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारी**ख 17-8-1981** मोहर: प्ररूप भाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, निरोक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना । पटना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदोश सं. ।।। 506/अर्जन/81-82--अतः म्फे, हृदय नारायण,

- आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है
- और जिसकी सं. होल्डींग सं. 1496/558 सिकल सं. 249, वार्ड सं. 34, दूस्ट प्लीट सं. 216, एे. थाना सं. 7 है, तथा जो 216 एे. श्रीकृष्णपूरी, जिला पटना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण-अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-12-80 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य अके दश्यमान प्रतिकल से एमें दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया 'गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
 - (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृषिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित स्यक्तियों, जर्धात् :-- (1) श्री रतन लाल विश्वनोई यल्द हरिदत्त विश्वनोई (2) श्री विजय विश्वनोई वल्द श्री रतन लाल विश्वनोई सभी का निवास स्थान कदमक्राँ जिला पटना वर्तमान निवासी न्यू पाटलीपृत्रा कालानी, अल्पना मार्काट के विपरीत, पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री सरस्वती नाथ जींजे श्री जे. नाथ, आई आर. एस. (अवकाश प्राप्त), निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, निवासी ग्राम सौनारू पत्रालय एवं थाना फत्रुँहा, जिला पटना, एवं वर्तमान निवास स्थान 216 एे. श्रीकृष्णपुरी, थाना श्रीकृष्णपुरी, जिला पटना।

(अन्तरिती)

(3) अंतरिति द्वारा स्वयं अधियोग (वह व्यक्ति जिसके अधियोग में संपत्ति हैं)

(4) पटना जिला रिजिनल डेवलपमेट अधिरीटी (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति मे हितबद्ध हैं) को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्तिन में किए आ सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

दों मंजीला पक्का मकान जमीन के कल रक्क 692 वर्गगज जो 6228 वर्गफीट के बराबर होता है, पर स्थित है तथा जो मीजा श्रीकृष्णापुरीं, जिला अवर एवं सदर निवंधक कार्यालय पटना के होल्डिंग संख्या 1496/558 मिकल संख्या 249, वार्ड संख्या 34 द्रस्ट प्लीट संख्या 216 टाइप-एे. थाना संख्या 7 में अवस्थित है एवं पूर्णरूप से विसका संख्या 8444 दिनांक 16-12-80 में विणित है तथा जिसका निवंधन जिला अवर निवंधक पदाधिकारी पटना द्वारा संपन्त हुआ है।

हृदय नारायण सक्षम पदाधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षत्र, बिहार, पटना

तारीख : 17-8-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्थन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

पटना, विनांक 17 अगस्त 1981

निदेश सं. ।।। 507/अर्जन/81-82--अतः मूक्ते, हृदय नारायण,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से प्रधिक है

और जिसकी सं. ताँजी सं 227 (पुराना) 15-डी. 54 (नया) है, तथा जो ढकनपूरा लोदीपुर महाल निरन्द्रपुर खिरमूनिया जो बोरीग कौनाल रोड, पटना सं जाना जाता है में स्थित है (और रूससे उपलब्ध अनुसूची मं और पूर्ण कृप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकरता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारींख 13-12-80

को पूर्वोक्त संपत्ति क छिना बाजार मूल्य न कम के दृश्यमान प्रिक्षिक्रल के लिए प्रन्नरित को गई है और नुन्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (पन्नरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के जिल्लान निम्तिषित उद्देश में उक्त ग्रान्सण लिखित में अन्तरिते में अन्तरित में उक्त ग्रान्सण लिखित में अन्तरिते में अन्तरित में उक्त ग्रान्सण लिखित में अन्तरिते में अन्तरित में अन्तरित निम्तिष्ति निम्तिष्ति में अन्तरित ग्रान्सण है जिस निम्तिष्ति में अन्तरित निम्तिष्ति में अन्तरित ग्रान्सण है जिस निम्तिष्ति में अन्तरित निम्तिष्ति में अन्तरित निम्तिष्ति में अन्तरित ग्रान्सण है जिस निम्तिष्ति में अन्तरित निम्तिष्ति में अन्तरित ग्रान्सण है जिस निम्तिष्ति में अन्तरित ग्रान्सण है जिस निम्तिष्ति में अन्तरित निम्तिष्ति में अन्तरित ग्रान्सण निम्तिष्ति में स्वान्सण निम्तिष्ति में अन्तरित ग्रान्सण निम्तिष्ति में स्वान्सण निम्तिष्ति म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने पें सर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या जिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) (1) श्री अजींनी कुमार बल्ब मदनलाल विश्वनोई, अभियंता, सी-198 सर्वोदय इनक्लंब नई दिल्ली, श्रीमती रूपा रानी जीर्ज सुनिल कुमार, सी-198 सर्वोदय इनक्लंब नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) मैसर्स यूनिवर्सल हाइड्रोकार्बन कंपनी प्राइवेट लिमि-टेड रजिस्टेड कार्यालय 204 अन्नपूर्णा, 12-ए लौर्ड सिन्हा रोड कलकत्ता-700071। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त तस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधीप !-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 विन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रद्धाय 20 क में यथापरिभावित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसुची

अखडों त जमीन का रक बा 1 विधा 1 कट्ठा का आधा अंग, मकान सहित मौजा ढक नपूरा लोदीपुर महाल निरन्ध्रपूर खिरमूनिया जो बोरींग कौनाल रोड के नाम से जाना जाता है, में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वसिका संख्या 1 - 7027 दिनांक 13-12-80 में वर्णित है तथा जिसका निवंधन रिजस्ट्रार आफ एस्योरेन्स कलकत्ता व्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण् सक्षम पवाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन परिक्षोत्र, बिहार, पटना

तारीख: 17**-**8-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना । पटना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदश सं. ।।। 708/अर्जन/81-82--अतः मुक्ते, हृदय नारायण,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. खाता संख्या 517 खसरा सं. 55 (अंश) है, तथा जो ढकनपुरा लोदीपुर महाल निरन्दरपुर खिरूमुनिया जो बोरींग केनाल रोड पटना के नाम से जाना जाता है में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-12-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में शस्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-ानवम् के अधिन कर दी के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय अपन्तिर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के सविधा के लिए;

नतः नव, उत्ततः अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उत्ततः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री इन्द्र कुमार बल्द मदनलाल विश्वनोई सी-198 सर्वोदय इन्कलेव नई दिल्ली और अन्य

(अन्तरक)

(2) मैसर्स यूनिवर्सल हाई ड्रोकार्बन कम्पनी प्रा. लिमि-टेड रिजस्टर्ड कार्यालय, 204 अन्नपूर्णा 12-एे लौर्ड सिन्हा रोड, कलकत्ता-700071।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति । १९७० । यस्यम म काई भी आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचन के राजपत्र मा काशन को नारोब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयान शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनृत्यी

असंडीत जमीन का रकवा 1 विघा 1 कटठा का आधा अंश एक मंजिला मकान सिहत मौजा ढक नपुरा लोदीपुर महाल निरंद्र-पुर खिरमुनिया जो बोरी ग कौनाल रोड के नाम से जाना जाता है, में स्थित है, तथा पूर्ण रूप से विसका संख्या 1-7028 दिनांक 13-12-80 में विश्त है तथा जिसका निवंधन रिजस्ट्रार आफ एस्योरेन्स कलकत्ता द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 17-8-1981

प्रस्प वार्क टो • एन • एस •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-7 (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, विनांक 18 अगस्त 1981

निदंश सं. ।।। 509/अर्जन/81-82--अतः मुक्ते, हृदय नारायण,

मायकर प्रचितियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सम्माम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित प्रवार मूल्य 25,000/- ब० से प्रधिक है

और जिसकी सं तौजी संख्या 17/808 और 5174 पलौट संख्या 1634, 1643, 1570, 1572 बाता मं. 2040, 2044, 829, 1015 है, तथा जो दीघा घाट पटना में स्थित हैं (और इससे उपलब्ध अनुसची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तापील 18-12-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के चिन बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के एम्इह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (भ्रान्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त में समित से स्वार्थ के स्वार्थ किया गया कार्य के स्वार्थ के स्वार्य के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्

- अन्तरण में हुइ किसी शाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

कत अब, उक्त अधिनियम. की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधित्:—

- (1) पटना पोलसन प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी व्वारा श्री जगदीश जगमोहन कपाडिया वल्द जगमोहन दास जय-किशन वास कपाडिया जिनका रिजिस्टर्ड कार्यालय 64/66 सेनापित वपत मार्ग बम्बई - 400019। (अन्तरक)
- (2) पटना पोलसन प्राइवेट लिमिटेड, दीघा घाट पत्रालय दीघा जिला पटना जिसका राजिस्टर्ड कार्यालय पूना-इंचक पटना - 800023 है, द्वारा मैनेजींग डायरक्टर जनक प्रसाद सिंह बल्द स्व. सौराई सिंह और श्री कृष्ण कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सबाँग।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम - जमीन के रकवे 0.81 डीसमल जिसका प्लौट संख्या 1634, ताजी सं. 17/808, खाता संख्या 2040 एवं रकवे 2 एकड़ 85 डीसमल जिसका प्लौट संख्या 1643, ताजी संख्या 17/808 खाता संख्या 2044 मकान सहित।

व्वतीय-जमीन के रकवे 1 (एक) एकड़ 13.5 डीसमल और 0.48 डीसमल जिसका प्लौट संख्या 1570, एवं 1572, तौजी संख्या 5174 खाता संख्या 829 एवं 1015 क्रमश. है और जो मैंन रोड (पटना-दानाप्र रोड) दिचा घाट पटना (बिहार) में स्थित हैं एवं वह संपत्ति पूर्ण रूप से विसका संख्या 8494 विनांक 18-12-80 में विणित हैं एवं जिसका निवंधन जिला अवर निवंधक पदाधिकारी पटना दवारा संपन्त हुआ है।

हृदय नारायण सक्षम पदाधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 18-8-1981

प्रकप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1981

निदोश नं. पी.आर.नं. 1144/एकवी. 23-।।/81---अतः मुक्ते, जी. मी. गर्ग,

गायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चान् 'उन्तर प्रधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व∘ मे प्रक्षिक है

और जिसकी सं. नं. 26 पैकी है सथा जो भालव, ब्रोच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय ब्रोच में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-12-1980

की प्रबोधित सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाण करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनक वृश्यमान प्रतिफल से, एसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिगत से अधिक है और यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और बन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य में बन्त पननर "लिखित में शास्त्रिक हम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिक्षितियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो जिया ब्राय पाकिमी धन या ब्रम्य ब्रास्तियों को, निन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या पनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में संबंधा र सिंध ;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 28 क्रम के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की ग्राप 26 क्रम की उपधारा (1) अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) श्री जवनती भाइ चिंता भाई पटले।, साक्षेडावर। (अन्त्रिती)
 - (2) श्री रावजी भाई मनु भाई पटले।, मुकतानपूर। के द्वारा मुकताननन्द ढैलस बोच।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वीवन सम्पत्ति के **वर्जन के** मिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।—

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 48 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 विन की अवधि, जो भी धवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमा व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अस्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में हिए जा सकते।

स्यब्दीकरण: -- इसमें प्रमुक्त गक्तों और रहा । चा 'छक्त अधि-नियम', के अध्याय 20-र में परिभाषित हैं, बही। अर्थ होगा, जो छस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिमन जो भालाव सर्वो नं . 26 न्यायाविधि तारीख 24-12-1980 में रिजिस्ट्री कि गयी हैं।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 6-8-1981

प्रस्य धाई। टी। एन। एस।---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के आधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1981

नियोश न. पी. आर. न. 1145/एक्वी. 23-11/81-82 --- अत: मुक्ते, जी. मी. गर्ग, श्रायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की द्यारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्यावर सम्पति, जिसका हिषत बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है, और जिसकी नं. 2707, रानी तलाव, वार्ड नं. 12 है तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तत्र पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्येग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किय। गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उकत अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आहितमों को, जिन्हें भारतीय भागकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः--

- (1) श्रीमती मेहराबार्ड नाधरोजी हिरजी बहर्विन, स्ना-भार्ड आरडम्प की पुत्री, 12, नील फिरम् फलेह गनज, टोराडा।
- (2) रातामर्ड क्रान्वाजीं सिताबाला, स्नाभाई अरडो-सर का पुत्री, बरली बांवे।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री अब्दाल करीम अबदालरहमान पीला,
 - 2. अबदल रहमान अबदलकरीम,
 - 3. मोहमद इकिबाल अबद्लकरीम,
 - 4. मोहमद बीलाल अबद्लकरीम,
 - 5. मोहमद सुवर अबद्लकरीम,
 - 6. मोहमद सलमान अबदुलकरीम,
 - 7. जुर्बेदाबीबी अबद्गुलकरीम अबद्लरहेमान की ण्त्नी, रानी तलाव, कामलकेतन, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>अर्जन</mark> के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में लोई भी आक्रोप :----

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबित या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, भी उनते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मिलकत जो रानी तलाय, वार्ड नं 12, नोंद नं 2707 मूरत या यथाविधी तारीस 1-12-1980 के रजिस्ट्री की गयी है।

> शी. सी. गर्ग स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) अर्जन र[े]ज-।।, अहमबाबाद

तारीख : 7-8-1981

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०

आयवः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1981

निद्येश नं. पी. आर. नं. 1146/एक्बी/23-।।/81-82 --अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नांद नं. 1393 पैकी जमीन है। तथा जो मुगली-सारा, तुकींबार्ड, सूरत में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-12-1980

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाय गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में अस्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दान ई शत्नरक के दायित्व म अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) सेठ पेतसानजी उक्तूडजी धरमशाला और बाल फन्ड दूसटीस:-
 - श्री दावार टांमुरम कायसजी मोदी, दि रट्रीद नानगृषुरा सुरत,
 - डा. बाम सारोश भाका, वानकी बोडी, सरस।
 - सेंठ अराख्या ओर्डमर पानदोष, शापूर, सरत।
 - सैठ हाँसान्ग फारमरोज वाडिया, एथवा लैनस, सूरत।
 - संठ तैमुरम अरडासर पानडाल, शाहपूर, स्रत।
 - श्रीमती रोशन कावसजी मोदी, नानपुरा, गुरत।
 - सेंठ पारवीस केंकी हरूधवाला, धानकी बोरडी सूरत।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री ईशवरलाल वहचरदास,
 - 2. श्री चन्द्राकान्त ईशवरलाल,
 - 3. श्री नरेन्द्रा ईशवरलाल,
 - 4. श्री प्रवीणका ुमार इशिवरलाल,
 - श्री हरोशकुमार ईशिवरलाल, रूघनाथपुर, बराछा शेरी, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचन। जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के अर्जन के लिए रार्यधाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**हें भी बाक्षेप:--**

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त कंड्यों और पर्यों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

मिलकत जो मुगली सारा, नोंद नं. 1393, वार्ड नं. 12, सूरत यथाविधी तारील 6-12-1980 में रिजिस्ट्री की गर्दे $\mathbf{g}^{\mathbf{g}}$ ।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

तारीख: 10-8-1981

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भाषीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज्-।।, अहमदाबाद

अहमबाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1981

निष्के नं. पी. आर. नं 1147/एकक-23-।।/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी वार्ड नं. 1, दिका नं. 18, एस नं. 60 है। तथा भो न्यू 81, एस नं. 3932, अंबीकानगर को पास, कार-भप रोड, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-12-80/24-12-80

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शिति कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्व प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित कन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक निम्निलिश्वित उद्योख से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तिवक हम से किशत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरम् से हुई किसी बाग की बाबत् उक्त बिश-भियम के अभीन कर दोने के अभ्यरक के बाबित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंत्र, या धन कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त विभिन्नियम, की भारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त प्रिक्षितियम की धारा 23 के कि उपधारा (1) के अधीन निकटिलीकत स्थितियों अर्थातः :-14-226 GI/81 (1) श्री मणीभाई रामुभाई पटेल, श्री मनसूचभाई मणिभाई पटेल, रेखाबेन विनुभाई पटेल, श्री विपीनचन्द्रा मगनसास पटेल, उमारनगर, सनसिकयी नावसारी।

(जनारक)

(2) श्री कृष्णकुमार नवनीतलाल गांधी, प्रमृह वारान एपार्टमेन्ट को -- सोसीयटी लिमिटेड, एच नं. 499/वार्ड नः. 4, बद्दनगवाड, नवसारी। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप ।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकातन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति क्षारा अधोइस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो सक्त अक्षिनियम के शब्दाय 20-क में परिचाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

मनुस्ची

मिलकत जो आर. एस. नं. 60, न्यू ढिका नं. 81, एस नं. 3932 था यथाविधी तारीच 23-12-80 और 24-12-80 में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> जी ः सी ा गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) उर्जन रुज-११, बहुमबाबाद

ता्रीब : 10-8-1981

मोहर '

(अन्तरक)

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश नं पी. आर. नं 1148/एक्यू-।।/81-82--अतः मुक्ते, जी सी. गर्ग, आयकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एत. से अधिक ही और जिसकी सं. नोदनं. 2965-ए, दिनगली फलिया है। तथा जो सुरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय स्रत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन दिनांक 17-12-1980 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रिष्फल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मीत का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय भी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्ड/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह——

- (1) श्रीमती ह्नीफा बीबी काजूमिया, श्री रामसूब्दीन फाजलुब्दीन, श्री हुसनुब्दीन फाजलुब्दीन, श्रीमती नृरुदीन फाजलुब्दीन, श्री मोहयूदीन फासलुब्दीन, श्रीमती सदीनाबीबी फाजलुब्दीन, श्रीमती खटीजा बीबी फाजलुब्दीन, श्रीमती कुलसाम बीबी फाजलुब्दीन, बादेखा चकला, धानगली फिलया, सूरत।
- (2) 1. श्री मोहमद सीदीक ई बाहीम चीनीवाला।
 2. श्री अबदालुकावर ई बाहीम, जाक बाजार सीदीवाड, सूरत।
 (बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळिकरण:--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुति वर्ष होगा जो उस बुध्याय में विका गुमा है।

मन्स्ची

मिसकत जो दीनगसी फालिया, नोंद नं 3865-ए स्रूरत यथाविधी तारींच 17-12-1980 में रिजस्ट्री क गयी है।

> जीं. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारीं सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, अहमवाबाद

तारींच : 10-8-1981

मोहर 🌣

प्ररूप बाद्दै . टी . एन् . एस . - - - - - - -

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रूज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1981

1149/एक्वी . -23-।।/81 निद्येश नं. पी. आर. नं. 82-- अतः मुभ्ने, जी. सी गर्ग, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रतः से अधिक है और जिसकी नॉव नं. 3965-बी. जमीन दीनगली फालिया बाद का चकला सुरत में स्थित हैं (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स्रत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-12-1980 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दर्धय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक **रूप** से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबस, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निस्; आंद्र/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या सिन्या जाना चाहिए भा, ख्याने में सूचिधा के हिसए;

अतः अध, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरक मं, भं, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्धात् :---

- श्री मीयामोहमद अवद रहिमान।
 श्री अवद लरहीम अवद रहिमान।
 श्री अवद लरहीम अवद रहिमान।
 श्री अवद लकरीम अवद रहिमान।
 श्री अवद लकरीम अवद रहिमान।
 श्रीमती अयीषाबीकी अवद रहिमान।
 वाद का चकला, वीन्गली फ लिया, सुरत्।
 (मन्तरक)
- 2. श्री अवद्रालभाद्यं अवद्रालकादर चाकीवाला, चोक- वाजार। नाज विलिधिंग। वाज्यं नं 1, नोद नं 3896, सूरत्।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना पार्री करके पूर्वों कत सम्मरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्काकरणः --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस्तु जुध्यायु में दिया गुया हैं.।'

मनुसूची

मिलकत जो नोंद नं. 3965-बी दीनगली फलिया, सूरत यथाविधि तारीख 16-12-1980 में रिजस्ट्री की गयी है।

> र्जी . सी . गर्ग सक्षम प्राधिकारी सुहासक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-११, अहमदाबाद

तारीब : 10-8-1981 मोहर 🖫

प्रकप बाई० डी० इन० एस•---

भाग्कड मिनियम्, 1961 (1961 का 43) की वाह्य 269-ष(1) के अभीन सूचना

भारत बुरकाडु

कार्याल्य, स्हामक बाय्कद बाय्क्स (निरीक्ष्ण) अर्जन रोज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अगस्त 1981

निविश नं पी. आर. नं 1386, अर्जन रेज-23-1/81-82---अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं। तथा जो वूधरेज में स्थित हैं। (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पद्मान सीटी में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

विनाक 11-12-80
को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफश्च के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित बाजार मूल्य, स्वतं वृश्यमान प्रतिफल को ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीवक है भीर सन्तरक (सन्तरकों) और अन्तरिती (संतरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त झन्तरण किश्वित में बास्तविक स्था से किखत नहीं किया गया है।—

- (क) जन्तरण के हुन्। किसी जान की नान्त, उनक् जीभीनयम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व में कभी कर्न या उससे ब्ल्ने में सुविधा के लिए; जीड/वा
- (इ.) एते किसी लाय या किसी भन या अस्य अस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविभा के लिए;

बतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-मु मैं बनुसरण में, मैं, एक्त विधिनियम की धारा 269-म की वर्णभारा (1) के वधीन निम्नलिवित व्यक्तियों, वर्णात्:——

- ा. श्रीनानुगुगा
- 2. श्री रज्लांड गंगा दूधरोज
- 3. वारसवार-अंषा गर्गा के वारसवार
 - (1) रंभावन अंषा
 - (2) लभूबेन अंघा
 - (3) संगीर सूरजबने अंघा गाडींयन माना गगा दूधरोज

(नन्तरक)

- 2 (1) श्री महीयतलाल फस्तूरपैद शाह
 - (2) श्री दीनकर नगीनदास माह
 - (3) श्री राजेश नगीनदास शाह
 - (4) श्री महोश महीयतलाल शाह
 - (5) श्री अशिक महीयतलाल पाह
 - (6) श्री होमन्त अशोक महीयतलाल झाह, सुरोन्द्र नगर

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पृतित् को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षदी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्थळिकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, नहीं कुर्य होगा को उस अध्याय में विमा गया हैं।

पप्सुची

केती लायक जमीन जिसका कर्ल क्षेत्रफल 3 एकड़ 31 1/2 गृंठा है, जिसका सर्वे नं. 519 है तथा को पश्चिमी विशा में दूभरोज में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन तारीख 11-12-80 वाले जिक्की दस्तावेज नं. 3257 में दिया गया है।

जीः सीः गुर्गः, सक्षम प्राधिकारी सहायक आमकार आयुक्तः (निरक्षिणों अर्द्धन रोज-।, अहमवास्त्रा

तारीचं ः 5-8¤81 मोहरः ः प्ररूप माई० ठी० एन० एस०---

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आयुकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1981

निद्देश नं. पी. आर. नं. 1388/अर्जन रंज/23-1/81-82---अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और 5269, 4733 और 4734 प्लाट नं. 12 से हैं। तथा जो 14 और प्लाट नं. 16 से 18,, आरोग्यनगर, बीकानर जिला, राजकोट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कृप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-12-80 को पूर्णित्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिवित उव्वरेष से उक्त अन्तरण कि बित में वास्त्रिक कप से कि भित नहीं किया गया हैं—

- (का) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए, और या
- (क) ऐसी किसी आय या जिसी धन या अन्य आफिनया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, अक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में जुधीन निम्निसिवित व्यक्तियों अर्थात:—

',"

 महोन्द्र आहल केक इन्डस्ट्रीज कम्पनी भिक्तनगर स्टोशन प्लाट राजकोट

(अन्तरक)

 मेसर्स महोन्द्र एक्सपोर्ट इन्डस्ट्रीज भिक्तनगर स्टोशन प्लाट राजकाट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अूर्यन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त किंकिन नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

गनसभी

फैक्टरी मकान जिसका लेह. नं. 5268 और 5267,4733 और 4734, प्लाट नं. 12 से 14 और 16 से 18 जिसका क्रूल क्षेत्रफल 1039-4-6 कोरस गज, 1039-4-1 चोरस गज 2079 चोरस गज और 328-6-6 चोरस गज है, तथा जो आरोग्यनगर, बीकानेर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रिजस्ट्री आफिस बीकानेर वाले रिजस्टर्ड विकी दस्तावेज नं. 1198/19-12-80 में दिया गया है।

जीं. सी. गर्ग सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-। अहमदाबाद

तारीच : 10-8-81 मोहर :

प्रकप भाई - टी - एम - प्रत ----

भायकर प्रवित्विम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1981

निविध नं. पी. आर. नं. 1387-अर्जन रीज-।/81 82 – – अतः मुभ्ते, जी.सीगर्ग, बायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- ₹0 से प्रधिक है बाजार मृह्य और जिसकी सं. प्लाट नं. 477-ए. लटी प्लोट पैफी और 477-**थी**. है। तथा जो कोलकी रोड उपलेटा में स्थित **है** (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उपलेटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-12-80 को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का खचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेरय से छन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत सक्त अञ्चितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए। और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या निसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आसंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त प्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया यया वा या किया जाना चाहिए चा, कियाने यें सुविधा के लिए

अतः अब, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के बुधीन निम्नुसिद्धिल व्यक्तियों, नुर्वात ह—

- श्री रामणी सीमणी एख कंपनी
 की ओर से भागीदार श्री जमनादास मंजीभाई
 उपलेटा जिला राजकोट
 (असरक)
- श्री वीठलदास देवराज एन्ड अधर्स वीठलदास देवराज एन्ड कॉपनी नटवर रोक, उपलेटा

(मृन्त्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बक्त में कोई भी धाक्षेपा—

- (*) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की शवधि, जो भी भवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, ग्राशोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीतरण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को छक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसर्थाः

एक बुली जमीन बाला प्लाट तं. 477-ए. एन्ड 477-बी. पैकी जिसका कुल क्षेत्रफाल 1474-1-6 चोरस गण एंड 1522-4-6 चोरस गण है तथा जो कोलकी रोड उपलेटा में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्री आफिस उपलेटा वाले रजिस्ट्रेड बिकी दस्तावेज नं. 1686/8-12-80 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, जहमदाबाद

वारीय : 10-8-81

मोहर 🛭

प्रकृष् बार्ड, द्यी. एन. एस.-

भागकर भिक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-धु (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भागकर भागृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

शहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1981

नियम मं. पी. आर. नं. 1150/एकयीः/23-11/81-82---अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ण, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के भ्रष्टीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- थपए से प्रधिक है

'और जिसका नोद नं. 1939 पैकी प्लाट नं. 5 है तथा जो महादेव नगर, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्पी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्छद प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निस्तित में बास्तविक कम ने कथित नहीं किया नथा है:---

- (क) भन्तरण में हुई किसी भाग की वाबत, उक्त भन्नि नियम के भन्नीत कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी माय ना किसी बन या मन्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर मिसिनियम 1922 (1922 का 11) या उत्तत पिसिनियम, या धन-कर पिसिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ¦भा या फिया बाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

सतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तु अधिनियम की धारा 269-म की सपधारा (1) क्रें अधीव, निस्नुसिवित स्मृक्तियमें, स्थित् ध-≖

- श्री कीषण कुमार सल्लू भाइ । गांव उमाद्रव। ता-वारवोसी।
- 2. श्री वासनती भाई हिराभाई पृटले। गांव उम्प्ररत्। ता-बारदोली।
- 3. श्री चनदुलाल चगनलाल पटेल। 85, साधना सोसी-यीटी। बराछा रोड। सूरत।

(अन्तरक)

2. (1) साधुराम हरिप्रसाव पटल।

(2) कनसीलाल एस। विजयकुनज प्लाट को-ओ. है सौसैटी लिमिटेड 1, 2/808, हीरामोदी होरी। साम्रामपुरा। सुरत।

(जन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

खबत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :- ·

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितब के किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पवटीकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाणित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्पी

मिलकात जो नोष नं 1939-पैकी जमीन महावेबनगर, सुरत मो स्थित ही। जो यथानिथी तारील 5-12-1980 में रिजस्ट्री की गयी ही।

> जी . सी.- गर्ग सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जत र्रज्-।।, अहमदाबाद

तारीच : 11-8-1981

मोहर 🗓

प्ररूप धाई० टी॰ एन॰ एस०----

यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉअ-११, अहमदाबाद अहमवाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1981

निद्देश नं. पी. आर. नं. 115-1/एकपी/23-11/81-82---अतः मुफ्ते, जी. मी. गर्ग आयकर श्रिष्ठित्यम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठित्या' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत पक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति 'जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये में श्रीधक है

और जिसकी सरवे नं. 147, बौर 148 हैं। तथा जो मोजे जैन-कपुर 1, बेरोज में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीक तो अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मुल्य, उसके वृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मे हुई िहसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः धन, उन्त निविधानियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री किरन भाई मणिपाल पटोल, बेरोडा।

(अन्तरक)

2. श्री दलसुस भाई पटोल।, अशोक को न्है-सोसयीटी लिमिटोड। विभाग-4, 17, चनदन बिलिंडिंग, सरदार भवन पास, जूबिली भाग, बेरोडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यत्राहियां शुरू करका है।

उक्त समात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में भमापन होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

क्पक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्वो का, जो उक्त श्रधि-तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुल्ला जमीन जो जिसका माप 2 एकेरस और 16 गुणाडा पर जेनलपुर सरधे नं 147/1, 148, जैनलपुर विसत्तार, बेरोडा नगर में स्थित है। जो विक्रीखम नं 6933 पर, सब रिज-स्टार, बेरोडा के कार्यालय में तारीख 30-12-1980 में यथा-विधी रिजस्ट्री की गयी है।

जी . सी . गृर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉजना , अहमदाबाद

तारीच : 11-8-1981

मोहर :

10571

प्ररूप आहें ृटीं .पुन् .पुस ू------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक कायकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोजना, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 11 अगस्त 1981

नि नं एफ न. पी. आर नं 1389/अर्जन रीज 23-1/ 81-82--अत म्भे, जी मी गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी स सर्वों नं. 54-2, मेमनगर, टी पी.एस नं. 1 ही, तथा जो अहमदाबाद में स्थित ही (और इससे उपायव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, विसंवर, 1980 को पूर्वेक्स संपर्तिसुके उचित काजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफंत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उर्वित बाजार मृत्य, उसके छ्यमान प्रतिकल से, ऐसे छ्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती '(अन्तरितियाँ)' के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फेल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िंकसी आय की बीबत, उक्तु अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मैं कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और्∕या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहिसायी को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विषा के जिए।

कतः अव, उक्त अर्धिनियम की धारा 269-ए के, अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः—— (1) श्री बलदेवजी छगनजी ठाकुर, श्री जीवाजी छगनजी ठाकूर, श्री रमेशभाई छगनजी ठाकुर, ठाकुरवास मेमनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबुभाई हिराभाई भट्ट, चेयरमेन न्यू अजली को - ओ - हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, भाग्यलक्ष्मी सोसायटी, पीकर फैक्टरी के नजवीक, नवा बाडज, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।।

उक्तु सुम्पृत्ति के अर्थन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्रह— ,

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की सार्रीख़ सैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इवारा॥
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा खुधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पब्लीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्तु अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथापरि-भाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मोमनगर में स्थित है जिसका सर्वे नं. 54-2, टी.पी.एस. न 1, तथा दिसवर, 1980 महीने में रिजस्ट्री किया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, अहमदाबाद

तारील : 11-8-1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 12 अगस्त 1981

निदोश नं पी. आर. नं 1153/एकवी/23-।।/ 81-82--अतः मुभ्ते, और सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रत- से अधिक है और जिसकी सं. बोरोडा कासबा सर्वे नं. 476-1-ए-2 हैं, तथा जो फार्झनल प्लोट न . 331, गोबल कालोनी, दीनेश मिल्स के पास, बरोड़ा में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय बरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-12-1980 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री अब्दुल मजीद गुलाम हु, मैन मिलक, मयुर एपार्ट-मेन्टम, फत्तोगन्ज, बरोडा।

(अन्तरक)

(2) (1) प्नेन्द्रकामार नटवरलाल चौहान। (2) क्षेत्रप्रसाद नटवरलाल चौहान, दोनों रहवाले 16, गोसले, कलोनी, दीनेश मिल्स के पास, बरोडा।

(अन्स**िरती**)

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृंवां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

जमीन और मकान जो बरोडा कास्बा सर्वों नं. 479-1-ए-2, फाइनल प्लाट नं. 331 (16---गोबल कालोनी) और जो संपूर्ण वर्णन में विक्रीवत नं. 4420 पर बरोडा सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 30-12-1980 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अतः अतः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

तारीख : 12-8-1981

मोहर :

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.---

सारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्रज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 12 अगस्त 1981

निदश सं. पि. आर. न. 1152/एकवी/23-11/81-82—अत म्फे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थावर संपित्ति जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं आर. एस न 777/2 है, तथा जो एस. टी. डिबीजनल ऑफीस के पिरेचम भाग, पालनप्र में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालनप्र में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 80 को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोवत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर का करवान प्रतिफल का पन्तर की की के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्तितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्ति किया गया हैं:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म⁴ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मजिखिस व्यक्तियों अर्थात् धु-- (1) श्री पटेल देवाभाई चेलाभाई, एलीयास गामी, गांव गाद, पालनपुर तालुका।

(अन्तरक)

(2) श्री जयन्तीलाल भीसाभाई गांधी, घनरा गांव, बेनासकान्ता।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधिप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी व से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो पालनपुर कसबा सिम, आर. एस. नं. 777/2 (भाग) और जो स्प्रपूर्ण वर्णित पर विकासित नं. 2759 पर पालनपुर सब रिजिस्ट्रार के कार्यालय में पहला पाक्षिक दिसम्बर महीने, 1980 रिजिस्ट्री की गयी है। (फार्म नं. 37-एन के सर्टिफिकट पर)।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन र^नज-।।, अहमदाबाद

तारीब : 12-8-1981

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।, अहमदाबाद

अहम्बाबाद, दिनांक 13 अगस्त 1981

निवंश सं. रंफ नं. पी आर नं. 1390 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मूर्फो, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/ रू. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 146, इन्कमटोक्स फ्लेट के नजवीक है, तथा जो मेमनगर राख, अहमदाबाद में जमीन स्थित ही में स्थित ही (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मो रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके स्रथमान प्रतिफल से, एसे स्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी िकमी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना चािहए था, िछपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्कित व्यक्तियों मुर्थात् है-- (1) (1) श्री हिरालाल डाह्याभाई मोबी, सेंट जेवियर्स हाइस्कूल रोड, नवरंगपूरा, अहमवाबाद, (2) रमेशचंद्र डाह्याभाई मोदी, मदन गोपाल हवेली, गुसा पारोख पोल, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भवानी फाजमल चौधरी, महादेवनगर बी. नं. ७, नवरंगपुरा, स्टेडियम को नजदीक, अहमदा-बाद।

(अन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ज से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-के में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया हैं।

अनुस्ची

भेमनगर में जमीने स्थित है, सबे नं 146 है तथा दिनांक्ष 18-12-1980 के दिन रजिस्टर्ड किया है।

> ् जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, अहमदाबाद

तारीख : 13-8-1981

मोहर 🖰 🥕

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 12 अगस्त 1981

निदेश सं. रोफ न. पी आर न. 1391 अर्जन रोज 23-।/ 81-82--अत मुक्ते, जी सी गर्ग, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रत. से अधिक हैं और जिसकी सं मकान का नाम "राम बसेरा" है, तथा जो स्टोशन रोड, भीड नाका, भूज में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रुजिस्ट्रीकर्ता अभि-कारी के कार्यालय, भुज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-12-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मपति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्सरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निर्मागत मा बार्गिक रूप से कथित नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण स हर्द्ध किसी आप को प्राची, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने मो सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- (1) (1) श्रीमती तारामतीबन प्राणलाल शाह, (2) श्री नरन्द्रक्मार प्राणलाल शाह, (3) श्री राहितिक मार प्राणलाल शाह, (4) श्री बीसीलक मार प्राणलाल शाह, (5) क मारी नीता प्राणलाल शाह, जनता घर वाणियावाड, भूज (कच्छ)।

(अन्तरक)

(2) श्री दसन्तकुमार माधवजी कारीया, संयुक्त कुटुब के कर्ता, श्री प्रभात उर्फ वसन्तक्मार माधवजी कारीया, शैल सदन कम्प एरिया, भुज। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स् ची

एक मकान रीन बसेरा नाम से प्रस्थात ही जिसका कुल क्षेत्रफल 18,000 चौरस फिट ही तथा जो स्टोशन रोड, भूज में स्थित ही जिसका पूर्ण वर्णन 16-12-80 वाले बिक्री दस्सावेज नं 2193 में दिया गया ही।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण), अर्जन रेज-।, अक्टमदाबाद

तारीख : 12-8-1981

मोहर 🖫

प्ररूप ग्राई० टी • एन ० एस •---

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंजना, अहमदाबाव

अहमदाबाद, दिनांक 12 अगस्त 1981

निव श सं. रोफ नं. पी आर नं. 1392 अर्जन रोज 23-1/81-82—अतः मूक्षे, जी. सी. गर्ग, आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- स्पए से ग्रिधिक है और जिसकी सं. 407-अ-बी. प्रभवास तालाव के नजहिक

और जिसकी सं. 407-अ-बी, प्रभ्वास तालाब के नजदिक, है, तथा जो भावनगर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप स वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह शिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिशत श्रीष्ठक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक स्था ते कथित नहीं किया गया है!—

- (क) धन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्स ध्रिष्ठि-नियम, के श्रधीन कर देन के ग्रन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए द्या छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, भन, उक्त घिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त घिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के घिना, निम्नलिखित व्यक्तियों, जवातः—

- (1) श्री धीरजलाल अमृतलाल पंड्या, प्लाट नं. 405, नर्मकुज, प्रभुदास तालाब के नजदीक, भावनगर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मध्कान्ता मंगलदास वसानी, कनबीवास वांकडिया शेरी, भाषव निवास, भावनगर। (अन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि जो भी अवधि बाद में समाध्य होती हो। है भोतर पूर्वीस्त व्यक्तियों में भैसे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडित है । --इ मर्ने प्रयुवत सब्दों और पर्दों का, जो छक्त अधि-नियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित है बही भ्रषं होगा, जो उस अड़्याय में दिया गया है।

अतसची

एक मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 1080 चरिस बार ही तथा जिसका प्लाट नं. 407-अं-बी ही तथा जो प्रभुदास तालाब के नजदीक, भाषनगर में स्थित ही तथा जिसका पूर्ण वर्णन 3-12-80 वाल बीकी दस्तावेज नं. 2387 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज-।, अहम्दाबाद

तारीख : 12-8-1981 मोहर ः।

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 12 अगस्त 1981

निदश न रोफ न पी आर न 1393 अर्जन रोज 23-1/81-82—अत मफे, जी भी गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी स वार्ड न 7, सर्वें न 222 एण्ड न 2115 है, तथा जो भावनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिव्क क्ष्प से किथत महीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्िवधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्मसिखित व्यक्तियों अर्थातुः--

- (1) श्री मजीभाई रावजीभाई पटेल, श्रीमती सम्बेन मजीभाई पटेल, श्री एम एम पटेल, 6-ए, आनन्तवाडी, भावनगर।
- (अन्तरक) (2) श्री नागजीभा**इ** कानजीभाइ पटल, निर्मल नगर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

भावनगर।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या नित्स बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- मब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एक मकान जिसका कल क्षेत्रफल 601 92 जीरस बार है तथा जिसका सर्वे वार्ड न 7, सर्वे न 222 एण्ड 2115 है तथा जो भावनगर में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन दिनांक 5-12-80 वाले बिकी दस्तावंज में जिसका रिजस्ट्री न 121 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीख 12-8-1981 मोहर प्रस्प आई० टी० एन० एस०--

ब्रायकण प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 12 अगस्त 1981

निद्येष नं. रोफ नं. पी आर नं. 1394 र्ष्णन रौज 23-।/ 81-82--असः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उवित बाजार मुख्य 25,000/- रु० विश्वास है

ष्यौर जिसकी सं. पी. 148 का टी. पी. एस. 22 है, तथा जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित धाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वाप करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यनान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से प्रधिक हैं और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्थरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिव क

- (क) प्रन्तरण में हई किसी पाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में भूविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने पे सुविद्या के लिए;

धतः धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अभीन, निम्ननियाम व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्रीमती होमुबन दोवेन्द्रभाई की ओर से एम. पी. कार्पोरोशन, 3, एम. पी. अपार्टमेन्टस पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) राजगृहि अपार्टमेंन्टम आंतर्स असोसियोइन की ओर से भेजरमेन श्री एस. एच. शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की स्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की स्रविध, जो भी स्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्न व्यक्तियों ने से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबता के राजात्र न प्रकाणत का तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षण के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्वव्हीकरण :— इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदो हा, जो उन्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश गया है।

अनुसुची

एक बुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 650 चौरस वार है जिसका एफ. पी. नं. 148 का टी. पी. एस. 22 है, तथा जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन दिनांक 18-12-1980 दाल विकी दस्तावेज न 16028 एण्ड 16029 में दिया गया है।

जी. सी गर्ग सक्षम व्यक्तिकारी स**हायक आय**कर आय्वत (निरक्षिण) अर्जन र^{*}ज-।, अहमदाबाद

तारीख : 12-8-1981

मोहर :

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अगस्त 1981

निदोश नं रोफ नं पी आर नं 1395 अर्जन रोज 23-।/ 81-82--अत म्भे, जी सी गर्ग, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. सीटी सर्वे नं. 8, 11 (हिस्सा), 16-ई-/7 है, तथा जो जामनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर मे रजिस्ट्रीकरंण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-12-1980 को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मृल्य से-कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एैसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गर्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, [1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) (1) श्री शामलदाम वसराम मामटोरा, (2) श्री रिमकलाल शामलदास मामटोरा, (3) श्री महोश-क्मार शामलाल मामटोरा, सोरियम के नजदीक, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) अरिहत अपार्टमेटस को. आ. हाउसी ग सोसायटी लिमिटेंड, कें/आ. महावीर मेडीकल स्टोर्स, राजेन्द्र रोड, जामनगर।

(अ∹सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नगसर्थी

एक जमीन जिसका काल क्षेत्रफल 4585' 11" जौरस फिट है, जिसका सीटी सर्वो नं. 8, 11 (हिस्सा) 16 हैं/7 एण्ड जिसका पूर्ण वर्णन 30-12-1980 वाले बिकी दस्तावेज नं. 3148 जो सब रजिस्ट्रेड, जामनगर की आफ़िस में रिजिस्ट्री किया है उनमे दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-।, अहमदाबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह——
16—226GI/81

तारीख : 12-8-1981

मोहर 🥲

प्ररूप बाई • टी • एम • एस • -----

आवशर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) धारा की 269 व (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयक्तर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अगस्त 1981

निविश नं रोफ नं पी आर नं 1396 अर्जन रोज 23-।/ 81-82--अतः मुक्ते, जी सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिषिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घिष्ठीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/-ए॰ से घिषक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 81, 83, 84 पैकीनी टी.पी.एस. 1 है, तथा जो घाटलोडिया, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णीत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के छचित बाजार मूल्य से कम के दुग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशक्त से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित चहेश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रश्नितयम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के द्वधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात !----

- (1) नरोन्द्र अंबालाल रामी, जीयफोर निवास, नवरंग हार्द्यस्कूल रोड, स्टोडियम को नजदीक, अहमदाबाद। (अन्तरक)
- (2) स्वप्नसिब्धा को आ. हाउसिंग सोसायटी लिमि-टेड,, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रसि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धर्माध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धर्माध, जो भी
 धर्माध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवश किसी भ्रम्य व्यक्ति हारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण !---इसमें प्रमुक्त शब्दों धौर पर्दों का, जो छक्त धिलियम के ध्रध्याय 20क में परिवाधित है। वही धर्क होना, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 64775 चौरस वार है, जिसका सर्वों नं 81 पैकी 83 पैकी 84 पैकी एड 88 पैकी का टी.पी.एस. 51 है, तथा जो घाटलोडिला, जिला अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन 29-12-1980 वाले बिकी दस्तावेज नं 16139 में दिया गया है।

जी . सी . गर्ग सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रजे-। , अहमदाबाद

तारीख : 12-8-1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

भायकर अ<u>धिपीन्यम्,</u> 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 अगस्त 1981

निद्यानं रोफन पी आर नं 1397 अर्जन रोज 23-। 🖊 81-82-- अतः मभ्ते, जी सी गर्ग, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रुत. से अधिक है^{*} और जिसकी सं. 5564 एण्ड 5565 का शीट नं. 481 है, तथा जो शाहपुर मंगल पार खे का खांचा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रपिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य **णाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण** िल्हिन्त में वास्तहिक रूप से कृष्टियुत नहीं किया गया है :---

- (क) मृत्तुरण से हुन् फिसी माग की मागत उक्त माँगु-नियम में अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुचने में सुविशा के लिए; मौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के हिएए;

(1) भानुप्रसाद चंदुलाल परीख, लालबहादूर की हवेली, महता चोल, बैक रोड, बडौदा।

(अन्तरक)

(2) मैं शेठ एड सन्स की ओर से भागीदार (1) श्रीमतीं लीलावती कान्तीलाल सेठ, (2) कान्तीलाल पूंजीलाल सेठ, (3) डा. मनोजकामार कान्तीलाल सेठ, (4), दीपक कान्तीलाल सेठ, 1174, सालवी की चाल, रायसण्ड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्द सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहि भी आक्षेप ्--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी बवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब, से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तु अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

बनुसूची

एक जमीन जिसका कूल क्षेत्रफल 234 चौरस वार है जिसका सर्वो नं. 5565 एण्ड 5564 है, एम. एस. नं. 3344-4, 3344-5, 3344-6 का शीट नं. 48 है, तथा जो शाहपूर वार्ड लल्लुभाई चोल, मंगल पारेख का खांचा में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 15-12-1980 वाले बिकी दस्तावेज नं. 15024 एण्ड 15047 में दिया गया है।

जी ुसी ुगर्ग स्क्रम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत् (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

ज्तः भृष्, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त वृधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के वृधीन निम्निविद्य व्यक्तियों, वृधीन में—

तारी**ख**ः 14-8-1981

मोहर 🕉

प्ररूप आहुँ.टी.एन्.एस.----

आयकड अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष्(1) के अधीन सूचना

भा<u>रत</u> सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन् रॉज्-।।, कल्कत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त 1981

्रिद^{*}ष् सं. ए. सी.-26/आर-।।/कल/81-82—यत्, मुफ्ते, के. सिन्हा,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. मकान, 10/14 है तथा जो नगेन्द्र नाथ रोड, थाना - दमदम, कलकत्ता-28 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस. आर. काशीपूर, दमदम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-12-80

कों पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण खिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी प्राय की सामत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; ग्रीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

अतः ग्रन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-मू की उपधारा (1) को बुधीन निम्नुनिश्चित व्यक्तियों, अधिर ध— (1) श्री देव प्रसाद कर

(अन्तरक)

(2) अी इला बोल,

(अन्त**्रिती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जी उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

क्षेत्रफल : 4 कठ्ठा (वा तल्ला मकान) मकान नं. 10/14, नगेन्द्र नाथुरोड, थाना - दमदम, कलकत्ता-28 पर।

> के. सिंहा सक्षम प्रा<u>प</u>्तिकारी सृहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनु<u>रं</u>जु-।।, कुलुकस्ता

ता्रीख: 10-8-1981

मोहर :

प्रहर माई० टी० एन● एस०---

(1) श्री शोफाली दत्तः।

(2) सुखेन्बुमोदक और अन्य ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

भ्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, 54, रफीअहमद किववाई रोड, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 7 अगस्त 1981

निवर्षेश सं. ए. सी. 24/आर-।।/कल./81-82--यतः, मूक्ते, के. सिंहा

मुक्त, क. सिहा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अशीर मक्षम प्राधिकारी को, यह विभवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये में अधिक है और जिसकी सं. प्लाट नं. 147 है तथा जो लेक टाउन, ब्लाक 'ए', 24-पगना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हों), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय आर. ए. कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 1-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्वेक्त करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण मे तुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्ठि-नियम, के भ्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धनकर पश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रविनियम की घारा 269-म के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की घारा की 269-च की उपधारा (1) प्रधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हैं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रशीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्रिष्कित नियम के अध्याप 20-क्त में परिभाषित हैं, वहीं स्रथं होगा, जो उा स्रध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

क्षोत्रः 4 क. 6 छ. 31 वर्गफुट लेक टाउन, ब्लाक-'ए' जि.ु 24-परगना, वाग नं. 147 व`खिए।

> के. सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, कलकत्सा

तारीख : **7-**8-1981

माहरः

प्रुरूप आहें. दी., एन., एस.,------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमृता

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अगस्त 1981

निवोश सं. ए. सी. 41/रॉज-4/कल्/81-82---अतः मुफो, को. सिहा,

आयकं र निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मृख्य 25,000 रुउस अधिक है

और जिसको सं. 52 है तथा जो गांधी ग्रेड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय कलकरता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-1980

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वा) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक कप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए:

अतः अबः, उक्तः अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीनः—— (1) श्री दुर्गा प्रसाद मारोदिया, ताराचन्द साबु तुथा अन्य सब के सुब बिरुड़ा आफिसार्स होल्थु रोसुटं केट्स्टीज़।

(अन्तरक)

(2) मानव उत्थान सेवा समिति ।

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् धनन-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हो , के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- भव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमु को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया हैं।

अनृत्वी

52, गांधी रोड, दार्जिलिंग स्थित सिलभारङेल नाम से परि-चित संपत्ति को अंग।

> के. सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।। कसकत्ता

ता्रीस: 7-8-1981

मोहरः 🛭

प्रकप भाई। ही। इतः एस।---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनर्ज-।।, कलकत्ता

कालकत्ता, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्दोष सं. ए. सी.-25/रॉज-।।/कल/81-82--यतः, मुक्ते, के. सिन्हा,

शायकर भिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-क के भ्रधीन सक्षम भ्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु॰ से भ्रधिक है

और जिसकी सं 13 है तथा जो हरिनाथ वे रोड, थाना-नारकेलडांगा, कल : 6 स्थित है (और इससं उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय डी. आर. अतिपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारोख 15-12-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के नृश्यमान प्रतिकल
के लिए अन्तरित की गई है भौर मुखे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिक्ष्त से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिक्रत से अधिक है
धोर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (बंतरितिकों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिकल, निम्निवित्त छहेंग्य से
उक्त अन्तरण निवित्त में वाश्तिवक्ष रूप से कवित नहीं किया गया
है।—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त घांधिनवम के घंधीन कर देने के धन्तरक के वाधिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविका के लिए। घौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या घम्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त घिनियम, या धन-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा घक्तः नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के सिए।

भ्रतः। भ्रव उक्त भिर्मातयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त भिर्मातयम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्रीमती रीता घोष

(अन्तरक)

(2) श्री निशीथ कमार बटब्याल।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकौगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अन**ुसुची**

क्षेत्रफल - 13, हरिनाथ द'रांड, पर 1 क. 8छ. थाना -नारकेलडांगा, कलकत्ता - 6.

> के. सिंहा सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) कुर्जन् र्जन-।।, कल्कत्ता

सा्रीखः 10-8-1981

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 अगस्त 1981

निद^{**}श स . ए . सी . 21-र्रेज-4/कल/81-82--यत म्भें , के . सिन्हा ,

जायकर घष्टिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त घष्टिनियम' कहा बया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संजाम श्रीविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से घष्टिक

और जिसकी सं 279 और 279/1147 है तथा जो मोजा, पि. एस बहला, 24 परगना में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर ए कल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 20-12-1980 की पूर्वोंक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चन से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त पश्चि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपने बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) वि. युनाइटेड प्रिमन्सेस सुगर को लि.। (अन्तरक)
- (2) अन्तिल वोस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

कृषि खेती अमीन पी एस. वेहला, जि. 24-परगना, धो बिभा, दलील नं 7229 मो पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के. सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, कलकरता

तारीक्ष 5-8-1981 मोहार प्रकृप भाई • टी • एन ० एस >-----

आ गार अधिनियम, 1951 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सम्बीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अगस्त 1981

निर्वोध सं. ए. सी.42/रोज-4/कल./81-82--यतः मुक्ते, के. सिन्हा,

बायकर बिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खका प्रिक्षितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संगति जिसका उक्ति बाजार मूख्य 25,000/- द• से अधिक है

और जिसकी सं. 52 है तथा जो गान्धी रोड, कलकरता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकरता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस 22-12-1980

को पृथेक्ति सम्पत्ति के अखित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत पश्चिक है पोर प्रश्वरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी थाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अण्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अश्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्वतः जब, उनत अधिनियम की आरा 269-ग के अनुश्वरण में, में, उनत अधिनियम की आरा 269-ग की उपश्वारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थाव्:——

(1) श्री दुर्गा प्रसाद मानडोलिया।

(अन्त**रक)**

(2) डिवार्डन लार्डट मिशन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के आर्प कार्यवाहियाँ करता हूं।

ज्या सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की **टारीस से**45 दिन की श्रविश्व तिसम्बन्धी स्थानितयों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व जो की
 अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवा
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए के पकेंगे।

स्पन्धोतरम -- इसर्ने प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जी उक्त बोधनियम के अध्याय 20-- वें परिभाषित हैं, बड़ी प्रयं होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

52, गांधी रोड, पि. एस. जिला दारजिलिंग में 3.597 एकड़ जमीन सब कुछ जैसे 1980 का दिलल सं. I-199598 पी. में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं।

के. सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बर्जन रंज-4, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकरता-16

त्रारीत : 7-8-1981

मोहर:

प्ररूप् आद्दै . टी . एन . एस . -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-4, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 10 अगस्त 1981

निवर्भेश सं. ए. सी. 43/र**'**ज-4/कल/81-82---यतः, मुभ्ते, के. सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं है तथा जो मौजा साहाप्र में स्थित है (और और जिसकी सं. इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्णारूप से वर्णित हैं), राजा-स्द्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय हावडा में , रजिस्द्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारुखि 29-12-1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम अपरने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री पदमा दास।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स विनय इलेक्ट्रिकल इजीनियरिंग कम्पनी। (अन्त<u>रि</u>ती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारी अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ ह्योगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसुची

मकान समेत 7 कठा जमीन जिलापरिषद रोड, जिला -हावडा पर स्थित। ४ दस्तावेज संख्या - 1980 का 4593।

के. सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रूजे-4, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारील : 10-8-1981

मोहर:

प्ररूप बाह्र . टी. एन्. एस.-----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कायां लय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 10 अगस्त 1981

निर्दाश स. ए सी. 44/रॉज-4/कल/1981-82---यत., मूक्ते, के सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स 29/1 है तथा जा तारक सिव्धात लेन मे स्थित हैं (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावडा मे रिजिस्ट्रीकरण अधि। तयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 20-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक राजान प्रीतफल क, एस दश्यमान प्रीतफल का पन्न्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत. मब, उक्त अधिनियम, का धारा 269 ग के अन्सरण भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री सुनील कुमार मुखर्जी।

(अन्तरक)

(2) श्री वासुद व चक्रवर्ती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

3क. 3छ -11वर्ग फुट जमीन 29/1, तारक सिद्धात लेन, थाना - बाली, जिला - हावडा पर स्थित है। दस्तावंज संख्या - 1980 का 4573।

के सिहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, 54, रफीअहमद किववाई रोड, कलकत्ता-16 तारीख 10~8-1981 मोहर:

प्ररूप आहे. टी. एन्. एस्.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त 1981

निवर्षा सं. ए. सी. 45/रॉज-4/कल∕1981-82 ——यतः, मुक्ते, के.सिन्हा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. 76/30 है तथा जो अपीयर गार्डन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णां रूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीक त्ती अधिकारी के कार्यालग आसानसोल में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-12-1980

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कै अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री सत्यजीत और सूरजीत मजूमदार।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण कुमार और चन्दन कुमार पाल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्रम्भि वां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्रवेक्कि व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 क. - 6छ. जमीन सकान समेत 76/30, अपीयर गार्डन, जी.टी.रोड, आसानसोल पर स्थित है। दस्तावेज संख्या - 1980 का 5863।

के. सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकरता-16

ता्रीख : 10-8-1981

मोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज-4, कलकरता

कलकत्ता, दिनाक 10 अगस्त 1981

निव[™]श स. ए. सी. 46-रॉज-4/कल/1981-82/ यत:, मभ्जें के. सिन्हा.

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं है तथा जो अपीयर गार्डन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कण्णाय आमानसोल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन तारीख 5-12-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को बायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा को लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा पक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ब्यानियां अधीन :---- (1) श्री अजय कुमार और अमर पाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यजीत और सुरजीत मजुमदार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

।फ. 60 जमीन अपीयर गार्डन, आसानसोल पर स्थित है। दस्तावज राष्ट्रा 1980 का 5813।

के. सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजि-4, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकरता-16

तारीय 10-8-1981 मोहर प्ररूप आर्ष. टो. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन मुखना

भारत मरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयृक्त (िरिधिण) अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 7 अगस्त 1981

निदंश न. ए एस आर/81-82/144~-यतः मुक्ते आनंद सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

अर जिसकी में. एक जायदाद है तथा जो निमक मंडी गली कधरिया अमृतसर है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कर मा वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिज्दिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीक दिसबर, 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य मे कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ ही और मुके यह विश्वास करन का जा है कि यह प्रश्नित की पहिला के स्वास करन का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिनिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल कि निम्निलिखन उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिन में वास्निक कप से कियत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या तसस वृत्तने में गविण के लिए और/भ
- (क) एसी किगी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत और गनयम. या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, अवत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, मुर्भात्ः--

- (1) श्री मोहन सिंह पुत्र सरमस सिंह और मनजीत कौर पत्नी मोहन सिंह निमक मडी अमृत्सर । (असरक)
- (2) श्रीमती आशा रानी पत्नी इन्द्रजीत निमक मंडी अमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उपर म. 2 में ओर कि रायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- (4) और कोई (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबबुध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप --

- (क) इस स्वाना के राजपत्र के प्रकाशन की तारील म 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अवना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन को हारोच मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति बवारा अधोहम्ताक्षरी क पास बिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रवी

एक जायबाद जो निमक मड़ी गली कधरिया अमृत्सर में हैं जैसा कि सेल डीड न 2848/1 दिनांक 17-12-80 आफ रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज हैं।

> आनन्द सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-111, चंद्रपूरी अमृत्सर

तारीख : 7-8-1981

मोहर:

संघ लोक सेवा धायोग

नोटिस

सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा 1982

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1981

सं एफ । 4/5/81-प-1(ख) — संब लोक सेवा धायोग द्वारा नीचे पैरा 2 में दी गई सेवामों सथा पदों पर भर्ती हेतु 21 करवरी 1982 को धगरतला, महमवाबाव, ऐकल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, अम्म, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी, (गोवा) पटना, पोर्ट क्लेयर, शिक्षांग, श्रीमगर धौर तिवेन्द्रम में एक सम्मिलत परीक्षा ली जाएगी।

धायोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपयुंक्त केन्द्रों तथा तारीकों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिये उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जायेंगे तो भो प्रायोग परिस्थितिवा किसी उम्मीदवार को धपनी विवक्षता पर धनग केन्द्र वे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश वे विया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे वी जाएगी (नीचे पैरा 19(ii) देखिए)।

उम्मीवनारों को घ्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबद्ध भनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा । किन्तु जब कोई उम्मीववार अपने इस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेवन में निर्दिश्ट किया था तो इसे मचिव, मध लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा श्रीचित्य बताते हुए एक पल रिजस्टई डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 21 जनवरी 1982 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थित में स्थीकार नहीं किया जाएगा।

- जिम सेवाओं पदों पर मर्ती की जाभी है वे तथा भरी जाने वाली रिक्तियों की ग्रमुमामित संख्या नीचे वी गई है:——
 - (i) रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा ग्रधिकारी—सगभग 25 रिक्तियां *
 - (ii) भ्रायुष तथा भ्रायुध उपस्कर कारखाना स्थास्य्य सेवा में किनळ वेतनमान पव लगभग (**) रिक्तियां*।
 - (iii) केन्द्रीय स्वारम्य सेवा में कलिष्ठ वेतनमान पद---सगमग 300 रिक्तियो । (भ्र० जा०के उम्मीववारों के लिए 45 भीर म्र० ज०जा० के उम्मीववारों के लिए 22 मारक्षित रिक्तियो सम्मिलित हैं)
 - (iv) विल्ली नगर निगम में सामान्य इयुटी चिकित्सा मधिकारी ग्रेड
 II लगभग 100* रिक्तियां। इस संख्या में परिवर्तन किया जा
 सकता है।

*भनुसूचित जातियों भीर भनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए भारक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों के भनुसार हो सकता है।

- **रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई है।
- 3. कोई उम्मीवनार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित किसी एक या एक से मिश्रक सेवामों/पदो के सम्बन्ध में परीक्षा में प्रवेश के लिये मावेदन कर सकता है।

उम्मीदवारों को उजित समय पर सेवाम्रों/पदों के लिये ग्रपना वरीयता कम बताना होगा।

यदि कोई उम्मीदवार एक से भ्रष्ठिक सेवाओं/पदों के लिये परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही भावेदन पत्र भेजने की भावेद्यकता है। भीचे पान 5 में उस्लिखित शक्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा 1—1UPSC/81

उस प्रत्येक सेवा/पद के लिये म्रलग-मलग नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

4. पादसा की शर्तें ⁻

(क) राष्ट्रीयताः

उम्मीदवारको यातो:---

- (i) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ii) नेपाल की प्रजा, या
- (iii) भूटान की प्रजा, या
- (iv) ऐसा तिब्बती गरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की एक्छा ने पहली जनवरी 1962 से पहले मारत मा गया हो या
- (v) कोई मारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहते की इंग्ला से पाकिस्तान, अर्था, श्रीलंका, और कीनिया, उगोबा तथा तंत्रानिया, भृतपूर्व तंगानिका और जंजीबार संयुक्त गण-राज्य पूर्वी अफीका के देशों ने या जाबिया, मलाबी, जेरे और इथोपिया और वियतनाम से भ्राया हो।

परन्तु (ii), (iii), (iv) धौर (v) वर्गों के अन्तर्गत भाने वाले उम्मीद-वार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिओबिलिटी) प्रमाण पत्न होना चाहिए।

परीक्षा में ऐमे उम्मीदवार को भी जिसके लिये पालना प्रमाण-पत्न माज-प्रयक हो परीक्षा में बैठने दिया जा मकता है परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा श्रावण्यक प्रमाण-पत्न दिए जाने पर ही दिया जाएगा।

- (ख) श्रायु-सीमा .--पहली जनवरी 1982 को 30 वर्ष से कम किन्तु 1982 में ली जाने वाली परीक्षा के लिये श्राय सीमा में 1-1-1982 को 40 वर्ष तक की पूट वी जा सकती है।
 - (i) यदि उम्मीदबार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो नो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक,
 - (ii) यित उम्मीदवार भतपूर्व पाकिस्तान (ग्रव गंगला देश) का बास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो भौर वह 1 जनवरी 1964 भौर 25 मार्च 1971 के बीज की प्रविध के दौरान प्रमुजन कर भारत भ्राया हो तो भ्रधिक से श्रधिक तीन वर्ष तक,
 - (iii) यवि उम्मीदवार धनुसूचित जाति ध्रयवा धनुसूचित जनजाति का हो भौर वह 1 जनवरी 1964 भौर 25 मार्च 1971 के बीच की धवधि के दौरान भूतपूर्व पाकिस्तान (भ्रव बंगला देश) में प्रवजन कर आया बास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो सो धिक से श्रीक भाठ वर्ष सक,
 - (iv) यदि उम्मीवदार अन्तूबर 1964 के मारत श्रीलंका करार के श्रधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से बस्तुत: प्रत्यावर्तित होकर मारत में श्राया हुआ या श्राने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो तो श्रधिक में श्रधिक तीन वर्षे तक,
 - (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जाने जाति का हो घौर साथ ही अक्तूबर 1964 के भारत श्रीलंका करार के भंधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से बस्तुत: प्रग्यावित होकर भारत में आया दुआ या आने वाला मृल क्य से भारतीय व्यक्ति हो, हो प्रधिक से श्रीविश्व प्राठ वर्ष तक,
 - (vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो घौर उसने कीनिया, उगांडा, संजातिया के संयुक्त गण राज्य भूतपूर्व टांगानिका भीर जंजीबार से प्रवजन किया हो या जांबिया, मलाबी, जेरे भीर इथियोपिया से प्रत्यावतित हो सो मधिक से मधिक तीन वर्ष तक,

- (vii) यदि उम्मीदवार धनुसूचित जाति या धनुसूचित जन जाति का है धौर भारत भूल का बास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा कीनिया, उगीबा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (पूलपूर्व तांगानिका तथा कंजीबार) से अञ्चल कर प्राया है या जाम्बिया, मलाबी, जेरे तथा इथोपिया से भारत मृल का प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तो धांधिक से अधिक 8 वर्ष,
- (viii) यदि उम्मीदवार 1 जून 1963 को था उसके भाद वर्मा में वस्तुतः प्रस्पावितित होकर भारत में ग्राया हुआ भारत मृत्यक व्यक्ति हो, तो प्रधिक से ग्रधिक तीन वर्षतक,
- (ix) यवि उम्मीववार भेनुसूचित जाति भ्रयवा भ्रनुसूचित जन जाति का हो भौर साथ ही 1 जून 1963 या उसके बाद बर्मा बस्तुतः प्रत्यार्वीतन होकर भारत में भ्राया हुमा मूलक भारत व्यक्ति हो तो स्रष्ठिक से स्रष्ठिक साठवर्ष तक,
- (x) रक्ता सेवाओं के उत कर्मचारियों के मामले में प्रक्षिक से प्रक्षिक तीन वर्ष तक जो किसी विवेशी देश के साथ संवर्ष के प्रथवा प्रशांति प्रस्त के का में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणाम स्वरूप निर्मुदत हुए,
- (xi) रक्षा सेवाघों के उन कर्मवारियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संवर्ष में अथवा अशांति- ग्रस्त क्षेत्र मं फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों भौर जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचि जनजातियों के हैं
- (xii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप ने प्रत्यावितित मूलतः भारतीय ध्यक्ति (जिमके पास भारतीय पार-पत्र हो) भीर ऐसा उम्मीदार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राज-दूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पक्ष है, भीर जो वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं भाया है तो उसके लिये सिकक से प्रक्रिक ती। वर्षे,
- (xiii) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तथा वास्तविक रूप से प्रत्याविति भारत मूलक व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्न हो) और ऐका उम्मीववार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राज-वृतावास द्वारा जारी किया गया भाषातकाल का प्रमाण-पत्न है तथा जो वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं श्राया है तो उसके लिए स्रधिक से स्रिधिक 8 वर्ष तक।

जपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित ग्रायु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नही वी जाएगी।

भायोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैद्रिश्चलेयन या मार्घ्यामक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पल या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैद्रिश्चलेशन के समकक्ष माने गर्दे प्रमाण पक्ष या किसी विश्वविद्यालय द्वारा भार्द्रिश्चलेशन के समकक्ष माने गर्दे प्रमाण पक्ष या किसी विश्वविद्यालय द्वारा भार्द्रिश्चलेटों के रिजस्टर में दर्ज की गई हो छौर वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा प्रमाण पत्न में दर्ज हों, थे प्रमाण पत्न परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के बाद प्रस्तुत करने हैं। ।

श्रामुके सम्बन्ध में कोई भ्रन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुडली श्रापणपद, नगर निगम से भीर सेवा भ्रभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी, उद्धरण, तथा भ्रम्य ऐसे ही भ्रमाण स्वीकार महीं किए जार्येगे।

श्रनुदेशों के इस भाग में भाए हुए "मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न" वाक्यांश के भ्रन्तगैत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण पन्न सम्मि-सित है ।

टिप्पणी 1 -- उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि भ्रायोग जन्म की इसी तारीच को स्वीकार करेगा जोकि भ्रावेदन पक्ष प्रस्तुत करने की तारीच भो मैंद्रिकुलेगन/उच्चनर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पक्ष या समकक्ष पर्यक्षा के प्रमाण-पन्न में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्थीकार किया जायेगा।

टिप्पणी 2 -- उम्मीदनार यह भी ध्यान रखें कि उनके द्वारा किसी परीका में प्रवेश के विधे जन्म की तारी खएक बार घोषित कर देने ग्रीर प्राधीण द्वारा उसे अपने अभिलेश में वर्ग कर लेने के बाव उसमें बाव में या किसी परीक्षा में परिवर्गन करने की अनमित नहीं दी जाएगी।

(ग) सैक्षिक योग्यताएं

उन्त परीक्षा में प्रवेश के लिये उम्मीववार फाइनल एम० बी० बी० एस• परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों में उत्तीर्ण हो ।

िष्पणी 1 → न तर उम्मीदवार भी भावेदन कर सकता है जिसने फाइनल एम० बी० बी० एम० परीक्षा वे ली है या जिसकी अभी देनी है। यदि ऐसे उम्मीदवार श्रन्यथा पान्न हुए तो उन्हें उनस परीक्षा में प्रवेश वे विया जायेगा परस्तु उनका प्रवेश ग्रन्निम रहेगा नथा फाइनल एम० बी० बी० एस० परीक्षा के लिखित सथा प्राथिक भागों को उसीर्ण करने का प्रमाण यथा शीध और हर हालत में 15 जुलाई, 1982 तक प्रस्तुत न करने की न्दित में रह कर दिया जायेगा।

्टिप्पणी 2 - - उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिये वह उम्मीदवार भी शक्तिक रूप से पास है जिसे अभी स्नित्वार्थ रोटेटिंग इन्टर्नेशिप पूरी करनी है, किन्सु चयन हो जाने पर उन्हें यिनवार्थ रोटेटिंग इन्टर्नेशिप पूरा करने के बाद ही नियुक्त किया जाएगा।

५ शुल्कः

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को धायोग को द० 28.0 अहु इस रुपए) अनुस्चित आतियों और अनुस्चित जन जातियों के मामले में द० 7.00 (सात स्पण) के सुल्क का भुगतान करना होगा जोकि सिचन संघ लोक सेवा धायोग को नयी दिल्ली की स्टेट बैंक भ्राफ इंडिया की मच्च साखा पर देय स्टेट बैंक भ्राफ इंडिया की किसी भी शाखा जारी किए गये रेखांकित कैंक इग्फ्ट या मचिव, संघ लोक सेवा धायोग को नयी दिल्ली के प्रधान खाकघर पर देय रेखांकित धारतीय पोस्टल धावर के स्प में ही विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में, जैमी भी स्थित हो, जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा धायोग परीका शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाय और धावेदन पस के साथ उसकी रसीव लगाकर भेजनी चाहिए। जिन प्रावेदन प्रयो में इस प्रपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी छन्हें एक दम अस्थीकार किया जाएगा।

टिप्पणी I--उम्मीववारों को अपने आवेदन पक्ष प्रस्तुत करते समय वैक गण्ड की पिछली छोर ऊपर के सिरेपर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए । पोस्टल आर्श्वरों के मामले में उम्मीववार पोस्टल आर्श्वर के पिछली छोर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

टिप्पणी II. - -यदि कोई ऐसा उम्मीदबार 1982 की परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन करने का इच्छुक है जिसने 'केन्द्रीय सरकार के प्रधीन तथा दिस्सी नगर निगम में चिकित्सा पदों पर मर्सी हेतु मम्मिलित परीक्षा (1981)'' धी है तो उसे परिणाम मा निग्नुक्त-प्रस्ताव का इन्तजार किए बिना आयोग के कार्यालय को प्रपना आवेदन पक निर्धारत तारीख तक अवस्य मेज वेना चाहिए । यदि उसे 1981 की परीक्षा का परिणाम के आधार पर निगुक्त हेनु अनुमसित कर विमा जाता है तो 1982 की परीक्षा के सिये उसकी उम्मीदबारी उसके कहने पर रह कर टी आएगी बगर्ट कि उम्मीदबारी रह करने भीर शुक्त वापनी का उसका भुन्रोध मायोग के कार्यालय में 21 जनवरी, 1982 तक प्राप्त हो जाता है।

झावेदन कैसे करें

प्रारम्भिक परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीववारों को नीचे परिशिष्ट III में प्रकाशित प्रावेदन-प्रपद्म पर सचिव, संध लोक सेवा धायोग, धौलपुर हाउस, नयी दिल्ली-110011 को धावेवन करना चाहिए। उम्मीववार समाचारपत्नों या 'रोजगार समाचार' में प्रकाशित प्रावेदन-प्रपद्म मूल रूप में उपयोग कर सकते हैं और उसके कालम बाल पेन से भर सकते हैं। वे सफेंद कागज (फुल स्केप साइज) पर तेयल एक तरफ सफाई के साध बबल स्पेस पर टेकित प्रावेदन-प्रपक्ष को भी प्रयोग में ला सकते हैं। उम्मीद-बार प्रावेदन-प्रपत्न तथा उपस्थित प्रवक्तों को प्रयोग में ला सकते हैं। उम्मीद-बार प्रावेदन-प्रपत्न तथा उपस्थित प्रवक्तों को प्रयोग में ला सकते हैं, बगर्ते कि वे इस विज्ञापन के परिशिष्ट III में प्रकाशित नमूने के प्रमुख्य हों। उम्मीववार व्यान रखें कि पिछली परीकाशों के लिये प्रयुक्त प्रपत्नों पर धरे गए धावेदन-पद्म स्वीकार नहीं किए आएंगे।

मानेवन-प्रपक्त के लिफाफे पर माफ-साफ मोटे भ्रक्षरों में "सन्मिलित चिकित्सा सेवा परीका, 1982 के लिए भावेदन" लिखा होना चाहिए।

- (क) उम्मीदवार को सपने सावेदन प्रपक्ष के साम निम्नलिकित प्रपक्ष मेजने चाहिएं :
- (i) निर्धारित मुल्क के लिये रेखांकित वैंक ब्राफ्ट/मारतीय पोस्टल मार्डर या भारतीय मिशन की रसीव, (ii) फुल स्केप साइज पेपर पर विकिथत् भरा हुआ उपस्थित-पळक (भोचे परिशिष्ट III के अनुसार), (iii) उम्मीदवार के झाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की वो एक जैसी प्रतियां—एक मावेवन-प्रपत्न पर तथा दूसरी उपस्थिति पकक में निर्धारित स्थान पर लगी हों, (iv) एक पोस्ट कार्ब अपने पते के साम, (v) 11.5 सें० मी०×27.5 सें० मी० झाकार के विधा टिकट लग हुए दो लिफाफ ध्रपने पते के माथ।
- (ख) उम्मीवनार ज्यान रहें कि झावेबन प्रपष्ट भरते समय भारतीय अंकों के केवल प्रस्तरिष्ट्रीय रूप को प्रयोग करना है। बाहे माध्य-मिक स्कूल लोकों के प्रमाण-पन्न या समकक प्रमाण-पन्न में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में वर्ज है, तो भी उम्मीववार यह सुनि-क्वित कर कों कि को भावेबन-प्रपन्न वह प्रयोग में लाता है उसमें जन्म की तारीख भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप में लिखी हो। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि भावेबन-प्रपन्न में की यह प्रविष्टियां स्पष्ट भीर सुपार्य हों। यदि ये प्रविष्टियां पड़ी नहीं जा सकती हैं या आमक हैं तो उनके नियंचन में होने वाको आति या सीष्टिकता के लिये उम्मीदवार ही जिम्मेदार होंगे।
- (ग) सभी उम्मीववारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी भौग्रोगिक उपक्रमों में हों, या इसी प्रकार के झन्य संगठकों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने झावेदन-प्रपक्ष भाषोग को सीधे भेजने चाहिएं, अगर किसी उम्मीव-चारने भपना भावेदन-प्रपक्ष भपने नियोक्ता के क्षारा भेजा हो और बहु संय लोक सेवा श्राधोग में देर से पहुंचा हो को सावेदन प्रपष्ठ पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी हारीख के पहुंचे प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में हो, स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहे हों, या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्म-बारी हों, जिसमें भाकस्मिक या टैनिक वर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं हैं या जो लोक-उद्धमों में सेवारत है, उनको यह परिवचन (अंडरटेकिंग) अस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से भपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सुचित कर विया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

शोट जिल धानेवत-पक्षों के साथ निर्धारित गुरूक संस्थन नहीं होगा या को सभूरे या गसत मरे हुए हों, उनको एकवम घस्तीकृत कर दिया जाएगा स्त्रीर किसी भी सवस्या में धस्थीकृति के संबंध में धम्यावेदन या पत्र-व्यवहार को स्वीकार नहीं किया आएगा।

उम्मीदवारों को प्रपने श्रावेदन प्रप्रकों के मार श्राय कीर शैक्षिक योग्यता, तथा प्रमुखित आर्ति और अनुसूचित अनजाति भ्रादि का प्रमाण-पन्न प्रस्तुत नहीं करना होगा । इसलिए वे इस बात को सुनिश्चित कर लें कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए पालना की सभी शर्ती को पूरी करते हैं या नहीं ।

भाराः परीक्षा में उनका प्रवेश भी पूर्णतः धनितम होगा। यदि किसी बाव की तारीक को सम्यापन करते समय यह पना धलता है कि वे पाछता की सभी शर्त पूरी महीं करने हैं तो उनकी उम्मोदवारी रह हो जाएगी।

जम्मीववारों से ध्रम्योग है कि वे उक्त लिखित परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बाद ग्रायोग को जल्दी प्रस्तुत करने के लिए निम्मलिखित प्रक्षेख की ग्रीध-प्रमाणित प्रतियां नैयार रखें:

- ग्रायुका प्रमाण-पक्षः
- 2. शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पर्छ ।
- 3. जहां लागू हो, बहा परिशिष्ट I में निर्धारित प्रपट में बनुसूचित जाति! बनुसूचित जनजाति का होने के दावें के समर्थन में प्रमाण-पक्ष ।
- 4 जहां लागू हो, वहां भ्राय/शास्क में धूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पक्ष ।

परीका के लिखित भाग के परिणाम की भोषणा के तरकाल बाद मादीय सफल उम्मीवनारों से प्रतिश्वत सूचना प्राप्त करने के लिए एक प्रपक्ष भेजेगा । उपर्युक्त प्रमाण-पन्नों की प्रक्षिप्रमाणित प्रतियाँ इस प्रपक्ष के साथ धार्थाग को भेजनी होंगी । भूल प्रमाण-पन्न साक्षारकार के समय प्रस्तुत करने होंगे ।

यदि उनके द्वारा किए गए वावे सही नहीं पाए जाते हैं तो उनके व्यापः आयोग द्वारा नीचे के पैरा 7 के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

- 7. जो उम्मीदवार ग्रायोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोवी है या होवी मोबित हो मुका है:---
 - (i) किसी प्रकार से भपनी उम्मीववारी का समर्थेन प्राप्त करना या
 - (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना या
 - (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को प्रस्तुत करना या
 - (iv) जानी प्रलेखों या फेर बदल किये गए लेख प्रस्तुत करना या
 - (v) प्रशुद्ध या असत्य वनतम्य देना या महत्वपूर्णं सूचना को छिपाकर रखना या
 - (vi) उक्त परीक्षा के लिये भपनी उम्मीवनारी के सम्बन्ध में किसी भनियमित या भनुकित साधन भपनाना या
 - (vii) परीका के समय अनुचित तरीके प्रपमाना या
 - (viii) उत्तर पुस्तिका(क्यों) पर क्यसंगत वार्ते लिखी हों जो अक्लीक भाषा या अभद्र काशय की हों या
 - ≀(ix) परीका भवन में भौर किसी प्रकार का दुर्ध्यवहार करनाया
 - (x) परीका कलाने के लिए बायोग द्वारा नियुक्त कर्मकारियों को परेशाम किया हो या बन्य प्रकार की शारीरिक क्षांत पहुंचाई हो या

- (xi) उपरके खंडों में उल्लिखित सभी या किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिए किसी को उकसाया हो तो उस पर भापराधिक भिन्योग चलाया जा सकता है भीर साथ ही:—
 - (क) यह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए झायोग द्वारा झयोग्य ठहराया जा सकता है झयवा बह
 - (धा) (i) भ्रायोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षाया चयन के लिए
 - (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके प्रधीन किसी नियुक्ति के लिए:

स्थायी रूप से या कुछ धवधि के लिए सपर्वित किया जा सकता है; सीर

 (ग) बगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमावली के प्रनुसार प्रनुशासिक कार्रवाई का पाल होगा।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के ध्रधीन कोई सास्ति तब तक नहीं वी जाएगी जब तक--

- (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में सिखित सक्यावेदन, जो वह देना चाहे, प्रस्तुत करने का भवसर न दिया गया हो और
- (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यादेवन, यदि कोई
 हो, पर विचार न कर लिया गया हो।

8. धावेषन-प्रपक्ष लेने की मन्तिम तारीख:

मरा हुमा मानेवन-पन भावभ्यक प्रलेखों के साथ सिंख सं क्षेत्र सेवा सायोग, धौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011, को 2 नवस्वर, 1981 से पहले की किसी तारीख से भ्रसम, मेघालय, भ्रवणाचल प्रवेश, मिखोरम, मणिपुर, नागालेण्ड, त्रिपुरा, सिनिकम, जम्मू भीर कश्मीर राज्य के लहाब प्रमाग, भण्डमान भीर निकोबार द्वीप समृह या लक्ष भीप भीर विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के भीर जिनके भावेवन उपर्मृक्त में से किसी एक क्षेत्र से बाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 16 नवस्वर, 1981 तक या उससे पहले बाक द्वारा भ्रयत्व सेवा भवश्य भिजवा दिया जाए, या स्वयं भायोग के काउण्टर पर भाकर जमा करा विया जाए। निधारित तिथि के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पन्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

धसम, मेघालय, धरणाचल प्रदेश, मिजोरम मणिपुर, नागालैष्ड लिपुरा, सिनिकम, जम्मू भौर करमीर, राज्य के लहास प्रभाग, धंडमान धीर निकोबार द्वीप समृह या लक्षद्वीप धौर विदेशों में रहने बाले उम्मीदवारों से झायोग यदि चाहे तो इस बाल का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कष्ट् सकता है कि वह 2 नवम्बर 1981 से पहले की किसी तारीख से धसम, मेघालय, धरणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैष्ड, लिपुरा, सिनिकम, जम्मू धौर कश्मीर राज्य के लहास प्रभाग, धण्डमान धौर निको-बार द्वीप समृह या लक्षद्वीप धौर विदेशों में रहरहा था।

- नोड (i) जो जम्मीवनार ऐसे सेझों के हैं जहां के रहने वाले झानेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं, उन्हें आवेदन पक्ष संगत कालम में अपने पत्तों में अतिरिक्त समय के हकदार हलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थाल् असम, मेवालय, जम्मृ तथा कश्मीर राज्य का लहाज प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाख न मिले।
- बोठ (ii) सम्मीववारों को सक्षाह वी जाती है कि वे सपने सामेवन-पन्न संघ लोक सेवा भायोग के काउण्डर पर स्वयं जमा कराए या रजिस्टबं डाक द्वारा भेजें । सायोग के किसी कर्मेचारी को दिए गए झावेवन-पक्ष के लिए भायोग जिम्मेवार नहीं होगा ।

निर्धारित तारीख के बाव प्राप्त होने वाले किसी भी प्रावेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

- परीक्षा की योजना :—इस परीक्षा में निम्नलिखित का समावेश होगा :—
 - (क) लिखित परीक्षा—~उम्मीदवार को निम्नलिखित चार विषयों से सम्बन्ध वस्तुपूरक प्रश्नों वाले एक प्रश्न-पत्न (कोड नं० 01) जिसके अधिकतम 200 औक होंगे, में परीक्षा देनी होगी और प्रश्न-पत्न तीन घण्टे का होगा । प्रश्न-पत्न में ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिससे निम्नलिखित चार विषयों का अधिक सम्बन्ध हो:—
 - (i) त्रिणु रोग विज्ञान सहित सामान्य प्रायु विज्ञान 40 प्रतिशत
 - (ii) क०ना०कं०नेस विज्ञान, वर्ण विज्ञान ग्रीर विकलाग विज्ञान सहित सर्जरी 20 प्रतिशत
 - (iii) परिवार कल्याण, मातृ तथा बाल कल्याण सहित निरोधक प्रायुविज्ञान तथा सामुवायिक स्वास्थ्य तथा प्रन्य राष्ट्रीय कार्यक्रम 20 प्रतिशत
 - (iv) प्रसूति विज्ञान भीर स्त्री रोग विज्ञान 20 प्रतिशत
 - (आ) जो उम्मीदबार लिखित परीक्षा में भईता प्राप्त कर लेंगे उनका क्यिक्तित्व परीक्षण किया जाएगा । 200 अंक

दिष्यणी:--''उम्मीवनार-सूचनार्थ-विवरणिका'' जिसमें नभूने के प्रश्म सहित वस्तुपरक परीक्षण का विवरण उस्तिखित हैं, उम्मीव-वारों को प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेजी जाएगी।

10. जो उम्मीवयार लिखित परीक्षा से मायोग द्वारा प्रपनी विवक्षा से निर्वारित स्पृनसम प्रहुंक अंक प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें भायोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा ।

किन्तु यतं यह है कि यदि मायोग का यह मत हो कि मनुसूचित जातियों या मनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए धारिकत रिक्तियों को भरने के लिए इन जातियों के पर्याप्त उम्मीदवार सामान्य स्तर के धाधार पर व्यक्तिस्व परीक्षण के हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाए जा सकते हैं तो धायोग मनुसूचित जातियों या मनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को इनके लिए धारिक्षत रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर में छूट देकर व्यक्तिस्व परीक्षण हेतु साक्षास्कार के लिए सुनाया जा सकता है।

व्यक्तिस्य परीक्षण के लिए होने वाला साक्षात्कार लिखित परीक्षा के अमु-पूरक के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्र में उनकी सामान्य जानकारी और क्षमता की परीक्षा करना होता है और साथ-साथ जैसा कि किसी व्यक्तित्व परीक्षण में होता है उम्मीदवारों की बौद्धिक जिजासा समीकात्मक सूप्त-वृक्ष की शक्ति संतुक्तित विवेषन शीलता मानसिक जागरूकता सामाजिक सामेजस्य की क्षमता चारित्रिक सत्यनिष्टा स्वतः प्रेरणा और वेसृत्य की योग्यता का भी मृत्यांकन किया जाता है।

11. सालात्कार के बाव प्रत्येक उम्मीवबार को लिखित परीक्षा धौर ध्यक्तित्व परीक्षण के धंकों में कमयः 60 प्रतियत का महत्व देते हुए कुल मिला कर प्राप्त धंकों के धाधार पर उम्मीववारों की योग्यता के कम है धायोग हारा उनकी एक सूची तैयार की जाएगी धौर जितने उम्मीववारों को धायोग इस परीक्षा में योग्य पाता है उनमें से उतने ही की उसी कम से नियुक्ति के लिए धनुशंसित किया जाता है जितनी धनारक्षित रिक्तियों को इस परीक्षा के परिणाम के धाधार पर भरने का निश्चय किया जाता है।

परन्तु प्रनुसृषित जातियों और प्रमुसृषित जमजातियों के लिए झार-क्षित रिक्तियों से सामान्य स्तर के प्राधार पर जितनी रिक्तियों नहीं भरी जा सकती हैं उतनी के लिए स्तर में छूट देकर प्रनुसृषित जातियों और प्रमुस्थित जमजातियों के उम्मीदबारों को प्रायोग द्वारा सनु-शंक्षित किया जा सकता है समर्ते कि परीक्षा में उनको योग्यता के कम से निर्देश क्य से वे स्त्रसेवा में वियुक्ति के योग्य हों!

- 12. परीक्षा में बैठे उम्मीववारों की व्यक्तिक रूप से उनका परीक्षा परिणाम किस प्रकार और किस रूप में सूचित किया जाये इसका निर्णय धायोग स्वयं धपने विवेक से करेगा और परीक्षा परिणाम के सम्बन्ध में धायोग उसके साथ कोई पश्च-ध्यवहार नहीं करेगा।
- 13. इस नोटिस के उपबन्धों के मधीन सफलता प्राप्त करने नाले सम्मीवनारो की नियुक्ति पर मायोग द्वारा उनकी योग्यता के कम से तैरार की गई सूची भीर उनके द्वारा अपने मावेदन पत्नों में विभिन्न पदों के लिये कताई गई नरीयता के माधार पर विचार किया जायेगा।
- 14. परीका में सफल होने माल से नियुक्ति का कोई घशिकार तब तक प्राप्त नहीं होता जब तक धावश्यक पूछताछ के बाद सरकार इस बात से संतुष्ट न हो कि उम्मीदवार घपने चरिल घोर पूर्ववत के घाधार पर उक्त सेवा में नियुक्ति के लिये सर्वथा उपगुक्त है। उम्मीदवार की नियुक्ति के लिये यह भी एक गर्त होगी कि उसके घनिवार्य रोटेटिंग इन्टरिश सफलतापूर्वक पूरी कर नैमे के सम्बन्ध में नियुक्ति प्राधिकारी सन्तुष्ट हो।
- 15. उम्मीदवार को मन और शरीर से स्वास्थ्य होना चाहिए और उसमें ऐसी कोई भी मारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उसते सेवा के पश्चिकारी के रूप में कार्य करने का बाधक सिद्ध हो सके। सरकार मा नियोक्ता प्राधिकारी जैसी भी स्थित हो द्वारा निर्धारित इस प्रकार की शारीरिक परीक्षा में जो उम्मीदबार इन अपेक्ष को भूति नहीं कर पाता है, उसकी नियुक्त नहीं होगी। व्यक्तिगत परीक्षण के लिये योग्य चोचित किये गये सभी उम्भीदवारों को स्वास्थ्य धीर परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित विकित्सा बोव के पास धारीरिक परीक्षा के लिये भेजा जायेगा।
 - 16. कोई भी स्पन्ति:---
 - (क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में करार कर लेता है जिसका कोई पति या पिन जीवित हैं या
- (वा) पित या पिल्न के जीवित होते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में कोई करार कर लेता है; इस सेवा में नियुक्ति का पान नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति भीर विवाह से सम्बन्ध दूसरे व्यक्ति पर लागू वैयक्तिक कानून के भ्रमुसार स्वीकार्य है भीर ऐसा करने के भीर भी भ्राधार भीजूद है हो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकता है।

- 17. उम्मीदवारों को सभी उत्तर प्रपने श्राय से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिये प्रन्य व्यक्ति की सहायता लेने की प्रमु-मित नहीं वी जाएगी।
- 18. धायोग धपनी विवक्षा पर परीक्षा के लिये महँक (क्वालीफाइंग) मंक निर्मारित कर सकता है।
- 9. 19. भायोग के साथ पत्न-व्यवहार:

निम्नलिखित को छोड़कर प्रायोग प्रत्य किसी भी मामले में धम्मीववार के साथ पत्र-ध्यवहार नहीं करेगा —

(i) भ्रायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक भ्रावेषन-पन्न जिसमें देर से प्राप्त भावेषन पन्न भी सम्मिलित हैं, की पावती दी जाती है स्था भावेषन पन्न की प्राप्त के प्रतीक के रूप में उम्मीववार को भावेषन पंजीकरण संख्या जारी किया जाता है। इस तथ्य का कि उम्मीववार को भावेषन पंजीकरण संख्या जारी कर विया गया है भ्रपने भाग यह मतलब नहीं है कि भावेषनपन्न सभी अकार पूर्ण है भीर भायोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है यवि परीक्षा से सम्बन्धित भावेषन-प्रत्यों, की प्राप्त की भावदरी तारीक से पूक महीने के भीतर उम्मीववार को भ्रपने धावेषन

- पन्न की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये। आरोग से तस्काल सम्पर्ककरना चाहिए।
- (ii) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीयकार को उसके आवेदन पत्न के परिणाम की सूचना यथाशी झंदे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदन पत्न का परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के गुरू होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदबार को सूपने आवेदनपत्न के परिणाम के बारे में संभ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया सो वह अपने मामले में विकार किये जाने के वावे से वंचित हो जायेगा।
- (iii) किसी भी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में सब तक प्रवेश नहीं वियाजायेगा जब तक उसके पास प्रवेश प्रमाण पत्न न हो।

केवल इस तच्य का कि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के लिए प्रवेश प्रमाण-पत जारी कर दिया गया है यह मर्थ नहीं होगा कि आयोग द्वारा उसकी उम्मीदवारी धन्तिव कप से ठीक मान ली गई है या कि उम्मीदवार द्वारा अपने प्रारम्भिक परीक्षा के धावेदन पत्र में की गई प्रविष्टियां आयोग द्वारा सही और ठीक मान ली गई हैं। उम्मीदवार ज्यान रेखें कि आयोग उम्मीदवार के लिखित परीक्षा के परिणाम के भाधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये में धहुंता प्राप्त कर लेने के बाव ही उसकी पावता की शतों का मूल प्रलेखों से सत्यापन का मामला उठाता है। आयोग द्वारा औपनारिक क्य से उम्मीदवारों की पुष्टि कर विए जाने तक उम्मीयारी धर्मतिम रहेगी।

उम्मीदवार उक्त परीक्षामें प्रवेश का पान्न है या नहीं है इस बारे में आयोग का निर्णय अस्तिम होगा।

उम्मीववार ध्यान रखें कि प्रवेश प्रमाण पत्न में कहीं-कहीं नाम तकनीकी कारणों से संक्षिप्त रूप में लिखे जा सकते हैं।

(iv) उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पद में उल्लिखित पते पर मेजे गए पल आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदने हुए पते पर मिल जाया करें, पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना यथाशी घ दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

महत्वपूर्ण:---भायोग के साथ मधी पत्र-ध्यवहार में नीचे सिखा स्पीरा भनिवार्य रूप से होना चाहिए:

- 1. परीक्षाका नाम ।
- झावेदन पंजीकरण सं० झथवा जम्मीदवार के जन्म की तारीख यदि रोस नम्बर सूचित नहीं किया गया है
- उम्मीववार कानाम (पूरा तथा मोटे प्रकारों में)
- श्रावेदन-पत्त में दिया गया बाक का पता ।

विशेष ध्यान: (i) जिन पदों में यह अ्योरा नहीं होगा, संमव है कि धन पर ध्यान न विया जाए ।

विशेष ज्यान (ii) :यदि किसी उम्मीदवार से कोई पत्र/संप्रेषण परीक्षा हो पुकरे के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम, अनुक्रमांक नहीं है सो इस पर ज्यान न देते हुए कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी।

20. मावेबरापक प्रस्तुतः करने के बाद जम्मीदवारी की वापसी के लिए जम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया वाएमा। इस परीक्षा के साध्यम से जिन सेवाझों पर भर्ती की जा रही है उनके संक्षिप्त विवरण परिकिष्ट II में विये गये हैं।

विनय झा, संयुक्त सचिव

वरिशिष्ट I

भारत सरकार के मधीन पढ़ों पर नियुक्ति के लिए मानेदन करने वाले मनुसूचित जातियों मौर मनुसूचित जम जातियों के उम्मीववारों द्वारों प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पक्ष का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री	/श्रीमती/कुम	ारी*		
	सुपुक्ती *श्री	·		
जो	गाँव/कस्या*			
	ला/मंडल*−	,		
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र				
की कि निवासी हैं				
	/जन जाति*	के/की* है	जिसे	मिम्नलि चि र
के भ्रधीन मनुसूचित जाति/जन जारि	ते के रूप में	मान्यता दी	गईहै	l .

संविधान (प्रनुस्चित जातियां) पावेश 1950।*
संविधान (प्रनुस्चित जनजातियां) पावेश 1950*।
संविधान (प्रनुस्चित जातियां) (संघराज्य क्षेत्र) पावेश 1951*।
संविधान (प्रनुस्चित जान-जातियां) (संघराज्य क्षेत्र पावेश) 1951*।

धनुसूचित जातियां और मनुसूचित जन-जातियां सूची धाशोधन धावेश 1986, बम्बई पुनर्गठन घधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन घधिनियम, 1966, हिमाचल प्रवेश, राज्य घधिनियम, 1970, उत्तरपूर्व क्षेत्र (पुनर्गठम घिनियम, 1971) और धनुसूचित जातियां तथा मनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधम घिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (जम्मू घीरकश्मीर) अनुसूचित जातियां भादेश 1956*

संविधान (अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन-जातियां आदेश 1959। अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशो-धन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित ।

संविधान (वादरा भौर नगर हवेली) धनुसूचित जन जातियां भावेश 1962* ।

संविधान (वावरा धौर नागर हवेली) (धनुसूचित वातियां) धावेल 1982*।

संविधान	(गोवा दमन भौर वियू) भनुसूचित जातियां भादेश, 1968
संविधान	(गोबा दमन भौर दियु) धनुसूचित जन-जातियां भादेश, 1968
संविधान	(नागालैन्ड) मनुसूचित अन-जातियां मादेश 1970।
संविधान	(सिक्किम) ग्रमुसुचित जाति ग्रादेश, 1978
संविधान	(सिक्किम) धनुसूचित जन जाति घादेश, 1978 ।

•	ग परिवार माम तौर से गांव/कस्वा*	
		
जिला/मंडल*		

प्तम राज्यक्षत्र*	
ख्वे/ख्वी*	₹ 1
	ह स्ताक्ष र
	**पवनाम ———————
	(कार्यालय की मोहर सहित)

तारीख------राज्य/सथ राज्य क्षेत्र*

नोट -वहां "मामतौर से रहते/रहती हैं"शब्दों का पर्य वहीं होगा जो रिप्रजेटिशन भाषा वि पीपुल्स एक्ट 1950 की झारा 20 में है।

*लागू शब्द न हों उन्हें क्रुपया काट दें।

जाति/जनजाति प्रमाण पत्र करने के लिए सक्षम **प्रधिकारी।

- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/घितिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/ कलेक्टर / बिच्टी कमिक्तर/ऐकीशनल बिच्टी कमिक्तर/बिच्टी कलेक्टर/प्रथम खेणी का स्टाइपेंकरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब बिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ ताल्कूक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा धितस्टेंट कमिक्सर! †प्रथम खेणी के स्टाईपैण्वरी मैजिस्ट्रेट से कम धोत्तवे का नहीं।
- (ii) चीफ प्रेसिवेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐबीशनल चीफ प्रेसिवेंसी मैजिस्ट्रेट/ प्रेसीवेंसी मैजिस्ट्रेट ।
- (iii) रेवेम्यू अफसर जिसका घोहवा तहसीलवार से कमन हो।
- (iv) उस इलाके का सब-विवीजनल श्रफसर जहां उम्मीदवार और/गा उसका परिवार भाग तीर से रहता हो।
- (v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सिवन/डवलपर्नेट झफसर (लक्ष-द्वीप)।

परिशिष्ट-II

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाझों में मर्ती की जा रही है, उनके संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गएं हैं:--

- I. रेलवे में सहायक प्रभागीय जिकित्सा प्रधिकारी
- (क) पव भस्यायी है भीर भूप 'क' में है। पव का वेतनमान ६० 700-40-900-द० रोज-40-1100-50-1250-व० ' रोज-50-1600 (परिशोधित वेतनमान) हैं। इसके भ्रलावा समय-समय पर प्रवर्तित भावेशों के भसारनु प्रतिबन्धित प्रैक्टिस निषेध भत्ते भी होंगे। फिलहाल ये धरें बालू हैं:---

1--5 स्टेज 150-प्र० मा० 6-10 स्टेज ६० 200-प्र० मा० 11-15 स्टेज के 250-प्र० मा० 16धीं स्टेज से धार्गे ६० 300-प्र० मा०

निजी प्रैक्टिस को प्रतिबन्धित या निषिद्ध करते हुए समय-समय पर रेलवे मन्त्रालय या सम्य उच्चतम प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए प्रादेशों का पालन करने के लिए उम्मीदबार बाध्य होना । जो उम्मीदबार सरकारी नौकरी में हो उनको उपर्युक्त वेतनमान में नियमानुसार प्रारंधिक वेतन दिया जायेगा । दूसरे सौगों को उपर्युक्त वेतनमान का स्मृततम वेतन दिया जायेगा ।

- (ख) उम्मीदवार को दो साल की परिकोक्ता पर नियुक्त किया जायेगा भीर भावश्यक समझा आये तो सरकार इस भविष्ठ को भागे बढ़ा सकती है। परिवीका की भविष्ठ को सम्सोधजनक इंग से समाप्त करने पर वह भस्याई हैसियत से उनको भागे चलाया जायेगा।
- (ग) परीक्षा की धवधि में भीर उसके बाद धस्थायी नियुक्ति के बौरान बोनों तरफ से एक महीने के बोटिस के ब्राप्त नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता

- है। नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का अधिकार सरकार अपने पास रखेशी।
- (म) अम्मीवनार को रेलवे मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा भौर सभी विभागीय गरोक्षाको में उत्तीर्ण होना पड़ेगा ।
- (क) उम्मीवधार रेलवे पेंशन नियमों से नियंश्रित होगा भीर राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर-श्रंशवायी) के समय-समय पर लागू नियमों के भधीन उस निधि का सदस्य बनेगा।
- (च) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित और भ्रपने स्तर के भ्रधिकारियों पर लागु अवकाश नियमों के अनुसार प्रपकाश का ग्रधिकारी होगा ।
- (छ) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्शित नियमों के अनुसार निःशुल्क रेसके पास और यिशेष टिफट श्रादेशी का श्रीकारी होगा।
- (ज) उम्मीदवार को उसकी निधुक्ति के बाध दो साल के अन्वर हिम्बी परीक्षा में उसीण होना पड़ेगा ।
- (झ) नियमानुसार, उपयुक्त पव पर नियुक्त प्रत्येक स्यक्ति को अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से संबंधित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की प्रविध के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर व्यतीत अविध शामिल है।

परन्तु उम व्यक्ति को

- (क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य महीं करना होगा।
- (ख) सामान्यतः 45 वर्षं की भागु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।
- (ग) संगणमीय सेवा -- जो व्यक्ति इन नियमों के प्रधीन उन पदों पर नियुक्त होते हैं जिन पर भारतीय रेखके स्थापना सहिता के नियम 2423-क [केंबरेन 404 (ख)] में निर्धारित गर्ते लागू होती हैं, वे उस नियम में निहित उपबन्धों के लाम के पास होंगे।
 - (ट) को बातें उत्पर विनिर्विष्ट रूप से कहीं गई हैं उनमें भीर भ्रग्य मामलों में उम्मीववार भारतीय रेलवे स्थापना सिंहता भीर समय-समय पर परिमोधित/ प्रवर्तित नियमों के भ्रष्टीन कार्य करेगा।
 - (ह) प्रारम्भ में उम्मीयवार को पार्थस्य स्टेशनों के रेन्ने स्वास्थ्य केफीय शौषधालयों में नियुक्त किया जायेगा। सहायक प्रभागीय चिकित्सा प्रधिकारियों को किसी भी रेलने में स्थानान्तरित भी किया जा सकता है।
 - (ड) उच्चतर प्रवो में वेतनमाना भीर भक्तों सहित प्रवोक्षति के भवसर
 - (i) ऐसे सह्ययक प्रभागीय जिकित्सा भिष्कारी जिन्होंने उपल ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद पांच वर्ष भी सेवा कर ली है, प्रभागीय जिकित्सा भिष्कारी (वरिष्ट वेतनमान) के पदों पर पदोक्रित के पाल हैं। इन पदों का वेतनमान ६० 1100-1800 है। जिसके साथ 1 से १ तक की भवस्थाओं तक ६० 300/- प्रति मास कीमित प्रैक्टिस निषेध मत्ता तथा 10 भवस्था से ग्रागे ६० 350/-प्र० मा० प्रैक्टिस निषेध मत्ता राह्य है।
 - (ii) ऐसे प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी/विरिष्ट चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली हैं, चिकित्सा अधीककों के पदों पर पदोक्षति के पाक हैं। इन पदों का वेतनमान ६० 1500-2000 है तथा साथ में द० 500/- प्र०मा० प्रैक्टिस निषेध भक्ता ग्राह्य है।
 - (iii) जैसा कि समय-समय पर विहित किया जाता है ३० 1500-2000 के ग्रेड में सेवा वर्षों की संख्या ग्राह्मार पर चिकित्सा ग्राह्मीकक/ ग्रातिरिक्त भुष्य चिकित्सा ग्राह्मिकारी के पदों पर पदोन्नित के पाल हो जाते हैं। इस पव का बेतनमान द० 2250-2500 है तथा साथ में ६० 500/- प्रच्याच शिक्टम मत्ता श्राह्म है।

- (iv) ऐसे चितिरिक्त मुख्य जिकिन्ता प्रिशिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद दो वर्ष की सेवा कर जी है, मुख्य चिकिरसा घष्टिकारी के पद पर पदोक्षति के पाछ हैं। इस पद का वेतनमान रु० 2500-2750 है तथा साथ में रु० 500/- प्र०मा० प्रैक्टिस निषेध भक्ता गाह्या है।
- (ह) क्लंब्य भीर वायित्व--

सहायक प्रभागीय चिकित्सा ग्रंधिकारी :

- (i) वह प्रतिष्ठित भीर भानभ्यक होने पर भीतरी वाशों भीर बाहरी विकित्सा विभाग का काम देखेगा ।
- (ii) वह लागृ विनियमों के प्रभुसार उम्मीदवार भीर सेवारत कर्मवारियों की शारीरिक परीका करेगा।
- (iii) वह धपने ध्रधिकार केल में परिवार नियोजन, लोक स्वास्थ्य ध्रीर स्वच्छता का काम वेखेगा ।
- (iv) वह विकेताओं की जांच करेगा।
- (V) यह ग्रम्पताल के कर्मचारियों में श्रन्शासन भीर कर्सब्य पालन के लिये उत्तरदायी होगा।
- (vi) वह अपनी विशेषज्ञता से सम्बद्ध कार्य, यदि कोई हो करेगा और अपनी विशेषज्ञता से संबंधित विवरणियां और मांग पक तैयार करेगा।
- (Vii) वह सभी उपस्करों का रख-रखाव कीर देखभाल धर्पने प्रजार में रखोगा।
- नोट(1): जब सहा०प्र० विश्व किसी प्रभाग के मुख्यालय में प्रभागीय विकित्सा प्रधिकारी के प्रभार के मधीन नियुक्त किया जता है तो वह प्रभागीय विकित्सा के सभी कर्त्यों में उसे सहायता देगा किन्तु विरोध रूप से उसकी कुछ कार्य भीर वायित्व भी सीप जा मकते हैं।
- भोट(2): सहा०प्र०चि०म० को समय-समय पर शेंपे गये अस्य कर्शव्य मी निमाने होंगे।

II. रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत आयुष्ट तथा आयुष्ठ उपस्कर कारचाना स्वास्थ्य सेवा में सहायक चिकित्सा अधिकारी के पव---

(क) पद गुप 'क' में ग्रम्थायी किन्तु ययावधि स्थायी किया जा सकता है। बेतनमान रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 है तथा साथ में समय-समय पर लागू श्रावेशों के श्रनुसार प्रतिबन्धित प्रैक्टिस निशेष्ठ भत्ता (प्र० नि० ग०)। इस समय वर निस्निशिष्ठत है:---

1-5 स्टेज है ० 150/- प्रतिमास 8-10 स्टेज है ० 200/- प्रतिमास 11 स्टेज से भ्रागे १० 250/- प्रतिमास

- (ख) उम्मीववार नियुक्ति की तारीख से वो वर्ष तक परिशेका पर रखा जाएगा। यह भवित्र सक्षम प्राधिकारी की विवक्षा पर चटाई या बक्षाई जा सकती है। परिशेक्षा भवित्र संतोषजनक कंग से समाप्त करने पर उन्हें स्थायी रिक्ति पर स्थायी किए जाने तक ग्रस्थायी हैसियत से चलाया जाएथा।
- (ग) उम्मीदवार को भारत में करीं भी किसी भायुग्न कारकामा भ्रस्पताल या भौषघालय में नियुक्त किया जा सकता है ।
 - (क) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।
- (स) परिलोका की भ्रावधि में भीर उसके बाद श्रस्मायी निधुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने का नीटिस देकर निधुक्ति को समास्त किया जा सकता है। सरकार को नीटिस के बदले एक महोने का बेसन देने का श्रीकार होगा।

- (च) उच्चतर प्रेडो के वेतनमान और भसों सहित पदीन्नति के भवसर :--
- (i) बरिष्ठ वेतनमान--वरिष्ठ जिकित्सा अधिकारी/सहायक निवेशक, स्वास्थ्य सेवा

कानिष्ठ बेतनमान में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले मिक्कारी विरिध्ध विकित्सा अधिकारी/सहायक निवेशक स्वास्थ्य सेवा के वरिष्ठ वेतनमान के लिये पास होंगे। वेतनमान र० 1100-50-1600 है तथा साथ में निम्मसिखित वरों पर प्रैक्टिस निषेध भक्षा --

1-3 स्टेज	र० 250/- प्रतिमास
4- 5 स्टेज	र० 300/- प्रतिमास
6- ७ स्टेअ	रु० 350/- प्रतिमास
8- 9 म्टेन	रु० 400/- प्रति मास
10-11 स्टेज	. १० 450/- प्रतिमास

(i) सुपरटाइम ग्रेड-II--- प्रधान चिकित्सा ग्राधिकारी/उप निवेशक स्वास्थ्य सेवा

वरिष्ट वेतनमान में 5 वर्ष की सेवा और स्नातकोक्षर धोध्यक्षा रक्षने वाले अधिकारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निवेशक, स्वास्थ्य सेवा के सुपरटाइम गंड-II में प्रधोन्नति के लिए विकार किंग्रे जा सकते हैं। वेतनमान कर 1500-60-1900-100-2000 है नवा २० 600/- प्र०मा० की वर से प्र० नि० ५०।

(iii) सुपर टाध्प ग्रेड-I निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं

\$21त चिकित्सा ग्रहिकारी भीर उन-निदेशक स्वाम्थ्य सेवा 6 वर्ष की सेवा पूरी कर रेने पर २० 2250-125/2-2500 प्रतिमास तथा साथ में २० 600/- प्र० मा० की दर से पेक्टिस निष्ध भक्ते के वेतनमान वाले निवेशक स्वास्थ्य सेवा के सुपर टाइम प्रेड-I में नियुक्ति के पत्न होंगे:

- (६) कार्यस्वरूप--(1) सहायक चिकित्मा प्रधिकारी :
- (i) वे प्रतिदित और प्रायश्यक होने पर ग्रस्मताल के वार्टों के विभागों के अंतर्रंग रोगियों भौर भौषछ। समी/बिंदुरंग विभागों के रोगियों को देखेंगे;
- (ii) वे नियमों के अनुसार कर्मचारियों और नौकरी के लिए आने वाले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य की परीक्षा करेंगे।
- (iii) वे सभि उपस्करों का रख रखाव भीर देखभाल भ्रपने प्रमाग में रखेंदे।
- (vi) वे प्रपने प्रधिकार क्षेत्र में परिवार कल्याण, श्लोक स्वास्थ्य ग्रीर कर्मचारियों के ग्रीबोगिक स्वास्थ्य का कार्य देखेंगे।
- (v) वे अस्पताल और औषभालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण अनुशासन भीर कर्संच्यापालन के लिए अत्तरवायी होंगे।
- (vi) वे नियमानुसार प्रभारी चिकित्सा ग्रधिकारी द्वारा सौंपे गए ग्रस्य कार्य भी करेंगे।
- (2) जी ब्ही ब्हों वे प्रेड I स्वास्थ्य सेवा सहायक निदेशक छौर वरिष्ठ विकित्सा प्रक्रिकारी
 - (क) मुख्यालय में पदस्य स्वा० से० पं० निं०/स्वा० से० उ० के निर्वेशन पर चिकित्सा संबंधी सभी विषयों में कर्तेच्य निभाने में उनकी सहायता करेगा।
 - (ख) सनुभाग प्रधिकारी के रूप में चिकित्सा सनुभाग को दैनंदिनी कार्य करने में वह स्वां ब्से विन् श्री विकास करेगा।
 - (न) समय-समय पर स्वा०से०नि०/स्वा०से०उ०नि० द्वारा सौंपे गए दूसरे कार्यं भी उसको करने होंगे।
 - (च) चिकित्सा भंडार और उपस्कर से संबंधित सभी प्रश्नों का समा-श्राम करने में बहुस्वा औ श्री० की सहायता करेगा।

- (क) व बिच्छा ० --- व ब्लिब्स ० 75 पर्लग वाले किसी कारखाना सस्पताल सौर वहां की विकित्सा स्थापना के प्रसारी होंगे।
 - (भ) प्रभारी चिकित्सा प्रधिकारी के कप में चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबन्धक के सलाहकार रहेंगे और धावश्यक प्रमुखंसा करते रहेंगे ।
 - (छ) नियमानुसार वे कर्मवारियों भीर उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रवस्थ करेंगे।
 - (ज) वे किसी संविधिया सरकारी झावेश के निहित या स्वा० से० नि० क्रारा सींपे गये घन्य कार्य भी करेंगे।
- (3) सुपर टाइम प्रेड-II— स्वास्थ्य सेवा छप निरोशक भीर प्रधान चिकिरसा ग्राधकारी
 - (क) मुख्यालय में पवस्य स्वा ०से ०उ ० ति ०/स्वा ० से ० ति ० के द्वारा निविष्ठ जनके सभी कार्यों में उनकी सहायता करेगा।
 - (च) स्वा० से० नि० की गैर हाजिरी छुट्टी या वौरे की प्रविध में वह कारखाना महानिवेशक के धादेशानुसार स्वा०से० नि० के रूप में कार्य करेगा ।
 - (ग) प्र०चि ० प्र० --- प्र० चि ० प्र० --- 75 प्रलंग वाने किसी कारखाना
 मस्पताल ग्रीर वहां की चिकित्सा स्थापना का प्रभारी चिकित्स
 मधिकारी रहेगा ।
 - (व) प्रभारी चिकित्सा प्रधिकारी के क्य में व चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबन्धक के सलाहकार रहेंगे भीर स्नावस्यक ग्रनुशंसा देते रहेंगे।
 - (व) नियमानुसार वे कर्मवारियों ग्रीर उनके परिवार के सवस्यों के लिये वे पिकित्सा का प्रबंध करेंगे।
 - (च) किसी संविधिया सरकारी झावेश में निहित या स्वास्थ्य सेवा विदेशक द्वारा सींपे गये झन्य कार्य भी वे करेंगे।
 - (4) सुपर टाइप ग्रेश-I-स्वास्थ्य सेवा निवेशक
 - (क) विकित्सा ग्रीर स्वास्थ्य संबंधी सभी मामलों में कारखाना महा निवेशक का विकित्सा सलाहकार—ज्यावसायिक ग्रीर प्राविधिक समस्त मामलों में कारखाना महानिवेशक संगठन की चिकित्सा स्थापना का नियम्बक प्राधिकारी कारखाना महानिवेशक द्वारा प्रवक्त सभी प्रशासनिक पश्चिकारों का यह उपयोग करेगा।
 - (ख) सरकार द्वारा स्वीकृत प्रतिवेदनों/प्रमुशंसाओं का कार्यान्वयन करने
 के लिये यह योजनाएं तैयार करेंगे।
 - (ग) नियंक्षक प्राधिकारी के रूप में अह प्रावश्यकतानुसार कारखानों में कर्मचारियों का वितरण करेंगे।
 - (भ) संघ लोक सेवा भायोग में सामान्यतः कारखाना महानिवेशक का प्रतिनिधित्व करेंगे।
 - (क) सामान्यतः वर्षे में एक बार वह सभी कारखानों का निरीक्षण करेंगे या करा लेंगे धौर चिकित्सा स्थापना से संबंधित सभी मामलों में चिकित्साप्रतिष्ठानों की कार्यविधि के संबंध में कारखाना महानिवेशक को प्रतिवेदन भीजेंगे।
 - (व) वह स्वा॰से॰ उ० नि० की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखेंगे भीर समस्त प्र० चि० म० व० चि० म० भीर स० चि० म० की रिपोर्टी की समीक्षा करेंगे।

III. केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के घष्टीम कनिष्ठ वेतनमान के पदों के संक्षिप्त विवरण

(क) उम्मीदवारों को कनिष्ठ सुप 'क' वेतनमान में नियुक्त किया आएगा और नियुक्ति की सारीख से वो वर्ष की घवधि तक वे परिवीका के भाषीन रहेंगे। यह भवधि सख्य प्राधिकारी के निर्णय पर वहाई या बढ़ाई

जा सकती है। परिवीक्षा की धवधि की संतोषजनक समाप्ति के बाद उनको ययासमय कनिष्ठ वेसनमान (६० 700-1300) में स्थायी बनामा जाएगा

(ख) उम्मीदवारों को केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में सम्मिलित किसी भी संगठन के मधीन किसी भी भौषधालय या अस्पताल में भारत में कहीं भी नियुक्त किया जा सकता है भर्थात् दिल्ली, बंगलौर, बम्बई, मेरठ भादि में चाल के । स । स्वा । से । कोयला खान/माइका खान श्रम कल्याण संगठन, मसम राइफरस, घरणाचल प्रदेश, लक्षद्वीप, भंडमान एवं निकोबार द्वीप समृह बाक तार विभाग बावि । प्रयोगशासा धीर परामशे सेवा सहित किसी भी प्रकारकी निजी प्रैक्टिस निविद्ध है।

(ग) निम्नजिखित बेतनमान प्राप्य हैं :---कनिष्ठ पूप 'क' वेतनमान

परिभोधित वेतनमान : ए० 700-40-900-ए० रो०-40-1100-50-प्रे॰ नि॰ स॰ 13001 5 स्टेज र० 150 प्र॰मा० 1 10 स्टेज **र० 200 प्र**०मा० 1 1वीं स्टेज से ग्रागे ৰ• 250 ম • মা ০

को श्रिष्ठिकारी कनिष्ठ वैतनमान में कम से कम पांच वर्ष की सेवा पूरी करते हो, वे वरिष्ठ वेतन में पदोन्नति के पान होंगे।

To 1100-50-1600

षरिष्ठ वेतनमान पृप'क'

परिशोधित बेतनमाम :

	मे० नि० भ०		
1 से 3 स्टेण तक	ব০ 250 স০ মাত		
4 से 5 स्टेज तक	o) म०ए () () व्य		

6 से 7 स्टेज तक **र** ० ३५० प्र ० मा ० 8 से 9 स्टेजप्तक **र० 450 प्र०मा** ०

10 से 11 स्टेज तक **र• 450 प्र• मा**०

बरिष्ठ वेतनमान में 10 वर्ष की शेवा पूरी करने वाले अधिकारी द० 1500-2000 के वेतनमान में सूपर टाइम ग्रेड-I में नियुक्ति के पास हो जा गेंगे बशर्ती कि उम्मीदवारों के पास स्नातकोत्तर योग्यताधों के साथ धावश्यक योग्यताएं हों।

विशेषक काग्रेड-II

परिशोधित वेतनमान: 1100-50-1500-द ० रो ०-60-1800

	प्रे॰ नि० म०
1 से 3 स्टेज तक	च॰ ३०० प्र∘मा॰
4 से 6 स्टेज तक	र॰ ३५० प्र०मा ०
7 से 9 स्टेज तक	र• 400 प्र० मा०
10 से 12 स्टेज तक	ए० ४ ५० प्र ० मा०
13से 14 स्टेज तक	४० 500 प्र∘मा०

विशेषज्ञों के ग्रेड-II---- प्राठ वर्ष की सेवा पूरी करने वाले भीर प्रावश्यक योग्यतामों से युक्त मधिकारी पदोन्नित पर भरी जाने वाली 50 प्रतिमत रिक्तियों में विशेषक्ष के ग्रेड-I में पदीन्नति के लिए विचार क्षेत्र में माते हैं।

विशेषकों काग्रेड-I

परिशोधित वेतनमान : ४० 1800-100-2000/125/2-2250

प्रे० नि • भ •

सुपर टाइम ग्रेड-II

To SOO VORTO

परिशोधित बेतनमान : रू॰ 1500-60-1800-100-2000 l

प्रे॰ नि॰ भा• रु० ६०० प्र∘मा•

विशेषज्ञों के ग्रेड-I या सुपर टाइम ग्रेड-II के पवधारी अधिकारी निय-मित रूप से इन में से किसी भी ग्रेड में छह वर्ष की सेवा पूरी करने पर सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर-II पर पवोन्नति के विचार क्षेत्र में भाते हैं।

मुपर टाइम, ग्रेड-I स्तर-II

परिशोधित वेतनमान : २० 2500-125/2-2750 ।

प्रे॰ नि॰ भ॰ ₹०६०० प्र∘मा∘

भूपर टाइम ग्रेड-I स्तर-I

परिशोधित वेतनमान

To 2500-125/2-2750

স্০ দি ০ গ ০

र० ६०० प्र० मा०

सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर I में की रिक्तियों को छन्हीं ग्रधिकारियों से भरा जायेगा को सूपरटाइम श्रोड-I स्तर II में वो वर्ष की सेवा पूरी कर चके हों। घगर यह संमव नहीं हुमा तो सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर II ग्रीर विशेवज्ञों के ग्रेड-Iसूपर टाइम ग्रेड II में कुल मिलाकर 8 वर्ष की सेवा से युक्त या बह भी संभव नहीं हुआ तो विशेषज्ञों के ग्रेड-I भीर सुपरटाइम ग्रेड-II में से किसी भी ग्रेड में भाठ वर्ष की सेवा से युक्त श्रविकारियों से भरा भाएगा।

- IV. सामान्य इयुटी विकित्सा अधिकारी ग्रेड-II दिल्ली नगर निगम
- (क) वर्गं कं कापव अस्यायी है किन्तु यथाविध स्थायी हो सकता है। बेतनमान ४०७००-४०-९००-४० रो०-४०-१100-५०-१३०० त साथ में समय-समय पर लागु भादेशों के भनुसार प्रतिबंधित प्रैक्टिस निवेध भत्ता (प्रे० नि० भ०) वेतनमान वरें इस प्रकार है:

1 से 5 स्टेज उ० 150/- प्र०मा०-6 से 10 स्टे**ज र**० 200/- प्र∘मा॰ 11 स्टेजों से पागे रं० 250/- प्र∘मा ७.

- (ख) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से 2 वर्ष की ग्रवधि एक परिवीक्ता पर रहेगा । यह भवधि सक्षम प्राधिकारी के विवेकानुसार चटाई या बढ़ाई जासकती है। परिवीका की भवधि को सन्तोषजनक ढंग से पूरा कर लेने के बाद वह स्थासी रिक्ति पर स्थासी किए जाने की सबस्रि तक घस्यायी पद पर कार्यं करता रहेगा।
- (ग) उम्मीदवार को दिल्ली नगर निगम के क्षेत्राधिकार में किसी भी भ्रस्पताल/भौषधालय/प्र०एवं शि० क० तथा परिवार कल्याण केन्द्र/प्राथमिक. स्वास्थ्य केन्द्रों घावि में नियुक्त किया जा सकता है।
 - (व) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।
- परिवीका की अविध तथा बाद की अस्थायी हैसियत से नियोजन की अविध में दोनों पक्षों में से किसी भी कोर से नियुक्ति समाप्ति की जा सकती है। दिल्ली नगर निगम को नोटिस के स्थान पर एक माहुका बेतन देने का ग्राधिकार ŧι

पवोन्नति की संभावनाएँ जिसमें ऊंचे ग्रेडों से सम्बद्ध वेतनमान तथा मत्ते सम्मिलित हैं मर्ती नियमावली के उपबन्धों के प्रमुसार होगी।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 22nd July 1981

No. A.32014/4/80-Admn.III.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri R. P. Singh, a permanent Estate Supervisor of this office, to officiate as Estate Manager and Meeting Officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on an ad-hoo basis for a period of three months with effect from 20-7-81, or until further orders, whichever is earlier.

Y. R. GANDHI Under Secretary, for Secv.

New Delhi-110011, the 13th July 1981

No. A.11016/1/76-Admn.III(1).—The President is pleased to appoint Shri M. C. Khorana, a permanent officer of Grade A of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission w.e.f. 5th July, 1981 until further orders, under proviso to Rule 10 of the C.S.S. Rules 1962.

No. A.11016/1/76-Admn.III(2).—The President is pleased to appoint Shri N. Namasivayam, Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of Union Public Service Commission with effect from 6th July, 1981 until further orders.

2. Shri N. Namasivayam shall draw special pay @Rs. 75/- per month in terms of D.O.P. & A.R. O.M. No. 12/1/74-CS(I), dated 11th December 1975.

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 13th August 1981

No. PF/J-62/68-Ad.I.—Shri J. M. Mehta, an officer of Gujarat State Police, on deputation to the CBI as Inspector of Police, is relieved of his duties in the CBI, Ahmedabad Branch on the afternoon of 21-7-81 on repatriation to Gujarat State Police.

Q. L. GROVER Administrative Officer (E)

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110022, the 13th August 1981

No. F.2/29/81-Eatt. (CRPF).—The President is pleased to confirm the following officers in the rank of Assistant Commandant in the CRPF:—

S/Shri

- 1. Ravi Kumer
- 2. G. S. Tiwana
- 3. S. V. Mohd.
- 4. B. S. Negi
- 5. P. S. Sambial
- 6. Jai Prakash
- 7. A. K. Anand
- 8. I. S. Gill
- 9. K. S. R. Nair
- 10. M. S. Sandhu
- 11. Pritam Singh
- 12. V. M. Karikath
- 13. Mohinder Vikram Singh
- 14 Vishva Dev Tokas
- 15. Puran Singh

S/Shri

- 16. J. S. Dawson
- 17. Surender Singh Rawat
- 18. Kashi Nath Singh
- 19. Haribans Singh Rai
- 20. Hukam Singh Negi
- 21. Umrao Singh
- 22. Balram Singh Negi
- 23. Sumer Singh Yadav
- 24. B. S. Narang
- 25. Devender Kumar
- 26. Pushkar Singh
- 27. Gurcharan Singh
- 28. Prakash V. Belgamkar
- 29. Deep Narain Singh Bisht
- 30. D. V. J. N. Raju
- 31. J. S. Rana
- 32. P. Prasad
- 33. K. S. Rana
- 34. J. Choudhury
- 35. J. S. Bisht
- 36. K. L. Wahi
- 37. J. L. Kapoor
- 38. V. N. Roy
- 39. P. N. Mahajan
- 40. A. S. Chahal
- 41. Diwakar Mishra
- 42. Genesh Kumar
- 43. Mangal Singh Gill
- 44. H. C. Sood
- 45, M. S. Sethi
- 46. F. Savarappa
- 47. U. B. S. Teotia
- 48, R. N. Sharda
- 49. J. N. Chetiapatra
- 50. Richpal Singh
- 51. Ramesh Chander
- 52. N. S. Irom
- 59. B. K. Vohra
- 54. S. Verma
- 55. Surendra Nath

The 14th August 1981

No. O.II-1595/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Mohendra Kumar Dwivedi as General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P./Coy Commander) in the C. R. P. Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 21st July, 1981 subject to his being Medically fit.

A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

PART III-SEC. 1

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF E.A.) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 8th August 1981

No. 852/A.—The Undersigned is pleased to appoint Shri Y. R. K. Murthy, Pay & Accounts Officer, India Security Press, Nasik Road, as Accounts Officer, India Security Press, on deputation with effect from the forenoon of 20th July, 1981 for a period of one year on usual terms and conditions of deputation.

P. S. SHIVARAM General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 9th August 1981

F. No. BNP/C/5/81,—The undersigned is pleased to appoint Shri S. K. Shukla, permanent Junior Supervisor

(Intaglio Plate making) as Technical Officer (Printing and Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 4-8-81 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

This ad-hoc appointment does not confer any prescriptive rights on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a a regular basis and the ad-hoc appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

M. V. CHAR General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF

THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 13th August 1981

No. Admn I/8-132/81-82/197.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri B. Nageswara Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General. Andhra Pradesh. Hyderabed. to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 29-7-81 A.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn. I/8-132/81-82/197.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri A. Venkateswara Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 30-7-81 A.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/197.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri S. Rambabu a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General. Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31-7-81 F.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the AP High Court/Supreme Court.

R. HARTHARAN

Scnior Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II, WEST BENGAL

(LOCAL AUDIT DEPARTMENT)

Calcutta-100001, the 10th July 1981

No. LA/Admn./44.—The condition precedent to the grant of pro-forma promotion under "Next below rule" below F.R. 31(1) having been fulfilled Shri Bibhuti Bhusan Das-I, permanent Section Officer of this office, now on deputation to the Food Corporation of India as Assistant Manager (Accounts), Burdwan, has been granted pro-forma promotion on ad-hoc and provisional basis as an Officinting Asstt. Examiner of I ocal Accounts, West Bengal in the scale of pay of Rs. 840-40-1200 in his parent office with effect from 28-2-81 afternoon, the date from which his immediate junior Shri Manoj Kanta Bhattacharya took over charge in this office and until further orders.

2. It should be clearly understood that the pro-forma promotion is purely provisional during the pendency of the Rule in Calcutta High Court case and will be subject to the final decision of the Court filled against Union of India and others under C.R. Case No. 14818(W) of 1979.

3. This office notification No. LA/Admn./601, dated 9-6-80 in so far as it related to the officiating promotion of Shri B. B. Das-I as an officiating Assistant Examiner of Local Accounts, West Bengal from the date of his taking over charge as Assistant Examiner may be treated as cancelled.

B. N. DUTTA CHOWDHURY
Examiner of Local Accounts
WEST BENGAL

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 24th July 1981

No. 2251/A.Admn./130/79-81.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint S/Shri J. P. Chadha and M. P. Purushu, substantive members of Subordinate Accounts Service, to officiate as Audit Officers, with effect from 30-5-1981 and 12-6-81 respectively, until further orders.

I. P. SINGH Joint Director of Audit, D.S.

MINISTRY OF DEFENCE D.G.O.F. HQRS., CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 1st August 1981

No. 15/81/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shrl Satyendra Nath Sarkar, Subst. & Permt. Assistant/Offg. Assistant Staff Officer retired from service with effect from 31-7-81 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTY

ADGOF/Admin.
for Director General
ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 10th August 1981

No. 4/81/A/M—The President is pleased to appoint the following Assistant Medical Officers as Senior Medical Officers in Ordance Factories Health Service with effect from the dates mentioned against each until further orders:—

Sl. Name No.		Posted at	Date	
(1) Di	S. K. Biswas	•	Ordnance Factory, Katni	26-3-81 (FN)
(2) D	r. (Miss) K. Subaiya	ı	Vehicle Factory, Jabalpur	29-12-8 (FN)
(3) Di	. N. B. Dasgupta		Ordnance Factory, Bhusawal	29-12-80 (FN)
(4) Dr	, M, K, Dam		Ordnance Factory, Ambajhari	08-12-80 (FN)
(5) DI	R. K. Shah .		Ordnance Factory, Chanda	23-5-81 (FN)

No.:5/81/A/M—On attaining the age of Supersunuation (i.e. 58 years), the following permanent Assistant Surgeon Gr. I (redesignated as Assistant Medical Officer) retired with effect from the date shown against him:—

Sl. No.	Name & Designation	Factory	Date
1. Dr. R.K. P	aul, Senior Medical	Ordnance Factory	28-2-81
	Officer	Katni	(AN)

No. 6/81/A/M—The President is pleased to appoint the following Assistant Medical Officers in Ordnance Factories with effect from the dates indicated against each until further orders.

Sl. Name & Post No.	Posted at	Date
Dr. P. Munnivenkata- ramaiah Asstt. Medi- cal Officer,	Clothing Factory, Avadi	26-11-80 (FN)
 Dr. K. Ramesh Babu Asstt. Medical Officer Dr. Krupanidhi Naik Asstt. Medical Officer Dr. D. R. Waghmare Asstt. Medical Officer Dr. Dhirendra Kumar Sendha Asstt. Medical Officer. 	Jabalpur Vehicle Factory, Jabalpur	10-1-81 (FN) 25-1-81 (FN) 08-2-81 (FN) 10-2-81 (FN)
 Dr. Saroj Kant Sahoo, Asstt. Medical Officer Dr. Jagadananda Mishra, Asstt. Medical Officer. Dr. Madan Lal Kan- dara Asstt. Medical Officer. 	tory, Ishapore Gun Carriage Factory, Jabalpur	10-2-81 (FN) 15-2-81 (FN) 20-5-81 (FN)

R.G. DEOLALIKAR, Addl. DGOF/Member (Per.)

Calcutta, the 6th August 1981

No. 29/81/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri R. Venkatesan, Offg. Asstt. Manager Subst. & Permt. Foreman retired from service w.e.f. 30-6-81 (A.N.).

The 10th August 1981

No. 30/G/81.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Assistant Manager (Prob.) with effect from the dates shown against them, until further orders:-

SI. No.	Name			Date of	joining
1. Shri V	K. Thakral				
2. Shri K	. Pratap	•	•		
3. Shri R	akesh Kumar	-	•		-1981
	Sundaram	•	•		-1981
			-	1-4-	1981
	m Prakash Kushwah	A.		15-5-	1981

V. K. MEHTA
Assistant Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 12th August 1981 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 1/2/81-ADMN(G)/4722.—The President is pleased to appoint Shri J. P. Singhal, CSS Grade I Select List 1980 and Controller of Imports and Exports to officiate in Grade I of the CSS and as Deputy Chief Controller of Imports and

Exports in this office purely on ad-hoc and temporary basis for the period from 22nd April, 1981 to 30th June, 1981.

A. N. KAUL

Dy. Chief Controller of Imports and Exports For Chief Controller of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 31st July 1981

No. CER/1/81.—In exercise of the powers conferred on me by clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68, dated the 2nd May, 1968 namely:—

In the said Notification-

- 1. In paragraph 1, after item (vii) and provisos (i) to (iv) appearing thereafter, the following shall be added as item (VIII), namely:—
 - "(viii) Notwithstanding anything contained in items (i) to (vii) and provisos (i) to (iv) appearing thereafter, in respect of "controlled dhoty", "Controlled saree" and "Controlled Longcloth" produced by a producer under the National Textile Corporation (hereinafter called NTC) having a spinning plant and packed on or after the 1st July, 1981—
 - (a) the maximum ex-factory price shall be NTC cost per sq. metre calculated on the basis of the formula approved by the Government inter-alia taking into account actual capacity utilisation, actual interest and zero return in respect of mills participating in the production of controlled cloth, reduced by Rs. 2/- per square metre for controlled dhoty and controlled saree and by Rs. 1.50 per sq. metre for controlled longcloth.
 - (b) the maximum ex-factory price, of seconds as defined in para VI (4) (e) of the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69, dated the 19th September, 1969 shall be 10% less than that of the maximum ex-factory price as determined in accordance with sub-item (a) above.
 - (c) the maximum retail price shall be 15% over the ex-factory price as determined in accordance with sub-items (a) or (b) above as the case may be.*.

No. CER/3/81.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69, dated the 19th September, 1969 namely:

- 1. In the said notification, in paragraph II-
 - (a) in the Note (i) below sub-paragraph (2), after the words, "Form 'C' or 'C(P)' the words, "or Form A" shall be inserted.
 - (b) Sub paragraphs (3) (4) & (5) shall be deleted.
- 2. In the said notification, after Note II below paragraph II B thereof, the following shall be added as Note III, namely:-

"Note III: that in respect of controlled dhoty, controlled saree and controlled longcloth produced by a producer under the National Textile Corporation having a spinning plant and packed on or after the 1st July 1981—

(a) Notwithstanding anything contained in parapraphs IIA & IIB of the said notification, the maximum consumer price shall mean the retail price as prescribed under sub-paragraph (VIII) (C) of paragraph I of the Textile Commissioner's notification No. CER/1/68, dated the 2nd May, 1968 plus the Excise Duty payable at the time of clearance. In addition to the markings to be made in accordance with

paragraph Π above, the maximum consumer price shall be stamped on the cloth as specified herein below:

(i) In the case of controlled longcloth saree which is printed and packed in running length, on the face plait and also on every metre at a height not exceeding 2.54 cms. from the selvedge—the words.

"MAXIMUM CONSUMER PRICE PER METRE INCL. EXCISE DUTY" and the amount of such maximum consumer price per metre in figures and the words, "OCTROI EXTRA"

- (ii) In the case of controlled dhoty and controlled saree packed in singles, on the face plait, the words, "MAXIMUM CONSUMER PRICE PER PIECE, INCL. EXCISE DUTY" and the amount of such maximum consumer price per piece in figures, and the words, "OCTROI EXTRA".
- (iii) In the case of controlled dhoty and controlled saree packed in pairs, on the fuce plait and also on the other end of the second piece, at a height not exceeding 2.54 cms. from the selvedge, the words, "MAXIMUM CONSUMER PRICE PER PIECE INCL. EXCISE DUTY" and the amount of such maximum consumer price per piece in figures and the words "OCTROI EXTRA".

No. CER/4/81.—In exercise of the powers conferred on me by Sub-clause (2) of Clause 23 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/4/ 65, dated the 24th April, 1965, namely:-

In the said Notification,

1. After item (3) of paragraph 1, the following proviso shall be added namely:-

"Provided that in respect of 'controlled dhoti'. 'controlled sarce' and 'controlled long cloth' which is the subject matter of item (viii) of para 1 of the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68 dated 2nd May, 1968 and which is stamped with maximum consumer price as prescribed in Note-III below paragraph 11B of the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69, dated 19th September, 1969, true and accurate information shall be furnished in the manner specified in items (1), (2) (3) above in Form-A annexed hereto after From-C(P)."

2. After Form-C(P), the following form shall be added namely:-

FORM 'A'

Form of particulars to be furnished to the Textile Commissioner in respect of each quality of mill manufacture

Price Fixation for the quarter — Name of Mill —	
Tanation	
1. (a) Mill Serial No. as stamped on cloth	
(b) Code No. with suffix if any	
2. Full description of cloth (in final finished state)	
3. (a) Distinguishing mark, if any (b) Trade mark or Trade No. if any	
4. DIMENSIONS Lo	om State Calendered and OR Finished
4. DIMENSIONS Lo	and OR
	and OR
(a) Width in Centimetres ————————————————————————————————————	and OR
(a) Width in Centimetres ————————————————————————————————————	and OR Finished
(a) Width in Centimetres ————————————————————————————————————	and OR Finished

1 1 J, 1961	(DYYYT	JRA 14,	1905)	t non3
8 Reed space in	Centimetre	ts . —		
9. Tape Length in		,		
		3)		(c)
		Gı	rey Bleache	i Coloured
10. No. of ends:-				
(i) Wra	•			
(ii) Bord (iii) Selv				
	_			
11. (a) In case of	dyed yarn	, state		
tholete ar	npur, vat, id depth of	Naph- Sulp	hur/Vat/Na	pthol:
	edium, Da			
Very Dari	k and the	percentage		
		of naphtho	ol dyes),	
Depth of	shade :	•	_	
11. (b) Actual Wei	ght of Yarı	ı.		
		Counts	Calcula-	
			- tion-	Remarks
Description	In	In	Weight	reoman as
	French	equiva-	of	
	counț	lent English	yarn	
		count	(actual without	
			addition	
			for	
			wastage)	
1	2	3	4	5
(a) Wrap :(b) Weft :(c) Border/Selvedge	e			
Yarn:				
(d) Special Yarn, i	f any			
12. (a) width of I	sorder in	Conti		
metres and		Conn-		
(b) State wheth	er borde	r .		
is Plain/D	obby/Jacqu	ard . —	<u></u> -	
 13. If the cloth is nature of dye 	-	i, state		
(a) Whether S	ulphur/Vat	/Naph-		
thol/Re-ac	tive etc. (including		
rapid fast		-		
(b) Depth of S dium/Darl	hade (Ligh c/Very Dar			
(c) The percen	tage of dy	ve `con-		
		ieght of the		
fabric in th	e case of N	laphthol		
Dyes.		—		
14. In case of pr	inted cloth	ı, state:		
(i) No. of col				
(ii) The perce				
	ered by p	orinting . —		
15. Type of proces	_			

Whether mercerised, if so state the strength of Caustic Soda

P. D. SETH, Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 10th August 1981

No. A. 19012(147)/81-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri Syed Riyaz Ulla M. Officiating Senior Technical Assistant (Ore Dressing) is Promoted to officiate as Assistant Research Officer (Ore-Dressing) in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 8th June, 1981.

> S. V. ALI, Head of Office Indian Bureau of Mines

Officer

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 13th August 1981

No. 5(13)/68-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri B. N. Goyal, Transmission Executive, All India Radio, Rohtak as Programme Executive, All India Radio, Rohtak in a temporary capacity on an ad hoc basis with effect from 13th July, 1981 and until further orders.

No. 5(51)/68-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Kirpa Shankar Ram, Transmission Executive, All India Radio, Darbhanga as Programme Executive, All India Radio, Kohima in a temporary capacity on an ad hoc basis with effect from 8th June, 1981 and until further orders.

> H. C. JAYAL, Dy. Director of Administration. for Director General.

and whether bleaching done before and after mercerising in done	_
16. Date of commencement of packing of the cloth	
17. If the variety is not in conformity with Production Control Order or if it is reserved for Handloom Industry	
(a) No. and date of permission granted by Textile Commissioner for production	
(b) If no permission is granted, state the reason for production and the quantities produced or expected to be produced.	
 Price calculation as defined in para I(viii) of Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68 dated 2-5-68 amended and Notification No. CER/3/69 dated 19-9-as amended. No	23
Code No	
Description: (a) Maximum ex-factory price/	
Mtr/piece	
(b) Retail price/Mtr/piece. (c) Excise duty per Metre/per	_
piece	_
19. Excise duty calculations Linear Mtr. Square M	tr
(a) Yarn duty	
(b) Handloom Cess	
(c) total	
20. Yarn duty calculations:(A) Duty paid at Spindle PointWeight of yarnper linear Mtr. of cloth for Excise purpo	5 0 .
(1) Wrap Yarn	
(2) Weft Yarn	
(3) Border Yarn	
B) Duty paid at fabric stage: weight of yarn in loom-state per linear Mtr. of cloth fo excise purpose.	r
(1) Wrap yarn	_
(2) West Yarn	
(3) Border Yarn	
Waste percentage adopted for calculating excise duty.	
(C) Interest on yarn duty per linear metre.	

I certify that the particulars given above are true and in

accordance with facts and that the fabric referred to in this

form has actually undergone the various tments/procretesses

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 7th August 1981

No. A. 19025/12/81-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Dhanraj Parashram Ukey has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Bangalore with effect from 10-7-1981 (F. N.), until further orders.

The 10th August 1981

No. A-19025/11/81-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Shiv Kumar Motiramji Kolhatkar has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Guntur with effect from 13-7-81 (F.N.), until further orders.

No. A-19025/16/81-A.III.—Shri Dev Kumar, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Jammu, on ad hoc basis, with effect from 16-7-1981 (F. N.), until further orders.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Advisor

TRACTOR TRAINING CENTRE.

Hissar-125001, the 10th July 1981 CORRIGENDUM

No. 2-11/73-PF.—Please read the last line of this office notification of even number dated 28-11-80 as "in a Temporary Capacity until further orders" instead of "in a purely temporary capacity until further orders" as mentioned in the notification in question.

K. S. YADAV, Director

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 23th June 1981

No.S-1068/Estt.II/2696.—Consequent on his transfer to Madras Atomic Power Project, Kalpakkam Shri Shrirang Janardan Shenai, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer in this Research Centre has relinquished the charge of Assistant Accounts Officer in this Research Centre on the afternoon of April 6, 1981.

The July 10, 1981

No. 5/1/81-Estt. II/2952.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Accounts Officer II/Assistan Accounts Officer for the period shown against their names:

Sl. Name and Desig-	Appointed	Period	
No. nation	to officiate as	From	to
1. Shri S. J. Shenai Asstt. Accounts Officer	Accounts Officer II	2-3-1981	31-3-1981 AN
2. Shri G. V. Mandke Asstt. Accountant	Asstt, Ac- counts Officer	15-12-1980	17-1-1981 AN
		20-1-1981	21-2-198 ₁ AN
		2-3-1981	31-3-1981 AN
Shri T. K. Rama- moorthy Asstt, Accountant	Asstt. Accounts Officer	3-3-1981	30-4-1981 AN

No. 5/1/81/Estt.II/2953.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiats on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names:

Sl. Name and	Appointed	Period	
No. Designation	to officiate as	From	То
1. Shri S. R. Pinge, S.G.C.	APO	9-3-81	24-4-81 AN
Shri P. B. Karan- dikar, Assistant	APO	16-3-81	24-4-81 AN
 Shri A. K. Katre, Assistant 	A.PO	20-4-81	22-5-81 AN
 Shri J. V. Naik, Assistant 	APO	27-4-81	30-5-81 AN
Shri B. M. Naik, S.G.C.	APO	27-4-81	16-6-81 AN
Shri V. P. Kulkarni, Assistant	APO	4-5- 81	6-6-81 AN
 Shri J. A. Lasne, Assistant 	APO	4-5-81	12-6-81 AN
8. Shri I.C. Antony Assistant	APO	4-5-81	12-6-81 AN

S. KRISHNAMURTHY
Dv. Establishment Officer

Bombay-400085, the 29th June 1981

No. PA/68(6)/77-R-V.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre extends the appointment of Shri Upadhyay Radhe Shyam as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Beryllium Pilot Plant Project of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the afternoon of June 30, 1981 on fixed term for a period upto the afternoon of September, 30 1980.

V. R. PATGAONKAR, Dy. Establishment Officer.

Bombay-400085, the 31st July 1981

No. PA/76(2)/80-R-III.—On transfer from Regional Accounts Unit of D.P.S., Kota Shri Prahalad Seshagiri Rao, Accounts Officer-II has assumed charge of Accounts Officer-II in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of July 15, 1981.

A. SANTHAKUMARA MENON, Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT Kota, the, 13 August 1981

No. RAPP/Rect/3(2)/81/S/194.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint the following Non-Gazetted Technical staft presently serving in the Rajasthan Atomic Power Project to the grade mentioned against each, in the same Project in a temporary capacity with effect from the dates shown against each until further orders:

SI. No.	Name & Designation	_	Post to which appointed	Date of which assumed charge
1. St	ri J. N. Verma /F/man		SO/SB	1-2-1981
2. SI	ri P.B. Chatterjee, SAC		SO/SB	1-2-1981
3. Sh	ri S. K. Rastogi, Scientific			
A	sstt. 'C'		SO/SB	1-2-1981

1	2		3	4
4. S	hri K. K. Mehta	Scientific	·	
Α	sstt, 'C'		SO/SB	1-2-1981
5. S	hri T. Joseph, Fo	reman .	SO/SB	1-2-1981

M.D. GADGIL Administrative Officer (E) for Chief Project Engineer.

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thene-401504, the 11th August 1981 ORDER

No. TAPS/WC/38/71.—WHEREAS Shri N. V. Raut, while working as Tradesman 'A' in TAPS, remained unauthorisedly absent from duty from 10-3-81.

AND WHEREAS a memorandum No. TAPS/2/WC/38/71/7188 dated July 23, 1981, was issued to the said Shri Raut, calling upon him to return to duty immediately, which Memorandum was sent by Registered Post A.D. to the last known address to Shri Raut viz. At Savraipada, PO: Tarapur, Tal. Palghar, District—Thana, Maharashtra.

AND WHEREAS the said Memorandum was returned by the postal authorities with a remark to the effect that the addressee was not found:

AND WHEREAS the said Shri Raut has failed to resume duty but continued to remain unauthorisedly absent without informing TAPS of his whereabout,

AND WHEREAS the said Shri Raut is guilty of unauthorised by absenting from duty and voluntarily abondoning service;

AND WHEREAS because of his abondoning the service without keeping APS informed of his whereabout, the undersigned is satisfied that is not reasonable practicable to held an inquiry against Shri Raut as provided in Rule 14 of the CSS (CC&A) Rules 1965.

AND NOW THEREFORE, the undersigned in exercise of the power conferred by Rule 19(ii) of the CCS (CC&A) Rules 1965, hereby removes the said Shri Raut from service with immediate effect.

P. UNNIKRISHNAN, Chief Administrative Officer

cc: Shri NV Raut, At Savraipada, 10: Tarapur, Tal: Palghar, Dist. Thana, Meharashtra.

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560009, the 1st August, 1981

No. 4/2/81-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore is pleased to appoint the undermentioned persons as Engineer SB in the Civil Engineering Division, Department of Space in a temporary capacity with effect from the date indicated against each and until further orders.

SI. Nan No.	цe	Date of appointment as Engineer-—SB
1. Shri BS Jagadeesha	Chandra	 1-4-1981 (FN)
2. Kum. B.G. Nanda		8-4-1981 (FN)
3. Kum. G. V. Srilatha	ι.	9-7-1981 (FN)
4. Shri Mukesh Ratho	re	11-6-1981 (FN)

MPR PANICKER
Administrative Officer-II
for Chief Engineer

INSAT-1 SPACE SEGMENT PROJECT OFFICE

Bangalore-560001, the 4th August 1981

No. 32. 11.—The Project Director, INSAT-1 Space segment Project Office, Department of Space is pleased to appoint Shri D. R. Subbukrishna as a Scientist/Engineer SB in an officiating capacity in the Master Control Facility of INSAT-1, Hassan with effect from the forenoon of June 25, 1981 and until further orders.

R. S. SUBRAMANIAN, Administrative Officer-II for Project Director, INSAT-1 SSPO

Bangalore 560001 the 16 July, 1981

No. 020/3 (061)/A/81.—Controller ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the following personnel to the posts mentioned against each with effect from 1-1-80(FN) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960,

Sl. No.	Name		Designation		
S/Shri					
1. P. N	. Rajappa .			Asstt. Administrative Officer.	
2. B. V	iswanatha Pillai		•	Asstt. Administrative Officer.	
3. T. R	anganatha Rao			Asstt. Accounts Officer.	

S. SUBRAMANYAM Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION.

New Delhi, the 5th August 1981

No. A. 44013/1/80-EW.—On his reversion from the Shipping Corporation of India Ltd., Bombay, Shri H. S. Rawat, has assumed charge of the post of Asstt. Fire Officer in the Civil Aviation Department on the forenoon of 23rd July, 1981

Shri H. S. Rawat is posted in the office of the Controller of Aerodrome, Hyderabad Airport, Hyderabad from the same date.

E. L. TRESSLOR,
Assistant Director of Administration.
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 12th August 1981

No. A. 12025/1/79-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Sh. Govind Ballobh Sharma, Aircraft Inspector in a Civil Aviation Department in officiating capacity with loct from 24-7-1981 (A.N.) & until further orders.

J. C. GARG, Asstt. Director of Administration.

MINISTRY OF ENERGY

DEPARTMENT OF COAL

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 7th August 1981

No. Adm/SC/2(1)74.—Dr. L. N. Sadhukhan is confirmed in the post of Dentist (Non-C.H.S. Group 'B'Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from 21st January, 1981.

D. PANDA, Commissioner.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Andhra Law Times Private Limited

Hyderabad, the 11th August 1981

No. 533/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Andhra Law Times Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sri Lakshmi Ganesh Sugar Factory (Khandasari)
Pvt. Ltd.

Hyderabad, the 11th August 1981

No. 846/TA./560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, hat at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Sri Laksmi Ganesh Sugar Factory (Khandasari) Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU, Registrar of Companies, Andhra Pradesh, Hyderabad.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1981

Ref. No. ASR/81/82/145—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property situated at Chowk Pragdass Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sq Ldr. J. S. Pannu,
Capt P S Pannu,
Capt. J. S. Pannu
ss/o Gurbachan Singh Pannu,
r/o Nausherha Pannuan,
Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Kuldeep Raj, s/o Sh. Charan Dass, c/o M/s. Laxmi Glass House, Chowk Pragdass Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the under signed knows to be interested in the proprty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1265/V-10 situated in Chowk Pragdass Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2924/I dated 24-12-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 3, chanderpuri

Tylor road, Amritsar

Date: 10th August 1981

Soal ;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/146---Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No.-One property at Pathankot situated at Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—226GI/81

 Sh. Kuldip Slngh, s/o Sh. Attar Singh, r/o Model Town Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi Devi,
wd/o Pehalwan Hari Chand Sahni,
c/o M/s. New Jullundur Goods Transport Company,
Pathankot.
(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
New India Assurance Co. Ltd. Pathankot
(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated on main Daldousie Road, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2507/dated 1-12-80 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range 3, chanderpuri tylor
road, Amritsar.

Date: 10-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/147—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property [situated at Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Pathankot. on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Jasbir Singh,
 s/o Jagat Singh,
 r/o Dalhousic Road,
 Pathankot

(Transferor)

(Transferee)

(2) Sh. Sham Sahni s/o Pehalwan Hari Chand Sahni, c/o M/s. New Jullundur Goods Transport Company, Pathankot.

(3) As at sr. No. and tenant(s) if any New India Assurance Co. Ltd. Pathankot. (Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigne knows to be interested in the propertdy)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2509 dated 1-12-80 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH 1RS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range 3, Chanerpuri Tylor
road. Amritser.

Date: 10th August 1981

FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1981

Ref. No. SR/81-82/148—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property at Pathankot situated at Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SR Pathankot on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt, Surjit Kaur, wd/o Sh. Swaraj Singh, r/o 691 Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Arjan Kumar Sahni, s/o Sh. Pehalwan Hari Chand Sahni, r/o Pathankot.

c/o M/s. New Juliundur Goods Transport Congany Pathankot.

(Transforce)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any New India Assurance Co. Ltd. Pathankot. (Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated in Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2508 dated 1-12-1980 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, 3, chanderpuri
tylor road, Amritsar.

Date: 10-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/149—Whereas, I ANAND SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land in Teh. Gurdaspur situated at Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on December 1980

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Jagdamba Datt, ss/o Sri Ram,
 V & P. O. Awankha,
 Teh. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh s/o Teja Singh, r/o Village Dhariwal Bhoja P. O. Sekhwan Teh, Gurdaspur.
(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl, land measuring 51K 14 M situated in village Awaknkha Teh. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 6080/dated 15-12-80 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, 3, chanderpuri
tylor road, Amritsar.

Date: 10-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR Amritsar, the 10th August 1981

Ref. No. ASR/81/82/150—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. Land situated in Teh. Gurdaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Joginder Singh s/o Teja Singh, r/o Dhariwal Bhoja, Teh. Gurdaspur.

(Transferor

(2) Sh. Mohinder Singh, Balwinder Singh s/o Teja Singh, r/o Dhariwal Bhojan P. O. Sekhwan, Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land 31 kanals 5 marlas situated in village Dharlwal Bhoja, Teh. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 5802/dated 4-12-80 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range 3, Chanderpuri
Tylor Road, Amritsar

Date: 10th August 1981

Soal:

FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 14th August 81

Ref. No. ASR/81-82/151—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one property at Pathankot situated at Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Shiv Saran Dass Puri, Gurdaspur Road, Pathankot near bus stand

(Transferor)

(2) Sh. Subash Chander Puri, r/o Gurdaspur Road, Pathankot near Bus Stand.

(Transforce)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 20 marlas situated near General Bus Stand Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2776/ dated 30-12-80 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH (IRS)
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range 3, chanderpuri
tylor road, Amritsar.

Date: 14th August 1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG, II NEW DELHI New Delhi the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/12-80/7240A—Whereas, I VIMALVASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Prop. No. B-3/16 Model Town, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which, is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ajit Singh & Jagjit Singh, S/o Jug Lal , R/o Vill. Siras Pur, Delhi.

(Transfesor)

 Shri K. M. Sharma, s/o D. N. sharma, R/o F-8/8, Model Town, Delhi.

(Trasferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. B-3/16, Model Town, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II New Delhi.

Date: 12-81981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/12-80/4012--Whereas, I VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House on Plot No. J-6/62 situated at Rajouri Garden, Vill. Tatarpur Delhi state, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by morethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Maya Devi,
 W/o Sh. Fagir Chand,
 R/o J-6/62,
 Rajourl Garaden,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Gurcharan Singh, R/o A/43, Vishal Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. J-6/62 mg. 160 sq. yds situated at Rajour Garden, Vill. Tatarpur Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range II New Delhi

Dated: 7-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1981

Ref. No. IAC-II/Acq.-II/SR-II/12-80/4028—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. Land 21 Bighas 5 Biswas situated at Village Rewla Khanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reductions or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—226GI/81

Sh. Tek Chand
 S/o Shri Hazari,
 R/o Village Rewla Khanpur,
 Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Manjit Singh Chawla S/o Sh. Asa Singh Chawla R/o J-12/28, Rajourl Garden, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 21 Bighas 5 Biswas, Mutasil No. 13, Kh. No. s.16 (4-16) 17 (4-16), 18 (4-15) and 19(4-16) Mutasil No. 12 Kh. No 20(2-02) in Village Rewla Khanpur.

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range II, New Delhi.

Dated: the 7th August 1981

NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELH.

New Delhi, the 7th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/12-80/4029—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the recome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ag. land 19 Bighas and 18 Biswas situated at Vill. Rewl Khanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi, on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Tek Chand S/o Sh. Hazari r/o village Rewla Khanpur, Delhi.
- (2) Sh. Manjit Singh Chawla S/o Sh. Asa Singh Chawla, R/o J-12/28 Rajouri Garden, Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 19 Bighas and 18 Biswas Mutasil No. 13, Kh. No. 12/1(0-14) 11(4-16), Mutasil No. 14, K. Nos. 15(4-16), 14(4-16) and 13(4-16) in Village Rewla Khanpur.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range II, New Delhi

Dated: 7th August 1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/12-80/4024—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land 15 Bighas I Biswas situated at Vill. Hulambi Khurad, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a oresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiaté proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Charan Singh,
 R/o Hulambi Khurad,
 Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi R/o Pooth Kalan, Delhi State, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 15 Bighas 1 Biswas in Vill. Hulambi Khurad Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated: 7th August 1981

Scul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7243—Whereas, I VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19-A, situated at Ansari Road, Darya Ganj, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said, instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s S. Chand & Co. Ltd., Ram Nagar,
 N. Delhi, through their Director Shri Rajendra Kumar Gupta. (Transferor)
- (2) M/s I. B. H. Educational Books Distributors, through their partner Shri K. T. Mirchandani, s/o Sh. Tek Chand Mirchandani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front Ground floor portion of property No. 19-A, bearing No. 1, No. 4633 mg. about 1592 sq ft. at Ansari Road, Darya Ganj, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 12th August 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/Dec. 80/7242-A—Whereas I VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 19-A, situated at Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair warket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s S. Chand & Co. Ltd.,
 Ram Nagar,
 New Delhi
 through their Director Shri Rajendra Kumar Gupta.
 (Transferor)
- (2) M/s I B H Education Books Distributors through their partner Shri K. T. Mirchandani, s/o Sh. Tek Chand Mirchandani.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor portion of property No. 19-A, bearing Mpi No. 4633, measuring 2861 sft. at Ansari Road, Darya Ganj, Delhi.

VIMAL VASISHT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acq. Range II, New Delhi.

Dated: 6th May 1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7249—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 64-3 Block A situated at G. T. Karnal Road Ind. Area, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parmajit Singh & Narinder Pal Singh,
 S/o Avtar Singh
 R/o A-104,
 Gujranwala Town,
 Delhi & others

(Transferor)

(2) Sh. Harbans Singh, S/o Wasakha Singh R/o II, Dr. Mukerji Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 64/3 Block-A G.T. Karnal Road Ind. Area Delhi

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acq. Range II, New Delhi

Dated: 12th August 1981

10625

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7203—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 29 situated at Block Cottage Road, Adarsh Nagar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957- (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Lakhapat Rai & others S/o Raja Ram, R/o K-5/36 Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Singh , S/o Kishan Singh & others R/o E-11, Maharaja Ranjit Singh Road, Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 29 Block C Cottage Road Adarsh Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acq. Range II, New Delhi.

Dated: 12th August 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7224---Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. 17 situated at Road No. 18, Punjabi Bagh, Delh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Dwarka Dass Kher,
 S/o Lachhman Dass Kher,
 H. No. 17 Road No. 18 Punjabi Bagh,
 Delhu.
 - (Transferor)
- (2) Shri I. L. Khanna, S/o L. N. Khanna, R/o Kothi No. 17, Rd. No. 18, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. S. H. No. 17, Road No. 18, Punjabi Bagh, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range II, New Delhi

Dated: 12th August 1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7247---Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 24, Block D situated at Mansrover Garden VIII, Bassai Darapur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mbarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Charan Singh Chhikara, S/o Ram Chand , R/o 433-A Rampura, Delhi-35.

(Transferor)

(2) Smt. Sudarshan Rawla, W/o Yash Pal Rawla, R/o 2655 Bank Street Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Plot No. 24 Block D Mansrover Garden Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range II, New Delhi

Date: 12th August 1981

S cal:

22--226GI/81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/4013.—Whereas, I, (Smt.) VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

Plot No. B-5 situated at Shanker Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) if Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Arjan Dev Marwaha,
 S/o Nand Lal Marwaha,
 R/o Pakka Bagh,
 Opposite Hind Shamachar Printing Press,
 Jullundur City, Pb.
- Smt. Kuljit Kaur,
 W/o Harbhajan Singh,

R/o C/510 Vikaspuri, New Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-5, Killa No. 3/2 & 4 Shankar Garden, New Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner, of Income-Tax
Acq. Range II, New Delhi

Dated: 12th August 1981

NOTICE UNDERH SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7197.—Whereas, I, Smt. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 33-B & 34-A situated at Northern City Extension Scheme No. 1, Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1), of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Baij Nath Gupta,
 S/o Sulhlal Gupta,
 R/o 8, U A. Jawahar Nagar,
 Delhi & others.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Devi, W/o Khushi Ram, R/o 33-B, 34-A, Jawahar Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respetive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D. S. Plot No. 33-B & 34-A Block No. UA-13, Mpl. No. 6017 Northern City Extension Scheme No. I, Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tai
Acq. Range II, New Delh

Dated: 12th August 1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/12-80/4030.—Whereas, I. Smt. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Ag. Ld. 23 Bighas & 2 Biswas situated at Vill. Rewla Khanpur.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-ideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Tek Chand Spo Sh. Hazari, R/o Village Rewla Khanpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Manjit Singh Chawla, S/o Sh. Asa Singh Chawla R/o J/12/28, Rajouri Garden, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land 23 Bighas and 2 Biswas comprised in Mutasil No. 13, Kh. Nos. 20(4-16) and 28(0-01); and Mutasil No. 14, K. No. 16(4-16) 17(4-16), 18(4-16), and 19(3-17) in Vill. Rewla Khanpur.

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acq. Range II, New Delhi

Dated: 7th August 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

Now Dehi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/4071.—Whereas, I, Smt. VIMAL, VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 36 Block B, situated at Krishna Park Vill. Budhela Delh, State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagdish Chander, S/o Arjan Dass, R/o B-9, Krishna Park. New Delhi.

(Transferer

(2) Shri Amerjit Singh Madan, S/o Ishar Singh, R/o C-2/348 Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a paried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immessable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 36 Block B Krishna Park, Vill. Budhela Belki State, Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acq. Range II, New Delki

Dated: 12th August 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 GF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7260—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 33 situated at G. T. Road, Vill Peepal Thala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) fathtraums the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or ally moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, wantely:—

 Shri Lala Jai Narain, s/o Sh. Bishamber Dayal, r/o No. 1947, Kucha Chelan, Khari Baoli, Delhi.

(Transferor)

Shri Shyam Mittal,
 s/o Jain Narain,
 r/o No. 1852-53 khari Baoli,
 Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 33 Rajasthani Udyog Nagar, G. T. Road Vill Peepal Thala 1852-53 Khari Baoli, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range-II, New Delhi

Dated: 12-8-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7253—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mpl. No. 4859 situated at Gali Harbans Singh, 24-Dary Gani. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value fo the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kamla Devl Thukral, w/o Sahab Chand, r/o 4-B/31 Paschim Vihar, New Delhi.

(Transferer)

(2) Smt. Mamla Devi, w/o Parkash Chand r/o 4859. Gali Harbaus Singh, 24-Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the priodication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mpl. No. 4859, Gali Harbans Singh, 24-Darya Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acq. Range, II, New Delhi

Dated: 12-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7227---Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-said bearing No.

Plot No. 45/6-B situated at The Mall Civil Lines, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bestween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) incitivating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fasitisating the consessionent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the add Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sia Ram Aggarwal, s/o Mathura Pershod, r/o 4067, Naya Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Chand Gupta, s/o Krishan Lal, r/o 1/188, Asaf Ali Road, Delhi.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45/6-B, The Mail Civil Lines, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range-II, New Delhi

Dated: 12-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II NEW DELHI New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-/12-80/4068—Wheras, I, VIMAL VASISHT

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Plot No. S-13 situated at Vil. Madipur Abadi Shivaji Park on Rohtak Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—23—226GI/81

 Shri Ram Karan , s/o Beni Ram & Others r/o C-48, Shivaji Park, Rohtak Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kapoor Chand, s/o Chuhar & Others, r/o C-67, Shivaji Park, Rohtak Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-13 Vill. Madipur Abadi Shivaji Park on Rohtak Road, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range-II, New Delhi

Dated: 12-8-1981

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 12th August, 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/4034—Whereas $\,$ f, VIMAL VASISHT $\,$

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 139 & 140 situated at Block 'C' New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Dalip Singh Arshi,
 S/o Gian Singh, R/o Q. No. RB-193, RBI Colony,
 Sec. 6, Ramakrishnapuram,
 N. Delhi.

(Transferor)

(2) Surinder Kumar Dua, S/o Amar Nath Dua & others, R/o H. No. 16 Road No. 28 Punjabi Bagh, N. Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot Nos. 139 & 140 Block 'C' New Multan Nagar, Rohtak Road, Delh-56.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acq. Range-II, New Delhi.

Duted: 12-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/7222 --Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ana bearing

No. Property No. B-3/1 situated at Rana Partap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on Decebmer, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sibhash Gupta,
 S/o Surinder Nath Gupta,
 B-3/1, Rana Partap Bagh,
 Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nand Lal Arora, S/o Moti Ram, R/o A-143, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern half portion of Property No. B-3/1, Rana Partap Bagh, Delhi.

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acq. Range-II, New Delhi

Dated: 12-8-1981

Scal:

FORM ITNS----

Rishi Kumar,
 S/o Jagan Nath
 23-G, Maharani Bagh,
 New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Moti Lal Kunti Devi HOF through as Karta, Moti Lal Goel, R/o 79-Prem Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 12th August, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/7250—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 12 situated at Kamla Nagar, G.T. Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12-A, Municipal No. 6323, Ward No. 12 Kamla Nagar, G. T. Road, Delhi-7.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acq. Range-II, New Delhi

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

following persons, namely :-

Dated: 12-8-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE NEW DELHI

New Delhi the 12th August, 1981

No. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/4050—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 49, Road No. 43, situated at Punjabi Bagh Vill Madipur Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Harwant Kaur ,W/o Inder Singh,R/o A-2/99, Rajouri Garden,New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Dilbag Singh & others R/o T-355 Ahata Kidara, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Plot No. 49 Road No. 43 Punjabi Bagh area of Vill. Madipur Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acq Range-II, New Delhi

Dated: 12-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August, 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/4017—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 56, situated at Krishna Park Vill. Possangipur & Bhudhela Delhi State

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Sant Lal ,
 S/o Jaswant Ram & others,
 R/o BB/29-C, Janakpuri,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satya Paul Narang & Smt Narang, R/o I-24, Kirti Nagar, New Delhi

(Transferec)

Objections, if nay, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 56 Block 8, Krishna Park, Vill Posangipur & Budhela Delhi State, Delhi

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acq. Range-II, Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 12-8-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Sia Ram Aggarwal, S/o Mathura Pershad, R/o 4067, Naya Baazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Gupta, S/o Kishan Lal, R/o 1/188, Asaf Ali Road, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE NEW DELHI

New Delhi the 12th August, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/7230—Wheeras, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 45/6-B, 1/5th situated at The Mal Civil Lines, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immavable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45/6-B, 1/5th at The Mall Civil Lines, Dolhi.

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acq. Range-II, New Delhi

Dated: 12-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/7229—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 45/6-B, situated at The Mall Civil Lines, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi, on Dec., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sita Ram Aggarwal, S/o Mathura Pershad of 4067, Naya Bazar, Delhi.

(Transferor)

Shri Umesh Chand Gupta,
 S/o Kishan Chand Chandi wala,
 1/18-B, Asaf Ali Road,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45/6-B the Mall Civil Lines Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acq.. Range-II, New Delhi

Dated: 12-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/4065—Whereas I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H. No. J-10/89 situated at Rajouri Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—226GI/81

Shri Harish Chander
 S/o Shiv Parshad of 71/21 Prem Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harpal Singh Lamba S/o Kartar Singh Lamba of R/759 New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

S. S. H. No. J-10/89, Rajouri Garden, New Delhi.

(SMT.) VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated: 12-8-1981

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/4078—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 7 situated at Rishi Nagar, Shakurbasti, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed herete), nee been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/og
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Bhagwanti
 W/o Kishan Chand
 R/o E-149, Rishi Nagar, Shakurbasti,
 Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kanti Sagar Jain
 S/o Salig Ram Jain
 R/o No. 23 North Avenue Punjabi Bagh,
 Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sirk immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. WZ-E/194, Plot No. 7, Block-E Kh. No. 384 Rishi Nagar, Shakurbasti, Delhi.

(SMT.) VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range II, New Delhi

Dated: 12/8/81

NOTICE UNDER SECTI(N 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Smt. Sant Kaur
 W/o Glan Singh
 R/o D-5, Sarabah Nagar,
 Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Pasricha,S/o Banarsi Lal PasrichaR/o J-5 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/7276A—Whereas I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. D-1/28 situated at Rajouri Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec., 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. S. H. No. D-1/28 , Rajouri Garden, Vill., Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

(SMT.) VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Rage-II, New Delhi

Dated: 12-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/4032—Whereas 1, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 39 Block E situated at Mohalla Guru Nanak Pura, Fateh Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on Dec., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bhagwan Singh,
 S/o Jodh Singh,
 R/o E-39, Fatch Nagar Mohalla Gurunanakpura,
 Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sant Lal Pruthi, S/o Kala Ram Pruthi & others, R/o 30/16 Ashok Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 39, Block E, Mohalla Guru Nanak Pura Fatch Nagar, Vill. Tihar Delhi.

(SMT.) VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, II, New Delhi.

Dated: 12-8-81

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7215—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Prop. No. 35/10, Bast Patel Nagar New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income c. any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Gulab Rai Valecha,
 S/o Ghuman Mal Valecha,
 r/o 1-B/92 Ramesh Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Chander Kala,
 W/o M. B. Miniche,
 291, Faiz Road, Karol Bagh.,
 New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 35/10, East Patel Nagar, New Delhi (Half share in the undivided property)

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acq. Range-II, New Dolhi

Dated;: 12-8-81
Seal:

FORM PTN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. 1AC/Acq.-II/SR-I/12-80/4068A—Whereas I, VIMAL WASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing No.

Plot No. 24/43 situated at Punjabi Bagh, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Swaroop Bansiwal, S/o Roop Ram & others, R/o 5/44 Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

 Shrimati Nirmal Gupta, W/o K. L. Gupta, R/o 24/43, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 24/43, Panjabi Bagh, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acq. Range II, New Delhi

Dated: 12-8-1981

FORM IINS --- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. JAC/Acq.-II/SR-I/12-80/7265—Whereas, I, VIMAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 29/7, situated at Punjabi Bagh, Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Delhi on Dec., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Gangadhar Nangia ,
 S/o Atam Parkash Nangia,
 R/o H-4/3, Model Town, Delhi now G-57,
 Masjid Moth, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chander Bhan Garg & Sish Pal Garg, S/o Mani Ram 15/26, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 29/7, Punjabi Bagh, Vill. Bassai Darapur Delhi State Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acq. Range-II, New Delhi.

Dated: 12-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/7228—Whereas, I, Smt. VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 45/6-B situated at Mall Civil Lines, Delhi.

(and morefully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sia Ram Aggarwala
 S/o Mathura Parshad,
 R/o 4067 Naya Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Pd. Gupta, S/o Kishan Lal Chand, R/o 1/18 B, Asaf All Road, N. Delhi,

(Tranferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45/6-B, Mall Civil Lines, Delhi.

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acq. Range-II, New Delhi

Dated: 12-8-1981

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-I/12-80/7226.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Prop. No. 45, Plot No. 45/6B situated at The Mall Civil
Lines, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—15—226GI/81

 Shri Sia Ram Aggarwala s/o Mathura Pd. r/o 4067, Naya Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Chand s/o Kishan Lal r/o 1/18B, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 45, Plot No. 45/6B, The Mall Civil Lines, Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
New Delhi.

Dated: 12-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref: No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7211.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Prop. No . 2728 situated at Gali Arya Samaj, Bazar Sita Ram, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the
 transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Shya, Klahore & Balram Kishore s/o Kidar Nath r/o 2728, Gali Arya Samaj, Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Seema Builders (P) Ltd. 1/18-B, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 2728, Gali Arya Samaj, Bazar Sita Ram, New Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Dated: 12-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANG, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref: No. IAC/Acq.-II/SR/I/12-80/4007.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 8, Road No. 85 situated at Punjabi Bagh, Vill. Madipur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Swaran Sethi w/o Munshi Ram Sethi & Anil Kumar Sethi s/o Munshi Ram r/o 48/42,
Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Balraj Kapoor s/o Baij Nath Kapoor & others r/o 1/7, Timber Market, WHS Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

BEFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8, Road No. 85, Punjabi Bagh, Vill. Madipur, Delhi State, Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated: 12-8-81

 Shri Sardari Lal Marwah s/o Ram Chand Marwah of WZ-222, Mayapuri, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manohar Lal Chaudhary s/o Daulat Ram Hari Nagar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/12-80/4039.—Wheres I $\,$ Smt. VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the tramovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. GB-5 situated at Hari Nagar, Block 'G' (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. GB-5, Hari Nagar, Block 'G' Hari Nagar, Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Aquisition Range, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 12-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th August 1981

Ref. No. KNL/139/80-81.—Whereas I, G. S. Gopala being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 531-L, situated at Model Town, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amrit Lal Thakar 8/0 Sh. Bhana Lal r/0 Model Town, Karnal.

(Transferor)

- 2. (i) Shri Tung Ram Dewan s/o Shri Karta Ram Dewan
 - (ii) Sh. Arun Dewan s/o Sh. Ved Parkas Dewan, r/o 531-L, Model Town, Karnal.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 531-L, Model Town, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4326 dated 26-12-1980 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Dated: 12-8-1981

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th August 1981

Ref. No. AMB/118/80-81—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 319-E, Mahesh Nagar, situated at Ambala Cantt

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Nirmla
 w/o Sh. Om Parkash
 s/o Shri Kashi Nath, H. No. 5558,
 Nikalson Road,
 Ambala Cantt.

(Transferor)

 Shri Shamsher Singh s/o Sh. Dalpat Singh r/o Vill. & P. O. Babyal Teh. & Distt. Ambala H. No. 319-E, Mahesh Nagar, Ambala Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 319-E Mahesh Nagar, Ambala Cantt. and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4247 dated 15-12-1980 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Rohtak

Dated: 12-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th August 1981

Ref. No. PNP/72/80-81/—Whereas I, G. S. Gopala being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop Insar Bazar, situated at Panipat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. (i) Smt. Avtar Kaur w/o Sh. Piara Singh,
 - (li) Gurcharan Singh,
 - (iii) NarInder Singh sons of Sh. Piara Singh,
 - (lv) Harbahajan Kaur
 - (v) Kuldip Kaur
 - (vi) Smt. Kukum Kaur alis Kusuk Lata d/o Piara Singh r/o H, No. 157 Ward No. 3, Panipat.

(Transferor)

- 2. (i) Smt. Krishna Wati w/o Sh. Krishan Lal
 - (ii) Sh. Sohan Lal Raj Kumar, Hira Lal, Panna Lal Dharam Pal Ss/o Sh. Krishan Lal r/o H. No. 120 Jawahar Nagar, Tehsil Camp Panipat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Shop situated in Insar Bazar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4145 dated 16-12-1980 with the Sub Registrar, Panipat.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 12-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th August 1981

Ref. No. GRG/72/80-81/.—Whereas I, G. S. GOPAL A being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House near Old Anaj Mandi, Situated at Sohna (and more full described in the schedule annexed hereto), ha been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Dec. 19 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I haven reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Babu s/o Sh. Madan Lal, r/o Old Anaj Mandi, Sohna.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Devi d/o Sh. Bansarsi Dass r/o Near Bus Stand & Anaj Mandi, Sohna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house situated at Old Anaj Mandi, Sohna and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4147 dated 4-12-1980 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 12-8-1981

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK Rohtak, the 12th August 1981

Ref. No. KNL/140/80-81/ .—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land with Poultry Farm Situated at Vill, Saldpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Karnal in Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purroses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely the 26—226GI/81

- (1) (1) Rani Devi w/o Sh. Amrit Lal Gupta,
 - (2) Shri Rajiv Gupta s/o Dr. Amrit Lal Gupta
 - (3) Shri Ashok Kumar Gupta , s/o Sj. Om Parkash Gupta, all residents of Chaura Bazar, Karnal.

(Transferor)

- (2) (1) Sh. Subhash Chander Bajaj, s/o Sh. Nihal Chand Bajaj, 554-EWS, Housing Board Colony, Karnal (50% share).
 - (2) Sh. Nand Lal Galyani, s/o Sh. Chander Bhan Galyani, r/o 133-A, DDA Flats L.I.C. Rajori Garden, New Delhi (50% share).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land & building situated at Village Saidpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4272 dated 23-12-1980 with the Sub Registrar, Karnal.

G.S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Dated: 12-8-1981

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th August 1981

Ref. No. AMB 119/80-81—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 4167-4167-A Durga Charan Road, situated at Ambala Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Mool Chand,
 s/o Vasiya Ram,
 Sh. Khem Chand,
 t/o Durga Charan Road,
 Ambala Cantt.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Parkash, s/o Sh. Wazir Chand House No. 4959 Mohalia Paledaran, Ambala Cantt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 4167-4167-/A, Durga Charan Road, Ambala Cantt and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4265 dated 17-12-1980 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 12-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th Autgust 1981

Ref. No. BGR/209/80-81.-Whereas I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 1035 Sector-7, Situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Shakuntla Rani Bhalla, w/o Shri Dharamvir r/o 2/52 Kashmiri Mohalla, P.O. Aknanoor, Distt. Jammu (J&K).

(Transferor)

(2) Smt. Sharda Devi, w/o Sh. D. C. Aggarwal, 7C/1119, Farldabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 1035 sector 7 measuring 250 sq. yards and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9611 dated 24-12-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 12-8-981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Sampuran Singh, s/o Shri Harnam Singh, Shri Lachhman Singh, r/o Hansi.

(Transferor)

 M/s Jyoti Industries, Delhi Road, Hansi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th August 1981

Ref. No. HNS/5/80-81/—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 21, Kanals at Hansi situated at Hansi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hansi in Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 21 kanals situated at Hansi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2285 dated 18-12-1980 with the Sub Registrar, Hansi.

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-8 1261

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th August, 1981

Ref. No. H\$R/56/80-81/-Whereas I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. 222/VIII situated at Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in Dec. 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Om Parkash,
 s/o Sh. Gopi Chand,
 Rohtak
 Smt. Indra Watı Mewa Devi,
 Ds/o Sh. Jaintl Parshad,
 Rohtak.

(Transferor)

(2) Shri Satya Parkash, s/o Sh. Mahabir Parshad c/o Vem Parkash Chander Parkash, Hissar.

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being No. 222/VIII(1/2 share) situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3630 dated 2-12-80 with the Sub Registrar, Nissar.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th August 1981

Ref No HSR/57/80-81/ —Whereas I, G S GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Property No 222/VIII situated at Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in Dec 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid-property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Om Parkash, s/o Gopi Chand, Rohtak Indra Vati, Mewa Devi Ds/o Jainti Parshad, Rohtak

(Transferor)

(2) Shri Satya Parkash, s/o Sh Mhabir Parashad, C/o Shri Ved Parkash Chander Parkash, Hissar

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being No 222/VIII(1/2 share) situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No 36688 dated 5-12-1980 with the Sub Registrar, Hissar

G.S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-8-1981

(1) Shri Dev Raj Puri, s/o Sh Kundan Lal, R/o Ambala City

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt Anju Mittal, w/o Sh Suresh Mohan r/o Shops No 197, 198, 199 & 200, Sapatu Road, Ambala City

(Transferer)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th August 1981

Ref No AMB/114/80-81/ —Wheras I, G S GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Shops Nos 197, 198, 199 & 200 situated at Ward No 1, Sapatu Road, Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Ambala in Dec 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shops Nos 197, 198, 199 & 200 situated in Ward No 1, Sapatu Road, Ambala City nd as m re mentioned in the sale deed registered at No 4193 dated 10-2-1980

G. S. GOPALA

Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-8-1971

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th August 1981

Ref No BGR/214/80-81/ —Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Service Industrial plot No 5, situated at Nehru Park, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad in Dec 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt Ravinder Kaur, W/o Sh Gurcharan Singh, R/o W-126, Greater Kailash,-I, New Delhi,

(Transferor)

(2) (1) Smt Rama, Wfo Sh Bhagat Ram R/o 585/15-A, Faridabad.

> 2 Smt Kanti Devi, W/o Sh Vijay Kumar R/o K-24, Naveen Shadra, Delhi-32.

> > (Transferee)

3 Smt Sushila Devi, W/o Sh Lala Ram R/o Nuh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Big Service Industrial Plot No 5, measuring 150 sq yards, Nehru Park Farldabad and as more mentioned in the sale deed registered at No 9751 dated 29-12-1980 with the Sub Registrar, Farldabad

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK Rohtak, the 12th August 1981

Ref. No. GRG/79/80-981/—Wheras, 1 G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 3993 situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Dec 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27-226BI/81

Shri Parshotam Parshad Sinha,
 S/o Shri Satya Narain Sinha
 R/o Samstipur (Bihar)

(Transferor)

(2) M/s Industriano Pvt. Ltd. Alwar Road, Gurgaon.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3993 sq yards situated at Alwar Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at 4264 dated 12-12-1980 with the Sub Registrar, Gurgoan

G.S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak)

Date: 12-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISIION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th August 1981

Ref No AMB/128/80-81/ —Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Banglow No 93 measuring 2.68 acre situated at Durnad Road, Ambala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ambala in Dec 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri William David,
 S/o Sh James David,
 R/o 93,
 Durand Road,
 Ambala Cantt.

(Transferor)

- 2 (1) Mrs Pushpa Rohar, W/o Sh Arnold Rohar R/o 93, Durand Road, Ambala Cantt.
 - (2) Shri Arnoid Rohar, S/o Sh Isidar Rohar, R/o 93 Durand Road, Ambala Cantt.

(Transferer)

Objections, if any, to the acquiistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Banglow No 93-Durand Road, Ambala Cantt. measuring 2.68 acre and as more mentioned in the sale deed registered at No 4342 dated 19-12-1980 with the Sub Registrar, Ambala

(G.S. GOPALA)

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th August 1981

Ref. No. RAC 131/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agl. Land Sy. No. 201/3 situated at Sahebnagar Kalan (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad-East on December 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Uppaja Sudheer, S/o Venkat Rao, R/o Sahebnagar Kalan, Hayathnagar Taluk, R.R.Dt.
 - (2) M/s V. Pratap Reddy, Partner Sri V. Pratap Reddy, S/o Aga Reddy, R/o 3-3-1002 Kutbiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Kothapet Co-op Housing Society Ltd., T. B. No. 380 Hyderabad East President Sri M. Ganesh pershad S/o M. Lingatah R/o Sankesar Bazar, Hyderabad-500036.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land portion of Survey No. 201/3 Sahebnagar Kalan area 4 Acres 35 guntas registered with Sub-Registrar Hyderabad East Vide Doc. No. 10817/80.

S. GOVINDARAJAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 5-8-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th August 1981

Ref. No. RAC 132/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ag. land Sy 201/3 situated at Sahebnagar Kalan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sri B. Ashok,
 S/o B. Chandraiah
 Sahebnagar, Kalan Village,
 Hayathnagar Taluk,
 Rangareddy District.
 - M/s V. Pratap Reddy By Mg. Partner V. Pratap Reddy, 3-3-1002 Kutbiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Kothapet Co-operative Housing Society Ltd., T.B. No. 830 Hyderabad East, By President Sri M. Ganeshpershad S/o M. Lingaiah, R/o Sankesar Bazar, Hyderabad-500036.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land portion of Survey No. 201/3 at Sahebnagar Kalan area 3 Acres registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 11494/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition RangeHyderabad-

Date: 5-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th August 1981

Ref. No. RAC 133/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agl. Land Sy 201/3 situated at Sahebnagar Kalan, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt. B. Sattamma, W/o B. Chandraiah, Sahebnagar Kalan village, Hayathnagar Taluk, R.R.Dt.
 - (2) M/s. V. Pratap Reddy, Managing partner Sri V. Pratap Reddy, S/o Aga Reddy, R/o 3-3-1002, Kutbiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Kothapet co-operative Housing Society Ltd., T.B. No. 830 Hyderabad East, President Sri M. Ganesh Pershad, S/o M. Lingaiah 16-2-805 Sankesar bazar, Hyderabad-500036.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Survey No. 201/3 Sahebnagar Kalan Hyderabad area 3 Areas registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 11493/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 5-8-81

Ecal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th August 1981

Rof. No. RAC 134/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agl. land Sy. No 767 situated at Nadergole Hayathnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 80

for an apparent consideration which is less than the felt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sri Kolanu Papi Reddy.
 - (2) Sri Kolanu Gopal Reddy,
 - (3) Sri Kolanu Venkat Reddy,
 - (4) Sri Kolanu Sathi Reddy, all sons of Laxma Reddy,
 - (5) Sri K. Shanker Reddy, S/o Pedda Laxma Reddy,
 - (6) Sri Samala Siva Reddy,
 - (7) Sri Samala Chandra Reddy, both sons of Malla reddy,
 - (8) Sri Kolanu Yadi Reddy, S/o Laxma Reddy Nadergole, Hyderabad east Taluk, Ranga Reddy Dt. For all G.P.A. Sri B. Mallesh, S/o Becrappa, R/o Gaddinnaram, Hyderabad-500036.

(Transferor)

(2) The Lokayatha Co-operative Housing Society Ltd., (T.A.B. No. 81) Himayatnagar, Hyderabad By President, T. Bal Reddy S/o Papi Reddy, State Bank of Hyderabad colony, Saidabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 7 Acres 33 guntas Survey No. 767 Nadergole grampanchayat Hayathnagar Taluk Ranga Reddy Dt. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 11458/80.

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th August 1981

Ref. No. RAC 135/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agl. land Sy. No. 766 situated at Nadergole village, R.R.Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 80

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sri Domakonda Ellaiah, S/o Durgalah,
 - (2) Sri Doma konda Pedda Ramulu, S/o Ellajah.
 - (3) Domakonda Jagaiah, S/o Ellaiah,
 - (4) Sri Domakonda Chinna Ellaiah, S/o Durgaiah,
 - (5) Sri Domakonda Kanakaiah, S/o Late Rajaiah,
 - (6) Sri Domakonda Pentajah,
 - (7) Sri Domakonda Anjaiah,
 - (8) Sri Domakonda China Ramulu, S/o Late Seethaiah all residing at Nadergole, Hayathnagar Taluk Rangareddy, By G.P.A. Sri B. Mallesh S/o Beerappa Gaddiannaram, Hyderabad-500036.

(Transferor)

(2) The Lokayatha Co-operative Housing Society Ltd., (TAB 81) Himayathnagar Hyderabad, President T. Bal Reddy S/o Papi Reddy, State Bank of Hyderabad colony Saidabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 7 Acres 33 guntas in Survey No. 766 Nadergole village Nadergole gram panchayat, Hayathnagar Taluk, R.R. Dt. Registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 11437/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 5-8-81 Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th August 1981

Ref. No. RAC 136/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. Land Sy. No. 767 situated at Nadergole village, RR Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sri Kolanu Papi Reddy S/o Laxman Reddy,
 - (2) Sri Kolanu Gopal Reddy S/o Laxma Reddy,
 - (3) Kolanu Venkat Reddy S/o Laxma Reddy,
 - (4) Sri Kolanu Sathi Reddy S/o Laxma Reddy,
 - (5) Sri K. Shankar Reddy S/o Peda Laxma Reddy,
 - (6) Sri Samala Siva Reddy S/o Malla Reddy,
 - (7) Sri Samala Chandra Reddy S/o Malla Reddy.
 - (8) Sri Kolanu Yadi Reddy S/o Laxma Reddy, all R/o Nadergole, Hyderabad East Talu Ranga Reddy Dt. For all G.P.A. Sri B. Mallesh S/o Beerappa Gaddiannaram, Hyderabad-500036.

(Transferor)

(2) M/s Lokayatha Co-operative Housing Society Ltd. (TAB No 81) Himayatnagar, Hyderabad By President T. Bal Reddy S/o Papi Reddy State Bank of Hyderabad colony, Saidabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area Acre 8-05 Guntas in Survey No. 767 of Nadergole village, Nadergole Gram panchayat, Hayatnagar Taluk R.R. Dt. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 11436/80.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Hyderabad

Date: 5-8-81

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1981

Ref No AR-I/4524/16/81-82 -- Whereas I, SUDHA-KAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

CS No 796 of Bhuleshwai Division, situated at Old Hanuman I ane, Kalba Devi Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-12-80 Doc No Bom 2465/78

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

- (1) (1) Charandas Megji,
 - (2) Gordhandas Vallabhdas Chaturbhuj,
 - (3) Khatau Gordhandas Dayal,
 - (4) Krishnaraj Jairaj, and
 - (5) Gordhandas Morarji Kapadia

(Transferor)

(2) Ghanshyamdas Purshottamdas Purohit,

(Transferee)

- (3) Name of persons, if any, in occupation of the property Gr floor
 - (1) M/s Baliwala & Homi (P) Ltd
 - (2) Ramkhilavan Dasuram,
 - (3) Mahadev Gopal
 - (4) Purshottam Jiyabhai Mangrovia
 - (5) Labhshankai Gaurishankai & Sitaram Mun nilal,

- (6) Shah Umershi Demji
- Shah Mandan Dhanji
- (8) Shah Govindji Shamji
- (9) The Bharat Flour Mill, Prop. Damodar Motilal
- (10) Lal Bahadui Niranjan Gupta (11) Bharatpiasad Ramkishan Durlabharam

- Under Staircase (12) Dulabhram Bhanji Jani
 - (13) Gangaram Bhagwandas
 - (14) Shah Popatlal Madan
 - (15) Manohar Ishwarlal Chaurla
 - (16) Bhaiyan
 - (17) Laltaprasad Matabhikh Tiwari & Deviprasad Rambux Dube

1st flu

- (18) to (25) Amarchand Tarachand
- (26) to (34) and (49) Adarsh Lodge

Had fir

- (35) to (41) Dattatraya Vishwanath Sulakhe (42) to (48) Adarsh Lodge
- (50) Mohanlal Lachhiram

- Hird fir.
 (51) to (57) Gulraj Babulal & Partners
 - (58) Laxmichand Kimatrai

(67) to (90) Adarsh Lodge

- (59) to (66) Adarsh Lodge IVth and Vth floors

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No Born. 2465/78 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 22-12-1980

> SUDHAKAR VARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay

Date 19-8-1981 Seal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I BOMBAY

Bombay the 12th August 1981

Ref No AR I 4510-2/81 82 —Whereas I SUDHAKAR VARMA,

being the Component Authority under Section 269-B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing

and bearing
No Plot No 110 (east) New Survey Nos 607 610 611 & 612 (5 No 410/6 of Sion Division (Portion of) situated at Sion Matunga Fistate

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8 12 1980 Doc No Bom 3517/62

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely—

(1) Smt Sonubai K Kabbur

(Transferor)

(2) M/ S K Kabbur (P) Ltd

(Transferce)

(3) M/s S K Kabbur (P) Ltd

(Person in occupation of the property)

(4) M/s S K Kabbu (P) Ltd

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No Bom/ 3517/62 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 8 12 1980

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay

Date 12 8 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Shri Partapsinh Shoorji Vallabhdas,

- (2) Shri Dilipsinh Shoorii Vallabhdas, and
- (3) Smt. Jyotsna Vikramsinh.

(Transferor)

(2) The New Dholera Shipping & Trading Co. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-ITI, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1981

Rei. No. AR-III/1936/2/2/81-82.—Whereas J, SUDHA-KAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 64, 16, 17, 74, 81, 82 & 90, H. No. 13, 19, 22, 26(pts), S. No. 103: B, (pt) 29, H. No. 7, S. No. 15 & 19 (pts), S. No. 103B (pt), 96, H. No. S. No. 103: B (pt), 154, 96, H. No. 1 (pt) S. No. 112 (pt) & 103B (pt) situated at Hariyati Village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-12-80 Doc. No. R-5199/72

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. R-5199/72 and registered on 10-12-1980 with the Sub-Registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 12-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1981

Ref. No. AR,11/3098. 12/Dec. 80.—Whereas I, SAN-TOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 16, 15, H. No. 2, S. No. 145, H. No. V. & S. No. 152 sub-divided plot No. 6, situated at Magathane Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1), Jayantilal L. Parikh,
 - (2) Champaben L. Parikh,
 - (3) Darla J. Parikh,
 - (4) Diveyesh J. Parikh & Chetan J. Parikh.
 (Transferor)

(2) Swetdeepmala Co-op. H.S.

(Transferee)

(3) Members of the society.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed S-2502/79 with the Sub-Registrar, Bombay on 20-12-1980.

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 12-8-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY Bombay, the 12th August 1981

Ref. No. AR-1/4526-18/81-82.—Whereas I, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 987 of Dadai Naigaum Division, situated at Sewri Cross Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rombay on 22:12:80 December No. Rom 1775 (80

Bombay on 22-12-80 Document No Bom. 1775/80 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) (1) Madhav Govind Mallaya,
 - (2) Manorama Madhav Mallaya.

(Transferor)

- (2) (1) Mulchand Genmal Shah,
 - (2) Fatehchand Mulchand Shah,
 - (3) Ashok kumar Dalichand Shah.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

(4) Owners & tenants,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom./1775/80 and registered with the Sub-Registrar, Bombay, on 22-12-1980.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 12-8-1981

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalote-560001, the 25th July 1981

Ref. No. 350/81-82.—Whereas I, DR. V. N. LALITH-KUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 125/Sub. Division 1 to 15 situated at Varca, Taluka Salcete, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Margoa (Goa) Document No. 358/80-81 on 26-12-1980 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such/transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1)(1) Shri Damodar Naik,
 - Smt. Leelavathi Damodar Naik Both residing at Comba, Margoa (Goa).

(Transferor)

(2) M/5 West Coast Hotels Limited, Rep. by its Director Sri Vasantharao S. Dempo, Dempo House, Campal, Panaii (Goa).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 358/80.81 Dated 26-12-1980]

Plot of land with an area of 65,000-00 sq.m. detached from the property known as "Cocoanut Grove. First, Second and Third Lancos de Praias, situated at Varca Gram Panchayat, Salcete Taluka & District of Goa under Survey No. 125/1 to 15.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-7-1981

(1) Abdul Majid Sahib, Abdul Jabbar, V. Kalathur,

(Transferor)

(2) Kulzar Begam, Rep. by K. A. Abdul High, North East St., Lebbaikudikadu, Perambalui Tk.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 7th August 1981

Ref No. 9255.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No V Kulathur, situated at Varkandapuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Valikandapuram (Doc. 2580/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

f-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land, Building and machinery at V. Kalathur, Valikanda-puram. (Doc. 2580/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date . 7-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M. Sankaran, Chandrasekarapuram, Woraiyur Salai Road, Trichy-18.

(Transferor)

(2) Manickammal,42A, Railway Colony,Fort Trichy.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-60006, the 7th August 1981

Ref. No 9204.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot 117, North Fast, situated at Extension, Thillainagar, Trichy-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Wolaiyur (Doc. 666/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and at 117, North Fast Extension, Thillainagar, Trichy-18. (Doc. 666/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 7-8-1981

Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600006, the 7th August 1981

Ref. No. 11228.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 17, Bashyakaralu Road, situated at RS Puram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. 6390/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely:—

29—226GI/81

D. Jayaram,
 Bashyakarlu Road, RS puram,
 Coimbatore

(Transferor)

(2) K. Dhanalakshmi, 96, Uppara St., Coimbatore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 17, Bashyakarlu Road, RS puram Coimbatore (Doc. 6390/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date: 7-8-81

Scal:

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX, ACOUISITION RANGE-II. MADRAS

Madras-600006, the 7th August 1981 ...

Ref. No. 9229.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21, Gandhinagar, situated at Kumbakonam

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kumbakonam (Dec. 2419/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) R. J. Murthy, Gandhinagar, 6th Cross Road, Bangalore.

(Transferor)

K. Rajalakshmi,
 Reddi Rao Tank East,
 Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 21, Gandhinagar, Kumbakonam. (Doc. 2419/80).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date: 7-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Canara Trading Co. St, Srinivasaraghavan St., RS Puram, Coimbatore-2.

(Transferor)

(2) M/s. Vimco Rubber Factory, 11, Krishnaswamy Naidu Lay out, Coimbatore-641011.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 7th August 1981

Ref. No. 11226.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. S. No. 175 Part Plot No A68 situated at Coimbatore Private Industrial Estate, Kurichi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 6476/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot A 68, Coimbatore Private Industrial Estate Kurichi, Coimbatore. (Doc. 6476/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 7-8-81 Seal:

FORM NO. LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

dras-60 0006, the 7th August 1981

Ref. No. 11227.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19/93, Big Bazaar St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 6457/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Bavakunju
 Syed Mohammed Navaskan,
 Kuthamangalam,
 Savakkadu Tk,
 Kerala.

(Transferor)

(2) N. Natarajan

N. Ramalingam

N. Krishnamurthy

N. Rajagopal

N. Doraiswamy,

N. Chinnadorai,

N. Siyaraman,

866, Rangai Gowder St.,

Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 19/93, Big Bazaar St., Coimbatore (Doc. 6457/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Rnge-II,
Madras-600006.

Date: 7-8-81

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 7th August 1981

Ref. No. 16076.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. TS 67/2, Azız Nagar Main, situated at Road, Kodam-bakkam, Puliyur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kodambakkam (Doc. 5575/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 N. D. Kunjappa Rep. by R. Venugopala Iyer J-5, Salai Road, Woraiyur, Trichy-3.

(Transferor)

(2) N. Ravindran, 190, North Usman Road, Madras-600017.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

I-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at TS. No. 67/2, Aziz Nagar Main Road Kodam-bakkam, Puliyur.
(Doc. 5575/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authoriy,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.

Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 7-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 7th August 1981

Ref. No. 11224.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding \(\)

No. 52, LIC Colony, Kurichi, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 6342/80) on December 1980

for an apparent consideration which is lessthan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Life Insurance Corporation Employees Co-op Building Society, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Poovalingam Chettiar, 6/185, 6th St., Gandhipuram, Coimbatore-12.

(Transferee)

[PART III—SEC. 1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 52, L.I.C. Colony Kurichi, Coimbatore.

(Doc. 6342/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Madras-600006,

Date: 7-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 10th August 1981

Ref. No. 10/Dec.80.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN Commissioner of Income-Tax, Acquisition Kange, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 66, Spur Tank Road, situated at Madras-31 Banashankari II Stage, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Periamet (Doc. 1475/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

P. B. Padmanabhan,
 66, Spur Tank Road,
 Madras-31.

(Transferor)

(2) Sarojini Shukla,2, Choudry Colony,Madras-34.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at No. 66, Spur Tank Road, Madras-31. (Doc. 1475/80)

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600006.

Date: 10-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 14th August 1981

Ref. No. 37/Dec./80.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

No. 17/112, 17/112A, 17/112B, 17/109, 110, situated at 111, 113, Kodaikanal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at at Kodaikanal (Doc. 439/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 A. G. Rangamani "Rangamandiram", 8-1-375,
 Shivaji Nagar,
 Secunderabad (AP).

(Transferor)

(2) V. S. Sankara Mudaliar, S/o V. N. Singara velu Mudaliar, "Maple Hurst", Fern Hill Road, Kodaikanal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 17/112, 17/112A, 17/112B, 17/109, 110, 111, 113, Kodaikanal. (Doc. 439/80)

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority,
Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600006.

Date: 14-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 14th August 1981

Ref. No. 20/Dec,/80.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 48/1 and 65 situated at Kondappanaickenpatti Salem Tk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Salem (Doc. 7104/80) on December 1980

for an apparent consideration which is/less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair arket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M. A. Palaniappa Chettiar, S/o. Annamalai Chettiar "Vasantham", Suramangalam, Salem.

(Transferor)

 Dr. Maghudeswaran, S/o. Muthuswamy Gr. 16C, Rajaji Road, Salem.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sae meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S.No. 48/1 and 65, Kondappanaickenpatti Salem

(Doc. 7104/80)

(R. RAVICHANDRAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-60006,

Date: 14-8-1981

Seal:

30-226GI/81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-6, the 17th August 1981

Ref. No. 11389.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

No. Raja St., Coimbatore, situated at Telungupalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Coimbatore (Doc 435/81) on 1 ebruary 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:-

J. Subramaniam,
 S/o V. Jayarama Iyer,
 Hudeo Colony Tatabad,
 Combatore-641012.

(Transferor)

PART III—SEC. 1

 P. Ilango and Thulasiammal Pappanaickenpudur Majara Telungupalayam, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULI

Land at Raja St, Telungupalayam, Coimbatore. (Doc. 435/81)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,

Madras-6.

Date: 17-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-6, the 17th August, 1981

Ref. No. 11389.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Raja St., Telungupalayam, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc 436/81) on February 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pet cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concentment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. Ilango and Thulasiammal Pappanaickenpudur Majara Telungupalayam Coimbatore.

(Transferor)

(2) S. Balasubramanian,S/o. Balasaman,292, Subri St.,Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARMATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Raja St., Telungupalayam, Coimbatore. (Doc. 436/81)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date: 17-8-1981

FORM ITN9 -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-6, the 17th August 1981

Ref. No. 11389.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Raja St., Telungu, situated at palayam, Combatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 437/81) on February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the san' Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 P.'Ilango, Thulasiammal, Pappanaickenpudur, Majara Telungupalayam, Coimbatore Tk.

(Transferor)

(2) R. Arumugham, C/o Rangaswamy, Thadagam Road, Coimbatore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Raja St., Telungupalayam, Coimbatore. (Doc. 437/81)

RADHA BALAKRISHNAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-6:

Date: 17-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 17th August 1981

Ref. No. III-505/Acq/81-82/.—Whereas, f, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Thana No. 11 Touzi No. 5173, Khata No. 25 and 11 Kheshra No. 830 and 861 (Part) situated at Khajepura Also known as Bailey Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Patna on 10-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afiresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mrs. Saraswati Devi,
 W/o Mr. Jyotindra Nath, I.R.S. Retd. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Resident of Village-Sonaru,
 P.O. & P.S. Fatwa, Dist. Patna.
 At Present residing at 216 A Srikrishnapuri,
 P.S. Srikrishnapuri,
 Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shti Ram Charitar Singh and Shri Durga Prasad Singh, Both sons of Late Ram Dayal Singh, R/o Ram Kumar Bhattacharya Lane, P.S. Shibpur, Dist. Howrah (West Bengal) At Present residing at Bailey Road, opposite Jagdeo Path, P.S. Shastri Nagar, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of and parcel of land with double storied pucca building including Garage, three servant rooms, hand pump, motor compound wall, court yard with all fittings and fixtures and all other amenities measuring about 9 Kathas 12 dhoors and 4 dhurkies situated at Mouza Khajepura Also known as Bailey Road, Patna (opposite to Jagdeo Path) morefully described in deed No. 8322 dated 10-12-80 registered wt D.S.R. Patna.

H. NARAIN,
Competent Authroity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna,

Date: 17-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 17th August 1981

Ref. No. JII-506/Acq/81-82/-Whereas, I, H. NARAIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 1496/558, Circle No. 249, Ward No. 34, Trust Plot No. 216, Type A, Thana No. 7 situated at 216 A Srikrishnapuri, Dist. Patna

(and more ully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer

at Patna on 16-12-80

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property fair market value of the aforesaid property and I have as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Ratan Lal Bishnoi, S/o Sri Haridutta Bishnoi,
 - (ii) Sri Vijay Bishnoi,
 S/o Sri Ratan Lal Bishnoi,
 All resident of Kadam Kuan Dist. Patna.
 At present residing at New Patliputra Colony,
 opposite Alpana Market, Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Saraswati Nath, W/o Sri J. Nath, I.R.S. Retd. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Resident of Village Sonaru, P.O. & P.S. Fatwah, Dist. Patna. At present residing at 216 A Srikrishnaputi, P.S. Srikrishnapuri, Dist. Patna.

(Transferee)

(3) Self occupied by transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Patna Regional Development Authority.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land with double storied pueca building measuring about 692 sq. yards equal to 6228 sq. ft. situated at Shrikrishnapuri, Dist. Sub and Sadar registration office Patna bearing holding No. 1496/558, Circle No. 249, Ward No. 34, Trust Plot No. 216, Type A, Thana No. 7 and morefully described in deed No. 8444 dated 16-12-80 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna.

Date: 17-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 17th August 1981

Ref. No. III-507/Acq/81-82/—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Touzi No. 227 (Old) 15d54 (New) situated at Dhakanpura Lodipur Maha-I Niranderpore Khirmunia known as Boring Canal Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and for
- (n) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Anjani Kumar, S/o Madan lal Bishnoi, Engineer of C 198 Satvodaya Enclave, New Delhi,
 - (ii) Smt. Rupa RaniW/o Sunil Kumar of C 198 Sarvoday Enclave,New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Universal Hydrocarbons Co. Pvt. Ltd., Regd. office 204 Annapurna, 12 A Lord Sinha Road, Calcutta-700071

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sac meaning as given in that that Chapter

THE SCHEDULE

Undivided one half share of 1 Bigha 1 Katha dwelling hous in mouza Dhakanpura Lodipur Mahal Niranderpore Khirmunia known as Boring Canal Road, Patna morefully described in deed No. I 7027 dated 13-12-80 registered at Reg istrar of Assurances Calcutta.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna.

Date: 17-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 17th August 1981

Ref. No. IJT-508/Acq/81-82/---Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 517, Khesra No. 55 (Part) situated at Dhakanpura, Lodipur Mahal Niranderpore Khirmunia kno wn as Borin Canal Road, Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Indra Kumar, S/o Madan Lal Bishnoi of C-198 Sarvodaya Enclave, New Delhi, and another

(Transferor)

 M/s Universal Hydro Carbons Company Pvt. Ltd., Regd. office 204 Annapurna,

12 A Lord Sinha Road, Calcutta-700071

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one half share of 1 Bigha 1 Katha together with single storied pucca building in mouza Dhakanpura Lodipur Mahal Niranderpore Khirmunia known as Boring Canal Road Patna morefully described in deed No. I-7028 dated 13-12-80 registered at Registrar of Assurance, Patna.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna.

Date: 17-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVPRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR,

Patna 800001, the 18 August 1981

Ref. No. III-509/Acq/81-82—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 17/808 and 5174, Plot No. 1634, 1643, 1570, 1572, Khata No. 2040, 2044, 829, 1015 situated at Digha ghat, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna, on 18-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—226GI/81

Patna Polson Private Ltd.
 company through its director
 Shri Jagdish Jagmohan das Kapadia
 son of Jagmohan das
 Jekisan das
 Kapadi having its registered office at 64/66
 Senapati Bapat Marg
 Bombay-400019.

(Transferor)

(2) Shri Patna Polson Private Ltd.
Digha ghat,
P.O. Digha,
Dist. Patna having its registered office at Punaichak
Patina-800023 through its
Managing Director Janak Prasad Singh
S/o Late Sorai Singh and
Sri Krishna Kumar Yadav,
Director.

(Transferee)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ist—Plot No. 1634 Touzi No. 17/808 Khata No. 2040 measuring 0.81 decimals and Plot No. 1643, Touzi No. 17/808 Khata No. 2044 measuring 2 acres and 85 decimals and building thereon.

Hnd—Plot No. 1570 and 1572 Touzi No. 5174 Khata No. 829 and 1015 respectively and measuring 1 acre 13.5 decimals and 0.48 decimals respectively vacant land situated on Main Road, (Patna Danapur Road) at Digha Ghat, Patna (Bihar)

The property in question is morefully described in deed No. 8494 dated 18-12-80 registered with the D.S.R., Patna.

H. NARAIN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Bihar, Patna

Dated: 18-8-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009, the 6th August, 1981

Ref. No. P. R. No. 1144—Acq. 23-II/81-82— Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 26 paiki situated at Bhalav, Broach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 24-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jayatibhai Chhitabhai Patel Zadeshver

(Transferor)

(2) Shri Ravjibhai Mathurbhai Patel muktanpur, C/o. Muktanand Tiles; Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Bhalav, S. No. 26, duly registered on 24-12-1980.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquistion Range II, Ahmedabad.

Dated: 6-8-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 7th August, 1981

Ref. No. P. R. No. 1145 Acq. 23-II/81-82-Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No Nondh No. 2707, situated Rani Talav, wd. No. 12, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-12- 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- 1. (1) Mahrabai Navrojji Hirji Bahedin daughter of Sunabla Ardesar-12, Nil Ferace, Fatch Ganj, Baroda.
 - (2) Ratamai Kunvarji Mithawala, daughter of Sunabai Ardesar, Worli. Bombay.

(Transferors)

- 2. (2) 1. Abdulkarim Abdulrehman Pila:
 - 2) Abdukrehman Abdulkaraim;
 - (3) Momad Iqbal Abdul Karim; (4) Mohamad Bilal Abdul Karim;

 - (5) Mohamad Zuver Abdul Karim;(6) Mohamad Salman Abdul Karim;
 - (7) Zubedabidbi-wife of Abdulkarim Abdul Rehman; Rani Talav, Kamal Ketan, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Property at Rani - Talav, Wd. No. 12, Nondh No. 2707, Surat duly registered on 1-12-80.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 7-8-1981

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1146 Acq. 23-II/81-82-Whereas, I, G.C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Nondh No. 1393 paiki land situated at Mugalisara, Turkivad, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sheth Pestanji Ukudji Dharmshala & Bal Fund;
- (1) Shri Dawar Temuras Kavasji Modi; The Street, Nanpura, Surat.
- (2) Dr. Sham Sarosh Bhacca, Vanki Bordi, Surat.
- (3) Shoth Arachgha Ardesor Pandol, Shahpur, Surat.
- (4) Sheth Hosang Faramroj Wadia, Athwa Lines,
- Surat.
 (5) Sheth Temuras Ardesar Pandol, Shahpor, Surat.
- (6) Smt. Roshan Kavasji Modi, Nanpura, Surat.
- (7) Shoth Parviz Keky Harudhwala, Vanki Bordi, Surat.

(Transferors)

- 2. (1) Shri Ishverlal Bechardas:

 - (2) Shri Chandrakant Ishvarlal; (3) Shri Narendra Ishverlal; (4) Shri Pravinkumar Ishverlal; (5) Shri Hareshkumar Ishvarlal;
 - Rughnathpura, Varachha Sheri, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Mugalisara, Nandh No. 1393, Wd. No. 12, Surat duly registered on 6-12-1980.

> G.C. GARG. Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 10th August, 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1147 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I G.C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Wd. No. 1, Tika No. 18, S. No. 60, New 81 S. No. 3932 situated at Near Ambicanagar, Karshap Road, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navesari 23-12-80/24-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Manibhai Rambhai Patel;
 Shri Mansukhbhai Manibhai Patel;
 Rekhaben Vinubhai Patel;
 Bipinchandra Maganlal Patel;
 Umarnagar,
 Lunsikui,
 Navsari.

(Transferors)

(2) Shri Krishnakumar Navnitlal Gandhi; President of Virat Apartment Co-op. Housing Society Ltd. H. No. 499/Wd. No. 4, Dadangvad, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 18, S. No. 60, New Tika No. 81, S. No. 3932 duly registered on 23-12-80 and 24-12-80.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, AHMEDABAD

Date: 10th August, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

AHMEDABAD-380 009, the 10th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1148 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I G.C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 2965-A. Dhingli Falia, Surat situated (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 17-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- tb) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ; I is reby Initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hanifabibi Jajumiya;
Samsudin Eazludin;
Husnudin Fazludin;
Nurudin Fazludin,
Mohyadin Fazludin;
Madinabibi Fazludin;
Khatijabibi Fazludin;
Kulsambibi Fazludin;
Badekha Chakla,
Dhangali Falia,
Surat.

Transferors)

- 2. (1) Shri Mohmad Sidiq Ibrahim Chiniwala;
 - (2) Shri Abdulkadar Ibrahim; Chok, Bazar, Sidhiyad, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Dhinali Falia, Nondh No. 3865-A, Surat du registered on 17-12-1980.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10th August. 1981

* OHCE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, ΔΗΜΕDABAD Ahmedabad-380 009, the 10th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1149 Acq. 23-II/81-82—Whereas, 1 G.C. Garg,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 3965-B land Dhingali Falia, Badekha Chakla, Surat situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-12-1970

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been 'truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuation of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Miyamohmad Abderehman;
Shri Miyaahmad Abderehman;
Shri Abdulrahim Abderehman;
Shri Abdulganı Abderehman;
Shri Abdulkarim Abderehman;
Ayasabibi Abderehman Nabubanbhai;
Badekha Chakla,
Dhingali Falia,
Surat.

(Transferees)

 1. Shri Abdulabhai Abdulkadar Chakiwala; Chokbazar, Naz Building, Wd. No. 1, Nondh No. 3896, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 3965-B, Dhingali Falia, Surat duly registered on 16-12-1980.

G.C. GARG,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition-Range II, Ahmedabad

Date: 10th August, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1386 Acq. 23-J/81-82—Whereas, J. G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No S. No. 519 situated at Dudhrej

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Wadhwan City on 11-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nanu Gaga;
 - 2. Shri Rukhad Gaga; Dudharei
 - 3. Legal heirs of Amba Gaga;
 - (i) Ranbhaben Amba;
 - (ii) Labhuben Amba;
 - (iii) Minor Surajben Amba; Guardian Mana Gaga, Dudharej.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mahipatlal Kasturchand Shah;
 - 2. Shri Dinkar Nagindas Shah;
 - 3. Shri Rajesh Nagindas Shah:
 - 4. Shri Mahesh Mahipatlal Shah;
 - 5. Shri Ashok, Mahipatlal Shah;
 - 6. Shri Hemant Ashok Mahipatial Shah; Surendranagar,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land admeasuring 3 Acre 31 1/2 Guntha bearing S. No. 519, on Western side situated at Dudharej and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 3257 dated 11-12-1980.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 5th August 1981

FORM ITNS ____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1388 Acq. 23-I/81-82-Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Lekh No. 5268 & 5269, 4733 & 4734, Plot No. 12 to 14 & Plot No. 16 to 18 situated at Arogyanagar, Vankaner, Dist, Raikot

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Wankaner on 19-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

32-226GI/81

(2) Mahendra Oil Cake Industries Co. Bhak tinagar Station Plot. Rajkot.

(Transferor)

(2) M/s. Mahendra Export Industries; Bhaktinagar Station Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building bearing Lekh No. 5268 & 5267, 4733 & 4734, Plot No. 12 to 14 & 16 to 18, admeasuring 1039-4-6 sq. yd. 1039-4-1- sq. yd. 2079 sq. yd. & 328-6-6 sq. yds. situated at Arogyanagar, Vankaner, duly registered by Registering Authority, Vankaner vide sale-deed No. 1198/19-12-80 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated: 10th August 1981

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONEROF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD Ahmedabad-380009, the 10th August, 1981

Ref. No. P. R. No. 1387 Acq. 23-II/81-82--Whereas, I G.C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 477-A Lati Plot paiki *& 477-B, situated at Kolki Road, Upleta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Upleta on 8-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, transfly:—

 Ramji Khimji & Co. through: One of the partners Shri Jamnadas Manjibhai; of Upleta. Dist. Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Vithaldas Davraj & others; Vithaldas Devraj & Co. Natver Road, Upleta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Plot No. 477-A & 477-B, Lati Plot paiki, admeasuring 1474-1-6 sq. yds. & 1522-4-6 sq. yds. situated a Kolki Road, Upleta duly registered by Registering Officer Upleta vide sale deed No. 1686/8-12-80 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range I, Ahmedahad.

Dated: 10th August 1981

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMFDABAD Ahmedabad-380 009, the 11th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1150, Acq. 23-II/81-82-Whereas, I G.C. Garg

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1939 paiki Plot No. 5 land situated at Mahadevnagar, Surat

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Kirankumar Lallubhai; Village Umrakh Tal, Bardoli
 - (2) Shri Vasantbhai Hirabhai Patel; Village Umrakh Tal, Bardoli,
 - (3) Shri Chandulal Chhaganlal Patel; 85, Sadhana Society, Varachha Road, Surat.

(Transferor)(s)

2. (1) Shri Sadhuram Hariprasad Patel;
(2) Shri Kantilal S.
Vijaykunj Flats Coop.
Housing Socy. Ltd.
2/808, Hira Modi, Sheri,
Sagrampura,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1939—paiki land situated at Mahadevnagar, Surat duly registered on 5-12-80.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Dated: 11th August, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1151 Acq. 23-11/81-82— Whereas, I G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 147, and 148 situated at Moje Jetalpur, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 30-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Kiranbahi Manilal Patel; Baroda.

(Transferor) (s)

(2) Shri Dalsukhbhai Patel;
Ashok Coop.
Housing Society Ltd.
Vibhag-4,
(Bhagya Lakshmi Group),
17, Chandan Building;
Near Sardar Bhavan,
Jubilee baug,
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 2 Acres and 16 gunthas bearing Jetalpur Sur. No. 147/1, 148 situated in Jetalpur area of Baroda City and as fully desecribed as per sale deed No. 6933 registered in the Office of the Sub-Registrar, Baroda on 30-12-80.

G. C. GARG,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range,
Acquisition Range, II, Ahmedabad.

Dated: 11th August. 1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1389 Acq. 23-1/81-82—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 54-2, Memnagar, TP S. No. 1, situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Baldevji Chhaganji Thakor;
 Shri Jivaji Chhagnaji Thakor;
 Shri Rameshbhai Chhaganji Thakor;
 Thakorvas,
 Memnagar,
 Ahmedabad.

(Transferor) (s)

(2) Shri Babubhai Hirabhai Bhatt, Chairman; New Anjali Copp. Housing Society Ltd., Bhagya Laxmi Society, Near Picker Factory, Nawa Wadaj, Ahmedabad.

(Transferce)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Memnagar S. No. 54-2, TP S. No. 1, duly registered in the month of December, 1980.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated: 11th August, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

AHMEDABAD-380 009, the 12th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1153 Acq. 23—II/81-82—Whereas, I, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Baroda Kasba Sur. No. 479-1-A-2 Final Plot No. 331 situated at Gokhale Colony, Nr. Dinesh Mills, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratic a Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 30-12-1980

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Abdul Majid Gulam Hussain Malek; Mayur Apartments Fatehganj, Baroda.

(Transferor) (s)

1. Punendrakumar Natverlal Chauhan;
 2. Devprasad Natverlal Chauhan;
 Both staying at 16,
 Gokhle Colony,
 Near Dinesh Mills,
 Baroda.

(Transteree) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Baroda Kasba Sur. No. 479-1-A-2 Final Plot No. 331 (16-Gokhale Colony), and as fully described as per sale-deed No. 4420 registered in the office of Sub-Registerar, Baroda on 30-12-1980.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedagad

Dated: 12th August 1981

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Patel Devabhai Chelabhai alias Gami Village Gadh, Palanpur Taluka.

(Transferor)

Jayantilal Bhikhabhai Gandhi;
 Dhanera Village, Banaskantha.

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD Ahmedabad-380 009, the 12th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1152 Acq. 23-II/81-82-Whereas, I, G.C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter ruferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 777/2 situated at Western side or S. T. Divisional Office, Palanpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palanpur on December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reeson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fasilizating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Palanpur Kasba sim R. S. No. 777/2 (Part) and as fully described as per sale-deed No. 2759 registered in the office of Sub Registrar, Palanpur in the lst fortnight of December, 1980 (as per certificate in Form 37-H).

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, II, Ahmedabad

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons

ly :---

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

namely :—

Dated: 12th August, 1981

el o la companiario de la calca de la calc

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1390 Acq. 23-I/81-82—Whereas, I G.C. GARG,

being the Competent Authority under Section 26°B of the Encome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land at S. No. 146 situated at Near Income-tax Flat, Menmangar Road, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 18-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pey tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Hiralal Dahyabhai Modi;
 Xavier's High School Road,
 Navrangpura,
 Ahmedabad.
 Rameshchandia Dahyabhai Modi;
 Madan Gopal Haveli,
 Guse-Parekh Polc,
 Ahmedabad.

(Transferor)(s)

 Smt. Bhavani Fozmal Chaudhary; Mahadevanagar,
 No. 7,
 Navrangpura Nr. Stadium,
 Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Memnagar S. No. 146 duly registered on 18-12-1980.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated: 13th August, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th August 1981

Ref. No P R No 1391 Acq 23-I/81-82--Whereas, I G. C GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building known as "Ram Basera situated at Station Road Bhid Naka, Bhuj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhuj on 16-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—226GI/81

- (1) 1 Smt Taramatiben Pranlal Shah;
 - 2 Shri Narendrabkumar Pranlal Shah,
 - 3. Shri Rohitkumar Pranlal Shah;
 - 4 Shri Bikhilkumar Pranlal Shah,
 - 5 Kum Nita Pranlal Shah,

Janata Ghar, Vantavad,

Bhuj

Bhuj (Kutch).

(Transferor)

10715

(2) Vasantkumar Madhavji Karia , Karta of H U F. Shir Prabhat Urfe Vasantkumar Madhavji Karia , "Shail Sadan" , Camp Area ,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building known as 'Ren Baseia' standing on land admeasuring 180000 sq ft situated on Station Road, Bhuj and as fully described in the sale-deed registered vice Regn No. 2193 dated 16-12-1980

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated 12th August. 1981

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHEMDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1392 Acq. 23-I/81-82—Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 407-A-B situated at Near Prabhudas Talav, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 3-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Dhirajlal Amritlal Pandya;
 Plot No. 405,
 Narmakunj,
 Near Prabhudas Talav,
 Bhaynagar.

(Transferor)

(2) Smt. Madhukanta Mangaldas; Vasani; Kanabiwas, Vankadiyani Sheri, Madhav Niwas, Bhaynagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land adm. 1080 sq. yds. bearing Plot No. 407-A-B, of Krishnagar situated near Prabhudas Talav, Bhavnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2387 dated 3-12-80.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated 12th August 1981 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD Ahmedabad-380 009, the 12th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1393 Acq. 23-I/81-82—Whereas, I, G.C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ward No. 7, S. No. 222 & No. 2115 situated at Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 5-[2-1980]

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Manjibhai Ravjibhai Patel;
 Smt. Samuben Manjibhai Patel;
 Shir M. M. Patel;
 6-A, Anant Vadi,
 Bhavangar.

(Transferors)

(2) Shri Nagjibhai Kanjibhai Patel; Nirmal Nagar, Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land adm. 601-92 sq., yds. bearing City Survey Wd. No. 7, S. No. 222 & 2115 situated at Bhavnagar as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 121 dated 5-12-80.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range I, Ahmedabad

Dated: 12th August, 1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD Ahmedabad-380 009, the 12th August 1981

Ref. No. P. R. 1394 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

o F. P. 143 of PPS 22, situated at Paladi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Hemuben Devendrabhai;
 on behalf of M. P. Corporation;
 M. P. Apartment,
 Paladi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Rajgruhi Apartments Owners Association; through Chairman; Shri S. H. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 650 sq. yds. bearing F.P. No. 148 of TPS 22 situated at Paladi Ahmedabad and as described in the sale deed registered vide Regn. Nos. 16028 & 16029 dated 18-12-1980.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1, Ahmedabad

Dated: 12th August, 1981

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST). COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th August, 1981

Ref. No. P. R. 1395 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. City Survey No. 8, 11 (Part), 16-E/7, situated at Jamnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 30-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Shamaldas Vasram Mamtora;
 - 2. Shri Rasikla Shamaldas Mamtora;
 - 3. Shri Maheshkumar Shamald as Mamtora; Nr. Solerium,

(Transferors)

(2) Shri Arihant Appartments Coop. Housing Society Ltd. C/o. Mahavir Medical Stores; Rajendra Road, Jannagar.

Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 4585'. 11" sq. ft. bearing City Survey No. 8, 11 (Part), 16E/7 and as fully described as per sale-deed No. 3148 registered in the Office of the Sub-Registrar, Jamnagar on 30-12-1980.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated: 12th August, 1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th August 1981

Rer. No., P. R. 1396 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, Or C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. Nos. 81, 83, 84, paiki of TP S. 1. situated at Ghatlodia, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narendra Ambalal Rami; Jivkor Niwas, Naverang High School Road, Near Stadium Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Swapna Siddh Coop.. Housing Society Ltd., Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land adm. 64775 sq. mts. bearing S. No. 81 paiki, 83 paiki, 84 paiki and 88 paiki of TPS. 51 of Ghatlodia Dist. Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 16139 dated 29-12-1980.

G. C. GARG

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range 1, Ahmedabad

Dated: 12th August, 1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th August 1981

Ref. No. P. R 1397 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5564 & 5565, of Sheet No. 481 situated at Shahpur, Mangal Parekhno Khancho, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose; of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhanuprasad Chandulal Parikh;

Lalbahadurni Haveli,

Mchta Pole;

Bank Road,

Baroda.

(Transferors)

10721

(2) M/s. Sheth & Sons;

through partners;

- 1. Lilavati Kantilal Sheth;
- 2. Kantilal Punjalal Sheth;
- 3. Dr. Manojkumar Kantilal Sheth;
- 4. Dipak Kantilal Sheth;
- 5. Hansraj Kantilal Sheth;

1174, Salvini Pole,

Raikhad.

Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property standing on land admeasuring 234 sq. yds. bearing S. Nos. 5565 and 5564, M. S. Nos. 3344-4, 3344-5 3344-6 of Sheet No. 48, situated at Shahpur at Shahpur Ward, Lallubbaini Pole, Mangalparekh's Khancho, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered Nos. 15024 and 15047 dated 19-12-80 & 15-12-80 respectively.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 14th August, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 5th August 1981

Ref. No. A. C-21/R-II/Cal /81-82—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 279+279/1147 situated at Mouza+P.S.—Behala 24 parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R. A. Calcutta on 20-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) The United Provinces Sugar Co. Ltd., Calcutta.

 (Transferor)
- (2) Mrs. Anjali Bose.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 2 Bighas beeing parts of plot Nos. 279 and 279/1147 of Mouza+P, S, Behala, R, S, No,-83 District 24 parganas More particularly described in deed No, I, 7229 of R, A, Calcutta of 1980.

K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, 54, Rofl Ahmed Kidwai Road (2nd floor) Acquisition Range-II, Calcutta-700 016.

Dated 5-8-1981 **Seal:**

1, Smt. Sefali Dutta.

(Transferor)

2. Sri Sukhendu Modok & Ors.

(Transferoe)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAGE-II, CALCUTTA Calcutta, the 7th August 1981

Ref. No. AC-24/R-II/Cal/81-82----Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 147 situated at Lake Town, Block -'A' Dist. 24-Parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 1-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sand property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 4 Ks. 6 Chs. 31 sq. ft. at Lake Town, Block-'A' Dist. 24-Parganas vide Dag No. 147. More particularly described in deed No. 6740 of R. A. Calcutta of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated 7 \$-1981 Seal :

34-226GI/81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th August 1981

Ref. No. AC-41/R-IV/Cal/81-82—Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-'ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 52 situated at Gandhi Road, Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta, on 22-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. (1) Sri Durga Prasad Mandelia
 - (2) Sri Tarachand Saboo,
 - (3) Anandilal Goenka (4) Sriniwas Hada
 - (5) Murlidhar Dalmia trustees of Birla Officers Health Resort Trust

(Transferor)

 Manav Utthan Seva Samity 26/96, Shaktinagar, Delhi-110007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2.444 acres situated at 52 Gandhi Road, Darjeeling with building thereon known as SILVER DALE and the out offices, godowns, erections, slopes of the Hill etc. as more fully described in the deed No. 11599 P dt. 22-12-80 of Registrar of Assurances, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rage No.-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor) Calcutta-700016

Date: 7-8-1981

1. Rita Ghosh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Nisith kumar Batobyal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 10th August 1981

Ref. No. AC-25/R-II/Cal/81-82—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Iacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13 situated at Harinath Dey Road, P. S. Narikeldanga Calcutta-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D. R. Alipore on 15-12-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of, the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 1 K, 8ch. at 13, Harinath Dey Road, P. S. Narikeldanga, Calcutta-6,

More particulary described in deed No. 10007 of D. R. Alipore, 24 parganas of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquition Range-II, Calcutta

Date: 10-8-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 10th August 1981

Ref. No. AC-26/R-II/Cal/81-82—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10/14, situated at Nagendra Nath Road, P. S. Dum-Dum, Calcutta-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Cossipur, Dum-Dum. on 6-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in sespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Deba Prasad Kar of 15E, Fern Road,
 P. S. Ballygung. Calcutta-19.

(Transferor)

 Smt. Ila Bose, 10/14, Nagendra Nath Road, P. S. Dum-Dum! Calcutta-28.

(Transferent)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 4k. (Two storyed Building) at 10/14, Nagendra Nath Road, P. S. Dum-Dum, Calcutta-28. More particularly described in deed No. 8888 of S. R. Cossipore, Dum-Dum of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-II, Calcutta

Date: 10-8-181

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 7th August 1981

Ref. No. AC-42/R-IV/Cal/81-82—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 52 situated at Gandhi Road, Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcuta on 22-12-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow-persons, namely:—

- 1. (1) Shri, Durga Prasad Mandella,
 - (2) Shri Tarachand Saboo,
 - (3) Shri Anandilal Goonka
 - (4) Sriniwas Hada
 - (5) Murlidhar Dalmia,
 Trustees of Birla Officers Health Resort Trust

(Transferor)

 Divine Light Mission 2/12, Panjabi Bagh, New Delhi-110 026.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the piece & parcel of land measuring 3.597 acres situated at 52 Gandhi Road, Darjeeling known as 'SILVER DALE' as more fully described in the deed No. 199598 p dated 22-12-1980 of Registrar of Assurances, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmed Kidwal Road (2nd floor), Calcutta

Dato: 7-8-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-700016

Calcutta-700 016, the 10th August 1981

Ref. No. AC-43/Acq. R-JV/Cal/81-82—Whereas I K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land & Building situated at Sahapur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 29-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Padma Das of 93, I. R. Belilions Lane, P.S. + Dist. Howrah.

(Transferor)

M/s Benoy Electrical Engineering Company.
 1/2, Deshpran Sasmal Road,
 P. S. Bantra,
 Dist. Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 7 Cottahs with building situtated at Mouze Sahapur, P. S. Jagacha, Dist. Howrah. Deed No. 4593 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range,-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor) Calcutta-700016

Date: 10-8-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sunil Kumar Mukherjee, of 57, Peskar Lane, P. S. Golabari, Dt. Howrah.

(Transferor)

 Basudeb Chakraborty, of 68, Tarak siddhyanata Lane, P. S. Bally, Dt. Howrah.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, Calcutta-700 016, the 10th August

Rer. No AC-44/Acq. R-IV/Cal/81-82—Whereas K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 29/1 situated at Tarak Siddhyanta Lane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Howrah on 26-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3K 2 ch. 11sft. situated at 29/1, Tarak siddhyanta Lane, P. S. Bally, Dt. Howrah. Deed No. 4573 of 1980

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, No. IV,
54, Raf₁ Ahmed. Kidwai Road (2nd floor) Calcutta-700016

Dato: 10-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISTION RANGE-IV, CALCUTTA-700016

Calcutta-700 016, the 10th Autus 1981

Rer. No. AC-45/ACQ R-IV/Cal/81-82—Whera as I K. SINHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 76/30 situated at Apear Gardon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 9-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evalue of the Matchity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Satyajit Majumder,
- (2) Sri, Surajit Majumder of Apear Garden, Asansol.

(Transferer)

- (1) Sri Arun Kumar Paul
- (2) Sri Chandar K. Paul of Apear Garden, Asansel.

 (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 1K. 6h. with building situate, at 76/39 Apear Garden, G. T. Road Asansol Deed No. 5863 of 1980

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, (2nd Floor)
Calcutta-700016

Dato: 10-8-181

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-IV. CALCUTTA-700016

Calcutta-700 016, the 10th August 1981

Ref. No. AC-46/Acq. R-IV/Cal/81-82—Where as I K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/aud bearing No.

76 situated at Apear Garden, G. T. Rd. Asansol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Asansol on 5-12-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arresand property by the Issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—226GI/81

(1) Satyajit Majumder &

(2) Surajit Majumder of Apear Garden, Asansol

(Transferor)

(1) Ajoy Kumar Paul &

Amar Paul of Apear Garden, Asansol,

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land lk. 6ch. with building situated at 76/30 Apear Garden, Asansol, Deed No. 1513 of 1980

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, (2nd Floor)
Calcutta-700016

Date 10-8-1981 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/144—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One property at Nimak Mandi situated at Gali Kandharia Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 S. Mohan Siugh S/o S. Surmukh Singh & Smt. Manjit Kaur
 w/o S. Mohan Singh,
 r/o Nimak Mandi,
 Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Asha. Ranı w/o Sh. Inderjit, r/o Nimak Mandi, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated in Nimak Mandi, Gali Kandharian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2848/I dated 17-12-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 7-8-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

COMBINED MEDICAL SERVICES EXAMINATION, 1982

New Delhi, the 5th September, 1981

No. F. 14/5/81-E.I(B)—A combined examination for recruitment to the Services & posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission on 21st February 1982 at Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Shillong, Srinagar and Trivandrum.

THE CENTRES AND THE DATE OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT, CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 19(ii)below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examinaton, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 21st January, 1982 will not be entertained under any circumstances.

- 2. The posts/services to which recruitment is to be made and the approximate number of vacancies to be filled are given below:—
 - Assistant Divisional Medical Officer in the Railways —approx. 25 vacancies.*
 - Junior Scale posts in Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service—approx.**
 - (iii) Junior Scale Posts in Central Health Service approx. 300 vacancies (including 45 vacancies reserved for Scheduled Castes and 22 reserved for Scheduled Tribes candidates).
 - (iv) General Duty Medical Officers, Grade II in the Municipal Corporation of Delhi—approx. 100 vacancies.*

The number of vacancies is liable to alteration.

- *Vacancies not yet intimated by Government.
- *Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancles as may be fixed by the Government of India.
- 3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/Posts mentioned in para 2 above. Candidates will be required to indicate preferenc for Services/posts at the appropriate time.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Para 5 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the services/posts for which he applies.

4 ELIGIBILITY CONDITIONS:-

(a) Nationality

A candidate must be either:---

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (lil) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India

Provided that a candidate belonging to categories (ii) iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

(b) Age Limit.—Age below 30 years as on 1st January, 1982.

The age limit is, however, relaxable upto 40 years as on 1-1-1982 for the examination to be held in 1982.

The upper age limit is further relaxable as follows:-

- up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Schedule Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between Ist January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sr. Lanka and has migrated to India on or after Ist November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya,

Uganda and the United Republic of Tanzania formerly Tanganyika and Zanzibar or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;

- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after Ist June
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after Ist June 1963:
- (x) up to a maximum of three years in the case Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area; and released as a consequence thereof:
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PRES-CRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate. These certificates are required to be submitted only after the declaration of the result of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Secondary Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

- NOTE 1:- CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RE-CORDED IN THE MATRICULATION/ SECONDARY EXAMINATION TIFICATE OR AN EQUIVALENT CER-TIFICATE AS ON THE DATE OF SUBMIS-SION OF APPLICATION WILL BE AC-CEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.
- NOTE 2 :-CANDIDATES SHOULD ALSO THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND EN-TERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION. NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUB-SEQUENTLY OR AT ANY OTHER EX-AMINATION OF THE COMMISSION.

(c) Educational Qualification

For admission to the examination, a candidate should have passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination.

Note 1.-A candidate who has appeared/or has yet to appear at the final M.B.B.S. Examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination as soon as possible and in any case not later than 15th July, 1982.

Nore 2.-A candidate who has yet to complete the compulsory rotating internship is educationally eligible for admission to the examination but on selection he will be appointed only after he has completed the compulsory rotating internship.

5 Fee:

A candidate seeking admission to the Examination must pay to the Commission a fee of Rs. 28 00 (Rupees twenty eight) Rs. 7:00 (Rupees Seven) in the case of SC and ST candidates). Payment must be made through crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi or through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Publle Service Commission at the New Delhi General Post Office. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the Office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051-Public Service Commission-Examination Fees" and attach the receipt with the application,

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

NOTE: (i) Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the postal Orders at the space provided for the purpose.

Note (ii) —If any candidate, who took the "Combin Examination (1981) for recruitment to Medical Posts under the Central Government and in the Municipal Corporation of Delhi" wishes to apply for admission to 1982 examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1981 examination, his candidature for the 1982 examination will be cancelled on request, provided his request for cancellation of his candidature and refund of fee is received in the Commission's Office by 21st January, 1982.

6. How to Apply:

A candidate seeking admission to the Examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi-110011, through the application form published in Appendix III below. The candidates may utilise in original the form published in the newspapers or in 'Employment News'', filling up the columns with ball-point pen. They may also use the application form neatly typewritten on white paper (foolscape size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available, from private agencies, as long as the format is exactly the same as published in Appendix III of this advertisement. Candidates should note that applications filled in on the format used for the previous examinations will not be considered. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as

"APPLICATION FOR COMBINED MEDICAL SER-VICES EXAMINATION 1982."

- (a) A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) Crossed Bank Draft/Indian Postal Orders or Indian Mission Receipt for the prescribed fee.
 - (ii) Attendance Sheet (vide Appendix III below) duly filled in on foolscap size paper.
 - (iii) Two identical copies of recent passport size (5cm×7cm approx.) photograph of the candidate one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
 - (iv) One self-addressed post-card.
 - (v) Two self-addressed unstamped envelopes of 11.5 cms, ×27.5 cms, size.
- (b) Candidates should note that only International form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidates should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.
- (c) All candidates, whether already in Government Service, in Government owned industrial undertakings or other similar organisation or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his

application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

NOTE: APPLICATIONS NOT ACCOMPANIED BY THE PRESCRIBED FEE OR INCOMPLETE OR DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUMMARILY REJECTED. NO REPRESENTATION OR CORRESPONDENCE REGARDING SUCH REJECTION SHALL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATES IN SUPPORT OF THEIR CLAIMS REGARDING AGE, EDUCATIONAL QUALIFICATIONS. SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES ETC. SHOULD THEREFORE ENSURE THAT THEY FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION. THEIR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL ALSO THEREFORE BE PURELY PROVISIONAL IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS FOUND THAT THEY DO NOT FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS. THEIR CANDIDATURE WILL BE CANCELLED, CANDIDATES ARE RE-QUESTED TO KEEP READY THE ATTESTED COPIES OF THE FOLLOWING DOCUMENTS FOR SUBMISSION TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION.

- 1. CERTIFICATE OF AGE.
- 2. CERTIFICATE OF EDUCATIONAL OUALIFICATION.
- 3. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM TO BELONG TO SCHEDULED CASTE/SCHEDULED TRIBE, WHERE APPLICABLE IN THE FORM AS PRESCRIBED IN APPENDIX I.
- 4. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM FOR AGE CONCESSION, WHERE APPLICABLE. IMMEDIATELY AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION SUCCESSFUL CANDI-DATES WILL BE SENT A FORM BY THE COMMISSION REQUIRING ADDITIONAL INFORMATION TO BE FURNISHED. THE ATTESTED COPIES OF THE ABOVE MEN-TIONED CERTIFICATES WILL HAVE TO BE SENT TO THE COMMISSION AT THAT TIME, ORIGINALS WILL HAVE TO BE PRODUCED TIME OF INTERVIEW. THE AT IF ANY OF THEIR CLAIMS IS FOUND TO BE INCORRECT, THEY MAY RENDER THEM-SELVES LIABLE TO DISCIPLINARY ACTION

BY THE COMMISSION IN TERMS OF PARA 7 BELOW.

- 7. A candidate who is or has been declared to the Commission to be guilty of—
 - (i) obtaining support for his candidature by any means, or
 - (ii) impersonating, or
 - (iii) procuring impersonation by any person, or
 - (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
 - (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
 - (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
 - (vit) using unfair means during the examination, or
 - (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
 - (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
 - (x) harassing or doing bodily harm to the Staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
 - (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them,
 - (u) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after---

- giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf, and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration

8. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS

The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 2nd November 1981 (16th November 1981 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 2nd November 1981 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Andaman and Nicobar Islands of Lakshadweep and candidates residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Andaman and Nicobar Islands of Lakshadweep of abroad from a date prior to 2nd November 1981

Note. (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam. Meghalaya, Ladakh Division of J & K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time

Note: (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post—The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED.

- 9. Scheme of Examination —The examination will comprise.—
- (A) Written Examination.—The candidates will take the examination in one paper (code No 01) of three hours duration containing objective type questions covering the following four subjects and carrying a maximum of 200 marks. The questions in the paper will be so designed as to give the following weightage to the four subjects—
 - (1) General Medicine including Paediatrics
 - (ii) Surgery including ENT., Opthalmology, Traumatology and Orthopaedics
 - (iii) Preventive Medicine and Community Health including Family Welfare, Maternal and Child Health and other National Programmes

20% 20%

40%

- (iv) Obstetrics and Gynaecology
- (B) Personality Test of candidates who qualify in the written examination.

 200 marks

NOTE: The "Candidates' Information Manual" containing details pertaining to objective type Test including sample questions will be supplied to candidates alongwith the Admission Certificate

10. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an intervew for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the General knowledge and ability of the candidates in the fileds of their academic study and also in the nature of a personality test to assess the candidates intellectual curiosity critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capability for leadership.

11. After the interview, the endidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination and the personality test with 50% weightage respectively and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacanreserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

- 12. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.
- 13. Subject to other provisions contained in this Notice, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various posts at the time of their application.
- 14. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedent is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidate satisfying the appointing authority of his having satisfactorily completed the compulsory rotating internship.
- 15. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined by the medical board set up by the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health).
 - 16. No person
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
 - (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

17. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

18. The Commission have discretion to fix qualifying marks for the examination.

19. CORRESPONDENCE WITH THE COMMISSION

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases:

- (i) Every application including late ones received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application registration No. has been issued to the candidates does not, ipso facto, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- (ii) Every ceandidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result of the application will be communicated. But is a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- (iii) No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the Examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have been accepted by the Commission as true and correct. Candidates may note that the Commission takes up the Centification of eligibility conditions of a candidate, with reference to original documents, only after the candidate has qualified for interview for Personality Test on the results of the written Examination. Unless candidature is formally confirmed by the Commission, it continues to be provisional.

The decision of the Commission as to be eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.

Candidates should note that the name, in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.

(iv) A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity. Although the Commission make every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

IMPORTANT: ALL COMMUNICATIONS TO THE COMMISSION SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:

1. NAME OF THE EXAMINATION.

- 2. APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUM-BER (OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNI-CATED.
- 3. NAME OF CANDIDATE IN FULL AND IN BLOCK LETTERS.
- 4. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLICA-TION

N.B. (I):—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED

N. B. (II):—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEI-VED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

20, NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDI-DATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTER-TAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

21. Brief particulars relating to the Services to which re cruitment is being made through this examination are given in Appendix II.

> VINAY JHA, Joint Secretary

APPENDIX I

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to post under the Government of India.

This is to costify that Shri/Shrimati/Kumarit

son/daughter* of———			⊸of village/
town*in D	District/Di	lvision*–	
of the State/Union Territory*		———-be	longs to the
Caste/Tri			
Scheduled Caste/Scheduled Trib			
the Constitution (Scheduled Caste	es) Orde	r, 1950*	
the Constitution (Scheduled Tribe	s) Order	, 1950*	
the Constitution (Scheduled C	Castes)	(Union	Territories)
Order, 1951*			
the Constitution (Scheduled	Tribes)	Union	Territories
Order, 1951*			

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act. 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Caste Order, 1976*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Havell) Scheduled Tribos Order, 1962*
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order 1970*
the Constitution (Sikkim) Schedule d Castes Order, 1978*
he Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*
2. Shri/Shrimati/Kumari*
Signature
••Designation (with seal of office)
PlaceState/Union Territory*
Date
*Please delete the words which are not applicable.

Note:—The term "Ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

- **Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.
 - (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate /City Magistrate/+ Sub Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
 - (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
 - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
 - (vi) Sub-divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides;
 - (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, 'Lakshadweep'.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given below I. Assistant Divisional Medical Officer in the Railways.

(a) The post is temporary and in Group A. The scale of the post is Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1250-EB-50-1600 (Revised Scale) plus restricted non-practising allowance as per orders in force from time to time. The rates at present are :-

1-5 Stages-Rs. 150/- P.M. 6-10 Stages-Rs. 200/- P.M. 11-15 Stages-Rs. 250/- P.M. 16th stage onwards Rs. 300/- P.M. The candidate will be bound to observe the orders which the Ministry of Railways or any higher authority may issue from time to time, restricting or prohibiting private practice by him. The candidates in Government service will be given initial pay in the above mentioned scale according to rules; others will be given the minimum of the pay scale mentioned above.

- (b) A candidate will be appointed on probation for a gened of two years which may be extended by the Government if considered necessary. On satisfactory completion of the probationary period, he will continue in a temporary compacity.
- (c) The appointment can be terminated by one month's notice on either side during the period of probation and there after while employed in a temporary capacity. The Government reserve the right to give one month's pay in lieu of notice
- (d) A candidate will have to undergo training as prescribed by the Ministry of Rallways and pass all the Departmental Examinations.
- (c) A candidate will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.
- (f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from time to time and applicable to officers of his status.
- (g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.
- (h) A condidate will be required to pass a Hindi test within two years of his appointment.
- (i) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required, be liable to serve in any Pefence Service or post connected with the Defence of India for a criod of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person-

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment:
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 45 years.
- (j) Reckoning Service—The persons who are recruited under these rules to posts to which the conditions prescribed in Rule 2423—A (C.S.R. 404-B) of the Indian Railway Establishment Code are applicable, shall be eligible to the benefit of the provisions contained in that rule.
- (k) A candidate will be governed in respect of the matters specifically referred to above as well as other matters by the provisions of the Indian Rallway Establishment Code and the extent orders as amended/issued from time to time.
- (1) In the first instance a candidate will be posted to the Railway Health Units/Dispensaries at wayside Stations A.D.M.Os. are also liable to transfer to any Railway.
- (m) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to higher grades.
 - (i) Assistant Divisional Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Divisional Medical Officers (Senior

- Scale) of Rs. 1100—1800 plus restricted manpracticing allowance of Rs. 300 p.m., from 1st to 9 stages and Rs. 350 per month from 10th Stage onwards.
- (ii) Divisional Medical Officers/Senior Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Medical Superintendents in the scale of Rs. 1500-2000/- plus non-peacticing allowance of Rs. 500/- per month.
- (iii) Depending upon the number of years of service in grade of Rs. 1500-2000/- as prescribed from time to time Medical Superintendents become eligible for promotion to the posts of Addl. Chief Medical-Officers in the scale of Rs. 2250-2500/- with a nonpracticing allowance of Rs. 500/- p.m.
- (iv) Addl. Chief Medical Officers with 2 years services in the grade rendered after appointment thereto an a regular basis are eligible for promotion to the posts of Chief Medical Officers in the scale of Rs. 2500—2750/- plus non-practicing allowance of Rs. 500/- per month.
- (a) Dutles and Responsibilities—

Assistant Divisional Medical Officers:

- He will attend the indoor wards and out-patient department daily and as required.
- (ii) He will carry out physical examination of candidates and of employees in service in accordance with the regulations in torce.
- (iii) He will look after family planning public health and sanitation to his jurisdiction.
- (iv) He will carry out examination of vendors.
- (v) He will be responsible for discipline and proper discharge of duties of the Hospital Staff.
- (vi) He will carry out duties assigned to his speciality, if any, and will prepare returns and indents connected with his speciality.
- (vii) He will maintain and upkeep all equipments, in his charge
- Note (1): When an ADMO is posted at the Headquarters of a division under the charge of a Divisional Medical Officer, he will assist the Divisional Medical Officer in all his duties, but may be specially assigned with certain duties and responsibilities.
- Note (2): ADMOs will also be required to perform such other duties as may be assigned to them from time to time.
- II. Posts of Assistant Medical Officer in the Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service under the Ministry of Defence.
- (a) The Post is temporary in Group A but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100~50—1300 plus restricted non-practising allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are—

1--5 stages Rs. 150/- per month 6--10 stages Rs. 200/- per month 11 stages onward Rs. 250/- per month

- (b) The candidate will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.
- (c) The candidate can be posted anywhere in India in any one of the Ordnance Factory Hospitals or Dispensaries.
 - (d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.
- (e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and there-after while employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice.
- (f) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades—
 - (i) SENIOR SCALE—SENIOR MEDICAL OFFICER/ ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

Officers who have put in at least 5 years service in the junior scale will become eligible to senior scale—Senior Medical Officer/Assistant Director of Health Service. The scale of pay is Rs. 1100—50—1600 plus NPA—

1—3 stages	Rs. 250/- per month
4-5 stages	Rs. 300/- per month
6—7 stages	Rs. 350/- per month
8—9 stages	Rs. 400/- per month
HO-11 stages	Rs. 450/- per month

(ii) SUPER-TIME GR. II—PRINCIPAL MEDICAL OFFICER/DEPUTY DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

Officers who have put in 5 years of service in the senior scale and possess post-graduate qualifications can be considered for promotion to Super-time Gr. II—Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Service. The scale of pay is Rs. 1500—60—1800—100—2000 plus Rs. 600/- N.P.A.

(iii) SUPER-TIME GR. 1-DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

Principal Medical Officers and Deputy Director of Health Service, on completion of 6 years of service will be eligible for appointment of Super-time Gr. 1—Director of Health Services with the pay scale of Rs. 2250—125/2—2500 per month plus Rs. 600/- NPA.

- (g) Nature of duties—(i) ASSISTANT MEDICAL OFFICERS.
 - (i) They will attend to indoor patients in wards/departments of hospitals and out patients in dispensaries/out patient departments duly and as required.
 - (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulations in force.
 - (iii) They will maintain and upkeep all equipment in their charge.
 - (iv) They will look after the Family Welfare, Public Health and Industrial Health of employees in their jurisdiction.
 - (v) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.

- (vi) They will perform such other duties as are allotted to them by the Medical Officer-in-Charge as por rules.
- (2) GDO GR. I--ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES AND SENIOR MEDICAL OFFICER.
 - (a) ADHS posted at the Hqrs, will assist the DHS/ DDHS in the discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
 - (b) He will assist the DHS/DDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer.
 - (c) He will perform such other duties as may be assigned to him by the DHS/DDHS from time to time.
 - (d) He will assist the DHS in dealing with all questions relating to Medical Stores & equipments.
 - (e) SMO—SMOs will be Incharge of any factory hospital with less than 75 beds and Medical Estt. there.
 - (f) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys. on all medical matters and make recommendation as considered necessary.
 - (g) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
 - (h) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.
- (3) SUPER-TIME GRADE II—DY. DIRECTOR OF HEALTH SERVICES & PRINCIPAL MEDICAL OFFICER.
 - (a) DDHS posted at the Hqrs, will assist the DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.
 - (b) He will act as DHS under orders of DGOF in the latter's absence or leave, tour etc.
 - (c) PMO—PMO will be M.O. Incharge of any Factory hospital with 75 beds or above and the Medical Estts. there.
 - (d) As. M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys. on all medical matters and make recommendation as considered necessary.
 - (e) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
 - (f) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.
- (4) SUPER-TIME GRADE I—DIRECTOR OF HEALTN SERVICES.
 - (a) Medical Adviser to DGOF on all Medical and health matters. Controlling authority of the Medical Establishment in DGOF Organisation on all Professional and Technical matters. He will exercise the administrative powers as delegated to him by the DGOF.
 - (b) He will work out the plans for Implementation of the reports/recommendations accepted by Govt.
 - (c) As the Controlling authority he will distribute the personnel according to the requirement of Factories.
 - (d) He will normally represent the DGOF on the UPSC.
 - (e) He will normally once a year make or caused to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation there on all matters connected with Medical Estis.

- (f) He will initiate ACR's of DDHS and will review the reports of all PMO's, SMOs and AMS's.
- III. Junior Scale posts in the Central Health Service:
- (a) Candidates will be appointed to junior Group 'A' scale and they will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. They will be confirmed in Junior Scale (Rs. 700—1300) in their turn after the satisfactory completion of probation.
- (b) The candidates can be posted anywhere in India in any dispensary or hospital under any organisation participating in the Central Health Service viz. C.G.H.S. operating at Delhi, Bangalore, Bombay, Meerut etc., Coal Mines/Mica Mines Labour Welfare Organisations, Assam Rifles, Arunachal Pradem, Lakshadweep, Andaman and Nicobar Islands, P&T department etc. Private Practice of any kind whatsoever including lab, and consultant Practice is prohibited.
 - (c) The following are the rates of pay admissible:

Junior Group 'A' Scale

Revised Scale: Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.

	N.P,A.
f to 5 stages	Rs. 150 per month
€ to 10 stages	Rs. 200 per month
11th stage onwards	Rs. 250 per month

Officers who have put in at least 5 years service in the Junior Scale will become eligible for promotion to Senior Scale.

Senior Scale Group 'A'

Revised Scale Rs. 1100-- 50--1600.

	N.P.A.
1 to 3 stages	Rs. 250 per month
4 to 5 stages	Rs. 300 per month
6 to 7 stages	Rs. 350 per month
8 to 9 stages	Rs. 400 per month
10 to 11 stages	Rs. 450 per month

Officers having 10 years' service in the Senior Scale will be eligible for appointment to Supertime Grade II in the scale of Rs. 1500—2000 provided the candidate possesses the requisite qualifications, including post-graduate qualification where necessary.

Specialists Grade II

Revised Scale: Rs. 1100-50-1500-EB-50-1800.

	N.P.A.
1 to 3 stages	Rs. 300 per month
4 to 6 stages	Rs. 350 per month
7 to 9 stages	Rs. 400 per month
10 to 12 stages	Rs. 450 per month
13 to 14 stages	Rs. 500 per month

Officers having 8 years' service in Specialist Grade II and possessing the requisite qualification may be considered for promotion to Specialist Grade I against 50% of vacancies to be filled through promotion.

Specialist Grade 1

Revised Scale : Rs. 1800—100—2000—125/2—2250— Rs. 600 per month.

Supertime Grade II

Revised Scale: Rs. 1500-60-1800-100-2000-Rs. 600 per month.

Officers holding posts in Specialist Grade I or Supertime Grade II who have rendered 6 years' service in the either grade on a regular basis may be considered for promotion to Supertime Grade I Level II.

Supertime Grade I Level II

Revised Scale : Rs. 2250—125/2—2500—Rs. 600 per month.

Supertime Grade I level I

Revised Scale: Rs. 2500—125/2—2750—Rs. 600 per month.

Vacancies in Supertime Grade I Level I shall be filled from amongst officers in Supertime Grade I Level II with 2 years' service in the grade, failing which with 8 years' combined service in Supertime Grade I Level II and Specialist Grade I/ Supertime Grade II combined together, and failing both officers in Specialist Grade I and Supertime Grade II with 8 years service in either grade.

- IV. General Duty Medical Officers, Grade II in the Municipal Corporation of Delhi:
- (a) The post is temporary in Category A but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 plus restricted non-practising allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rate at present are:

1-5 stages	Rs. 150/- P.M.
6-10 stages	Rs. 200/- P.M.
11 stages and onwards	Rs. 250/- P.M.

- (b) The candidates will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period, he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.
- (c) The candidate can be posted any where within the jurisdiction of the Municipal Corporation of Delhi in any one of the hospitals/Dispensaries/M&CW and Family Welfare Centres/Primary Health Centres etc. etc.
 - (d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited
- (e) The appointment can be terminated on one months notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Municipal Corporation of Delhi reserves the right to pay one months' pay in heu of notice.

Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades shall be according to the provisions of the Recruitment Regulations.